

# भारत की राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं0 4]

नई बिल्ली, शनिबार जनवरी 22, 1983 (माघ 2, 1904)

No. 41

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 22, 1983 (MAGHA 2, 1904)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाष III- खण्ड 1

## [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 नवम्बर 1982

सं० ए० 32012/1/81-प्रशा०-II—संघ लोक सैवा आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 19 अगस्त, 1982 के अनुक्रम में अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा सघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा सघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्री के० आर० पी० नायर को 19-11-1982 से 18-2-1983 तक की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में विशेष कार्य अधिकारी (भाषा) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किरते हैं।

आई० सी० कम्बोज अनुभाग अधिकारी कृते अध्यक्ष, सघं लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 नवम्बर 1982

सं० ए० 11016/1/81-प्रगा० III—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित अधिकारियों की प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, 1—426GI/82

जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:——

सर्वश्री

1. जय नारायण 3-11-82 से 31-1-83 तक

2. एन० के० ढिंगरा 1-11-82 से 3-1-83 तक

3. जीत राम 31-10-82 से 10-12-82 तक

4. एन० एम० एल० भटनागर 24-10-82 से 30-10-82 तक

तथा 5-11-82 से 30-11-82 तक

5. के० पी० एय्यर 16-10-82 से 25-10-82 तक

2. उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74 सी० ए.स० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार २० 75/-प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

## दिनांक 30 नवम्बर 1982

ाँ० ए० 38013/2/82-प्रशा०-III ——संघ लोक सेवा आयोगे के संवर्ग में के० स० से०के स्थायी सहायक तथा स्थापनापन्न

(1427)

डस्क अधिकारी श्री एम० एस० रावत को राष्ट्रपति द्वारा कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० स० 33/ 12/73 स्था० (क) विनाक 24 नवस्वर, 1973 की शर्तों के अनुसार 30 नवस्बर, 1982 के अपराह्य से निवर्तन आयु प्राप्त हो जाने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुसति दी जाती है।

### विनांक 1 विसम्बर 1982

सं० ए० 19014/7/82-प्रया०-I—राष्ट्रपति द्वारा श्री ए० जे० बज्जाज (आई० आई० एस०) को 18 नवम्बर, 1982 के पूर्वाह्म से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

> य०रा० गोधी अवर सचिव (प्रका०) संख्रा लोक सेवा आयोग

## गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासिक सुधार विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी नई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1983

मंश्यु १-24913/1/8 १-प्रणा०-5 - जिलांका 24 सित्तु क्यार, 1982 की समसंस्थाक अधिसूचना के क्रम में, निद्रेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना अपने प्रसाव से श्री उमा कांत सर्मा को विनांक 1 मवस्थर 1982 से 31 जनवरी, 1983 तक की और अवधि के लिए अथवा नियमित आधार पर पव के भरे जाने तक, जी भी पहले घटित हो, के लिए तवर्थ आधार पर कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय अन्वेस्क क्यूरों के स्था में निस्तुक्त कारते हैं।

सं० ए०-22013/1/82-प्रशा०-5---दिनांक 10 मई, 1982 की समसंख्यक अधिभूचना के कम में निदेशक कैन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री टी० सुदर्शना राव, को दिनांक 1 अगस्त, 1982 से 31 जनवरी, 1983 तक की और अवधि के लिए अथवा नियमित आधार पर पद के भरे जाने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिए तदर्थ आधार पर कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के रूप में नियुक्त फरते हैं।

#### दिवांक 3 अनवरी 1983

सं० ए०-19020/2/76-प्रणा०-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पद्र श्री ए० आर० श्रीधरन, भाष पु० से० (कर्ताकक-1958) पुक्तिस उप-सहाचिरीक्षक, केन्द्रीय अत्ययेषण ब्यूसी, विशेष पुक्तिस स्थापना की सेलाएं दिनांक 24 विसम्बर, 1982 के अपनाह्म से कर्ताटक सरकार को सौंप दी सई हैं।

सं० ए०-19020/2/82नम्णा०-5---राष्ट्रपति अपने प्रसास से भी पी० सी० भीकास्तव, पुलिस अधीशक, केद्रीय अन्नीकण क्यूरो को दिनांक 16 दिसम्बर, 1982 के अपराह्म से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण /विशेष पूलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में निम्नुकृत करते हैं।

स० ए०-19021/17/82-प्रणा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाव से श्री एस० बी० वेकटकृष्णन, भा० पु० से० (द्विभलन्ता । 1974) को दिनांक 20 दिसम्बर, 1982 के पूर्वी हु से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

आर०एस० नागपाल प्रणासनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्श पुलिस बल नई दिल्ली-110003, दिनोक 24/27 दिसम्बर 1982 स्रं० शो० द्रो० 1609/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) जी० चेल्ला कस्त्रु को 27 नवम्बर 1982 के पूर्वीह्न से केवल तीन माह के लिग्ने अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस अल में कांसिट्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त किया है।

सं. और दो. 1767/82-स्थापना--- महानिव शक केन्द्रीय रिक्षर्व पृत्तिस कल ने अक्टर चन्त्र प्रकाश आर्य को 2 विसम्बर, 1982 के पूर्वाह्न से केवल तीन याह के लिए अथवा उस पद पर नियमित निय्वित्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीस तक केन्द्रीय रिकर्ष प्रित्तस बल में किनष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में निय्वत्त किया है।

#### दिनांक 28 दिसम्बर 1982

सं० ओ० दो० 1765/83-स्थापना----महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर प्रफुल्ला कुमार बौराह को 27 अक्तूबर 1982 के पूर्वाद्ध से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद कर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पक्ष हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट किक्तिसा अधिकारी के पद पर तवर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० औ० दो० 1752/82-स्थापना—राष्ट्रपति ने श्री आईं० एम० देवअप्पा, उप-पुलिस अधिक्षक, 31 वाहीनी के० रि० पु० बल का त्याग पत्न दिनांक 05-10-1982 (पूर्वाह्म) से स्वीकार कर लिया है।

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिमांक 28 दिसम्बर 1982

सं० 11/37/80-प्रणाव-1---इस कार्यालय की लारीख 19-6-1982 की सबसंध्यांक अधिकूचना के अनुक्रम में राज्य्रविस निश्मिलिखित अन्वेषकों को उनके नामों के सामने दिशित कार्यालयों में तारीख 28 फरवरी, 1983 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान शर्तों पर पूर्णतः अस्थाई रूप से तद्यं आधार पर पदोन्नति द्वारा सहायक निवेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं —

(तकनाका) क पद पर	सहप । नियुक्त करत ह —
क०सं० ग्रधिकारीकानाम	जिस कार्यालय मे कार्यारत है
1 2	3
सर्वश्री	
1 एम० तेज किशोर सिह	जनगणना कार्य निदेशक का
× 6 ×	कार्यालय, मेघालय, शिलांग।
2. कै० एस० लिगदोह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मेघालय, शिलांग।
3. श्री एस० एस० बाहरी	भारत के महापंजीकार का
4. एम० एस० नरकार	कार्यालय, नई दिल्ली। जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बगाल,
5 शमगेरसिह	कलकत्ता । जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, राजस्थान, जयपुर ।
6. के० के० ग्रकीलकर	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, महाराष्ट्र बम्बई।
7. एम० एल० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पजाब, चण्डीगढ़।
8. एम० जी० मोहरिल	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मध्य प्रदेश, भोपाल ।
9. के० भार० नरायण	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालयः, कनटिकः, बंगस्कौर ।
10. एम० एस० रामधन्द्रन	जनगणना कार्य निदेसक का कार्यालय, कर्नाटक, बंगलीरा
11. जी० एन० गोवडा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, कर्नाटक, बंगलौर ।
12. एच॰ एस॰ मीणा	जनगनना कार्य निदेशक का कार्यालय, विहार, पटना।
13. एस॰ एस॰ निकेत	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालक, क्षिहोर, पटना ।
14. एव सीं॰ रेड्डी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्याजय, म्रान्ध्र प्रदेश, हैदराबाट।
15. निर्मल भट्टाचार्य	जननणना कार्य निवेसक का कार्यालय, ग्रसम, गोहाटी।
16. एम० पी० झाला	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, गुजरात, श्रहमदा- बाद।
17. जे॰/सी॰ दस्ता	भौषा प्रभाग, कलकत्ता।

1 2	3
18. डी० के० चौधरी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, त्रिपुरा, भ्रगरतला।
19. घार० एम० सिह	
20. लखन सिंह	जनगणना कार्य निदे <b>सक का</b> कार्यालय, उत्तर प्रदेश,
21. जी० एस० गिल	लेखनऊ। जनगणना कार्ये निदेशक का कार्यालय, पंजाब, घण्डीगढ़।
22. एम० एल० णर्मा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यांलय, दिल्ली, दिल्ली।
23. सी० एल० शर्मा	जनगणना कार्य निर्देशक का कार्यालय, हिमाचल प्रदेश, शिमला।
24. एस० पी० देसाई	जनगणना कार्य निर्देशक का कार्यालय, गोवा, टमन श्रीर दीव, पणजी ।
25 ग्रार० नरायणन्	जनगणना कौर्यं निर्देशक का कॉर्यालय, तमिलंनाडु, मद्रोसे ।
26. जे० एन० सूरी	जनगणना कार्य निर्देशक का कार्यालय, हरियाणा, चण्डीगढ़।
<del> </del>	

2 उपरोक्त पद पर सबर्ष नियुष्तिया सम्बन्धित आधि-कारियों को सहायक नियंशक जनगणना कार्य (तककीकी) के पद पर नियमित नियुष्ति के लिए कोई हक अंदान नहीं करेंगी। तक्ष्य तौर पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड ने वरिष्ठता और आणे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिमी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तक्ष्य नियुक्तिया को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताएं रह किया जा सकता है।

> पी० पद्मनाभ भारत के महायंजीकार

वित्त मंत्रालये ग्राधिक कार्य विभाग बैक नोट मुद्रणालयः देवास, दिनांक 2 जनवरी 1983

सं० बी०एन०पी०/सी०/5/82—-इसं विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनाक 3-10-82 के अनुऋम में श्री आर० के० घोषाल की तकनीकी अधिकारी (मुक्रण एवं मुद्रपट्ट निर्माण) के पद पर तदर्ण आधार पर की गई नियुक्ति की अवधि वर्तमान शर्तों पर दिनांक 1-1-83 से तीन माह के लिये या पद के निर्यामित रूप से भरे जाने सभ, औ भी पहले हो, और बन्दाई जाती है।

मुठ*यै* ० चार महाप्र<del>यन्त्रक</del>

# महालेखाकार का कार्यालय, उत्तर प्रदेश

#### इलाहाबाद, दिनांक 12 नवम्बर 1982

- सं० प्रशासन-1/11-144/प्रधिसूचना/5739----महालेखा-कार---प्रथम प्र० प्र० ने निम्निलिखित कार्यवाह लेखा प्रधि-कारियों को र० 840-40-1000-द० रो०-1200 के वेतनमान में 1 सितम्बर 1982 से लेखाप्रधिकारी के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।
  - 1. श्री शिव पूजन नायक।
  - 2. श्री जी० एस० भटनागर।
  - 3. श्रीजे० सी० भाटिया।
  - 4. श्री कें श्रार मल्ला।
  - 5. श्री जे० पी० श्राप्रवाल।
  - 6. श्री मुरज सिंह
  - 7. श्री बी० बी० लाल।
  - 8. श्री बी० एस० चौहान।
  - 9. श्री कैलाम नारायण।
  - 10. श्री जी० ग्रार० ग्ररोरा।
  - 11. श्री जे० एन० खन्ना।
  - 12. श्री श्रीराम-2।
  - 13. श्री ह्या नन्द जोशी।
  - 14. श्री राम सेवक श्रीवास्तव।

## विनांक 17 दिसम्बर 1982

सं० प्रशासन I/11-144/प्रिधिसूचना/64344—महा-लेखाकार—प्रथम उत्तर प्रदेश इलाहाबाद ने निम्नलिखित मनुभाग श्रिधकारियों को उनके नामों के आगे श्रिकत तिथियों से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापक लेखा मधिकारी पद पर नियुक्त किया है।

1.	श्री राम गुलाम चर्तुवेदी	o		9-8-82
2.	श्री राम राज सिह		•	7-8-82
3.	श्री विधाधर गुक्ला		•	7-8-82
4.	श्री केवल राम मेन्दिरसा			17-8-82
5.	श्री म्रानन्द नारायण शगलू			7-8-82
6.	श्री उमा शंकर भट्ट			2-9-82
7.	श्री दुलाल चन्द्र चौधरी			7-8-82
8.	श्री बेनी मांधे भग्नवाल	ı	•	22-9-82
9.	श्री श्रीराम दुवे			7-8-82
10.	श्री गंगोन्नी प्रसाद पान्डे		•	3-9-82
11.	श्री हरि किगोर चर्तुवेदी			8-9-82
12.	श्री नित्या रंजन बनर्जी		•	25-8-82
13.	श्री शफी उद्दीन सिध्दिकी		•	4-9-82
14.	श्री ग्रमर नाथ गंगुली		•	30-8-82
15.	श्री गोपीकृष्ण टंडन .		•	6-9-82

## इसाहाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर 1982

सं० प्रणा $o\ I/II -144/$  प्रधिसूचना /6500-श्री सूरज सिंह , स्थायी लेखा प्रधिकारी, कार्यालय महालेखाकार-3, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद, सेवा निवृत्ति की भ्रायु प्राप्त कर लेने

पर दिनांक 30 नवस्वर, 1982 (प्रपराह्म) से सेवा निवृ हों। गये हैं।

> एस० जे० एस० **माहलूवालिया)** वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

## रक्षामंत्रालय

## भ्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 1 जनवरी 1983

सं० 1/83/ए० ६०-1—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर श्री दिनेश चन्द्र दत्ता, मौलिक एवं स्थायी सहायक/स्थानापन्न सहायक स्टाफ श्रफसर दिनांक 31-12-1982 (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 2/83/ए०/ई०-1—श्री सी० ए० शंकरनारायणन्, मौलिक एवं स्थायी स्टेनोग्राफर ग्रेड  $\Pi/$ स्थापनापन्न श्राइवेट सेकेटरी (स्टेनोग्राफर ग्रेड ए०) ने दिनांक 31-12-1982(भ्रपराह्म) से सेवा से स्वच्छापूर्वक ग्रवकाश ग्रहण किया।

> की० भार० भ्रय्यर डी० डी० जी०/कार्मिक

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर, 1982 श्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/416/56-प्रशासन (राजपन्नित)—सेवा निवृति की श्रायु होने पय, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय बम्बई में श्री रोवंट बारा, उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात -निर्यात को 31 श्रक्त्वर 1982 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत होने की श्रन्मति दी गई है।

#### दिनांक 30 दिसम्बर 1982

सं० 6/1116/76-प्रणासन ''राज"/7862—सेवा निवृत्ति की प्रायु होने पर, श्री ग्रार० मी० पुरी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 4 के ग्रिधिकारी भौर इस कार्यालय में स्थानापन्न नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात को 30 नवम्बर, 1982 के दोपहर बाद से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की ग्रनुमित दी गई है।

सं० 6/1208/77/प्रशासन ''राज'' /7873—सेवा निवृत्ति की प्रायु होने परे, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, प्रायात-निर्यात, कलकत्ता के कार्यालय में नियंत्रक, प्रायात तथा निर्यात, श्री एस० पी० मल्लिक को 30 नवम्बर, 1982 के प्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की प्रनुमति दी गई है।

> वी० के० मेहता उप मुख्य नियंक्षक, ग्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंक्षक, श्रायात-निर्यात

## वस्र ग्रायुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, विनांक 30

1982

सं० मी० ई० ग्रार०/2/82/11—सूती वस्न (नियंद्रण) भावेश, 1948 के खण्ड 20 में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, एतद्द्वारा वस्र भायुक्त की श्रधिसूचना सं० सी० ई० म्रारः | 2|77 दिनांक 15-4-77 में निम्नलिखित और संशोधन करता हूं भ्रमात्:---

उक्त श्रिष्टिसूचना में, पैराग्राफ ग्यारह के नीचे दी हुई शैड्यूल दो का ग्रुप भाठ प्रस्थापित कर के संबंधित स्तम्भों के श्रंतर्गत निम्नप्रकार पढ़ा जाएगा।

मूल काउंट	र काउंट धनुमतियोग्य काउंट की श्रेणी							न्यूनतम निम	णि
श्रेणी	वार्ष	वेफ्ट	वार्प	वेफ्ट	लांग क्लाथ रीख़ पिक्स	मर्टिंग रीड पिक्स	घोती/साड़ी रीड़ पिक्स		
भाठ .	36	41	3438	4043	64×60	76×56	60×56		

यह प्रधिसूचना त्रंत कार्यवाही में प्राएगी!

सुरेश कुमार प्रतिरिक्त वस्त्र भायुक्त

(सी० सी०/टेक/एन० टी० सी०/सामान्य/82)

उद्योग मंत्रालय

घौद्योगिक विकास विभाग

विकास म्रायुक्त (लघु उद्योग)का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर, 1982

सं० ए० 19018/593/82-प्रशा० (राज०)—-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान के लघु उद्योग संवर्द्धन प्रधिकारी (प्राई० एम० टी०) श्री जी० एम० ग्रम्भोर को 4-12-82 (पुर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेशो तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोग्रा में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (ग्राई० एम० टी०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशासन)

## विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

सं० ई०-11(7)—-इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई० 11(7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन प्रीमीश्वर एल० डी० 1, प्रीमीश्वर एल० डी० 2, डायनेक्स 1, डायनेक्स 2 तथा डायनेक्स सी प्रविष्टि के पश्चात् शब्द "विनिर्दिष्ट स्थलोंपर अभिप्रयोग विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेनु 31-12-1982" पर्यन्त हटाया जाय। चरणजीत लाल

मुख्य विस्फोटक नियंक्षक

पूर्ति मंद्रालय

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन धनुभाग ए-1)

नई दिल्ली, दिनांक 31 विसम्बर, 1982

सं० ए-1/1(534)--श्री एस० पी० एस० भाटिया स्थाली कनिष्ठ क्षेत्र ग्रिकिकारी श्रीर भारतीय पूर्ति सेवा (ग्रेड-2) के प्रधिकारी तथा स्थापनापन्न उप निदेशक (पुर्ति ) द्वारा दिए गए उनके दिनांक 30-9-82 के नोटिस के प्राधार पर राष्ट्रपति द्वारा अनुमति दिए जाने पर उन्हें दिनांक 31-12-1982 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त किया जाता है।

्एस० बालासुकामणियन उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, विनांक 22 विसम्बर 1982

सं० 9159बी /ए०-19012(2-डी एन० एल०)/19 बी०
—-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद श्री
डी० एन० लहकर ने उसी विभाग में सहायक भूभौतिकीविद के पद का कार्यभार 6-7-81 (पूर्वाह्म) से त्थांग न्यन्न पर छोड़
दिया है।

एस० के० मुखर्जी महानिदेशक

## भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 30 दिसम्बर 1982

सं० स्था० I-5895/594-मैनेजर्स—श्री रमेण जन्द्र कपूर, सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'बी'' (राजपितत), भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक (मानजित पुन त्पादन) के अस्थाई पद पर स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810-द० रो,-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 द० के संगोधित वेतनमान में दिनांक 25 नवम्बर, 1982 पूर्वाह्म से नियुक्त किए जाते हैं। उनका वेतन -निर्धारण नियमानुसार किया जाना है।

सं० स्था०+1-5895/594-मैनेखर्स- श्री बलवन्त सिह्न, सामान्य केन्द्रीय सेया ग्रुप "बी" (राजपित्रत) भारतीय सर्वेक्षण विभाग में, सहायक प्रबन्धक (मानचित्र पुनरूत्पादन) के अस्थाई पद पर स्थानापन्न रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० संशोधित वेतनमान मे दिनांक 29 अक्तूबर, 1982 पूर्वाह्म से नियुक्त किए जाते हैं। उनका वेतन-निर्धारण नियमानुसार किया जाना है।

सं० स्था-1-5897/724-एस० ओ० एस०--श्री ललता प्रसाद श्रीवास्तव को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी, सामान्य केन्द्रीय ग्रुप ''बी'' (राजपन्नित) के अस्थाई पद पर 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 27 सितम्बर, 1982 पूर्वाह्म से स्थानाथन्न रूप में नियुक्त किया जाता हैं।

जी०सी० श्रग्नवाल मेजर-जरनल, भारत के महासर्वेक्षक

#### आकाशवाणी महानिव शासय

नहीं दिल्ली, दिनांक 30 दिसम्बर 1982

सं. 4(20)/82-एस ।—-महानिदोधक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री मृणाल कुमार चौधरी, उद्घोषक, आकाशवाणी, गौहाटी को 18 नवम्बर, 1982 से अगले आदोश तक, 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रुपये के वित्तमान में आकाशवाणी, डिब्रूगढ़ में अस्थाई रूप में, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिवेशक कृते महानिवेशक

#### नई दिल्ली, दिमांक 1 जनवरी 1983

सं० 1/1/82-एस०-2---महागिदेशक, आकाशकाणी, एतव्दारा श्री एच० आर० ढींगरा, लेखाकार, दूरदर्शन केन्द्र, जालम्धर में दिनांक 15-12-1982 (पूर्वाह्न) से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

(एस० वी० सेषाद्रि) उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

## स्वास्थ्य सेवा महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 दिसम्बर 1982

सं॰ ए॰-19018/3/82-के॰ स॰ स्वा॰ यो॰-I—-स्वास्थ्य भेवा महानिवेशक ने आ॰ राजन सचदेवा को 8 दिसम्बर, 1982 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, में होम्योपैश्यक फिजीक्सबन के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किसा है।

> (टी० एस० राव) उपनिवेशक प्रशासन (सी० जी० एच० एस०)

## नई दिल्ली, विनांक 1 जनवरी 1983

सं० ए० 12025/7/81-(जे० आई० पी०) प्रशासन-1 (मेडि० एफ० एण्ड एस०)—राष्ट्रपति ने श्री पी० मुनिस्थामी को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पांडिचेरी में 6 अक्तूबर, 1982 (पुर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक जूनियर क्लीनिक्ल केमीस्ट के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त कर दिया है।

(रमेश चन्द्र) कृते उप निदेशक प्रशासन (स्टोर्स)

## नई दिल्ली, दिनांक 3 जनवरी 1983

सं० ए० 12025/18/80-ए० न० आई० सी० डी०/ प्रमासन-ग्रंपी० एच० (सी० डी० एच० एल०) (भाग-2)— राष्ट्रपति ने श्री ए० के० मुखोपाध्याय को 30 सितम्बर, 1982 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग काला आजार एकक, पटना में उपसहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

(एन० बी० लाल) उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

श्रामीण विकास मंत्रालय विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाकाक, दिनांक 23 विसम्ब र 1982

मं० ए० 19024/1/82-प्र०-III — क्षेत्रीय एगमार्क प्रयोचकाला, कोचीन में श्री जी० सी० सिह, वरिष्ठ रसम्बन्ध की मुख्य रसायनज के पद पर पूर्णतया तदक्षे आधार पर हुई निष्कृषित को पुनः दिनांक 31-8-82 (फूर्काह्म) से 3-1-12-8-2 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जनता है, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है।

मं० ए० 19025/9/82-प्र०-III — संध लोक सेवा आंयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जैंड ० डी० वामखेड़े को इस निर्देशालय के अधीन नागपुर में दिनांक 30-10-82 (पूर्वाह्म) से अगले आदेण होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

विनांक 27 दिसम्बर, 1982

सं० ए० 19025/20/79-प्र०-III — दिल्ली प्रणासन के अधीन विपणन-अधिकारी के पद पर चयन होने के उपरान्त श्री के० बी० एस० पुन्धीर, सहायक विपणन अधिकारी को इस

निदेशालय	के	अधीन	नई	दिर्ल्स	ी में	दिनांक	25-11-82
(अपराह्म)	मे	कार्यमु	क्त	किया	गया	है।	

## दिनांक 31 दिसम्बर, 1982

सं० ए० 19023/13/81-प्र०-III — श्री एम० कुरल नाथन, विपणन अधिकारी को केन्द्रीय भंडागार निगम, हौजखास, कई दिस्त्ती में वरिष्ठ अर्थशास्त्री के पद को ग्रहण करने के लिए इस निदेशालय के अधीन अबोहर में दिनांक 3-8-1982 (अपराह्म) से एक वर्ष की अविधि के लिए आभासीय विदेश सेबा करों पर कार्यमुक्त किया गया है।

(जी० आर० भाटिया) संयुक्त कृषि विपणन सलाहकार

## भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

## बम्बई-400085, दिनांक 20 विसम्बर 1982

सं० पी० ए०/81(12)/82-आर०-4---निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० पद पर उनके नाम के सामने कालम नं० 4 में अंकित लिथि से अग्रिम आदेशों तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्वानायक रूप से नियुक्त करते हैं।:---

क्रमांक	नाम	बर्तमान पद	नियुक्ति तिथि
1	2	3	4
1. 1.	श्रीमती गीता वरधरा	जन एस०ए०(सी०	1-8-82 (पूर्वाह्म)
	र् <b>० के० गोपालकृष्ण</b> न		बही
	के० की० पुष्पांमदन	-एस० ए० (सी)	वही
	प्री० <b>रह</b> ा० रामचंद्रन	एस० ए० (सी)	वही
	बाई० बी० भागेवा	एस० ए० (सी)	वही
	के० नारायणकुट्टी	एस० ए० (सी)	वही
7. श्री	<b>कै० एम० नीलकोट</b> न	एस० ए० (सी)	-वही-
9. श्रीष	माम० के० उम्मन	एस॰ ए॰ (सी)	वही
	गै० घार० सांगुर्हेकर	एस॰ ए॰ (सी)	वही
	एम०पी० चावरकर	एस०ए० (सी)	वही
	जी०के०भिरूद	एस०ए० (सी)	वही
	पी <i>०</i> सस्त्रिधर	एस०ए० (सी)	बही
	बी० रामलि <del>गाचा</del> री	एस०ए० (सी)	बहो
14. श्री	एस० बी० सभांत	फोर <b>मैं</b> न	-वही
	एल० बी० कुलकर्णी	ए <b>स</b> ०ए० (सी)	वही
	एस० एस० थांट्रो	एस०ए० (सी)	वही
	के० वी० ग्रस्यर	एस०ए०(सी)	वही
	क्षी ए० घार० पारिख	एस०ए०(सी)	वही
19. भी	पती क्यू० एच० घानी के० शांताराम .	, ,	वही वही

1	2	3	4
	•	एस० ए० (सी)	(पूर्वाह्न)
	णियन		1-8-82
	ी एन० गोपीनाथ	एस० ए० (सी)	<del>वही</del>
23. 최	ी पी० डी० मिथपारा	एस० ए० (सी)	
			वही
24. 5	गिमती पी० के० कलसि	एस०ए० (सी)	–वही–
25. %	<b>ी भ्रो</b> ० एल० डिसोझा	एस०ए० (सी)	वही≁-
26.	<b>गी एम० रविद्रन नायर</b>	एस०ए० (सी)	2- <b>8-8</b> 2
			(पूर्वाह्म)
27. 8	गी पी० एस० वर्मा	एस० ए० (सी)	1-8-82
			(पूर्वाह्न)
	गी एस० जी० बालसुद्र- णियन	एस०ए० (सी)	–वही <i>–</i> -
	<b>पी वी० पी० शर्मा</b>	एस०ए० (सी)	वही
	<b>भी छ</b> ।र० वी० राजे	एस० ए० (सी)	वही
	शीपी० के० कुलकर्णी	एस० ए० (सी)	17-8-82
	•	, ,	(पूर्वाह्म)
32.	भी एन <b>० गोविंदराजन</b>	एख०ए० (सी)	1-8-82
	·	, , , ,	(पूर्वाह्म)
33. 8	श्री एम० के० गोर	एस० ए० (सी)	<del>~वही</del> ~
	थीके० रामचंद्रन	एस०ए० (सी <sup>°</sup> )	<i>-</i> वही
	श्री ए० के० दास	एस॰ ए० (सी)	व <b>ही</b>
	श्री सी० वी० एस० राव	एस० ए० (सी)	वही
	श्री एस० सी० गुप्ता	एस० ए० (सी)	–वही⊷
	श्री के० वी० पुरुषोतम	एस० ए० (सी)	-वही
	भी टी० सिवासुग्रमणियन		–वही⊶
40.	श्रीमती इंदिरा चऋवर्ती	एस०ए० (सी)	– <del>वही</del> −
41.	श्री एस० एम० ब्रहुजा	एस०ए० (सी)	–वहीं–
42	श्री सी० एच० बोडस	फ <u>ोरमैन</u>	— <del>व</del> ही—
43.	श्रीडी० ए० नम्यले	एस० ए० (सी)	-व <b>ही-</b> -
44.	श्री पी० जी० मं <b>श्यू</b>	एस० ए० (सी)	13-9-82
	·		(पूर्वाह्र)
45.	श्रीएस० जे० डोग्गी	डा० मेन (सी)	1-8-82
		•	(पूर्वाह्न)
46.	श्रीटी० जी० ऊन्नी	एस० ए० (सी	-व <b>ही</b>
	श्री एस० के० कलापेसी	एस० ए० (सी)	-वही <i>-</i> -
<del></del>		<del></del>	<del></del>

**वी० सौ० पाल,** उपस्थापना स्रधिकारी

## परमाणु ऊर्जा विभाग

मद्रास परमागु विच्त परियोजना

कलपाक्कम्-603102, दिनांक 23 विसम्बर 1982

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1409)/82 मर्ती---उप-निदेशक लेखा (पोस्टल) कर्नाटका सर्कल बंगलीर के कार्यालय से प्रतिनियुक्ति होने पर, श्री के० एन० नरसिम्हन्, एक स्थाई कानिष्ठ लेखा प्रधिकारी, कार्यालय, उपनिदेशक लेखा (पोस्टल) कर्नाटका सर्केल बगलौर ने मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना मे सहायक लेखा प्रधिकारी का श्रस्थाई रूप से दिनांक 10 विसम्बर 1982 अपराह्म की पदभार ग्रहण किया।

#### दिनांक 28 दिसम्बर 1982

मं० एम० ए० पी० पी०/3(1410)/82-भर्ती—उपनिदेशक लेखा (पोस्टल) भोपाल, के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति होने पर, श्री एल० डी० नटराजन् , एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक एघम् स्थानापन्न कनिष्ठ लेखा श्रिधकारी कार्यालय, उपनिदेशक (पोस्टल) भोपाल ने मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना में सहायक लेखा श्रिधकारी का श्रस्थाई रूप से दिनांक 21 विसम्बर 1982 श्रपराह्म को पदभार ग्रहण किया।

टी० रामानुजम्, प्रशासनिक ग्रधिकारी कृते परियोजना निदेशक

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय महानिदेशक नई दिल्ली, विनांक 18 दिसम्बर 1982

सं० ए० 32013/3/82-ई०-1—राष्ट्रपति ने श्री सी० एस० भटनागर, मुख्य प्ररूपकार (राजपितत) को दिनांक 15-12-1982 (श्रपराह्म) से भ्रत्य भ्रादेश होने तक ६० 700-1300 के वेतनमान में परियोजना श्रिष्ठकारी (विमान मार्ग भीर विमान क्षेत्र) के पद पर स्थानापन्न भ्राधार पर नियुक्त किया है।

(श्रोम प्रकाश जैन) सहायक निदेशक प्रशासन

## नई विल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं० ए० 32014/3/81-ई० एस०----महानिदेशक नागर जिमानन ने सर्व श्री एच० जी० दास, एस० झार० वर्मा, झाधीक्षक और डी० देव, ए० ई० एम०, की प्रत्येक के नाम के सामने दी गई अवधि के लिए प्रशासनिक अधिकारी (समूइ "बा" पद) के पद पर तदर्थ आधार पर निम्नलिखित कार्यालयों में नियुक्त किया है।

<b>फ्र</b> ० सं०	श्रधिकारी का नाम	कार्यालय का नाम	भविष
1	2	3	4
	्च० जी० दास, तिक भ्रधिकारी	क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय कलकत्ता	19-11-82. से
		क्षस्न, कलकत्ता	18-5-83
<ol> <li>श्री एस० घार० वर्मा त्रशासनिक प्रधिकारी</li> </ol>		क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय दिल्ली	5-11-82 से
		क्षेत्र, सफ्दरजंग एयर पोर्ट, नई विल्ली ।	<b>4-</b> 5-83

1	2		3		4
				_	<del></del>
3. श्रीकी० देव		क्षेत्र्र≀य	निदेशक	का	5-11-82
प्रशासनिक श्रधिकारी		का का	यिलिय रि	दल्ली	से
		क्षेत्र स	<b>कदर</b> जंग	एयर-	4 5-8 3
		पोर्ट, न	ई दिल्ली		

#### दिनांक 1 जनवरी 1983

सं० ए० 12025/1/81-६० एस०—संघ लोक सेवा आयोग को सिफारिशो पर महानिदेशक नागर विमानन ने निम्न-लिखित दो अधिकारियो को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और भन्य भावेश होने तक भण्डार भधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास/बम्बई के कार्यालय में नियुक्त किया है —

1 श्री टाटा लक्ष्मी नारायण राव	20-7-82	(पूर्वाह्म) से	<u>-</u>
		प्रभाषी ।	
2. श्री के०एस० म्रोवर	11-8-82	(पूर्वाह्न) से प्रभावी	r

जगवीश चन्द्र ग र्ग, सहायक निवेशक प्रशासन

#### विदेश संचार सेवा

## बम्बई, दिनांक 23 दिसम्बर 1982

सं 1/523/82-स्था— विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा मद्रास कि पर्यवेक्षक श्री के पी तेस्वराज को स्थानीय व्यवस्था के रूप में तदर्थ आधार पर अल्पकालिक रिक्त स्थानों पर 16-10-82 से 30-10-82 तक और 3-11-82 से 2-12-82 तक की अवधियों के लिए उसी शास्त्रा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रवंधक नियुक्त करते हैं। पा कि गोविन्द नायर

निदेशक (प्रशा०), कृते महानिदेशक

## केन्द्रीय उत्पादन शृस्क

## बड़ौदा, दिनांक 23 दिसम्बर, 1982

सं० 15/1982---श्री जे० पी० नयनानी, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग ''ख'' मुख्यालय (लेखा-परीक्षा) शाखा, बढ़ौदा बृधायस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-11-82 के अपराह्म से निवृत्त हो गये हैं।

सं० 14/1982—श्री जे० बी० बारोट, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-5 अहमवाबाद वृधावस्था में पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर विनांक 30-11-1982 के अपराह्म से निवृक्त हो गये हैं।

सं० 13/82---श्री एम० एन० शेख, सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन शुस्क मण्डल-Ш सुरत (वर्ग "क") वृद्धा-वस्था मे पेन्शन की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 30-11-1982 के अपराह्न से निवृत्त हो गये हैं।

मं० 16/1982—म्बी आर० मी० शाह अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (वर्ग "ख") मण्डल-6 अहमदाबाद को दिनांक 30-11-1982 से स्वैच्छिक आधार पर सेवा निवृत्त होने की अनुमति दी जाती है, क्योंकि उन्होने 20 वर्ष से अधिक की अहैक सेवा पूरी कर ली है।

जे० एम० वर्मा समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन गुल्क, बड़ौदा

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेणालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1982

स० 21/82—श्री बी० के० शर्मा ने, जो हाल में पुनरीक्षण तथा अपील एकक, राजस्व विभाग में, विरष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर तैनात थे। राजस्व विभाग के दिनांक 22-9-1982 के आदेश सं० 170/82 (फा० सं० ए०-22012/64/82-प्रशा० 2) के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क तथा स्वर्ण नियंत्रण के अपीलीय अधिकरण दिल्ली स्थित न्यायपीठ में स्थानांतरण होने पर निरीक्षण एवं छेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली में दिनांक 18-10-82 (पूर्वाह्म) से कानिष्ठ विभागीय प्रतिनिधि ग्रुप 'क' का कार्य भार संभाल लिया।

एस० बी० सरकार निरीक्षण निदेशक

नौवहन और परिवहन मंद्रालय नौबहन महानिदेशालय बम्बई-400038, दिनांक 3 जनवरी 1983

सं० 11-टी० आर० (4)/82—राष्ट्रपति, श्री बिमल कृष्ण मरकार को मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में तदर्थ आधार पर 1 सितम्बर, 1982 से आगामी आदेशों तक इंजीनियर अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

पी० घोष नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 3 जनवरी 1983

सं० ए०-19012/991/82-स्था० पांच---अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री के० सी० उपाध्याय, पर्यवेक्षक को ६० 650-2--426GI/82 30-740-35-810- द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 15-4-82 की पूर्वाह्म से एक वर्ष की अवधि अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० भट्टाचार्य अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशालय के० लो० नि० विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1982

सं० 1/342/69-ई० सी०-9--इस विभाग के वास्तुविद् श्री एच० आर० सूधर वार्ध्यक्य की आयु प्राप्त करने पर 31-12-82 (अपराह्म) को सरकारी सेवा से निवृत हो गये।

ए० के० नारंग प्रशासन उपनिदेशक

पूर्ति मन्त्रालय राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता-27, दिनांक 30 दिसम्बर 1982

सं० जी०-65/एस० डी०—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता, राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता एवं बम्बई के निम्निलिखित विज्ञान सहायकों (योन्तिक) एवं (रसायन) को, विज्ञान अधिकारियों (यान्तिक) एवं (रसायन), के पद पर क्रमशः निम्निलिखित परीक्षण गृहों के शाखा कार्यालयों में, उनके नामों के आगे उल्लिखित तिथियों से, किसी अन्य आदेश के न निकलने तक, विधिवत् नियुक्त करते हैं।

क्रम	नाम	पदनाम	विज्ञान अधिक केरूप में पद तिथिको	ारी कार्यालय ोस्नत में
1	2	3	4	5
<del></del> स	र्वश्री			
1. ?	रयामा पद कर	विज्ञान सहायक	2-11-82	राष्ट्रीय परी-
		(यान्त्रिक)		क्षण गृह,
		कलकत्ता ।		गाजियाबाद
2. (	र् <mark>०ए० कोसगी</mark>	' विज्ञान सहायक		राष्ट्रीय परी-
		(रसायन) बम्ध	ाई	क्षण गृह,
				बम्बई

ए० बैनर्जी

उपनिदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता

## आयकर आयुक्त का कार्यालय,

कोच्चिन-682016, तारीख: 16 दिसम्बर, 1982

#### ग्रादेश

विषय: संस्थापना आयकर अधिकारी श्रेणी 'बी' के पदोन्नति

सं० 2/एस्ट/कोण/82-83—श्री के० के० मत्ताई, आयकर निरीक्षक, आयकर आयुक्त का कार्यालय, कोचिन (एस० ए० पी० विड०) को रु० 650-1200 के वेतन मान में आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए, आयकर आयुक्त, तिरुवनंतपुरम के निदेशानुसार कार्यभार संभालने की तारीख से एततहारा नियुक्त किया

जाता है। श्री मत्ताई को आयकर आयुक्त तिरुवनन्तपुरम के अधीन तैनान किया जाता है।

- 2. वह दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर होगा।
- 3. उपर्युक्त पद की नियुक्ति बिलकुल सामयिक है। यह पदोक्षिति किसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। यह पदोक्षित, पदोक्षत अधिकारी को पदोक्षत ग्रेड में अपनी वरीयता या उस पद में जारी रखने का कोई अधिकार प्रदान करता नहीं।

्रंजी० आर० पटवर्धन आयकर आमुक्त, कोचिन प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

फा॰ सं॰ 133/134/143 एवं 144/प्रप्रैल 82— यत:, मुझे, एस॰ लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 751, 752, 751/3, 751/1, 752/3, 751/4, 752/4 पुलबुर फम्म, तीस्तेलवेली है, जो डिस्ट्रिक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, पनगकुंडी डाकुमेट 684/82 एवं 685/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन अप्रेल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क), अन्तरण, से हुइ किन्दी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उक्कस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती गीता (मस्तरक)

(2) मै० नमपीकै फाउन्छेशन (ग्रन्तरिती)

का नह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

उक्त संपर्तित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शम्बो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विचा गया ही।

#### अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण 751, 752, 751/3, 751/1, 752/3, 751/4, 752/4, रादापुरम पुवलुर ऋम्म तीरूनेल-वेली, डाक्सेंट सं० 684/82 एवं 685/82

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

अद्यक्ष अर्था, उन्हें निमिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्हें अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्मिनिसित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल

तारीख: 13-12-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आर्द्धः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

फा॰ सं॰ 136/137/138/139/म्रप्रेल/82—यत:, मुझे, एस॰ लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 752/1, 753/1, 753/3, 758/2, 749/2, 752/3, 814/3 बी, है, तथा जो रादापुरम पुलवुर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पनगकाडु डाकुमेंट सं० 679/82 एवं 680/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रप्रैल, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यहिबदनास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे खरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

क्रतः अस, उत्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्रीमती लकश्मी (भ्रन्तरक)
- (2) मैं ॰ नमपीकै फाउन्डेशन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि थ्रौर निर्माण 752/1, 753/1, 753/3, 758/2, 749/2, 752/3 814/3बी, रादापुरम, पुलवुर डाक्मेंट सं० 679/82 एवं 680/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 13-12-1982

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-- 1 मद्रास

मद्राम, दिनाँक 13 दिसम्बर 1982

फा० स० 135, 140, 141, 142/म्राप्रैल/82— यत:, मुझे, एस० लहरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु स अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 749/3, 744/1, 745/2सी, 750/755/1, 735/1ए रादापुरम तालुक, है, जो पुलबुर में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पनगकुटी डाक्सेट स० 681/82, 682/82, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख श्रील, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त्रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरणुसे हुई किसी आय की बाबत, उक्स प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सृदिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को मुधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- (1) श्रीमती कमलम्म (भ्रन्तरक)
- (2) मैं० नमपीकै फाउण्हेशन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिष्ठ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमसूची

भूमि भौर निर्माण 749/3, 744/1, 745/2सी, 750, 755/1, 735/A रादापुरम, तालुक, पुलगुर (डाकूमेंट स॰ 681/82, 682/82, 683/82)

एस० लहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 13-12-1982

## प्रस्प बाह्र . टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>श्रायुक्त</mark> (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० ए० एस० श्रार०/82-83/406--यतः मुझे, श्रानंद सिंह श्राई० श्रार० एस०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो रानी का बाग श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैंल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान, प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया, गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; बीर्/गा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मुर्थात् :--

- 1. श्रीमती परेमिलारानी पत्नी जगदीश बाना गली बाग वाली टुंडा तालांब ध्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री अशोक कुमार धावन पुत्र लाला प्यारा लाल 25 माडल टाउन अमृतसर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4. श्रौर कोई (यह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी, जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्थाना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्णः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

## अनुसूची

एक भूमि का प्लाट लगभग 191 व० ग० राणी का बाग, अमृतसर में है जैसा कि सेल डीड सं० 932/12-4-82 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

> आनंद सिंह (आई० श्रार० एस) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण), श्रर्जन रेंज–3, चंदरनपुरी, श्रमृतसर

तारी**ख:** 14-12-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 14 विसम्बर 1982

निदेश सं० ए० एस० भ्रार०/82-83/407---यतः मुझे, भ्रानंद सिंह, म्राई० म्रार० एस०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो स्कीम नं० 61 मकमून रोड़, ध्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबदा ध्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय ध्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख ध्रप्रैल 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रमा गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री करूर राम चंदर गोपाल उर्फ के० ध्रार० गोपाल पुत्र करूर श्रीतिवास राम चन्दर तर्फ के० एम० रोमचंदरा वासी मकबूल रोड़ स्कीम न० 61 श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रदीप कपूर पुत्र णित्र प्रकाण कपूर भौर णित्र प्रकाण कपूर पुत्र सुखदयाल कपूर बासी कटड़ा चड़त सिंह भ्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किरायेदार हो। (बह व्यक्ति जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. श्रौर कोई। (वह व्यक्ति जिनके बारे मे अधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

एक जायदाद 250.90 व० ग० जो स्कीम सं• 61 मकबूल रोड़ अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 1851/23-4-1982 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी अमृतसर में दर्ज है।

श्चानंद सिंह, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 चन्द्रपुरी श्रमृतसर

तारीख: 14-12-1982

मोहर:

ग्रजन रज-1

कलकत्ता

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अधीत् :---- 3---426GI/82

तारीख: 14-12-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - -- -

लायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० TR—68/82-83/SC.684/IAC/Acqu-R-I

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 4 है तथा जो फरडाईम लेन कलि० में स्थित है। (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में ग्रीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, कलि० में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-4-1982

को पृवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भाषत उक्त अधि-नियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:—

- . 1. श्री बहेदेनद्र किकर पान्न (मन्तरक)
  - 2. श्री भगवान चन्द्र विसवास (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

4 का-2 छा-236 स्कव० फि॰ जमीन पर दो तल्ला मकान नं० 4 फरडाईंस लेन, कलकसा।

डीड नं० 3686 तारीख 30-4-1982 सब रिजस्ट्रार, कलकत्ता।

> मु० **श्रहमद** स**क्षम प्राधिकारी** ,स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन <sup>ने</sup>ज—--1 कलकत्ता

तारीख}: 14-12-1982

मोहर 🖫

प्रस्य आहे. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० TR-69/82-83/SL. 683/IAC. Acqn-R-I/ Cal,—यत:, मुझे, एम० श्रहमेद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 10/4-v है तथा जो नटवर दत्त रो०, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपावज्ञ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सव-रजिस्ट्रार, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-4-1982

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तिवृक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :——
3—426GI/82

- 1. श्री सजित कुमार दत्त (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नील कान्त भक्त (Bhakta) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त सम्पर्ित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूचींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिस में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ क्वी होता को उसु क्थाय में दिया स्माही।

## अनुसूची

5 का-6 छा जमीन पर दोतल्ला मकान नं 0/4ए, नटबर दत्त रो 0/4ए, कलकत्ता।

डीड नं० 3626 तारीख 28-4-82 सब-रजिस्ट्रार, कलकत्ता।

> एम० घ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता

तारीख: 14-12-1982

## प्रकृप बाई • टी • एव • एस •---

## भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकशा कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 1196/एक्यु. R-III 82-83—यतः, मुझे, एम० ग्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 55 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन, तारीख 20-4-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जि़सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कमी करने दा उससे बजने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिवित व्यक्तियों, नुषांत्:——  श्री नरिस सहाय मदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा० लि० (ग्रन्तरक)

2. श्री राजेकस वाजोरिया (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धो अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कन स्थानितयों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उस्त श्रीधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विमा गया है।

## बनसर्थी

दुकान सं० 28, ग्राउण्ड फ्लोर 55, इजरास्ट्रीट कलकत्ता।

> एम० ग्रहमव, सक्षम प्राधिकारी सद्दायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रयजेन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 14-12-1982 मोहर ा त्रक्षप आई+ टी+ एन+ एस+----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 1195/एकपू R-HI/82-83—यत., मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 55 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 20-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देवरेय से उक्त अन्तरण में वास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिएय में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री नरिस सहाय मदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा० लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विमल बोस (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वध्दोकरणः --- इसमें प्रयुक्त कार्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनसूची

दुकान सं० 8, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III; कलकत्ता

तारीख: 14-12-1982

मोहारु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 1194/एक्वी रेंज-]][/82-83--यतः, मुझे एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त, अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है<sup>1</sup>

श्रीर जिसकी सं० 55 है, तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप् से विधित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आथ की बाबत्, उक्त् अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा केलिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री नरींस सहाय मवन गोपाल इंजीनियसँ प्रा० (श्रन्तरक)
- 2. ईगल सेल्स कारपीरेशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान स० 7, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-111 कलकत्ता

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देण सं० 1193/एक्बी० रेज-III/82-83 यतः, मुझे, एम० श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 55 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ∴— 1. श्री नर्रास सहाय मदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा० लि० (भ्रन्तरक)

2. श्री प्रदीप वाजोरिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, सम्मृति के क्जन के टिलए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वार अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया ही।

#### सम्म

दुकान सं० 2, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकला।

एम० ब्रह्मद सक्षम श्रधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (**निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-111, कलकत्ता

तारीख: 14-12-1982

प्रस्प भाइ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधि िनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982 निर्देश सं० 1192 एक्वी० रेज-III/82-83--यतः, मुझे, एम० श्रहमद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 55 है, तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिवकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 20-4-1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एक रश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बायकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के साथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एँसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

1. श्री नरिस सहाय गोपाल मदन इंजीनियसं प्रा० लि० (अन्तरक)

2. श्री सनजिब चाउयाला

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिंद कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्तु संपर्तित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सृब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **मनुसूची**

दुकान स॰ 2, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

एम० ब्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज—III, कलकक्ता

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सुभीन निम्नुनिचित्र व्यक्तित्यों, सुमृत् ६---

तारीख: 14-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-][[, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश र्म० 1191/एकवी० रेंज-III/82-83---यतः मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 55 है, तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-4~1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

- 1. श्री नरिंस सहाय मदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा० लि० (धन्तरक)
- 2. श्री मर्ता कृष्ना देवी साधानी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अतिध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

दुकान स॰ 15, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–III, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अधित् :—

तारीख: 14-12-1982

## प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269•म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 1190/एक्दी रेंज-III/82-83—-यत:, मुझे, एम० ग्रहमद,

मायकर समिनियम; 1961 (1961 का 43) (असे इसमें इसके परनात् 'छक्त अधिनियम' कहा स्था है); की बारा 26% ख के प्रधीन सम्भान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छनित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 55 है, तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में से विणित हैं, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए घरतरित की वई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्वह प्रतिकत प्रविक है बीर घरतरक (सन्धरकों) और सन्तरितों (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे घरतरक के लिए वस पामा पथा प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है म्ल्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर समितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त समितियम, या धन-कर मिश्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया यम या या किया जाना चाहिए जा, छिनाव में सुविधा के बिए;

गता अब, उन्त श्रधिनियम की बारा 269ना के अनुवरण में, में, उन्त श्रिवनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के बाधीन, निक्विखित व्यक्तियों सर्वात् ⊶-

- 1. श्री नरिंस सहाय मदन गोपाल इंजीनियसं प्रा० खि० (ग्रन्तरक)
- 2. मै० धरन डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा० लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीनत सम्पति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 विन की अवधि या तत्सक वन्धी क्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, को भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबश किसी सम्प व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास जिबित में किए जा सकोंगे।

क्ष्यदीकरण स्न-व्हसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क परिचाचित है, वही पर्य होगा, जो उसअध्याय में दिया गया है।

#### वरभक्ती

फ्लैट 5वां फ्लोर, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-ं∏, कलकत्ता

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्वेश म० ए० 1189/Acq. R-III/82-83---- यतः , मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 55 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

1. श्री नरिस सहाय गदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा० लि० (ग्रन्तरक)

2. श्री मोहन लाल कोठारी (ग्रन्नरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधे होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

## नुमुख्नी

फ्लैट सं० 11, 4था फ्लोर, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

तारीख: 14-12-1982

## प्रकप शाई.टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयु<del>क्त</del> (िन्दीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० 1188/Acq R-III/82-83---यतः मुझे, एम० म्रहमद.

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- र 0 से अधिक है और जिसकी संख्या औसा कि अनुसूची और जिसकी संज्या कैंसा कि अनुसूची और जिसकी संज्या हैं। कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीक 1-4-1982

का पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री नर्रास सहाय मदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा० लि० (भ्रन्तरक)
- 2. श्री पुश्पक कामडार

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्थावसर्यों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वतीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसुची

🔛 फ्लैट (शाप) सं० 3, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकसा।

एम० ग्रहमप सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

**तारीख**ः 14–12–1982

प्ररूप आहा.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 विसम्बर 1982

निर्वेश सं० 1187/Acq. R-III/82-83--यतः, मुझे, एम० श्रहमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

जिसकी सं० 55 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 1-4-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकस जाना जाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री नर्रांस सहाय मदन गोपाल इंजीनियर्स प्रा० लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रकोक कुमार ग्रगरवाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावंट सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वमस्वी

वस्क-4, 5वां पस्रोर, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एत.----

भायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 1186/Acq. R-III/82-83—यतः, मुझे, एम० प्रहमद,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 55 है तथा जो इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए नंतीरत की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-भत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रति-फल, निम्नलिदित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिचित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत् वीवीपयुत्र के बधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य के कभी करने या उत्तते वधने के तुविधा के तिष्टु बार्य/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था सा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुत्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री नर्रांस सहाय मदन गोपाल इजीनियर्स प्रा० लि० (म्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पुष्पा रानी ग्राचार्य (ग्रन्तरिती)

की बहु स्वना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा ववा है।

## नगुत्रुची

दुकान सं०-3ए, 55, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता।

एम० ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज–III

कलकत्ता

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आक्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन सृ<del>ष्</del>ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, कलकत्ना

कलकत्ता, दिनाक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० 1185/Acq. R-III/82-83---यत:, मुझे, एम० अहमद,

क्षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० 312 है तथा जो रिवन्द्र सरनी, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 3-4-1982

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमा। प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यावस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) एसी किसी जान या किसी धन या अन्य जास्तिन्ं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्टित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 श्री निमाई चन्द दत्त (प्रान्तरक)
- 2. श्री कालिपद मण्डल श्रौर दूसरे (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के जर्जन संबंध में कोई भी जाभेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वम्सूची

312, रविन्द्र सरनी, कलक**रा**। 2के–3 **छा–4 स्कबा०** फुट जमीन प**र म**कान।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रजन रेज—III कलकत्ता

नारीख: 14-12-1982

मोहर .

त्रसम् बार्डः टी. एम. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकसा

कलकसा, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से बाधिक ही

भीर जिसकी सं० 312 है तथा जो रिवन्द्र सरनी, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबक भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 3-4-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है .--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उसते बचने में सुनिधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी अब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को जभीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री व्रज सुन्दर दत्त और दूसरा (भ्रन्तरक)
- 2. श्री कालिपद मण्डल ग्रीर दूसरे (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उचत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाधन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पकों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विया गमा है।

## वन्सूची

312, रविग्ब्र सरनी, कलकत्ता। 2के-3र्छा-4 स्थ्या० फुट जमीन पर मकान।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण)** श्रर्जन रेंज—III कलकत्ता

नारीख: 14-12-1982

मोहरः

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षीण) अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश स॰ 1183/Acq. R-III/82-83---यत , मुझे, एम॰ अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी स० 513-की है तथा जो जोधपुर पार्क, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशल अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- 'क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधित —

- ा श्री सनकर गुहा (अन्तरक)
- 2 डा० शामा पद व्रिपाठी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अनुसूची

513-बी, जोधपुर पार्क, कलकत्ता। 3के--- 7 छा:---जमीन पर मकान।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहाय्क आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज–1111

> > कलकत्ता

तारीख 14-12-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1489---यतः मुझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 107, है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क,रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने मा स्विधा के लिए; आरि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्भरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थंत् :---  श्री देव प्रकाश अग्रवाल पुत्र श्री सरदार मल अग्रवील डी०-192, जगदीण मार्ग, बनी पार्क, अथपुर। (अन्तरक)

2. श्री महेण चन्द्र पुत्र श्री नन्द किशोर जी बापावती का मन्दिर, जौहरी बाजार, जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया ह<sup>5</sup>।

## अनुसूची

दुकान नं० 107 उपपंजीयक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 912 दिनांक 13-4-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणिन है।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन <sup>ट्रें</sup>ज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्ररूप बाह्र.टी.एन.एस,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982 आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1473—यतः मुक्को, मोहन सिंह,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्कर अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1317 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उस अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री मदन गोपाल जी और लल्लू लाल पुत्र श्री प्रह्लाद दास टेकरिया गोपाल जी का रास्ता जयपुर। (अन्तरक)
- 2. श्री रामदास पुत्र श्री रेक्ती लाल और श्री सत्य-नारायण पुत्र श्री रामदास। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के सिष्ट् कार्यसाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्क स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्तियों द्वारा अश्लोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्रनुस्घी

दुकान नं० 1317 घोकडी विश्वेष्वर जी गोपाल जी का रास्ता जयपुर उप पंजीयक जयपुर क्रम संख्या 922 दिनांक 13-4-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विषरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 25 नवम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1455—यतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मोती डैंगरी है तथा जो अलवर में स्थित है, (और इससे उपाबक अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-1982

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यहिवरवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अस , उस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--

- 1. श्रीमती चान्द कुंवर पत्नी श्री सवाई तेज सिंहजी अलवर, 18, औरंगजेब रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. मैसर्स इन्डो यूरो कैमिकल सर्विस लिमिटेड, 77 मित्तल चैम्बर्स, नरीमन प्वाइंट एवं मैसर्स मोदी एलकालिज एण्ड कैमिकल्स लिमिटेड ,460, एम० आई० रोड़, अलघर। (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से वें 45 विन की बर्गीं या तत्सीम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अग्स्ची

सम्पत्ति जो मोतीडूंगरी (पलेहिल) के नाम से विख्यात है और उप पंजीयक अलवर द्वारा कम संख्या 532 दिनांक 21-4-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और, विस्तृत रूप से विधरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 25-11-1982

## प्ररूप • भाई • डी • एन • एत •----

मायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर जयपुर, दिनाक 17 दिसम्बर 1982

आदेण स० राज०/सहा० आ० अर्जन/1474---यत: मुझे, मोहन मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्य श्री गगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमात प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर शन्तरिक (अन्तरकों) श्रोर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा को लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, जियाने मैं सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भार 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1 श्री रामिसह पुत्र श्री ज्वाला सिंह, निवासी **चॅरु**-1 ए, छोटी श्री गगानगर। (अन्तरक)
- श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह निवासी, चॅक-1ए-छोटी श्री गगानगर। (अन्तरिती)

शो यह सूचना अरो करके पूर्वाना संव्यति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उपन सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

5 (पाच बीधा कृषि भूमि चक 1-ए छोटी श्री गगा-नगर मे के द्वारा एस० आर० श्री गगानगर न० 678दिनाक 23-4-1982 पर पजीबद्ध विक्रय पत मे और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह न तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अर्थान सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेज, जयपुर जयपुर, दिनाक 17 दिसम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1484—यतः मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्याती को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/--रु. से अधिक है

और जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो रायसिंह नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायसिंह नगर में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्रथमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उच्छ जिभिनियम के अभीन कर दोने के अस्टरक के दायिस्त्र में कीमी करने या उसमें वचने में सुविधा क लिए बॉर/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी भन्या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957. का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने कें सुविधा के लिए;

- 1. श्री करनेल सिंह पुत्र श्री पंजाब सिंह, 14 एम० एल०, रायसिंह नगर। (अन्तरक)
- 2. श्री गुरुवन्त सिंह पुत्र श्री लाल सिंह तामकोट, पदमपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अश्वाहत्साक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पच्चीकरण:-इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 23 और 24 चाक-14 एम० एल०, तह रायसिंह नगर उप पजीयक रायसिंह नगर कम संख्या 498 दिनांक 29-4-82 पर पजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयक*र* आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिक्लें, अर्थात् धं—

तारीखाः 17-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1481—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रायसिंह नगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रार्वासह नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1982

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

- 1. श्री करनेल सिंह पुत्र श्री पंजाब सिंह, 14 एम० एल०, रायसिंह नगर। (अन्तरक)
- 2. श्री लालसिंह पुत्र श्री करतार सिंह, तामकोट, पदम-पुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जा जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# **जन्**स्वी

कृषि भूमि खसरा नं० 23 और 24, उपपंजीयक राय-सिंह नगर द्वारा कममख्या 495 दिनांक 29-4-82 पर चौक-14 एम० एल०, तह० पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

अक्तः अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनूसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

नारीख: 17-12-1982

मोहरः

# प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# काषकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सङ्घायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1482--यतः मुझे, मोहन सिंह,

सहस्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रायसिंह नगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायसिंह नगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री करनेल सिंह पुत्र श्री पंजाब सिंह, 14 एम० एल०, रायसिंह नगर। (अन्तरक)
- 2. श्री निरंजन सिंह पुत्र श्री लाल सिंह, तामकोट, पदमपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थाध्नीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 23 और 24 बॉक-14 एम० एन०, तह० रार्यामह नगर उप पजीयक रार्यामह नगर कममख्या 496 दिनांक 29-4-82 पर पंजीबद्ध विकथपत्र में और विस्तृत रूप में विवर्णांन है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1483—यत: मुझे, मोहन सिंह,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रायसिंह नगर में स्थित है, (और इसमे उपाबद अनुमूची मे और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायसिंह नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-4-1982

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अभिनियम के अभीन अतर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने गालस्मे वसले में स्विभा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए ।

जतः जज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नीलिखित व्यक्तिनयों, अर्थात ;----

- श्री फरनेल सिंह पुत्र श्री पंजाब सिंह, 14 एम० एल०, रायसिंह नगर। (अन्तरक)
- 2. श्री सुखवन्त सिंह पुत्र श्री लाल सिंह, तामकोट, पदमपुर। (अन्तरिती)

न्त्रे यह स्वना पारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के तिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की बर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त स्थित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

कृषि भूमि खसरा नं० 23 और 24 वॉक-14 एम० एल०, तह० रायसिंह नगर उप पंजीयक रायसिंह नगर कमसंख्या 297 दिनांक 29-4-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियस,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1476—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो रायसिंह नगर में स्थित है, (और इससे उपाबच अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायसिंह नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-4-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमित में वास्तविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री बाध सिंह पुत्र श्री सामपूरन सिंह, 14 एम० एल०, तह० रार्यासह नगर। (अन्तरक)
- 2. श्री निरंजन सिंह पुत्र श्री लाल सिंह, तामकोट पदमपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन् के ज़िए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आहि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 23 और 24 चाक-14 एम० एल० तह० रायसिह नगर उप पंजीयक रायसिंह नगर कम संख्या 502 दिनांक 30-4-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

अरूप आर्इ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपूर

जयपूर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

आदेण मं० राज०/महा० आ० अर्जन/1485—-यतः, मुझे, मोहन सिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रायिसह नगर में स्थित है, (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायिसह नगर में. रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 30-4-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--6 426GI/82

- 1. श्री भागसिंह पुत्र श्री सम्पूर्ण सिंह, 14, एम० एल०, तह० रायसिंह नगर। (अन्तरक)
  - 2. सुखबन्त सिंह पुत्र श्री आल सिंह, तामकोट, पदमपुर (अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यशहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पर्वाकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 23 और 24 उप पंजीयक रायसिंह नगर द्वारा ऋम मंख्या 501 दिनांक 30-4-82 पर चॉक-14 एम० एल० तह० पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्सत रूप में विवर्गणत है।

> मो**ह**न सिह् मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारी**च**: 17-12-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

आदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/1477—यतः, मुक्के, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रायसिंह नगर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायसिंह नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 29-4-1982

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अनारक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक के लिए; और /या

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम की महिन्यर एक एक हैं दासिन्य मा तभी अस्तर कर उक्त के के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, गळणह मा सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--

- ा श्री जोरा सिंह पुत्र शी प्रचाब सिंह, 11 एस० एल०, रायमिह नगर। (अन्तर्क)
- 2 श्री सुखबन्त सिंह पुत्र श्री लाल सिंह तामकोट, पदमपुर। (अन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

## उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरी 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाणित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अनुसुची

कृषि भूमि खसरा नं० 23 और 24 चॉक-14 एम० एल०, तह० रायमिह नगर उप पंजीयक रायमिह नगर कम मंख्या 491 दिनाक 29-4-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण,) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्ररूप आई. टी एन एस.-----

प्राथकर ग्रंधिनियम, 1981 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 17 दिसम्बर 1982

म्रादेश सं० रा०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1480—यतः मुझे, मोहन सिह,

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत प्राधिकारों को, यह विश्वाम छरने का कारत है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिम बाजार मूल्य 25,000 - द के से विश्व है और जिसकी संब कृषि भूमि है तथा जो रायसिह नगर में स्थित है, (और इसरो उपायक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायसिह नगर में, राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29-4-1982

को पूर्वोतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है और मुझे यह विज्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बोच एन अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रश्निफल, निम्नलिखित उद्श्या उक्त प्रन्तरमा निविचा म बास्तविक छ्य म किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्त्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1 श्री जोर सिंह पुत्र श्री पंजाब सिंह. 14 एम• एल०, तह० रायमिंह नगर (ग्रन्तरक)
- श्री लाल सिंह पुत्र श्री करता सिंह तामकोट, पदम-पुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

कृषि भूमि खसरा नं० 23 ग्रार 24 चाक-14 एम० एल०, तह०, रायसिह नगर उप पंजीयक रायसिह नगर क्रमसंख्या 494 दिनांक 29-4-82, पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में ग्रौर विस्तुत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज, जयपुर

नारीख: 17-12-1982

## प्रकप बाई • ही • एन • एस • —-

आयकर अधिगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

ग्रादेश म० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1478—यतः मुझे, मोहन सिष्ठ,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

्रुग्नौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रायसिंह नगर में स्थित है, (भ्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रायसिंह नगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-4-1982

क्ये प्वींक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

जतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमें, बर्बात :--

- 1. श्री जोरासिह पृत्र श्री पजाब सिहं 14 एम० एल०, रायसिंह नगर। (श्रन्तरक)
- श्री निरजन सिह् पुत्र श्री लाल सिह जाट सिख तामकोट तह० पदमपुर। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्यारा कार्यवाहियां करता हुः।

उन्त सम्पत्ति के धर्कन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक ये प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो में प्रवित्यों वाद में समाप्त होती हो, क भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों वें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी अस्य व्यक्ति हारा, ध्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

स्पब्दीतरण :--इसमें प्रपृक्ष णव्दा और पदों का जा 'खकः अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बहो अयं होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्रवी

कृषि भूमि खसरा नं० 23 ग्रीर 24 चॉक-14 एम० एल०, नह्० रायसिंह नगर उप पंजीयक रायसिंह नगर क्रमसंख्या 492 दिनांक 29-4-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर वितृस्त रूप में विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

नारीख 17-12-1982 ---

प्ररूप आर्दे. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचन।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

स्रादेण सं० राज०/महा० स्रा० स्रर्जन/1479—यत मुझे, भोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो रायिमह नगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय रायिसह नगर में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिकारी स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 29-4-1982

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्टित में वास्तिक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; जूर/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय जायक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिबिक व्यक्तियों अधीत् :---

- 1 श्री जोरा सिंह पुत्र श्री पंजाब सिंह 14 एम० एल०, तह० रार्यासह नगर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरजन्त सिंह पुत्र श्री लाल सिंह तामकोट, पदमपुर। (श्रन्तरिती)

का यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हा।

# उक्क सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्केड़:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध्या करसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 23 श्रौर 24 उप पजीयक रायसिंह नगर द्वारा ऋमसंख्या 493 दिनांक 29-4-82 पर चॉक-14 एम० एल० तह० पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्गन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनाक 17 दिसम्बर 1982

ग्रादेश स० राज्र /महा० ग्रा० ग्रर्जन/1500--यन मुझे, मोहन सिह

स्नायकर प्रिमित्सम, 1961 (1961 का 43) (त्तम इसर्ने इपके पश्चात 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, प्रह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पर्गित जिसका जिल्ला बाजार भूलप 25,000/-७० सं प्रधिक है

ग्रीर जिसकी स० कृषि भृमि है तथा जो चाकी न०-1 पाली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची म ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पाली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिबीन, तारीका 12-4-1982

की पूर्वे स्त समानि र उवित राजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रति-फन के लिये अन्तरित की है है और मुने यह विषवा । एरा का कारण है कि प्रधापूर्वावत सम्बन्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृष्णमान प्रतिफा से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफन का पत्त्रत प्रतिणत से श्रीष्ठक है और मन्तरिक (भागस्को) और भन्तरिती (अन्तरित्यो) के बीच ऐसे भन्तरिण के निगंत्रय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उदत भन्तरण सिखित में वास्तविक छप म कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राम की बाबत, उवत अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने गा उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर√या
- (ब) गा निर्मात्राया । शाधन य पर आधिनया को जिन्हें भारताथ आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया याया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधाक लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनिक्स की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसितव्यिक्तियों, अर्थात् —

- । श्री लालराम पुत्न श्री बुढ़ा जी सीरवी पाली। (ग्रन्तरक)
- थ्री महात्रीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोका सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकातन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भ्या प्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों म न किसी व्यक्ति हारा;
- (३) इस सूजना क राजपत्र प्रप्रकाणन की तारीख से 45 दिल के सीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीतस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्थवनी तरण :--इसमें प्रयुक्त गब्दों घीर पर्दी का, जो उक्त प्रिधि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अव्याय में दिया गया है।

#### असलकी

कृषि भूमि 13 बीघा 15 विसवा चक न० 1 पाली उप पजीयक पाली क्रम सख्या 199 पिनाक 12-4-82 पर पजीबद्ध विक्रय पत्र मे श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख 17-12-1982

माहर 🗄

प्ररूप आइ . टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

न्नादेश सं० राज०/महा० ग्रा० ग्रर्जन/1491—यतः मुझे, मोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो सोजन में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण व्या से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याला, सोजन में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख अग्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंनरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्निनिखन व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री¦बन्णी लाल पुत्र श्री नीमाराम माली गांव गुडा, तह० राजित शहर 2-श्री भवर लाल पुव श्री दुरगावा माली सोजत शहर। (श्रन्तरक)
- थी लेट सिंह पत थी भागो सिंह जी राजपूत, सरदारपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त भूम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

कृषि भूमि 40 बीघा गांव सारदारपुर तह० सोजत उप पंजीयक एस० स्नार० सोजत क्रम सं० 172 दिनांक 14/1/82 पर पंजीबढ़ विकय पत्न में स्नौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिह मक्षम प्राधिकारी स**हायक आयं**कर आयंक्त (निरीक्षण) प्रप्रतन रेंज, जयपुर

नारीख: 17-12-1982

मोहर .

प्ररूप आई टी एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1496—यनः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (श्रौर इससे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण व्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-4-1982

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में किसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री खेमा पुत्र श्री लाल जी, भाम्भी, पाली। (श्रन्तरक)
- 2 श्री कमला गृह निर्माण सहकारी समिति, पाली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भीम खसरा नं० 86, तह० पावर हाउस के पीछे पाली उप पजीयक पाली कम सक्या 226 दिनांक 28-4-82 पर पंजीबद्घ विक्रय पत्र मे श्रीर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

नारीख: 17-12-1982

मोहरु 🗓

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982 ग्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1501—यतः मुसे, मोहन सिह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह घिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 227 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 13-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से प्रथिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिषाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
7---426 GI/82

- श्री महेश चन्द पुत्र श्री नन्द किशोर जी बापावतो का मन्दिर जौहरी बाजार, जयपुर। (श्रन्तरक)
- श्री देव प्रकाश ग्रग्नवाल पुत्र श्री सरदार मल ग्रग्नवाल डी-192 जगदीश मार्ग, बनी पार्क, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

क्द्रे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं। उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षंप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्तशब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

दुकान नं० 227 उप पंजीयक जयपुर द्वारा कम संख्या 912 दिनांक 13-4-82 पर पंजीबद्ध विकथ पक्ष में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्ररूप आईटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

न्नादेश सं० राज०/सहा० न्ना० न्नर्जन/1490---यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० — है तथा जो तह० सरवारपुरा में स्थित है, (भ्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी के कार्यालय सोजत में, रजिस्ट्री-करण ग्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्ठीन, तारीख 14-4-1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्षे यहिवस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उत्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण यों, मैं., उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत्:---

- (1) श्रीमती सीता पुत्री श्री रामजी माली बेरा मगेरिया तह० सोजत शहर (2) श्री भंवर लाल पुत्र श्री दुर्गा (3) श्रीमती छोगी पत्नी श्री भंवर लाल खेजड़ा बेरा। (श्रन्तरक)
- 2. श्री घरीया कठंबर पत्नी श्री लेख सिंह जी राजपूत गांव सरवारपुरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

कृषि भूमि 40 बीघा गांव सदारपुरा तह० सोजत उप पंजीयक, सरदारपुरा क्रम संख्या 173 दिनांक 14-4-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

मोहर ः

प्ररूप धाई॰ ही॰ एन॰ एस॰-----

यायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न (1) के प्रधीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1486—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 7-4-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कि बी भाय की बाबत, उक्त श्राध-तिबम के अधीन कर देने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविचा के किए; भौर/या
- (ख) ऐसी बिली धाय या किसी धन या खन्य धारितयों को जिन्हें भारतीय धायकर धिवनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अविनियम, या धन-कर घिवनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्च धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या किया जाना चाहिए जा, क्रियाने में सविधा के थिए;

चतः शव, उक्त श्रीविनयम की बारा 269-न के प्रनुसरण में, में, उक्त श्रीविनय की बारा 269-के की उपवारा (1) के अभीन निक्तिसिवित व्यक्तिमों, व्यक्ति :--

- 1. श्री तूफान लाल पुत्र श्री चुन्नी लाल ग्रौर श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री पृथ्वी राजा जी पाली। (ग्रन्तरक)
  - 2. श्रीमती बीना पाली। (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वीनत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याप्त;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 15 सुभाष नगर महाराजा श्री उम्मेव मील पाली उप पंजीयक पाली क्रम संख्या 178 विनाक 7--4-82 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्ररूप आर्हे. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

भ्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० म्रर्जन/1488—यतः मुक्को, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो सोजत में स्थित है, (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सोजत में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 16-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती भाग की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  (1) श्रीमती दाखू पन्नी श्री नीनाराम माली गांव बरा बदा-रली (2) श्रीमती छोगी पत्नी श्री भंवर लाल माली घान मण्डी सोजत शहर जिला पाली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती मुरधर कंवर पत्नी श्री माधो सिह राजपूत, सोजत जिला पाली। (श्रन्तरिती)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्बर्क्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शबदों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुस्ची

कृषि भूमि गांव सरदारपुरा तह० सोजत उप पजीयक एस० म्रार० सोजत कम संख्या 177 दिनांक 15-4-82 पर पंजीबड़ विकय पन्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

मोहरः

## प्रकप भाई• टी• एन• एस•⊸-

# श्रावकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायक्तर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

भ्रादेश सं० राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/1498—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

म्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परवात 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जिल्लोन नजन प्राविकारों को पड़ विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिनका उत्तित बाजार पूरूप 25,000/- क्षये से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 12-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कमके वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रग्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृह्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐस दृष्यमान प्रतिफल से, ऐस दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिनि हे दृष्य से उक्त प्रन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) अस्तरण से दूर 'कसा प्राथ को बाबत, उक्त प्रधि-तियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायिक्य में ' कभी करने या उक्षमे बचने मं मुविधा के निए; और/या
- (आ) ऐसा किसा ब्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों
  को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम 1922
  (1922 का 11) या उक्त प्रक्षिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सोहन लाल पुत्र श्री सन्तोख चन्द गुन्डाजी पाली। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री महावीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड पाली। (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन क लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त अम्मति के पर्जन के सम्बन्ध म कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविधि, जो भी ग्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पास सिचित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टी करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध -नियम के अख्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन श्रष्टवाय में दिया गया है।

# 🎎 अनुसूची

कृषि भूमि चक नं० 1 पाली उप पंजीयक पाली क्रम संख्या 201 दिनांक 12-4-82 पर पंजीयद्व विकय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

भ्रावेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1497—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रप्रिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पाली में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12-4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रित्तफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की कूल्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तर्रक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री दालाराम पुद्र श्री बुद्धा जी सिंगवी पाली। (श्रन्तरक)

2 श्री महावीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड पाली।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी बक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वक्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्सूची

कृषि भूमि चक नं०-1 पाली उप पंजीयक पाली संख्या 200 दिनांक 12-4-1982 पर पंजीबढ़ विकय पत्र में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

मोहरः

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

भावेश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1499---यतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12'4-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री लाम चन्द पुत्र श्री मोती लाल गोलेछा पाली। (अन्तरक)
- श्री महावीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेष्ठ पाली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसुची

कृषि भूमि 3 बीषा 16 बिसवा चक नं० 1 पाली उप पंजीयक पाली क्रम संख्या 202 दिनांक 12-4-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्ष म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17-12-1982

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 विसम्बर 1982

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3207—यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 37 एन है, तथा जो साकेत नगर छछरो एक्सटेंशन, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 8 ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखत में वास्तिधक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .---

- श्री अशोक कुमार पिता मातँड़ राव मोंदे निवासी भकान नं० 74, भवानीपुर इंधीर (अन्तरक)
- 2. सौ० अन्पबाई जैन पति श्री गिरधर लालजी जैन निवासी-19 ए नेगी नगर, इंदौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपितित में हितबब्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकीं।

स्पब्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 37 एन, साकेस नगर एक्सटेंशन, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 6-12-1982

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3208—ग्रतः मझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० म्यु० पा० मकान नम्बर 564, है तथा जो महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित है (ग्नौर इससे जपाबद्ध प्रनुसूची में श्नौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 21 ग्रग्नैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिगितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपार में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 8—42601/82  श्री क्तं व चन्द्र पाटनी पिता श्री हुकुमचन्दजी पाटनी निवासी मकान नं० 25 पत्नकार कालोनीः इंदौर

(श्रन्तरक)

- 2 मैसर्स निरंजन मोटन एक्सेसरीज के भागीदार
  - (1) श्री भपतराय पिता जीवनलाल बोरा
  - (2) चन्द्रकांत पिता रतीलालजी डागली
  - (3) हंसमुखालाल पिता छोटेलालजी कोठारी
  - (4) मनोहरलाल पिता ठाकुरजी
  - (5) प्रवीनचन्द्र पिता रतीलालजी डागली
  - (6) विनोद कुमार पिता रतीलालजी डागसी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हू ।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भींतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसा अध्याया में विका गया है।

## अन्स्ची

म्यु० मकान नं० 564 की दुकान महारमा गांधी मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 13-12-1982

मोहरः

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

ज्ञायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 नवम्बर 1982

निदेश मं० भ्राई० ए० मी०/ग्रर्जन भोपयल/3209—ग्रतः मुभे, वी० के० वरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्प्रीर जिसकी सं० नं० 155 है, तथा जो ग्राम बिगरोद, तह० सोनकच्छ में स्थित है (स्प्रीर इसमें उपाबद्ध ध्रनुमूची में स्प्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सोनकच्छ में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, 22-4-1982

को पृत्रों क्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों क्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचत उद्विष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अव्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूर्तिका के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

 श्री करण सिंह पिता ग्रमरिसह नि० कलमा तह० सोनकच्छ जिला-देवास

'(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स गौतम एण्ड कम्पनी देवास म० प्र० 94 शालिनी रोड तरफे भागीदार नरेन्द्र सिंह पिता धनसिंह चौधरी नि० देवास

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबवृध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया ग्या हैं।

#### ननुसूची

सं० नं० 155 ग्राम बिगरोद (कलमा) तह० सोनकच्छ जिला देवास में स्थित है।

> की० के० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनाक: 22-11-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 22 नवम्बर 1982

निवेश सं० भ्राई० ए०सी०/भ्रर्जन/भोपाल/3210 — श्रतः मझे, बी० के० बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ध्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 व उस पर बना मकान तथा जो छत्रपति नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रघि-कारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 26 श्रप्रैल,

को पूर्वोक्त संपरित के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उिचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौ बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अयं, उक्त अपिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण कों, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिधित व्यक्तियों, अधित्:— 1. श्री भाषचन्त्र पिता श्री छोटेलाल जैन, निवमसी 95. जावरा कम्पाउण्ड, इंदौर

(ग्रन्तरक)

 श्री राधेश्याम पिता सूरजभान सांधी निवासी-12/2 चैनसिंह का बगीचा, इंदौर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में करंद बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिक्षित में किए जा सकरें।

स्पछ्डोकरणः--इसमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अन्त्ची

प्लाट नं० 8 व उस पर बना मकान 3020 वर्गफीट, छत्रपति नगर, इंदौर में स्थित है।

> वी० के० बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 22-11-1982

मोहरः

# प्ररूप शाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल
भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर. 1982

निदेण सं० भ्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3211—श्रतः मझे, देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सै अधिक है

भौर जिसकी मं जमीन ख ं ं 346 है, तथा जो सीनियर देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 20 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) धूलजी (2) काशीराम पिता कन्हेंया लाल (3) राम सिंह ग्रात्मा राम पिता नारायण सिंह निवासी ग्राम राजीवा तह० देवास (ग्रन्तरक)
- 2. (1) वरणलाल पिता हासानन्द तलरेजा, नि० 40 ग्रांदेश कालोनी बहांदुरशा मार्ग, देवास, (2) श्रीमती मीनाकुमारी पित टीकमदासजी नि० दयानन्द भौक, देवास (3) मनोहरलाल पिता थावर वास तलरेजा महात्मा गांधी मार्ग, देवास, (4) नन्दलाल पिता टिकयाराम भाटो नि० जयरामपुर कालोनी, इंदौर (5) ग्रशोक कुमार पिता मेवकराम नि० बहांदुरशाह मार्ग, देवास, (6) मुकेश कुमार भगलाल, 23/4 यशवन्त निवास रोड. इंदौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचनो जारी कंरके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकारी।

स्वक्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्वो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

भूमि सर्वे नं० 346, कस्बा देवास सीनियर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षी) ग्रर्भन रेन्ज, भोपाल

दिनांक: 15-12-1982

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 22 नवम्बर 1982

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/प्रर्जन /भोपाल/3212—श्रतः मुझे, बी० के० बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुः से अधिक है

भौर जिसकी मं० भूमि ख० नं० 346 है, तथा जो कस्बा देवास सीनियर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, देवास में राजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 17-4-1982

को पृषेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मन्त्रिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) धूलजी (2) काशीराम पिता कन्हैया लाल
   (3) रामसिंह (4) म्नात्माराम पिता नारायण सिंह निवासी ग्राम राजोदा तह० देवास (मन्तरक)
- (1) चरणलाल पिता हासानन्व तलरेजा नि०
  40 आदर्श कालोनी बहाव्रशाह मार्ग, देवास
  (2) श्रीमती मीना कुमारी पित टीकमदास
  निवासी दयानन्द चौक, देवास, (3) मनोहरलाल
  पिता धावरदास तलरेजा नि० महारमा
  गांधी मार्ग, देवास (4) नदलाल पिता टिकिया
  राम भाटो नि० जयरामपुर कालोनी, इंदौर
  (5) आशोक कुमार पिता सेवकराम नि० बहादुरशाह मार्ग, देवास (6) कीर्ति कुमार शाह पिता
  धूलजी नि० 89 महारानी रोड, इंदौर।
  (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्ण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20 क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

भूमि ख़ा० न० 3.4.6 कस्बासीनियर देवास में स्थित है।

वी० के० बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षी) ग्राप्तेन रेंज, भोपास

दिनांक: 22-11-1982

प्ररूप आईं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (196। का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 22 नवम्बर 1982

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3213—भ्रतः
मुझे, बी० के० बरनवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

25,000/-रा. से अधिक हैं -रेन जिल्ली जंगा अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि खं न० 264/1 है तथा जो ग्राम बाबडिया तहसील देवास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाक 7 ग्राप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया:——

- (का) अन्तरण से हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री मनोहर पिता जेराम खाती नि० ग्राम बालगढ़ तह० देवास म० प्र० खांतेवार ग्राम बावड़िया तह० देवास ।

(भ्रन्तरक)

 श्री ईवखां पिता मोहम्मदखां निवासी सुभाष चौक, देवास।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

भूमि संख्या नैं० 264/1 ग्राम बाबहिया तह० वेवास में स्थित है।

> वी० के० बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्ती) ग्रर्जन रेंज, भोपास

दिनांक: 22-11-1982

प्ररूप: आई. टी. एन. एस. -----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 269-थ (1) के अधीन स्**य**ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्रार्ड० ए० सी० /श्रर्जन/भोपाल/3214—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 274/5 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्ष्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूटिधा के लिए;

जतः अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री प्रभात कुमार नलवाया संयुक्त हिन्दू परिवार के कर्ता श्री पारसमल पिता मोर्तालालजी नलवाया, नि॰ श्रोलबाजार, रतलाम

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रेम कुमार पिता रामगोपाल बारोदिया निवासी कालेज रोड, रतलाम

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 274/5 कस्बारतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षी) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 15-12-1982

मोहर;

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजींन रेंज-भोषाल

भोपाल: विनांक 15 दिसम्बर 1982

निदेश सं० धाई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/3215—न्प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं क्सर्वे नं क 274/3 है, तथा जो कस्बा खास रतलाम में में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 5 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्स सम्पृत्ति के उचित् बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल् से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधृति :---  श्री राजेन्द्र कुमार पिता चान्दमलजी बोरामा, यावरिया बाजार रतलाम।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ऋषि कुमार पिता रामखन्द्रजी बारोदिया निवासी कालेज रोड, रतलाम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकर्ण: — इसमें प्रयुक्त अन्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्वी

भूमि सर्वे नं० 274/3, कस्या खास रतलाम में स्थित में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-12-1982

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

मायकण मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

म्प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3216—श्रतः मुक्को, वेवित्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि ख नं० 274/2 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रौर ६ससे उपाबज्ध धनुसूर्यः में पूर्ण रूप से घणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रितिफस के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल सो, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और असरक (अंतरकों) और असरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त जन्तरण मिलिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- बन्दरण वे हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमे नचने में स्विधा के लिए; बीस्/का
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

.1. श्री पारसमल पिता चांदमल बोराना हटीराम दरवाजा, रतलाम

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रेम कुमार पिता रामगोपाल बारोदिया निवासी कालेज रोड, देवास

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना' के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि शह में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत स्थानितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- कद्दश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पक्किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों जाँर पदों का, जो अन्छ अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# त्रनुपूची

भूमि खसरा नंबर 274/2, कस्बा खासरतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

अतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, कथीत् :---

दिनांक: 15-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस -- ----

मासभार अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्राजैन/भोपाल/ 3217----म्रतः मुझे देषप्रिय पन्त

धार्यकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसेंगें इसके प्रवात जिस्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269-चा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृश्य 25,000/-ध्पण के अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 280/1 है, तथा जो ग्राम बमनापाती पर बड़नगर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बड़नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19 श्रप्रेल, 1982 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वह है बौर भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्वमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नलिवित बहेंग्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-निवस के सबीन कर देने के सम्तरण के बावस्य से कमी करने या समसे बचने में सुविधा के बिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्पाने में मुविधा के लिए;

ज्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री तस्त्रत सिंह पिता उमराव सिंह जी निवासी मनोग्रायदा पर० बडनगर।

(ग्रन्तरक)

 श्री विक्रमिसह जी पिता नाथ सिंह राजपूत मनोयावद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की वारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिवबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के मीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितवहुथ़ किसी वन्य व्यक्ति इवारा व्याहस्ताकरी के पाद सिखित में किए जा सकती।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

भूमि सर्वे नं० 280/1 ग्राम बमनापानी पर० बङ्नगर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज, भोपाल

तारीच : 15-12-1982

मोद्वेर :

प्रकप आई.टी.एम.एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आभुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई ० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3218---ग्रत. मुझे देवप्रिय पन्त.

आयकर धिंतियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त धिंतियम' कहा वया है), की धारा 269-ख के प्रश्लीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/- रु० सं अधिक है

श्रौर जिसकी स० मकान स्यु० श्रमाक 71 है, तथा जो क्षपण क मार्ग, माधवनगर, उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबढ़ श्रनुसूची मेश्रौर पूर्ण स्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्जालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनाक 9 श्राप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिक्षल के लिए प्रस्तरित की गई है श्रीर भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान पात्रफल में, एन दृश्यमान प्रतिकृत का पत्त्र ह प्रतिशान से श्रीयक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिता (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलियत उद्देश्य में उन्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरम ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रक्षित नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियाँ, अर्थ्युः—  श्री नरेशचन्द्र श्रात्मज जुगलिकशोर निवासी-नाधवनगर, उज्जैन ।

(अन्तरक)

 कु० विजया दिनकर दाणी निवासी-74, मधुभवन, भीगंज, उज्जैन ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूका के व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में क्रिक्ड्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्यी

मकान म्यु० कमांक 71 का भाग क्षपणक मार्ग, माधवनगर, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्तं, सक्षम प्राधिकारी सहायक **मायकर म्रायुक्त** (निरीक्षण) म्रजन रेंज, भोपाल

तारी**ल :1**5-12-1982

प्ररूप , आई , टी., एन् , एस . -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3219—म्रतः मुक्ते वेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान म्यु० क्रमांक 71 है, तथा जो क्षपणक मार्ग, माधवनगर, उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 9 ग्रीपैल, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच् एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने, में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिकत व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री नरेशचन्द्र श्रात्मज जुगलिकशोर निवासी—साधवनगर, उज्जैन ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एयामा देवी पत्नी दयाराम जी शर्मा निवासी--क्षपणक मार्ग माधवनगर, उज्जैन ।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

मकान म्यु० कमाक 71 काभाग, क्षपणक मार्ग, माधवनगर, उज्जैन में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

**तारीख: 15-12-1982** 

प्रस्य बाह् .टी.एन.एस. ------

शायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

नारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० /ग्रर्जन/भोपाल/ 3220---ग्रन. मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान म्यु० क्रमांक 71 है, तथा जो क्षपणक, मार्ग, माधवनगर, उज्जैन में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक च्या से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्त जिम्मीनसम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कज़ी करने या उससे बचुने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां भों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्निधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ।:—-

- श्री नरेणचन्द्र श्वात्मज जुगलिककोर निवामी----ग्रमरिसह मार्ग, माधवनगर, उज्जैन । (ग्रन्तरक)
- रामचन्द्र वल्द भवर्रासह रघूवंशी, निवासी—क्षपणक मार्ग, माधवनगर, उज्जैन ।

(ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पृत्रांकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षप ---

- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, अर्थ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिश्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रमुची ।

मकान म्यु० कमाक 71, का भाग, क्षपण क, मार्ग, माधव-नगर, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-12-1982

प्ररूप आर्दे, टी. एन. एस. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत् सरकार

# कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 3221—यत मुझे देवप्रिय पन्त,

अग्रयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रा. से अधिक है

25,000/-ए. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी से मकान म्यु क्रमाक 71 का भाग क्षपणक
मार्ग है तथा जो माधवनगर, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे
उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता
श्रीधकारी के कार्यालय उजन में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम,
1908 (1908 का 16) के श्रीन, दिनाक 9 श्रील 1982
को पूर्वोवित संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य,
उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया
प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री नरेशचन्द्र म्रात्मज जुगलिकशोर, निवासी——म्रमर सिंह मार्ग, माधवनगर, उज्जैन।

(ग्रन्तरक)

श्री मोहम्मद इसहाक वल्द हाजी नूरमोहम्मद निवासी—
 32 चन्द्र का कुंग्रां, उष्जीन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्पना आर्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत् सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

मकान म्यु० ऋमांक 71 का भाग, क्षपणक मार्ग, माधव नगर, उज्जैन में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 15-12-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15, दिसम्बर 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3222 ---यतः मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० मकान म्यु० क्रमांक 71 क्षपणक मार्ग, तथा जो माध्यनगर, उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उज्जैन में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 9 ग्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते रह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल् निम्निलिसित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी जाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉड्/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपान में सूर्विधा के लिए:

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की लगभारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री नरेशचरद्र श्रात्मण जुगलकिशोर निवासी-प्रमर्रासह मार्ग, माधवनगर, उर्जन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री बाबूलाल बल्द जगन्नाथजी कुणवाह निवासी:-- 71 झासी वाले की चाल, माधवनगर. उज्जैन। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्यख्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

# मन्स्ची

मजान क्यू० कर्मांबः 71 का भाग, क्षपणवा मार्ग, माधवनगर, उज्जैन में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीखा: 15-12-1982

गोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एसं. \*\*\*\*\*

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3223—यतः मृक्षे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि ख० न० 1054/1 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपात्रद्ध श्रनुसूचि में ग्रीर पुर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20 ग्रप्रैल 1982

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्व्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे श्व्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—~

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थान्:--  श्री महेन्द्रिमिह पिता लालिमिह धबाई रतलाम मु० श्राम तेजिसिह पिता शम्भुभिहजी धबाई निवासी —धबाईजी का वास, रतलाम।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री रमेशचन्द्र नानालाल यादव, नाहरपुरा, रतलाम ।
  - (2) श्रीमती शकीला बानो पत्नी शैंदा हुसैन, स्टेशन रोड़, रतलाम।
  - (3) श्री राजेन्द्र कुमार पिता बी० एल० ग्रग्रवाल, नोलाहपुरा, रतलाम।
  - (4) श्री श्रशोक कुमार।
  - (5) श्री नरेन्द्र कुमार पिता धम्पालालजी कटारिया न्यू रोड़, रतलाम ।
  - (6) सतवीर सिंह हवेलासिंह, रक्षलाम।
  - (7) शिवाननमल सूरजमल मुणत, मुदगुदड़ी, रतलाम।
  - (8) श्री हरीशचन्द्र पिता धनरूपमल मुणत, सेठजी का बाजार, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **जन्मुची**

नान एग्रीकल्चरल भूमि ख०नं० 1054/1, रतलाम में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख . 15-12-1982

त्ररूप आहाँ . टी . एन . एस . ------

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश म० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल-3224---म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्तः,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 1054/1 है, तथा जो रतलाम में स्थित (ग्रौर इसमे उपावद्ध अनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रतलाम मे, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 12 ग्रुप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के सिए;
- ं। अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्थं में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—— 10—426GI/86

श्री महेन्द्र मिह पिता लालसिह धबाई के मु० श्राम तेजसिह पिता शम्भुसिहजी धबाई निवासी—— धबाईजी का बाम, रतलाम।

(भ्रन्तर्क)

- 2. (1) श्री रमेणचन्द्र नानालाल यादव, नाहरपुरा, रतनाम।
  - (2) श्रीमती शकीला बानु पति गैदा हुनैन, स्टेशन रोड़, रतलाम ।
  - (3) श्री राजेन्द्र कुमार पिता भी० एल० श्रग्रवाल, नोलापुरा, रतलाम।
  - (4) श्री ग्रमोक कुमार।
  - (5) श्री नरेन्द्र कुमार पिता चम्पालालजी कटारिया न्यू० रोड, रतलाम।
  - (6) सतवीरसिंह हवेलामिंह, रतलाम। (7) णैता-ननमल सूरजमल मुणत।
  - (8) श्री हरीशचन्द्र पिता धनस्वरूपमल मुण निवासी—-सेठजी का बाजार, रतलाम। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वहीं उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुस्**ची

नान एग्रीकस्चरल भूमि ख० नं० 1054/1, रतलाम में स्थित ।

> देशप्रिय पन्त, (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपास

ता**रीख**ं 15-12-1982

प्ररूप आई. टी एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) कार्यालय निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3225—म्म्रे, देवप्रिय पन्न,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चल 'उक्त धिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 2 है, तथा जो ग्राड़ा बाजार इन्दौर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबक ग्रनुमूची में ग्रीर पूण रूप मे विणित है), रजिट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27 ग्रप्रैल 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व क्रूरे. कमी करने या उससे बचने में सूविधा के ज़िए;
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्यिधा के लिए।

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात :--  श्री प्रतापिसह राव पिता श्री मल्हारराव होल्करतरफे मुख्यत्यार ग्यामराव कृष्णराव होल्कर, निवासी-12 श्राष्टा बाजार , इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

 मैसर्स हरीण कुमार नन्दलाल निवासी 157 खानीवाला टैंक, इंदौर तरफे पार्टर्नस नन्दलाल टीकमदास व हरीणकुमार गोर्वधनदास।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं० 2, श्राड़ा बाजार, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3226---अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 1 है, तथा जो भ्राड़ा बाजार इंदौर में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूण क्प से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 श्रप्रैंल 1982

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यहिवहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हर्ष किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अभीत् :---

- श्री श्रीमंत प्रतापिसह राव होल्कर ग्राटमज मल्हार राव होल्कर निवासी-12 ग्राङा बाजार, इंगीर नरफे ग्राम मु० श्री भ्यामाराव कृष्णराव होल्कर। (श्रन्तरक)
- श्री ईंग्बरी बाई पति श्री गंगारामनी निवासी-3 माणकवाग रोड़, इंदौर।

(अन्तरिती)

का यह ग्चना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं । ग्राष्ट्रा बाजार, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-12-1982

# प्रकप गाइ . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश स० भाई० ए० सी०/भ्रजन/भोपाल/3227--अत. मुक्षे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० मकान नंबर 135 है, तथा जो देवी श्रहिल्या मार्ग, इंदौर मे स्थित है, (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इंदौर मे, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 श्रप्रैल 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकत के लिए जन्तिरित की गई हैं और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकत से एसे सम्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्निनिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जलारण से हुन्द जिसी नाम की नानत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्व में कनी करने मा उत्तसे वचने में सूविधा के निष्ट; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर जिपिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिपिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृष्धा के निए:

नतः नम, उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के ननूसरण, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1). नभीन, निम्ननिधित स्पीकतमाँ नभीन:--

श्री महेश कुमार पिता मंगलरामजी गर्मा म० नं०
 भेवाती मोहल्ला, इंदौर।

(भन्तरक)

 श्री शिवप्रसाद पुत्र गंगाप्रसाद शुक्ला म० न० 136, देवी श्रहिल्या मार्ग इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगें।

स्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अमृत्यी

मकान नंबर 135, देवी श्रहिल्या मार्ग, इंदौर में स्थित है।

(देवन्निय पन्त) सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल)

तारीखा: 14-12-1982

प्ररूप आहरी, टी. एन, एस.-----

आयकर व्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3228---अतः मुक्को, देवप्रिय पन्त.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० मकान नंबर 12 है, तथा जो पढ़रीनाथ पथ, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मं वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21 ग्रप्रैल 1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य संकम के इश्यमान तिफल के लिए अन्तरि**त की गई है और मुझे यह** विश्वास **क**रने के कारण है कि यथापू**र्वोक्त सम्पत्ति का छ**चित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान

प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक हैं भौर अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तिश्वियों)के बीच एसे अश्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य अन्त अन्तरण निस्ति में वास्तिकिक इप से किश्वत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अथीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जी। हुए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, जक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---  श्री सरदार प्रतापिमह राव होलकर पिता श्री मल्हारराव होलकर निवासी—ग्राडा बाजार इंदौर तरफे श्यामराव कृष्णराव होलकर निवासी-75 रूपराम-नगर कालोनी, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती श्राशा मोधे पत्नी भालचद्रजी मोधे, निवासी-164, नेताजी सुभाष मार्ग, इंदौर।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्सूची

मकान नंबर 12, पंदरीनाथ पथ, इंदौर में स्थित है। (मकान का भाग)

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिका री (निरीक्षी सहायक <mark>ग्रायकर ग्रायुक्त)</mark> **ग्रज**ैन रेंज, भोपाल

तारीखा: 13-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3229—अतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचाक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 9 है, तथा जो श्राङ्ग बाजार इंदौर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 श्रप्रैल 1982

को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखत जब्बेश्यों से जक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री प्रतापसिंह राव होल्कर पिता श्री मल्हार 'राब होल्कर, निवासी-12 म्राडा बाजार, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स हिन्डिया द्रेड्स द्वारा पार्टर्नर्स श्रजुनदास पिता श्री जयपालदास हिन्डिया, 167, पलासीकर कालोनी, इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोयत सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

वुकान नं० 9, काणी राव दादा सहाब होल्कर मार्केट, 12 म्राड़ा बाजार इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**च**: 15-12-1982

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनां र 15 दिसम्बर 1982

निर्वेश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रजंन/भोपाल/3230—यतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० बिना प्लाट न० 204/1 डायवरणन प्लाट नं० 695 मीट नं० 245 है, तथा जो नया राइट टाउन, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूर्व में ग्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रा ति ग्रिधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7 ग्रिपेल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि ग्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक हुए से किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्रं मती भाजा कौर पर्ता स्व० सरदार मनोहर मिह साहनः निवामा-1235 नेपियर टाउन, जबलपुर।

(प्रन्तरक)

2 श्रा धारेन्द्र सिंह बल्द द्वारका सिंह राष्ट्रहर रीति बिलगाव पोहट विस्पुपुरा फिला भिःड, इस्स. जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

नया निर्मित मकान बिना नम्बर प्लाट नं० 204/1 बी डायवरणन प्लाट नं० 695 शीट नं० 245 के भाग पर बना हुन्रा मुभाष नगर मदनमहल हेल्थ केम्प नेपियर टाऊन नया राष्ट्रट टाउन जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रियपन्त सक्षम प्राधिकारी (निर्देक्षण सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेज, भोपाल

नारीखाः 15-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अगयश्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3231---यतः मुझे देवप्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० भकान नं० 1148 है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूर्चा में श्रौर पुणं रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, तारीख श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कशी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (३) के अधीन निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1 श्रामती देवा बाई पाठक 811 पुर्वी नियादमज, जलबपुर (भ्रन्तरक)
- 2 : (1) डा० भवानी प्रसाद ग्रवस्थी।
  (2) श्रा सताण श्रवस्थी।
  तिवासा-1148 नेपियर टाउन, जबलपुर।
  (श्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत संम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्य वाहियां शुरू करता हूं।

उक्ट सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# भगुसुची

मकान नं० 1148 , नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोज,भोपाल

तार्राख: 6-12-1982

मोहरः

प्ररूप मार्च टी एन. एस.-----

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन त्याना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल दिनांक 6 विसम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3232---यतः मुझे देवप्रिय दन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

श्रीर जिमकी स० भकान नंबर 1148 है तथा जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची म श्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 21 श्रप्रैल 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रति-फल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि बित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण में हुई किसी भाव की बावत उक्त जिथ-विवय के स्थीन कुट दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी कुटने या उससे वधने में सुविधा के जिए, सौर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मीं, मीं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--11-426GI82

1 श्रामता देवोबाई पाठक निवासी-811 दीक्षितपुर जबलपूर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री ग्रम्बिका प्रसाद सोनः 166 नेपियर टाउन जबलपुर।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

#### अन्स्ची

मकान नंबर 1148 नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 6-12-1982

प्ररूप आहू , टी. एन. एस. -----

अभिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन क्षेत्र भीपाल भीपाल दिनांक 6 दिसम्बंद 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3233---यतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स. से अधिक है

भीर जिसका लंग मकान नंबर 1148 है, तथा ओ नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्षित है), रजिस्ट्रं। कर्ता अधिकार। के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रं। करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तार। ख 21 अप्रैल 1982

का पूर्वोक्स संपृक्ति के उचित् बार्बार ब्रह्म से कम के रहयमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 1 श्रामता देवाबाई पाठक निवासः-811, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

2 श्रा प्रशोक कुबार गुप्ता भाश्मण बुक्कालाल गुप्ता निवासी-1092 राष्ट्र टाउन; जबलपुर। (भन्तरिता)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पंतित के अर्जन के सम्बन्ध में कोंई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपंत्र में श्रकाशन की तारीख धें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा तकोंगे।

स्पक्कीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियंभ, के अधीव 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विका गया है।

#### मन्स्यी

मकान नंबर 1148, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारो सहायक मायकर माबुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भीपाल

तारीख: 6-12-1982

# प्रक्रम आर्ड. टी. एन. एस.....

# भारकार अभिनिक्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (विरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश स० माई० ए० स।०/म्रर्जन/भोपाल/3234---यस. मुझे देवप्रिय पन्त

कासकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें इसमें इसमें प्रथात 'उन्त अधिनियम' काहा गया है), की धरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसका में मकान नवर 194 का हिस्सा व भूमि है, तथा जो अधरतल, जवलपुर में स्थित हैं (और इससे उपायक अनुसूका में और पूर्ण रूप ने विजित हैं), रिक्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलबलपुर में, रिक्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, ताराख अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्ता) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिबित में बास्विक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुद्दं किसी बाद की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, जॉर/बा
- (क) ऐती किती बाय मा कि बी धन या अभ्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम सा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के सिए;

कतः वन, उकत विधिनियम, की भारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ज की उपधास (३) के वृधीन निम्नीसीच्य स्पीन्तवर्षों, वर्षाव्यः—

- 1 (1) भर नेमचंद यस्य बुद्धलाल।
  - (2) श्रामित शान्ताबाई बेवा बुद्धलाला
  - (3) श्रीमती देवमानी विधवा किंशनलाल काछी सा०, विवासा-194 श्रधारतल, जबलपुर। (ग्रन्तरक)
- य मैससं महाकौशल गृह निर्माण सहकार। समिति प्रधारतल अध्यक्ष श्रा हर्ष नाश्यसिंह, ग्रधारतल, जबलपुर। (ग्रन्तरिता)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विस की अविध सा तत्त्रकारणी व्यक्तिसकों एउ कृषणा की लामीज से 30 दिन की अविध, को भी ककिंध कार्य में समाप्त हांसी हो, के भीतर पूर्वीक्त स्पत्तिस्यों से से किसी क्यांचल दवारा;
- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्यास्त अभीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्वेगे।

स्वष्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो स्वक्त बाधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हूँ, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्सूची

जम्रोन मौजा बेतला नं० व 52 प० ह० नं० 22 तहु० व जिला जबलपुर को स० नं० 48 पर बना मकान नंबर 1.94 का हिस्सा भ्रधारताल वार्ड न० 5 शहर जबलपुर वे कियत है।

> केश्वीक पन्त संख्या ऋधिकारी सहायक ग्राध्यमंद ग्रामुक्त (निर्दाकण) ग्राजीस रेम्ब, भोपाल

नारी**ब** . 6-12-1982 मोहर: प्ररूप बाईं. टी. एन्. एस. ----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

ग्नर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/3235---यतः मुझे देवप्रिय पन्त

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

थ्रौर जिसकी सं० मकान नंबर 194 का हिसा तथा भूमि है। तथा जो धारतल वार्ड नंबर 5, जबलपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पुणं रूप से वर्णित है), रजिहट्री कर्ता श्रधिकारा के कार्यालय जवलपुर में, रजिहट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख 8 भ्रप्नैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गुया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः बब् उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भार 269-घ की उपधार (1) के ब्रुधीन निम्नुतिक्ति व्यक्तियों, नम्ति :--

- 1 (1) श्री नेमचंद वल्द बुद्धलाल।
  - (2) मु० शान्ति बाई बेबा बुद्धलाल।
  - (3) पृहम० देवमनी निधवा किशनलाल काछी सा०, 194 अधार तल, जबलपुर।

(श्रन्तरक)

- 2 (1) श्रीमती सुनीता सिंह पत्नी भी यंशवंत सिंह चौहान।
  - (2) श्री गीता सिंह पत्नी श्री राजेश्वर सिंह चौहान प्रधारतल, जबलपुर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब दूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

जमीन मौजा बेतला नं० बं० तह० व जिला जबलपुर खा० नं० 48 में सेव उस पर बता हुआ मकान नंबर 194 का हिस्सा श्राधारताल वार्ड नंबर 5, जबलपुर में स्थित है।

> देविशय पन्त सक्षम ग्रीधकारी सहायक ग्रायक र श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज;भोपाल)

तारीख: 6-12-1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3236—यतः मुझे देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान नंबर 194 का हिस्सा तथा भूमि है तथा जो ग्राधारसल वार्ड नं 5 अबलपर में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूच। में और पुर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्राकर्ता ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधान, तारीख 8 श्रील 1982

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास क,रने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अक्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयक,र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के सिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित क्यीक्तवों, अधीत्:---

- 1 (1) भो नेमचंद बस्द बुद्धलाल।
  - (2) मु० शान्तिबाई बेवा बुद्धलाल कार्छ।।
  - (3) मुहम० देवमनी विधवा श्री किशनलाल के। श्री सा०, 194 श्रधारताल, जबलपुर।

(ग्रन्सरक)

2 श्री प्रशोक कालिया प्रात्मज श्री लक्ष्मी चंद्र कालिया सा०, न्यू होम साइंस कालेज राइट, टाउन, जबलपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाये।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन मीजा बेतला नं० बं० 52 प० ह० नं० 22 तह० व जिला जबलपुर सं० नं० 48 में सेपर बना हुमामकान नं० 194 का हिस्सा मधारताल वार्ड नंबर 5, जबलपुर में स्थित है।

> वेसप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भावकर भागुक्त (निरीक्षण भूर्जन रेंज, भोपाल

**सारीख: 6-12-1982** 

मोहर

प्ररूप. कार्घ. टी. एत. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज , भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन /भोपाल/3237---यतः मुझे देवप्रिय पन्त

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000∕- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० धुकान नंबर 4 है, तथा जो हमीदिया रोड़, भोपाल में स्थित है (भौर इससे उपावज्ञ धनुसूर्वा में भौर पुर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्राकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख 28 श्रप्रैल 1982

कों पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पच्छ प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया वया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे अभने में मृविधा के लिए; और/आ
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुकिक्ष के लिए।

1 मैंससं हुसैनी ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा मु० ग्राम भ्रणायव हसैन यासीन भ्रली, भोपाल।

(अन्तरक)

2 श्रो हर्जा बहुमद तुसैन पिता गुलाम फखरुई।न निवास।--बेल्दापुरा, भोपाल।

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की त्यरीख से 45 दिन की अविध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हों।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक्रकः -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्वों का, जो उन्तत अधिविषम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विषया गया है।

## वन्स्ची

दुकान नवर 4, हमीदिया रोड़, भोषाल में स्थित ह।

(वेवप्रिय पन्तः) सक्षमः प्राधिकारी सहावकः आयकर झायुक्तः (निर्रःक्षण) ग्रजैन रस्ज, भोषारु

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

ता**रीख**्रेः 6-12-1982 मोहरः प्ररूप आर्ड. टी. एन एस ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3238—यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक दकान नं० 5 है, तथा जो हमीदिया रोड, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोगाल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रीस 1982

को पूर्विक्त संपृत्ति को उचित काजोर मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात किथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- शः हाजी श्रजायब हुसैन पिता यासीन श्रली निवासी-ज्मेराती जवाहर चौक, भोपाल।

(मन्तरक)

2 श्री क्याम सुन्दर बानेजा पिता गोपालदासजो बानेजा निवासी-सीनिया फोटोग्रार्फस, हमीविया रोड, भोपाल।

(ध्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामींल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## **बन्**स्ची

दुकान नं० 5 का भाग, हमीदिया रोड, भौपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेम्ज, भोपास

तारोख: 6-12-1982

मोहर 🕉

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

थायक १ सिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3239—यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बधिक है

भीर जिसकी सं० म्युनिसपल मकान नंबर 27/458 है तथा जो रामसागरपारा, रायपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाइड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्सी श्रधिकारी के कार्यालय रायपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 19 श्रपैस 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अप्रैल 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (व्य) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन', निम्निसित क्यक्तियों, अर्थात:—— ग कुमारी मृत्त जाहिया बेगम वस्य हाजा मोहम्मय मसूद खां (जोजे ग्रब्दुल हकीम खां) निवासी—— --भाडा ग्राऊंस ला कालेज नागपूर, (महाराष्ट्र)।

(भन्तरक)

2 श्री सत्यनारायण बल्द मदनलाल सराधगी निवासी---गृडिमारी, रामपूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इन स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्यकिरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों जौर पर्वों का, जो उनद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता पक्का मकान, म्युनिसपल नंबर 27/458, रामसागरपारा (जवाहरनगर) रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायक**र ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीच: 6-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3240; -यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गर्याह ै), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० भूमि खसरा नंबर 18, 19 है, तथा जो मौजा भैसा में स्थित ह (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सागर में, रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के प्रधीन, नारीख 15 ग्रप्रौल 1982

को पूर्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्ललिखित उब्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने भें सिवधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिसायों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना षाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --12-426 GI/82

1. श्री जयनारायण दुवे वरुष जगन्नाथ प्रमाद दुवे निवासी सिविल लाइन्स, सागर।

(भ्रन्तरक)

2. मसर्न गुरूनानक कोपरेटिव हाऊमिग सोमायटी द्वारा गुरूबचन सिंह बल्द मलिमह भाटिया, सदर बाजार, सागर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि खमरा नंबर 18, 19, मौजा में स्थित ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्राय्वत (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भोपाल

ता**रीख**: 6-12-1982

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए०सी ०/ग्रर्जन/भोपाल/3241---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं।

गौर जिसकी मं० ख० नं० 202 है, तथा जो जूना बिलासपुर (चन्दुनामाठा) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बिलासपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 15 ग्राप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से **हुईं** किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री श्रब्बास भाई आत्मज मुल्ला श्रब्दुल श्रली बोहरा निवासी—खपरगंज, बिलासपुर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री मदनलाल श्रात्मज रामलाल पंजाबी निवासी— दयाल बन्द, बिलासपुर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि व भवन खे नंबर 202 ह० नंबर 110, जो जूना बिलासपुर चन्दुवाभाटा तह० बिलासपुर जिला बिलासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर मम्पत्ति है जिसका विवरण अन्तरिती बारा मत्यापित फार्म नंबर 37 जी में दिया गया।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी, सहायक आयकर भ्रायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 6-12-1982

प्रकार प्रकार प्राप्त प्र

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) वे प्रधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन क्षेत्र, भीपाल

भोपाल, विनाक 6 विसम्बर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3242—यत मुझे देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इ. के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ष्मौर जिसकी स० कृषि भूमि खसरा नबर 23/1 है, तथा जो मौजा कुकवारा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नर्रामहपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 26 श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रप्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरङा) और अतिश्ती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया णया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्रीमती राजिकशोरी देवी विधवा स्व० राव ग्रानंद सिंह श्रीमती नीता राव पुत्री राव ग्रानंद सिंह पत्नी श्री एस० एस० जुमान, निवासी नर्रासहपुर, द्वारा श्राम मुखत्यार राज किशोर, सिंह पिता श्री राव इन्द्रपाल सिंहजी, निवासी—नर्रासहपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्री टेर्कासह नाम्रालिग पिता व वली श्री फूर्लासह यादव निवासी—निर्श्सिहपुर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारा करक पूर्वायत मन्पार, को अर्जन को लिए जार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण —- इसमे प्रयुक्त कथ्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अपुसूची

कृषि भूमि खसरा नंबर 23/1 ; मौजा मुकबारा सह्० नर्रासहपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

ता**रीख** 6-12**-**1982 मोहरः प्ररूप बाई. टी. एस. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भापाल, दिनाक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3243-—यत मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी स० खसरा नबर 252/5, 252/6 है, तथा जो मौजा सिकला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दुर्ग में, र्राजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 5 ग्रील 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नानत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बार्ड/मा
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थी था किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा और दिवस।

श्तः श्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

1 श्री खेमिनबाई जोजे रणछोड भाई गुजराती, सिकोला, तह० व जिला—दुर्ग।

(श्रन्तरक)

2. अध्यक्ष कादम्बरी गृह निर्माण सहकारी समिति मयादित प० ऋ० डी० आर० ए० डी०/82, सिकोला तह० व जिला दुर्ग।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रों कित सम्परित को अर्जन को सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप .~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विकास सिंग सिंग सिंग का सकर्षी।

स्पष्टीकरण' -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भिम खसरा नबर 252/5, 252/6, मौजा सिकोला तह० व जिला दुर्ग में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त ग्रर्जन रेज, भोपाल

नारीख: 6-12-1982

माहर

प्रकप आई• दी• एन० एस० -

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रष्टीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3244—स्यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपल जिसका उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी संबंध नंव 7, 6/2 है, तथा जो ग्राम कटोतिया में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नरसिंहपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24 श्रप्रैंस 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पर्द्रह प्रतिशत प्रियक है और अन्तरक (अन्तरको) भीर अन्तरिश्त (अन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण ले हुई किसा प्राय को अअत उपन प्रिध-नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रान्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रिधित्यम, या धनकर श्रिधित्यम, या धनकर श्रिधित्यम, या धनकर श्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उम्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में भू मैं, उन्त श्रिधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के म्यीन, निम्नुसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 (1) श्री रोशनसिंह।
  - (2) भगवतिसह पिता धनीराम निवासी—-- बसेड़ी तह० नरसिंहपुर।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जफरउद्दीन पिता निजामुद्दीन।
  - (2) श्री जलाउद्दीन पिता निजामुद्दीन निवासी---बसेड़ी तह० नरसिंहपुर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मं समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हित वस किया प्रभित्त स्थान प्रधातकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण इसमें प्रयुक्त अध्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिविनियम के ग्राष्ट्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होता, जो उन ग्रष्ट्याय में विया गया है।

# वन्स्यो

भूमि ख॰ नंबर 7, 6/2 ग्राम कठोतिया तह॰ नर्रासहपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेन्ज, भोषयल

तारीख: 6-12-1982

मोहर 🥫

प्रकम् नार्षः, टी. एन्, एसः ------

**गायकर गिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन क्षेत्र, भोपाल

निर्देश सं० ग्राई० ए० सा०/ग्रर्जन/भोपाल/3245—स्यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकः सं० खसरा नं० 226/1 है, तथा जो कोहका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती श्रधिकारी के कार्यालय दुर्ग में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निष् निय पाया गया प्रतिक्ष्म, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक कप से किथात नहीं किया गया है ---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम को अधीन कर दोने के अच्छरक को दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुनिधा को निये; और/मा
- (क) ऐसी किसी आप ए किसी अने या बन्ध आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1 श्री राजेन्द्रपाल सिंह श्रात्मज जसपालिसिंह निवासी कोहका तह० व जिला—-दुर्ग।

(भ्रन्तरक)

2 मानसेव। ब्रघ्यक्ष पेचरत्न गृह निर्माण सहकारी गृह निर्माण संस्था लिमिटेड भिलाई नगर। (भ्रन्तरिता)

को यह क्षाना पारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गम लिस्तित में किए आ सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसर गया है।

# भनुसूची

भूमि खसरा नंबर 226/1, कोहका तह० व जिला दुर्ग में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 6-12-1982

प्रारूप आर्च.टी.एन एम ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल
भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्वेश मं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3246—यतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित प्राण्य मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि खमरा नंबर 9 है, तथा जो ग्राम व रोदा मे स्थित हैं (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूर्च: मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीक्ता श्रधिकारी के व योलय ख्रई में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधिन, तारीख 17 श्रप्रैल 1982

को पूर्विक्स संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गृह है और म्भे यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपित्त का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य मं उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आग्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '— श्री राजिवक्मार ध्रात्मण सुरेन्द्रनाथ मेहता निवासी सागर हाल जबलपुर द्वारा हजारी सिंह ध्रात्मण गजरामिह दागी ठाकुर निवासी—बम्होरी केला तह० खुरई जिला—सागर।

(भ्रन्तरक)

2 श्रा धरमपाल घारमज लज्मीदास गर्मा निवासी---जुगपुरा तह० खुरई जिला--सागर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारांख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

स्पब्लीकरण:--इसमें प्रयुक्त अब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हाँ।

# अनुसूची

भूमि खमरा नंबर 9, ग्राम करोदा में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकार। सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारी**ख** . 6-12-1982 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सो०/ग्रर्जन/भोपाल/3247---यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० भूमि खा० नं० 9 है, तथा जो ग्राम करोदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय खुरई में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 16 श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्जेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तकों इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का चंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उक्वेश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से क्रियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आम की बानत, उक्त अभिनियंत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों क्ष्मने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अन्सरण में, कैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्मिलिख्त व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री राजीव कुमार----श्रात्मज मुरेन्द्रनाथ मेहता निवासी सागर हाल जवलपुर द्वारा हजारीमिह श्रात्मज गराजीमह दांग, छछ ठाकुर, निवासी-बम्होरी केला तहर खुरई जिला सागर।

(अन्तरक)

2 श्री अमरजीत श्रात्मज परमानंद शर्मा निवास — जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्में बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि खसरा नंबर 9, ग्राम करोदा तह० खुरई जिला सागर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रजैन रेज, भोपाल

वा**रीख**: 6-12-1982

प्ररूप नाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 विसम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० ध्रीति / अर्जन/भोपाल / 3248-- श्रतः मुझे, देवश्रिय पंत,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खसरा नंबर 1156/1 है तथा जो देवीगंज श्रम्बिकापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रम्बिकापुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 29 श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उसके कर्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकद निम्निसित्त उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :-- 13-426GI/82

(1) श्री रचुनन्दन प्रसाद श्रात्मज स्व० श्री धन्नूसाव निवासी-देवीगंज श्रम्बिपुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री भ्रनुपकुमार मुखर्जी श्रात्मज श्री श्रजीत चन्द्र मुखर्जी निवासी-बाबूपारावार्ड जेलरोड तहसील श्रस्थिकापुर सरगुजा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अनुधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनुधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हों, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि खसरा नंबर 1156/1 देवीगंज अंतर्गेत नजूल एवं नगर पालिका क्षेत्र ब्लाक व तहसील श्रम्बिकापुर सरगुजा में स्थित है।

> देवप्रिय पंत सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, भोगाल

विनांक: 6-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 विसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3249—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नंबर 1155/1 है तथा जो देवीगंज रोड़ श्रम्बिकापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्बिकापुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29 श्रप्रैल, 1982

को प्वंक्ति सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :~~

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रधुनंदन प्रसाद धात्मज स्वं ० श्री घन्नुसाव निवासी-ग्रम्बिकापुर, देवीगंज रोड तहसील ग्रम्बिकापुर जिला-सरगुजा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्ररुण कुमार मुखर्जी श्रात्मज श्री श्रजीत चन्द्र मुखर्जी निवासी-बाबूपारा वार्ड, जेल रोड, तहसील श्रम्बिकापुर जिला-सरगुजा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि खसरा नबर 1155/1, देवीगंज रोड प्रन्तर्गत नजूल एवं नगर पालिका क्षेत्र ब्लाक व तहसील ग्रम्बिकापुर। जिला सरगुजा में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-12-1982

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रजन/भोपाल/3250—श्रतः मुझे, देवप्रिय पंत,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 381/985, 381/986, 381/987, 381/988, 381/989 है तथा जो देवास सीनियर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय देवास में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अन्तरण तिचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:——

- (स) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सी० पुष्पमालाराज पवार महारानी देवास सीनियर धर्मपत्नी श्रीमंती कृष्णाजीराव पवार महाराजा निवासी—श्रानंद भुवन पेलेस ए० बी० रोड देवास तरफे ग्रधिकृत खास मुखत्यार श्री बी० के० गायके 115 देवी ग्रहिल्या मार्ग इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स दाऊलाल मोतीलाल सर्राफ एंड कंपनी 3 छोटा सर्राफ इंदौर तरफे पार्टेनर श्री दाऊलाल पिता मोतीलालजी ।

(भन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, ओं उत्यक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिमा गया हाँ।

## अनुसूची

भूमि खसरा नंबर 381/985, 381/986, 381/987, 381/988, 381/989 कस्या देवास सीनियर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 6-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृभना

#### बारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 नवम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3251—अतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० खसरा नं० 123/1 है, तथा जो वीपक कालोनी, दुर्गे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन दिनांक 12 श्रप्रैल 1982

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निस्ति में वास्तविक स्य से कथित नहीं किया जबा है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिन्नियम के भ्रधीन कर देने के भग्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी कियो आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 {1922 का 11} या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के सिए।

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिविनियम की भारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन, निक्लीकस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री श्रीपाद राव ठाकुर पिता कृष्णाराव ठाकुर निवासी-तितुरढीह तहसील व जिला दुर्ग। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री प्रवीप कुमार पिता विनोद कुमार हाडा निवासी-संतरा बाड़ी दुर्ग।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किया वा सकेंगे।

स्पक्कीकरण : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## समत्त्रची

जमीन खसरा नं० 123/1 दीपक कालोनी दुर्ग में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) भ्रपीन रेंज, भोपाल

दिनांक: 8-11-1982

# प्ररूप पाई॰ टी॰ एन॰ एव॰----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, विनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3252—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

प्रायकर वार्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा यसा है) की धारा 269-स के सभीन ससम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रस्पाद सम्पत्ति, जिसका उचिन बागार पूर्व 25,000/- र॰ से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो महात्मा गांधी मार्ग (स्टेशन रोड़) रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उप। बच्च श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिक.री के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 27 श्रप्रैल 1982।

को पूर्वीकत सम्मिति के उचित बाकार पृत्य मं कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फ्लाह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तर्वो) और बच्चरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण विश्वित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है!---

- (क) जन्तरण ते हुइ किती अल की कावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जुन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उद्यय क्वने में तृत्विधा के तिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अध्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवीजनार्य अप्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया क्या वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने म सुविधा के जिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री मुल्ला शब्बीर हुसैन पिता शेख श्रसगर भाई बोहरा खामोशी निवासी—मोहल्ला फ्रीगंज रोड़, रतलाम (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री फखरूदीन पिता तुर्राबभाई बोहरा बासवाडावाला निवासी-मोहल्ला चांदनी चौंक रतलाम

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना नारो अध्यक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्धक के विषय अर्थवाहियां सकता हूं।

उनत सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकीप ---

- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तस्त्रंवंधी व्यक्तियों पर नूचना की तानील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोमन अविद्यों में ते किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजरक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतनर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

# वृत्युची

प्लाट नंबर 8 में का शेष भाग उत्तरजानिय का मोहल्ला, महात्मा गांधी मार्ग (स्टेशन रोड) रतलाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

विनांक: 14-12-1982

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 दिसम्बर, 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3253—ग्रतः मुझे, धेवप्रिय पन्त,

म्रायकर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रक्षितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका छिन्त बाजार मूल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी संव बंगला नंव 20 है तथा जो शिवाजी पार्क कालोनी इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबन प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 29 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वानस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन्त धिधिनियम, या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जानः चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निस्मसिवित व्यक्तियों, वर्षाव् क्ष्य

- (1) श्री विश्वासराव स्थामराव देशमुख "चैतन्य", 9/1, स्ट्रीट नंबर 5 मनोरमागंज, इंदौर।
- (2) श्री रविन्द्र दिनकरराव लोटलीकर 71, म्युनिसपल कार्पोरेशन रोड़, इंदौर ।

(प्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं,।

उन्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्येष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पब्सीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां अर्थ होगा. जो उन भ्रष्ट्याय में विया गया है।

# जन्त्ची

बंगला नंबर 20, शिवाजी पार्क कालोनी, इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पंत, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-12-1982

प्ररूप आह<sup>र</sup>. टी. एन. एस.-------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3254—म्रतः मुझे, देवप्रिय पंत,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नंबर 7, कार्पोरेशन नंबर 400/7 है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 5 प्रप्रैल, 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूं में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच एमे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती सकीना बाई विधवा स्वं० श्री मनसूर श्रली, निवासी-नेपियर टाउन, जबलपुर-वर्तमान में बम्बई (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्राभा वेत्री परनी श्री बडीप्रसाद विश्वकर्मा निवासी-400/7, नेपियर टाउन, जबलपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यित्रितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ष।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

रूलाक नंबर 7 कार्पोरेशन नंबर 400/7, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्णन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनोक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3255—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक कार्पोरेशन नं० 400/6 है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16), दिनांक 5 ग्रप्रैंल, 1982।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) सकीना बाई विधवा स्वं० श्री मनसूद श्रकी, निवासी—नेपियर टाउन, जबलपुर वर्तमान में बम्बई (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रीवा देवी पत्नी जे० एल० खंडेलवाल, वकील निवासी-400/6, नेपियर टाउन, जबलपुर (भ्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके प्</mark>वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

क्लाक कार्पोरेशन नंबर 400/6, प्लाट नंबर 12 पर बना हुआ, शीट नंबर 257, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पंत, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 14-12-1982

मोहार 🛭

प्ररूप. बाईं. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्थाना

## भारत सरकार

# कार्यालय, बहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश स्० श्राई० ए० सी०/भ्रजीन/भीपाल/3256—श्रतः मुझे, देवप्रिय पंत,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम ग्रर्जुनगंवा खुर्घ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिमांक, 8 ग्राप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनं के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपित्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--14-426GL/82

- (1) श्री हरीक्वरण पुत्र मनोहरीसिंह ठाकुर निवासी-सिमरिया (श्रन्तरक)
- (2) 1. जोगेन्द्र सिंह पुत्र वनसीस सिंह 2. करतार कौर पत्नी जोगेन्द्र सिंह 3. प्रमृतपाल सिंह 4. सतपाल सिंह पुत्रगण जोगेन्द्र सिंह 5. सुखमिन्दर कौर पत्नी अवतार सिंह 6. मुखदेव सिंह 7. मलकीत सिंह पुत्रगण वारासिंह 8. स्वर्ण सिंह पुत्र मेजर मुकुन्दसिंह 9. हरवंश कौर पत्नी स्वर्ण सिंह 10. हरदर्शनपाल कौर पुत्री डा० कैंप्टन पूर्ण सिंह 11. त्रिपतिसिंह 12. खजानित्त 13. प्रीतमसिंह 14. मुतावसिंह 15. भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण त्रिलोचिन सिंह 16. जगदेव सिंह 17. सोहन सिंह 18. महेन्द्र सिंह 19. देवेन्द्र सिंह 20. जगजीत सिंह पुत्र जगदेव सिंह निवासी—प्राम मालगा फार्म प्रजुनगंवा खुई तह० व जिला शिवपुरी।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

# यनसूची

भूमि ग्राम ग्रर्जुनगवांछ खुर्दतहसील व जिला शिवपुरी में स्थित है।

> देवप्रिय पन्तं, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, भोपाल

विनांक: 13-12-1982

प्ररूप: आई. टी. एन. एस. ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-षु (1) के बधीनु सूचना

भारत सुरकार

कार्यालम, सहायक जायकर आयुक्त (निर्शक्तण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3257—श्रतः मुझे, देवप्रिय पंत,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम श्रर्जुनगंवा खुर्द में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक, 15 श्रप्रैल, 1982

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :--

- (1) श्री गंगाप्रताद पुन्न कल्याण सिंह द्वारा नारायण यत पुत्र बाबूराम वह मु० श्राम निवासी सिमरिया (यू० पी०) (मन्तरक)
- (2) 1. जोगेन्द्र सिंह पुत्र श्री वक्सीससिंह 2. करतार कौर पत्नी श्री जोगेन्द्र सिंह 3. धमृतपाल सिंह पुत्र श्री जोगेन्द्र सिंह 4. सतपाल सिंह पुत्र श्री जोगेन्द्र सिंह 5. सुखमिन्दर कौर पत्नी धवतार सिंह 6. सुखदेव सिंह पुत्र वारा सिंह 7. मलकीत सिंह पुत्र वारा सिंह 8. सरवन सिंह पुत्र मेजर मुकुन्द सिंह 9. हरवंश कौर पत्नी सरवन सिंह 10. हरवर्शनपाल कौर पुत्री खा० कैण्टन पूर्ण सिंह 11. विपति सिंह 12. खजान सिंह, 13. प्रीतम सिंह 14. मुलाव सिंह 15. भूपेन्द्र सिंह पुत्र जिलोचन सिंह 16. जगदेव सिंह 17. सोहन सिंह पुत्र जिलोचन सिंह 19. देवेन्द्र सिंह पुत्रगण गज्जन सिंह 20. जगजीत सिंह पुत्र जगदेव सिंह नि०-ग्राम मालवा फार्म धर्जुनगंवा तह० व जिला शिवपुरी (ग्रन्तरिंसी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्ट सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य स्थिति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्युव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, जो उक्त जिभीनियम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित, ही, बही जुर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया ही।

# मनुसूर्चः

भूमि ग्राम ग्रर्जुनगंका सुर्द तह० व जिला शिवपुरः में स्थित है।

> [देवप्रिय पन्त सक्तम प्राधिकारी सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेज, मोपाल

दिनांक: 13-12-1982

ग्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. ----

भासकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, भीपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3258—म्रतः मुझे, देधप्रिय पन्त,

नामकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम श्रर्जुनगंवा खुर्ब में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक, 9 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम् के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं है और मूक्ते यह बिदबास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदमों से उक्त बन्तरण लिखित में चास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अ्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसे किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अयः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणः में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन, निम्नजिक्ति स्यक्तियों, अर्थात् हु—-

- (1) श्री केदारनार्थ पुत्र बाबू राम ठाकुर नि० सिमरिया द्वारा बाबूराम पुत्र गंगाप्रताद वह मृ० श्राम निवासी (श्रन्तरक)
- (2) 1. जोगेन्द्र सिंह पुत वक्सीस सिंह 2. करतार कौर पत्नी जोगेन्द्र सिंह 3. अमृनपाल सिंह 4. सतपाल सिंह पुत्रगण जोगेन्द्र सिंह 5. सुखमिन्द्र कौर 6. सुखदेव सिंह 7. मलकीत सिंह पुत्रगण वारा सिंह 8. सरवन सिंह पुत्र मेजर मुकुन्द सिंह 9. हरवण कौर पत्नी सरवन सिंह, 10. हरदर्णनपाल कौर पुत्री डा० कैंग्टन पूर्ण सिंह 11. तिपति सिंह 12. खजान सिंह 13. प्रीतम सिंह 14. मुताव सिंह 15. भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण तिलोचन सिंह 16. जगदेव सिंह 17. सोहन सिंह 18. महेन्द्र सिंह 19. देवेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री गज्जन सिंह 20. जगजीत सिंह पुत्र जगदेव सिंह निवासी—ग्राम मालवा फार्म ग्रजूनगंवा खुर्द तह० व जिला शिवपुरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्प्रतिकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भनुसूची

भूमि ग्राम श्रर्जुनगंबा खुर्द तह० व जिला शिवपुरी में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग्र, भोपाल

दिनांक: 13-12-1982

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस्.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/3259—मतः मुझे, देवप्रिय पत्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्देश, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम अर्जुनगंवा खुर्द में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, थिनांक, 8 ग्रमैल, 1982

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथ्स नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निधम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती चन्दनरानी परनी बाबूराम ठाकुर द्वारा बाबूराम पुत्र गंगात्रसाद ठाकुर वह मु० खास निवासी-सिमरिया जिला-जालोन।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र श्री जनसीस सिंह 2. करतार कौर परनी जोगेन्द्र सिंह 3. प्रमूतपाल सिंह पुत्र जोगेन्द्र सिंह 4. सतपाल सिंह पुत्र श्री जोगेन्द्र सिंह 5. सुखमिन्द्र कौर परनी धवतार सिंह 6. सुखदेव सिंह पुत्र बारा सिंह 7. स्वर्ण सिंह पुत्र मेजर मुकुन्द सिंह 8. मलकीत सिंह पुत्र वारा सिंह 9. हरवण कौर परनी स्वर्ण सिंह 10. हरदर्श नपाल कौर पुत्री डा० कैप्टन पूर्ण सिंह 11. सिपिति सिंह 12. खजान सिंह 13. प्रीतम सिंह 14. मुतावसिंह 15. भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण तिलोचन सिंह 16. जगदेव सिंह 17. सोहन सिंह 18. महेन्द्र सिंह 19. देवेन्द्र सिंह पुत्रगण गज्जन सिंह 20. जगजीत सिंह पुत्र जगदेव सिंह नि०-मालवा मालवा फार्म, धर्जुनगवा तह० व जिला शिवपुरी । (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्या है।

# मनुसूची

भूमि प्राम भर्जुनगंता खुर्द् तहसील शिवपुरी में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनोक: 10-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3260--ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम श्रर्जुनगंवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, शिवपुरी मे, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीम, दिमांक 8 ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उददोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीन,

(1) श्री नारायण धत्त पुत्र बाबूराम ठाकुर निवासी— सिमरिया तह० कोच जिला-जालोन

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र श्री वनसीस सिंह 2. करतार कौर पत्नी जोगेन्द्र सिंह 3. श्रम् तपाल सिंह पुत्र जोगेन्द्र सिंह 4. सतपाल सिंह पुत्र श्री जोगेन्द्र सिंह 5. सुष्कमिन्द्र कौर पत्नी श्रवतार सिंह 6. सुखदेव सिंह पुत्र बारा सिंह, 7. स्वर्ण सिंह पुत्र मेजर मुकुन्द सिंह 8. मलकीत सिंह पुत्र वारा सिंह 9. हरवंश कोर पत्नी स्वर्ण सिंह 10. हरदर्शनपाल कौर पुत्र। डा० कैंग्टन पूर्ण सिंह 11. त्रिपतितिह 12. खजान सिंह 13. श्रीतम सिंह 14 मुताव सिंह 15. भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री त्रिलोचन सिंह 16. जगदेव सिंह 17. सोहन सिंह 18. महेन्द्र सिंह 19. देवेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री गज्जन सिंह 20. जगजीत सिंह पुत्र जगदेव सिंह नि० मालवा फार्म श्रर्जुनमंवा खुदै तह० व जिला शिवपुरी।

(भ्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्तुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## मनुसूची ।

भूमि धर्जुनगंवा ग्राम में स्थित है जो तहसील शिवपुरी में हैं।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 10-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत संरकार

.कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिश्लम्बर 1982

निर्देश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3261-म्रतः -म्झे, देवप्रिय पन्तः,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

धीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम धर्जुनगंवा खुर्व में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता घिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण घिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक, 8 ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जंतरण निखित में बास्तिवक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आर्/या
- (क) ऐसी किसी भाव वा किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण. कें., में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अधीत् ।— (1) श्री विजय क्रांश पुत्र हरनारायण ठाकुर निवासी—-सिमरिया तह० कोच जिला-जालोन।

(भन्तरक)

(2) 1. श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र वक्सीस सिंह 2. करतार कौर पत्नी जोगेन्द्र सिंह 3. श्रम तपाल सिंह पुत्र जोगेन्द्र सिंह 4. सतपाल सिंह 5. सुर्खमिन्द्र कौर पत्नी भवतार सिंह 6. सुर्खदेव सिंह पुत्र वारा सिंह 7. सरवन सिंह पुत्र मेजर मुकुन्द्र सिंह 8. मलकीत सिंह पुत्र वारा सिंह 9. हरवंग कौर पत्नी संप्यन सिंह 10. हरदर्गनपाल कौर पुत्री डा० कैंटन पूर्ण सिंह 11. तिपति सिंह 12. खजान सिंह 13. श्रीतम सिंह 14. मुताब सिंह 15. भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण तिलोचन सिंह 16. जगदेव सिंह 17. सोहन सिंह 18. महेन्द्र सिंह 19. देवेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री गज्जन सिंह 20. जगजीत सिंह पुत्र जगदेव जिला शिवपुरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का; जो उक्त श्रीवित्यम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस बब्दाव में दिया गया है।

# **भनुसूची**

भूमि ग्राम धर्जुनगंबा खुदै में स्थित हैं।

देवप्रिय पृन्त समय प्राधिकारी सहायक घायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

विनोक: 10-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दितम्बर, 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/भोपाल/3262~-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जितकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम धर्जुनगंवा में स्थित हैं (भौर इतसे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के धधीन, दिनांक 8 भग्नैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तथ पाणा गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में तृतिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्न्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बाब्राम पुत्र गंगाप्रताद ठाकुर नि०—सिमरिया जिला—जालोन ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री जोगेन्द्र तिंह पुत्र श्री वक्सीस सिंह 2. करतार कौर पत्नी जोगेन्द्र तिंह 3. धमृतपाल सिंह पुत्र खोगेन्द्र तिंह 4. सतमाल तिंह पुत्र श्री खोगेन्द्र सिंह 5. सुखमिन्द्र कौर पत्नी धवतार तिंह 6. सुखवेब सिंह पुत्र बारा तिंह 7. सरवन तिंह पुत्र मेजर मृकुन्द तिंह 8. मलकीत तिंह पुत्र बारा सिंह 9. हरवंश कौर पत्नी सरवन तिंह 10. हरवंशनपाल कौर पुत्री डा॰ कैप्टन पूर्ण तिंह 11. विपति तिंह 12. खजान तिंह 13. प्रीतम तिंह 14. मुताब तिंह 15. भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण विलोचन तिंह 16. जगदेव तिंह 17. सोहन तिंह 18. महेन्द्र तिंह 19. देवेन्द्र तिंह 20. जगजीत तिंह पुत्र जगदेव तिंह निवासीगण-मालवा फार्म प्रज्तिगंवा खुर्द तह॰ व जिला-शिवपुरी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताअरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## यनुसूची

भृमि ग्राम ग्रर्जुनगंबा तह०व जिला शिवपुरी में स्थित हैं।

देवप्रिम पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक झामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

विनोक: 10-12-1982

प्ररूप आध्र . टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

आर्थालय, सहायक म्रायक्र भ्रायक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 विसम्बर 1982

निर्देश स० श्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3263---म्रतः मुक्षे, देवित्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पश्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है।

श्रीर जिसकी स० भूमि है, तथा जो ग्राम श्रर्जुनगवा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ला ग्रिधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 8 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोप्रत् सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रितिफल, निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उत्कत अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1) के च्यीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:— (1) श्री रामप्रमाद पुत्र बाबूराम ठाकुर द्वारा बाबूराम पुत्र गंगाप्रसाद मु० खाम निवासी—सिमरिया जिला-जालोन ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र अगदीश सिंह 2. करतार कौर पत्नी जोगेन्द्र सिंह 3 प्रमृतपाल सिंह पुत्र जोगेन्द्र सिंह 5. सुखिमन्द्र कौर पत्नी प्रवतार सिंह 6 मुखदेव सिंह 7. सरवन सिंह पुत्र मेजर मुकृत्द सिंह 8 मलकीत सिंह पुत्र बारा सिंह 9 हरवश कौर पत्नी सरवन सिंह 10. हरदर्शनपाल कौर पुत्री डा० कैप्टन पूर्ण सिंह 11 त्रिपति सिंह 12 खजान सिंह 13 प्रीतम सिंह 14 मुनाब सिंह 15 भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण त्रिलोचन सिंह 16. जगदेव सिंह 17. सोहन सिंह 18 महेन्द्र सिंह पुत्रगण विलोचन सिंह 19 देवेन्द्र सिंह पुत्रगण गज्जन सिंह 20 जगजीत सिंह पुत्र जगदेव सिंह निवासी—मालवाफार्म, प्रजुन-गंवा खूर्व तह० व जिला—शिवपुरी।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि ग्राम श्रर्जुनगवा खुर्द तह० शिक्पुरी में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त, संभम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 10-12-1982

प्रकृष भाषि टी । एन० एस • ----

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 249-थ (1) के ग्राचीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/3264—श्रतः मुझ, देवप्रिय पन्त,

प्रायकर प्रजिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चाल 'उक्त मिलियम' कहा गया है), की छारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का फारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- थ॰ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम श्रर्जुनगवां में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (खन्तरकों) खोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबिन उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बायित्व के कभी करने या उससे ब्धने में सुविधा के बिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना नाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनूबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिष्कित व्यक्तिकों अर्थात्ः— 15—426 GI/8 (1) श्रीमती प्रेम कुमारी पत्नी नारायण दत्त, सिमरिया द्वारा बाबूराम गंगाप्रसाद वह जु० श्राम निवासी— सिमरिया।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र वक्सीस सिंह 2. करतार कौर पत्नी जोगेन्द्र सिंह 3. ग्रमृतपाल सिंह 4. सत-पाल सिंह पुत्रगण जोगेन्द्र सिंह 5. सुखिनिन्द्र कौर पत्नी ग्रबतार सिंह 6. सुखिदेव सिंह 7. मलकीत सिंह पुत्रगण वारा सिंह 8. स्वर्ण सिंह पुत्र मेजर मृकुन्द सिंह 9. हरवंश कौर पत्नी स्वर्ण सिंह 10. हरदर्शनपाल कौर पुत्री छा० कैंप्टन पूर्ण सिंह 11. तिपतिसिंह 12. खजान सिंह 13. प्रीतम सिंह 14. मुताव सिंह 15. भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री तिचोचन सिंह 16. जगदेव सिंह 17. सोहन सिंह 18. महेन्द्र सिंह 19. वेवेन्द्र सिंह पुत्रगण श्री गुजन सिंह 20. जगजीत सिंह पुत्र जगदेव सिंह निवासी गण-ग्राम मालवफार्म ग्रजुनगंवा खुदै तह० व जिला-शिवपुरी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुबना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शांध में समाप्त होती हो, के भीतर पृतांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में छित- शृक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्यारा जआहेस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

लाकाकिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उद्य अध्याद में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि ग्राम ग्रर्जुनगंवा खजर्द में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी स**हायक मायकर आयु**क्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 10-11-1982

मोइर:

प्ररूप आइ. टी. एन . एस . -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अभीन सूचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर∤1982

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3265—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्न,

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उकत अभिनियम कहा गया है) की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक हैं श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम ग्रर्जुनगंवां में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, शिवपुरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 8 श्रप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित निम्नु गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः नव्, उनत् अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उनत् अधिनियम की धारा 269-च की उपधाव (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मुस० वीरकुझंर बेवा झनन्तराम द्वारा विजयकृष्ण पुत्र हरनारायण वह मु० खास निवासी-सिमरिया जिला-जालोन । (अन्तरक)
- (2) 1. श्री जोगेन्द्र सिंह पुत्र जगदीश सिंह 2. करतार कौर पत्नी जोगेन्द्र सिंह 3. अमृतपाल सिंह पुत्र जोगेन्द्र सिंह 4. सतपाल सिंह पुत्र श्री जोगेन्द्र सिंह 5. श्रीमती सुखमिन्द्र कौर पत्नी अवतार सिंह 6. सुखदेव सिंह, पुत्र वारा सिंह 7. सरवन सिंह पुत्र मेजर मुकुन्द सिंह 8. मलकीत सिंह पुत्र वारा सिंह 9. हरवंश श्रौर पत्नी सरवन सिंह 10. हरदर्शनपाल कौर पुत्री डा० कैंप्टन पूर्ण सिंह 11. निपति सिंह 12. खजान सिंह 13. श्रीतम सिंह 14 मृताब सिंह 15 भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण जिलोचन सिंह 14 मृताब सिंह 15 भूपेन्द्र सिंह पुत्रगण जिलोचन सिंह 16. जगदेव सिंह पुत्रगण श्री गज्जन सिंह 20. जगजीत सिंह पुत्र जगदेव सिंह निवासी—मालवा फार्म, श्रर्जुनगंवा खूर्द तह० व जिला शिवपुरी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक पूर्वाक्त सपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया म्या है।

# अनुसूची

भूमि भ्रर्जुनगवा खुर्दतह० व जिला—शिवपुरी में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक . 10-12-1982

प्ररूप गाइ .टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3266—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० नं० 293/2, 296, 295 है, तथा जो प्राम बावडिया तह० देवास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 7 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरम के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरम लिखित में बास्त्विक रूप से की यत पृष्टी किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कथी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (बा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, चिन्हां भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया ज्ञाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, सुधृति :---

- (1) श्री बाबुलाल पिता मूलचंद 2. प्रजोध्याबाई विधवा मूलचंद निवासी-बालगढ तह० देवास । (प्रन्तरक)
- (2) बादणाह लेण्ड एंड फायनेस कंपनी, देवास भागीदार-1. इस्माईलखां पिता महताबखां 2. समीमबानो पित मोदनुद्दीन, देवास 3. कनीजबानो पित मोहम्मद, देवास 4. मोहरूनीसा पित श्रयाजुद्दीन, देवास । (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास विश्वित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

भृमि सं० न० 293/2, 296, 295 ग्राम बाविडिया तह्र देवास में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक: 15-12-1982

मोहार 🥫

प्ररूप आइ<sup>2</sup>. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० भाई० ए० सी०/भर्जन/भोपाल/3267—स्प्रतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 870/सी है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रील, 1982

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भगवानदास वस्द छवामीलाल कुर्मी पढेल निवासी-नेपियर टाउन, अबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ऋांति कुमार वल्द मोहनलाल श्ररोरा निवासी— गृप्तेग्वर रोङ, मदन महल जबलपुर।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अनुसूची

क्लाक नंबर 4, प्लाट नंबर 22, मकान नंबर 870 का हिस्सा, नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पस्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1982

# प्रसम् भार्षः . टी. एन . एस . ------

# श्रामकर भौजनियम, 1961 (1961 का 43) की वर्षा 269-व(1) के प्रशीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (रिनरीक्षण)

# मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 विसम्बर 1982

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3268--श्रुतः, मझे, देवप्रिय पन्स,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसें इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रत. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 158 है, तथा जो भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपास में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनांक भ्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करनेका कारण है कि यथापूर्वोक्त संपतिका उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिकात का यम्ब्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रति-फल, निम्नसिवित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है।---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अभीन कार दोने को अन्तरक को दारीयत्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन वा अपन्य शास्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाग किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

थतः वयः, उनत अभिनियमं की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकतवों, अर्थातः ----

- (1) श्री श्र० वली खान पुत्र श्र० शारीफ खान ग्राम वामखेडा तह० हजूर जिला-भोपाल । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र दीपचन्द गोयल निवासी-गोविन्धपूरा, भोपाल ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

# जक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीय:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की मामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वाग;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्तिमें किए जासकेंगे।

स्वकारण--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गवा है।

# अमुसुची

एक किता भूमि खसरा नंबर 158, ग्राम दामखोड़ा में स्थिस है।

> देवप्रिय पन्त. सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 13-12-1982

प्रकृष ग्राई० टी• एन•एस•---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छार। 2699(1) के मधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3269---ग्रतः मुक्तो, देषप्रिय पन्त,

आयंकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उनत प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख से प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 314/1 तथा 315/1 है, तथा जो खंड़वा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, खठड़वा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 16 ग्रिप्रैंल, 1982।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के निल्ए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निश्विल में वास्त्रिक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण मे हुई किस्रो प्राय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के प्रधीन कर देमें के बन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए, बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भन या भ्रम्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल प्रधिनियम, या भ्रन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीत्, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री बंधताभाई श्रात्मज नानाभाई ठक्कर निवासी-नागचृन रोड़, खंडुवा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीदास शाह ग्रात्मज गोवर्धनदासणी शाह निवासी-बाम्बे बाजार, खंड्वा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की प्रविधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस पूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकारी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

हराष्ट्रोकरण:--इसमें प्रयुक्त जरूरी और पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के प्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अये होगा, जो उस अध्याय में विया गया है

# अनुसूची

ब्लाक नंबर 1 ब व सीट नंबर 8 प्लाट नंबर 314/1 तथा 315/1 का 82.59 फुट जमीन व उस पर बना मकान, खंड़वा में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 14-12-1982

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यात्त्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोजाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3270—म्प्रतः मुक्को, देवप्रिय पन्त,

नायकर निर्मानयम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया है), की धारा 269- कु के निर्मान स्थान प्राधिकारी को यह निरमास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उपित नाजार मृत्य 25,000/- हु से निरमा है

भीर जिसकी सं० खसरा नंबर 4/2 है, तथा जो ग्राम नायता-मुंड़ला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 24 ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से, एसे दरयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतर्क (अंतर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबतु, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरुक के वायित्य में कभी करने या उससे बज़ने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयुकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिश्याने में सुविधा के सिए;

जतः अनु, उक्त अधिनियम् की भारा 269-गृके अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-गृकी उपभारा (1) के अभीन, निम्नति[कत व्यक्तियों, अर्थातु ्⊶ (1) श्री ग्रब्बास पिता नबीब दाजी निवासी—मुंडला नायता तह० व जिला इंदौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री 1. श्री ग्रमरताथ पिता बैजनाथ सिंह
2. श्री बैजनाथ पिता हुबलाल
3. कु० राधा पिता शिवमूथ निवासी-6/1 नवलखा
रोड़, इंदौर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित् के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## वन्स्ची

स्वसरा नंबर 4/2, ग्राम नायता मुंडला तहसील व जिला इंदौर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

दिनांक: 13-12-1982

# प्रक्य भाइ<sup>4</sup>. टी. एत. एस. - - - --

भागकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 16) की भारा 269-थ (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3271---ग्रतः मुम्रो, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं॰ मर्वे नंबर 4/2 है, तथा जो ग्राम नायता मुंडला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 24 ग्रागैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उद्युक्त विश्वने में सुविधा के लिए; औट्ट/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269क की उपभारा (1) के अभीन भिक्तिवित व्यक्तियों, नर्भात् :---

- (1) श्री श्रक्तास श्रली फिता नकीवदाजी निवासी-नायता मुंडला, तह० व जिला-इंदौर । (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री महेन्द्र हाडिया पिता केवलचंदजी हाडिया
   2. श्री वभव पिता क्याम हाडिया
   3. श्रीमती चंदा बाई पित केवलचंद हाडिया सभी निवासी-5/1, नवलखा रोड़, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (का) इस स्प्रना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीका से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्प्रना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (क) इस सूचना के राजपक्र में प्रकाशन की तारीक्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

त्मच्यीकरण: --इसमें प्रयुक्त कक्यों और पयो का, जो उच्छा अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

# **धनुसूची**

सर्वे नंबर 4/2, ग्राम नायता मुंडला तहसील व जिला इंदौर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राप्तिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

विनांक: 13-12-1982

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोप ल भोप ल, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3272—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति है, तथा जो 181 खातीवाला टैंक इंदौर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 5 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको और अंतरिती अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलित व्यक्तियों, अर्थात् :--16-426 GI/82

(1) श्री मुरेश चन्द्र पुत्र कन्हैयालाल खंडेलवाल 27/1 नार्थ राज मोहल्ला, इंदौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स गुरीजा बिल्डर्म णांतीपुरा, इदौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त मम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 विन की अविधि का भी अविधि का में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित र्न, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनस्ची

सम्पत्ति, 181 खातीवाला टैंक. इंदौर मे स्थित हैं। देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज भोपाल

दिनांक: 14-12-1982

मोहर 🖫

# प्रकप नाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज भोपाल

भोपाल, विनाक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3273—ग्रातः मुक्को, देवप्रिय पन्त,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-■ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट तथा निर्मित क्षेत्र है, तथा जो गोविन्द पुरा, पंजाबी कालोनी, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 22 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पास्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्रिस निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्सरिती दूबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

🖏 अभीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती परमार्लः त्रेलेय तिमिटेष्ठ, द्वाराधी महेण विट्ठल वास झात्मज बिट्ठलदास कानजी, परमाली हाउस भोपाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कैलाणचन्द्र जी ग्रात्मज पं० प्रेम बिहारीलाल परमाली हाउस, भोपाल

(ब्रन्तरिती)

को यह मूजना जारी करक पृत्रांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की क्यांधि या हरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकरा ध्योकतयों में स किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राषपत्र में प्रकाशन की सारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संप्रतित में हित-दद्ध किसी अन्य जीना द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिजियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वनुसूची

प्लाट तथा निर्मित क्षेत्र, गोविन्वपुरा, पंजाबी कालोनी, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्तः, सक्षम प्राधिकारी सहाय्क आयकर आयुक्तः (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिमांक 14-12-1982 मोहर

# प्रकृप आई० टी• एन० एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० मी०/म्रर्जन/भीपाल/3274---प्रतः मुझे, देवप्रिय पन्तः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं खसरा नंबर 380 है, तथा जो ग्राम पिग डम्बर तहसील महू जिला, इंदौर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, महू में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 20 ग्रशैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के धूश्यमान प्रतिफन के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐस दृश्यमान प्रतिफत का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अनिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्लिखित उद्देश्य से उचन भन्तरण निखित में वास्तिक का सामित नहीं। मा गया है:—-

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की कावत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विका के लिए;

नतः नव, उन्त निधिनयम की धारा 269-म की अनुस्तरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. श्री करण सिंह पिता जगन्नाथजी निवासी-ग्राम पिगधम्बर तह० महू जिला—इंदौर । 2. भंवर सिंह पिता जगन्नाथजी निवासी—ग्राम पिगडम्बर तह० महू जिला—इंदौर । (श्रन्तरिक)
- (2) मेससं सुरूचि लैण्ड डेव्हलपर्स, भागीवारी संस्था तरफे श्री चैनसिंह मोदी, निवासी-मकान नंबर 6/7, महेश नगर, इंदौर । (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की बबीध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों दर सूचना की सामील से 30 दिन की बबीध, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे विश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पन्ति में हिंत-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जधीहम्तोक्षरी बें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुस्ची

भूमि खसरा नंबर 380 ग्राम विगडम्बर तहमील महू जिला-इंदौर में स्थित है।

> देववित्र पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्राप्रकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

विसांक: 14-12-1982

प्ररूप आई.टी.एम.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० **ग्राई**० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3275—प्रतः मुक्को, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि खसरा नंबर 158, 159, 160, 161 है, तथा जो ग्राम काछी बरखेडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 3 भ्रप्रैंल, 1982

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हो और अंतरक (अंतरको) और अंत-अन्तरिती (अन्तरित्तियो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1 श्री द्वारका प्रसाद पुत्र की पी पाहे एकरी क्ली वास्ते स्थाम मुन्दर पुत्र जगदीश प्रसाद 2. श्री हरीकृष्ण पुत्र द्वारका प्रसाद निवासी –भोगाल (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री हिम्मत सिंह पुत्र श्री थान सिंह 2. तुलसीबाई पत्नी थार्नासह नियासी-वरखेड़ा तहसील हजूर जिला-भोपाल

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि खसरा नंधर 158, 159, 160, 161, ग्राम काछी बरखेड़ा तहसील हजुर जिला—भोपाल में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त , सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 13-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

म्रायकर मधिनियम, 1981 (1981 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश म० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3276---ग्रत मुक्के, देवप्रिय पन्त,

आयकर मित्रिनियम, 1961 (1941 का 43) (जिमे इसरें इसके पश्कात 'उक्त प्रधितिसम' न्हा गया है), की घारा 289- की अभी मना सित्रिक्षणी को, मह विश्वाम करते की कारण है कि स्थावर नम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ व्यये में शिष्ठा है

स्रोर जिसकी सं मकान न 12, दुकान न 10 है. तथा जो पढ़रीनाथपथ, इदौर मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ददौर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाक 22 ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वाक्त समाति के छिति बाजार पूर्वेष से कम के दृष्यमान प्रतिकत के लिए प्रस्तरित की गई है भीर सुझे यह विषया का करने का कारण है कि यथा (बाँका सम्पत्ति का विषया वालार पूर्वे, उनके दृष्यमान प्रतिकत से, ऐस दृष्यमान प्रतिकत से, ऐस दृष्यमान प्रतिकत है और प्रस्तरक (प्रतारको) और प्रतिकत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रतारको) और प्रतिकती (प्रतारविता) के लोग एन प्रतिकत निम्तिविक विदेश र उक्त असरा लिखिन में बास्तविक का ने का वाहीश्व र उक्त असरा लिखिन में बास्तविक का ने का वाहीश्व र उक्त असरा लिखिन

- (क) अन्तरण ा हुई । हना प्राय की बादा अका भ्राप्त नियम के अधीन कर देने के अभ्यारक के दायिस्व म कभी करने या उससे बचने में भृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अस्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1923 (1922 का 11) वा उस्त अधितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजाार्व प्रनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

अाः अत्र, दश्त प्रतिनियन की धारा 269-ग क वनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिवित् स्वित्यों, अर्थात्ः—

(1) सरदार प्रतापिसह राव पिता मल्हारराव होल्कर तरके ग्रा० मु० श्यामराव क्रुष्णराव होलकर, निवासी-12 ग्राडा बाजार, इंदौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मायादेवी पत्नी श्री कन्हैयालालजी राम-चदानी निवासी-29/2, राजस्व ग्राम, इदौर (श्रन्नरिती)

को पत्न मुजना जारो हर ह पूर्वीका सम्पत्ति के सर्जन के लिए हार्यवाहिया करना हू।

उक्त सम्पत्ति ह प्रजेत ह तस्वत्व ने काई भी आदिता :---

- (क) इस सूबना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की नामात्र स 3) दि। को काबि, जो भी प्रवधि बाद में मनाप्त होनो हा, के भीतर प्रवीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस न्वना कराजपंत्र में प्रकारन को गारीख से के दिन कभानर उना स्थायर गम्मिल में हितबद्ध किसी पत्त्र काकिंद हारा, प्रोत्नाक्षणों के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरम ---इनर्ने प्रमुक्त जन्दा और पदी का, जा उक्त अधि-नियम के प्रस्थान 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जा उन अध्यान में दिया गया है।

#### गगसर्ची

मकान नबर 12, दुकान नबर 10, पढरीनाथपथ, इदौर में स्थित है।

> ्रदेवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनाक . 15-12-1982

प्रकप बाहै. टी. दन, एस -----

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्वेश स० म्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/3277—म्रत मुझे, वेवप्रिय पन्त,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/ रहे. से अधिक है

ध्रौर जिसकी स० मकान नंबर 12, दुकान 15 है, तथा जो पढ़रीनाअपथ, इदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, इदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 22 श्रप्रैल, 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके इद्यमान प्रतिफल से एसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए,

अतः अव, उन्त् अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त् अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्रीमंत स० प्रतापिसह राव होलकर पिता श्री मल्हारराव होल्कर, 12 ग्राडा बाजार इदौर तरफे ग्राम मु० ग्याम राव कृष्णराव होल्कर नि०-5 स्परामनगर कालोनी, इदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मायादेवो पति कन्हें यालाल राम चदानी निवासी-29/2, ग्राम राजस्व, इदौर

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर धूबों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंग।

स्पट्टीकरण:--इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

मकान नबर 12, द्रुकान 15 पड़रीनाथ पथ, इदौर में स्थित है।

> दंवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, भोषाल

दिनाक 15-12-1982

प्रकप आई .टी.एन.एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 दिसम्बर 1982

निर्वेश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3278—स्म्रतः मुझं, देवप्रिय पन्तः,

क्रमचकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० नं० 292, 293/1 है, तथा जो ग्राम वावड़ीया में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यलय देवास मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 5 श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी थाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शयक उ अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हो प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था छिपान में म्विया के लिए,

अत. अब. उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1 (1) श्री बाब्धाल पिता मेल्बल
  - (2) प्रजोध्याबाई विधया मूलचन्द निवास-वल्लबगढ, तह० देवास

(भ्रन्तरक)

2. बादगाह लैन्ड एन्ड फायनेन्स कम्पना

देवा भागदार

- (1) इम्माइलखां
- (2) शर्म मबानो
- (3) कर्नाजबानों
- (4) मेहरुनंभा निवास -देवास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वंकित ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्साक्षरी के पास लिसित में किए का सकेंचे।

स्पव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, जो उसत व्यधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विद्या गया है।

## अनुसूची

भूमि---सं० नं० 292, 293/1, ग्राम बावर्डाया तह० देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त मक्षम प्राधिकार्रः महायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रजन रेन्ज, भोपाल

तारीखाः 15--12-1982

प्रकाष आह<sup>र</sup>. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज,भोपाल

भोपाल, विनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन भोपाल/3279—श्रतः मझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या भूमि खसरा नम्बर 95/2, 96, 97 है, तथा जो नंत्वबढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भीपाल मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 27 शर्येल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) श्री दिलीय कुमान पुत्र गंगाधर राम निवासी नीलबढ़ तहर हजूर जिला—-भोगाल

(श्रन्तरक)

(2) श्रा फोनेक्स डिस्ट्राब्यूटर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जयमिह गोकुलराज पुत्र द्वारका राम गोकुलक्षाम निवासी, भोषाल।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

भूमि खसरा नंबर 95/2, 96, 97, ग्राम नीलबढ़ तह० हजूर जिला—भोपाल में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर भ्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3280—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उद्यत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० सर्वे नंबर 4/2 है, तथा जो ग्राम नायता मंडला में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च: में श्रोर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर मे, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24 श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिषत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अज्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--17-426GI/82

(1) श्रं। अब्बास पिता नबीब दाजी निवासी-ग्राम मंडला, तह० व जिला—इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमची कुसुमलता पति श्याम हाडिया
  - कुलदींप हार्डिया पिता बद्रालाल हार्डिया
  - 3. बद्रीलाल पिता बैजनाथ हार्डिया निवासी—नवलखा, इन्दौर

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि—सर्वे नंबर 4/2: ग्राम नायता मंडला तह० व जिला—इन्वौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, भोषाल

तारीखा: 13—12—1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अवायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश संब्धाई० ए० संविश्वजैन/भोषाल/3281—श्वतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त प्राधीनयम कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा संअधिक है

स्रोर जिनकः मंच्या प्लाट नम्बर 36 है तथा जो जावरा वस्पाउन्छ, इन्दौर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबड़ अनुसूचः में स्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजिस्ट्रें तो अधिकार्रः के कार्यालय इन्दौर में रिजस्क्ट्रेंरण अधिनियम 1908 (1908 रा 16) के प्रधान 22 स्रप्रैल 1982

को प्वांक्त गंपतित के उिषत बाजार मूल्य से काम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गगा प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्ल) अल्लाक संहुद्द किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रयान नहीं किया एक कर यह किया का कर सही किया कर सह सहिता जाना उन्हें कर करिया के लिए.

अतः अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रा तिस्रोकचन्द ग्रात्मज फूलचन्द जं जैन निवासा-119 जावरा कम्पाउन्ड इन्दौर

(अन्तरक)

(2) श्री ग्रमृतलाल पिता मांगललालर्जा जैन मकान नंबर 8, राजवाड़ा चौक इन्दौर

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनन पम्पति ह पर्वत ५ जन ० ए वें होई भी भानेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खारा.
- (स) इस मुचना को राज्यभ में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन न्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में विश्व वया हैं।

## अनुसूची

प्लाट नंबर 36 जायरा कम्पाउन्ड, इन्दौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, भीपाल

तारीख: 14-12-1982

# प्रक्य बाइं. टी. एस. एस. -----

# आयभर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालग्, सहायक गायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 दिसम्बर 1982

निर्देश म० ग्राई० ए० सा०/ग्रर्जन/भोप(स/3282--ग्रत. मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

स्रीर जिनकी सख्या भूमि है, तथा जो ग्राम प्रर्जुनगवा खुई में स्थित है (और इसे उपावस सनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजिस्ट्रोकर्ती स्रिक्षितारी के नार्यालय शिवपुरी में, रिजिस्ट्रोकरण स्रिक्षित्मम, 1908 (1908 ना 16) के स्रिक्षीन, 8 सर्पेल, 1982

को पूर्योक्त सपित्त का उचित बाजार मूल्य से कम के रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक रवयमान प्रतिफल में, एसे रवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उरश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे अकने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन वा अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना नाहिए था, निजया स्विधा के लिए;

जतः जस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

(1) श्री रतनसिंह पुत्न कल्याण सिंह ठाकुर नि० सिमरिया तह० कोंच जिला जालोन

(भ्रत्सरकः)

- (2) 1. जोगिन्दर्शसह पुत्र श्र वक्स स सिह
  - 2. करतार कौर पतनः जोगेन्द्र मिह
  - 3. भ्रमृतपालसिंह पुत्र जोगेन्द्र सिंह
  - 4. सतपालसिंह पुत्रश्रीः जोगेन्दरसिंह
  - सुखिमिन्दर कौर पत्न अवतारिसह
  - 6. सुखदेवसिंह पूत्र वारासिह
  - सरवर्नासह पुत्र मेजर मुकुन्दिसिह
  - 8 मलक तिसह पुत्र वाशिसह
  - 9 हरबंश कौर पतन सरवनसिंह
  - 10. हरदर्शन कौर पुत्री डा० वैप्टन पूरनसिह
  - 11. व्रिपतिसिष्ट
  - 12. खजानसिंह 13. प्रीतमसिंह
  - 14 मृतःवीसह
  - 15 भूपेन्दर्गसह पुत्रगण थ। त्रिलोचनसिह
  - 16. जगदेवसिष्ठ
  - 17. मोहन सिंह 18 महेन्दर्शसह
  - 19. देवेन्दर सिंह पुत्रगण श्र गज्जनसिंह
  - 20 जगज तिसह पुत्र जगदेवसिह नि०---माल-टाफार्म

म्रर्जुनगवा खुर्द, सह० व जिला-शिवपुरः।

(ग्रन्तरिसं )

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काय वाहिया करता है।

## उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयोध या तरपम्बन्धी क्यान्तया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भातर पूर्वा कर व्यक्तिया मा म किसा व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सृच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हर स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

भूमि ग्राम अर्जुनगवा खुर्द तह०, व जिला---शिवपुर। में स्थित है।

> देवप्रिय पन्न सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) ग्रजन रेन्ज, भोपास

तारीख: 10-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं श्याई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3283—-ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त.

न्नायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नम्बर 153, पर बना हुआ मकान है, तथा जो जावरा कम्पांउन्ड, इन्दौर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची मे और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ण अधिकार्र। के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21 अप्रैल 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देशों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रं। पुरुषोत्तम लाल साइदासजी गुगलानी निवासी 153, जावरा कम्पाउन्छ, इन्दौर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुधीर कुमार पिता परसूभाई शाह निवासा-10/2, उषागंज, इन्बौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ण्लाट नंबर 153, पर बने हुए मकान की प्रथम मंजिल, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

ता**रीख: 13-12-198**2

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1261 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश म० भाई० ए० सा०/मर्जन/भोपाल/3284--- म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या म्यु० पा० नम्बर 63 जूना व नया नम्बर 31 है, तथा जो महाराजा नुकोजी राव कलाथ मार्केट, इन्दौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्टा कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इन्दार में,

रजिस्ट्रीहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, 22 अप्रैल, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/आ
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री छ।तरमल पिता मानमलर्जा **चौरड़िया** निवासी मकान नं**बर** 7, गोराकुंड इन्दौर

(मन्तरक)

(2) श्रीमती रुकमणी देवी पति सच्चानन्दजी 2. श्रीमती मीराबाई पति रमेशलाल 3. श्रीमती इन्द्रादेवी पति दीवानसिंह निवासी-7 साधूनगर, इन्दौर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कम्परित के अर्जन के सम्भन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानतामों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-ब्व्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

म्यु० पा० नम्बर 63 व नया नम्बर 31, ब्लाक नम्बर 113, पर बना हुआ। भकान महाराजा तुकोजी राव क्लाय मार्केट, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) भर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 13-12-1982

प्रकल आई. टी. एन. एस.-----

भ्रायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनाक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश स० आई० ए० सं।०/ग्रर्जन/भोपाल/3285---ग्रतः मुक्को, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रापये में अधिक हैं

स्रोर जिसका संख्या भूमि नम्बर 1398/3 है, तथा जो नागदा में स्थित है (आर इसस उपाबद्ध अनुसूच में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्र वर्ता प्रधिकार के विलय खाचराद में, र्याजस्ट्र वरण स्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधान, श्राप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिंग उद्वेदियों स उवत अन्तरण किंगित में पार्विक मार्ग म

- (क) अन्तरण में हुई किसी आग की काबत, उक्षा अधि-नियम के अतीन की देने का उत्पादकी दायित्व में कसी करने या उसमें बयने सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या। कसी घन या अन्य ब्रास्तिकीं को, जिन्हें भारतीय आय-कर पश्चिनियम, 192 (1922 को 11) या उक्त ब्रिधिनियम या धन-कर प्रश्चितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्तरियो तरा प्रकट नण किया गया था में किया जाना चाहिए था, खिपा में सुविधा के लए;

(1) विश्वी 1 बापूर्सिह 2 निभग्नेशिह, 3 उदयसिंह गिपरान माधोज। 4 नन्दाबाई विधवा माधोज। गूजर, निवास।—-डावर्र। पोस्ट नागदा

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स भारतीय एसोसिएटम नागदा तहरु खाचरोद।

(श्रन्तरितः)

को यह सूतनः जारा करके पूर्णावन सम्यति है श्राजीन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप --

- (क) एट क्लिंग के गर्जार ने नकाणन की लारीख ने 4~ डिन की अवश्य कर सस्सम्बन्धों क्षिक्तयों पर क्लिंग जा नामील के 20 दिन की धविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचत अवित्यों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस प्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ाक ति हरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मणि-नियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होता का उन श्रध्याय में दिया गया / ।

## अनुसूची

भ्मि सख्या 1398/3 जो नागदा तह० खाचरोद में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकार। सहायक म्रायकर ग्रायुक्त(निरक्षण) म्रजंन रेंज, भोपाल

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, गौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

नारोख: 14-12-1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 18 दिसम्बर 1982

निर्देण स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3286--ग्रत मुझे, देवप्रिय पन्त,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गूच्य 25,000/- रु. ये अधिक हो

भौर जिसकी स० तीन मिलला मकान (गलरात लाल) है तथ जो कमार्तना गेट कटनी पे स्थित है (श्रौर इसके उपावक अनम् ची मे भौर पूर्ण रूप स विणित है), रिजरद्रीकर्ता अभिवासी वे क्ष्यानय, कटनी मे, रिजस्ट्रीकरण प्रविश्यिम 1908 (1900 गा 16) के श्राधीन, 27-4-1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह मोत्काल में अन्तरक (बन्तरका) आर अन्तर्भा (अन्तर्भिता) के बीच एस अन्तरक (बन्तरका) आर अन्तर्भा पाया गया पतिफल, निम्मालाखत उद्देश्य में उत्तर अन्तरण निक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्क हारियाम हे आपने अर्था की सम्बद्धाः भे वादित्व में कार्य अर्थन वा उत्तर नाम पृथ्वित के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अना अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूप और जिल्ला किसार की किया गया असोजनार्थ अन्तरियी इतारा पंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री जयन्ती प्रसाद राठौर भागीदार में सर्स नानजी हरीदास कैमोर (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बजरग लाल सरावगी पुत्र श्री श्रीनिनास सरावगी मानवीय गज, गोल बाजार, कटनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ताद सा तमाप्त हाती हो, दो भी र पूर्वति विक्ता से किसी व्यक्ति देवाए।
- (स) इस सबना को राजधन्न पा प्रकाशन की नागीक में 45 दिन के भीतर एक्त स्थार सम्पत्ति मा हित-बद्ध किसी अन्य त्यंवित द्वारा, अवहिस्ताजरी के पास लिखित स । ऋए आ सकोगी।

क्ल्फ्टोकरणः - इत्रको त्युक्त कट्याँ और को का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क 4 परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसूची

तीत गिजना मकान जो कि गुजरात लॉज के नाम में जाना जाता है तथा कमानिया गेट कटनी के निकट स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपास

अत अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, एता अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ---

तारीख: 18-12-82

मोहर

प्ररूप आई. टी. एम. एस. ------

भाशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# नवर्यालय, तहाबक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० एम०/श्रर्जन/भोपाल/3287—श्रतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- कि. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नंबर 22 है, तथा जो लोकेन्द्र कम्पाउन्ड रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय रतलाम में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 27 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमाम प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्रत किस निम्नीसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक रूप से साथक सहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाब की बाबत उक्त किंध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायिल्य में कभी करने या उससे वचने में सृतिधा के लिए जीद/का
- (क) इसी किसी आय मा किसी धन वा अन्य आस्तिवों की, चिन्हुं शारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रमेशचन्द्र वल्द लक्ष्मीनारायणजी निवासी-मोहल्ला होलसी, रतलाम

(श्रन्तरक)

(2) श्री अब्बासभाई पिता अब्दुल अजीज बोहरा माहीर निवासी---रतलाम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योक रण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में विमा गया है।

# अनुसूची

प्लाट नंबर 22, लोकेन्द्र कम्पाउन्ड, रतलाम में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 15-12-1982

प्रकर्प आर्ड .टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्वेश मं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3288—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या मकान नम्बर 875/बी है, तथा जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तरकाँ) और अनतरित (अन्तरितयाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुपरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् --- (1) श्री भगवानधाम बल्द छदामीलाल पटेल निवासी नेपियर टाउन, जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दर्शनपाल वल्द मोहनलाल ग्ररोरा निवासी——गुप्तेश्वर रोड, महल, जबलपुर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीतर में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरणः-- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उप्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अक्षाय में दिया गया है।

## अनुसुची

ब्लाक नं० 4 प्लाट नंबर 22 मकान नंबर 870 का हिस्सा नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13-12-1982

प्ररूप नाइं.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सृष्टना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेन्ज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० आई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3289—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या मकान नंबर 870/ए० है, तथा जो नेपियर टाउन, जबनपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11 अप्रैल, 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरिधयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कम् से किसत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों अर्थ, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की अपधारा (1) के अधीन निम्नतिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री भगवानवास वल्द छवामीलाल पटेल, निवासी—नेपियर टाउन, जबलपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धर्मनपाल वस्द मोहनलाल श्ररोरा निवासी-गृप्तेश्वर रोड़ मदन महल जसलपुर।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पृतित के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्या है।

# बन्त्ची

स्लाक नंबर 4, प्लाट नं० 22 मकान नंबर 870 का हिस्सा नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 13-12-1982

प्ररूप आहूरे. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० स्नाई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3290—म्बतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या मकान नंबर 870/डी० है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्राग्रैल 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से वृधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री भगवान दास बल्द छवामीलाल कुर्मी पटेल निवासी नेपियर टाउन, जबलपुर

(म्रन्तरक)

(2) श्री ऋग्न्ती कुमार वल्द मोहनलाल धरोरा निवासी गुप्तेम्वर रोड़ मदन महल, जवलपुर।

(भ्रन्सरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

## अनुसूची

ब्लाक नंबर 4, प्लाट नंबर 22 मकान नम्बर 870 का, हिस्सा, नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 13-12-1982

# प्ररूप बार्ड टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनाक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3291—ग्रत मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सख्या प्लाट नबर 175 पर बना हुग्रा मकान है, तथा जो तलसीकर कालोनी, उन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब प्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप में वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 198 (1908 का 16) के श्रधीन, 5 ग्रग्नैल 1982

को पूर्वेक्ति सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिलित व्यक्तियों, अर्थात् '—— (1) श्री किशनदास पिता बन्तमलजी नि ०-10 गजी कम्पाउन्ड, इन्दौर

(श्रन्सरक)

- (2) 1 श्री टिकमदास पिता गगाराम
  - 2 भगवानदास पिता गगाराम गोदवानी
  - उ लालचन्द पिता गगररामजी
  - 4. हरीश पिता गगाराम जी कोडवानी निवासी-175, पलसीकर कालोनी, इन्दौर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पध्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभुसुची

प्लाट नम्बर 175 पर बना हुन्ना मकान, पलसीकर कालोनी, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख 13-12-1982 मोहर.

# प्रकप आई • टी • एव • एस • ⊶

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1982 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3292--यतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या भवन निगम नम्बर 18/459 है, तथा जो टोंडा की बनरिया कम्पूत्रिगेडेस, लग्नर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुत्रों में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्यालयर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 30 ग्रौजैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरण (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नितियों उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्नितियां पर्देश्य से उसत अन्तरण निम्नित में वास्तिवृक्ष कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई फ़िसी जाय की गावत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के सायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रतः कव, उन्त विधिनियम की धारा 269-व की, वनुसरण को, भी, अन्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अधृत् ॥— (1) भी माधवराव भ्रवड़ा पुत्र भी नारायणरावजी भवाड निवासी-कम्पू रोड, लम्कर, ग्वालियर (म०प्र०)

(अन्तरक)

(2) श्री विनोदकुमार मंगल मास्भज श्री प्रेम नारायण मंगल निवासी—गीताकालोनी, दाल बाजार, लस्कर, ग्वालियर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूनों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (सं) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं
  45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
  .पास लिखित मों किए जा नकींगे।

स्पक्कीकरण:---- प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# वन्स्पी

भवन, टोंटी की बजरिया कम्पू बिग्रेडल, लस्कर ग्वालियर में स्थित है। निगम न० 18/459

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-12-1982

1982

# प्रकप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# भायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भ्रवीन सूचना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3293—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की प्रारा 269-ख ने प्रधीन पमप्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये ने प्रधिक है भौर जिसकी संख्या छृषि भूमि है, तथा जो ग्राम मृंगवारा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विदिशा में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 17 अप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूरूप से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूरुप, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित मे वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है 1—

- (क) धन्तरण से दुई किशी भाग की बाबन उक्त धक्ति-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व मैं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; भौर/या
- (जा) ऐसी किमी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने मैं सुविधा के लिए;

मत: मन, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, म, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्मलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ६--- (1) श्री भगतराम
पुत्र जोधाराम भरोरा,
विल्ली,
हंसराज रघुनीरलाल
पुत्रगण जोधाराम,
निवासी-विदिशा,
रामरखीबाई बेवा जोधाराम भरोरा,
विदिशा, मु० मोरादेवी पुत्री
जोधाराम पत्नी किशनधा
निवासी-विल्ली-1

(मन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र दरबारीलाल श्ररोरा सावर कर पथ, विदिशा

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही भर्य होगा, जो उस श्रुष्टवाय में दिया गया है।

# वनुसूची

कृषि भूमि ग्राम मुंगवारा में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 10-12-1982

प्ररूप काइ .टो.एन.एस. ------

ग्रायकर **मधिनियम, 1961 (1961 का 4**3) की घारा **269-म(1) के ग्रधीन सूच**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 14 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3294—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या भर्वे नंबर 4/2 है, तथा जो ग्रामनायता मुंडली, तह० व जिला इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 24 ग्रग्रैल, 1982

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम, के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुचित्वा व्यक्तियों, अधीत ह—

(1) श्री श्रब्बास पिता नबीबबाजी निवासी-मुंडला तह० व जिला इन्दौर

(मन्तरक)

- (2) 1. श्री मंगेश पिता के वलसिंह हार्डिया
  - 2. विवेक पिता श्याम हार्डिया
  - विश्वास पिता श्याम हार्षिया 7/1, नवलचा रोड, इन्दौर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथितित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सर्वे नंबर 4/2, ग्राम नायता मुंडुला, इन्दौर में स्थित है। देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेन्ज, भोषाल

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

**नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 10 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्र्जन/भोपाल/3295—म्रत:. मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी संख्या दो मंजिला भवन म्यु० ति० क्रमांक 92, है, तथा जो जीवाजीनगर, मुरेना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरेना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, अभैल, 1982

को प्रोंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रोंकित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण, लिखित में शस्तिक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियम, की धारः 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारः 269-म की उपधारा (1) अं अधीन निम्नतिस्ति स्थिनत्यों, अर्थात् ६—— (1) श्री हुकुमचन्द उपनाम ग्यासीराम स्नात्मज स्व० चन्दनलाल निवासी जीवाजीगंज, मुरेना

(भ्रन्तरक)

(2) श्री 1. सुरेन्द्र कुमार गुप्ता श्रात्मज श्री बैजनाथ प्रसाद नि० मुरेना, 2. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी श्री मदनमोहन गुप्ता, निवासी-स्टेशन रोड, मुरेना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्प**रित के अर्जन के सम्बन्ध में को**ई** भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सैं 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रिक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भवन दो मंजिला म्यु० नि० क्रमांक 92 वार्ड क्रमांक 10 जीवाजीगंज, मुरेना में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-12-1982

# त्ररूप मार्च.टी.एन एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 13 दिसम्बर 1982

निर्देश म० भ्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3296---श्रत, मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्या म्यु० पा० नवर 21 है, तथा जो महाराजा सुकोजी राव क्लाथ मार्केट, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपा- बद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि- कारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 1916) के श्रधीन, 22 श्रप्रैल, 1982

को पूर्वा तित सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था किपाने में मृतिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन व्यक्तियो, अर्थात् ---19--42601/82 (1) श्री कुणलचन्द पिताश्री छीतरमलजी चौरडिया निवासी-7 गोराकुड, इन्दौर

(भ्रन्तरक)

- (2) 1 श्रीमती सीमादेवी पति राजकुमार
  - 2 प्रिती देवी पति बाबुलालजी
  - 3 शकुन्तला देवी पति किशोर कुमार निवासी-7 साधू नगर, इन्दौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जनत सपत्ति के अर्जन के सबभ में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुसूची

भवन म्यु० पा० नम्बर 21, महाराजा तुकोजी राव क्लाथ मार्केट, इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सद्भायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेन्ज, भोपाल

तारीख 13-12-1982 मोहर

# प्ररूप काई. टी. एन. एस.----

\_\_\_\_\_\_

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (1) के मधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आवकर झायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

निर्देश स० भाई० ए० सी०/श्रजैन/भोपाल/3297---श्रत. मुझे देवप्रिय पन्त

शायकर श्रीभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 252-डी है, तथा जो अशोका गार्डन रायसेल रोड, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, भोपाल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तारिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित स्व्वश्य से उक्त अन्तरण सिस्ति में वास्तिक कप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई जिसी थाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दाऊदयाल ग्रसल पुत्र छीतरमलजी निवासी गल्ला मंडी महाराणी लमीगंज भोपाल

(ब्रन्तरक)

(2) श्री 1. श्रशोक कुमार
पुत्र रूपचन्दजी
2. संजय कुमार ना० बा०
पुत्र एक वली सरक्षक
धर्मेन्वर दरयानी
नि० एफ बाई,
बैरागक

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पिकतयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

प्लाट ने० 252 डी० एक अपर निर्मित शेड, प्रशोका गार्डन, रायसेन रोड, भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त गक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्र:युक्त (निरीक्षण) श्रजीम रेंज, भोपाल

तारीख: 10-12-1982

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनाक 18 दिसम्बर-1982

निर्वेश सं० ग्र.ई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3298---- ग्रतः मुझे देवपिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स वो अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नंबर 52 है, तथा जो ई-4 केपिटल प्रोजेक्ट शाहपुरा-भोपाल में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान 23-4-82

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाहरीबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचुने में सूबिधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री कृष्ण कुमार टायल पिता श्री जोधारामजी टायल निवासी—गोविन्वपुरा क्षेन्डस्ट्रीयक्ष स्टेट भोपाल

(अन्तरक)

(2) श्रामती दुलारी देवी पत्नी हरी प्रसाद चतुर्वेद। निवासी-एच० ग्राई० जा० 18 शिवजीनगर भोपाल

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्स्यी

ण्लाट नंबर 52 ई-4 केपाटल प्रोजेक्ट शाहपुर भोपाल में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 18-12-1982

मोहर

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

**कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 विसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3299—ग्रत: मुझे, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संख्या म्यु० पा० नम्बर 7 है तथा जो स्नेहलतागंज इन्दौर में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 19 भ्रप्रैल, 1982

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विवयस करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपनत बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तु अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्रीमती मीनाश्ची पति श्री राजेन्द्र सिंह माहुरकर नि०-7/1 स्नेहलतागंज इन्दौर तरफे खास मुख्स्यार सुरेन्द्रसिंह सञ्जनसिंहजी निवासी-44 बीमा नगर इन्दौर

(श्रन्तरक)

(2) श्री अब्दुल अजीज पिता श्री अब्दुल शंकर निवासी-150 नयापुरा नं० 1 इन्दौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बच्धू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा नया है।

## **अनुस्यी**

म्यु० पा० तम्बर ७, स्ट्रीट नम्बर 1 स्तेहलतागंज इन्दौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज, भोपाल

तारी**ख** : 15—12—1982

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 18 दिसम्बर 1982

भिर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3300---श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-, रह. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या खसरा नम्बर 824/1 प्लाट नम्बर 28 एवम 30 है तथा जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-4-1982

को पूर्वेक्ति संपर्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अनत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भवः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीयसी प्रकाश चलहोता 113 नेपियर टाउन जबलपुर—म० प्र०

(भन्तरक)

(2) श्रीमती नीलम मलहोस्रा 113 नेपियर टाउन जबसपुर (म०प्र०)

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

## भन्सूची

खसरा नम्बर 824/1 प्लाट नम्बर 28 एम 30 जबलपुर स्थित तथा भवन

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेन्ज<sub> भो</sub>पाल

तारीच : 18-12-82

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 17 दिसम्बर 1982

निर्वेश सं० धाई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/3301—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त गयकर अधिनियमः. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम्

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 60 है तथा जो रायसेन रोड भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन अप्रैल 1982 को पूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वत उच्च श्य से उक्त अन्तरण निश्वत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अत्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसुरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री वाय० के० पुरी पुत्र श्री लक्ष्मीकांत पुरी नियासी-ई-3/2 ग्ररोरा कालोनी भोपाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेशचन्य झरूला पुत्र विलोकी नाथ झरूला निवासी-ए० ब्लाक् सेंट्रल इन्डिया फ्लोर मिल भोपाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किला प्लाट नंबर 60 गोविन्द गार्डन रायसेन रोड भोषाल में स्थित है

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेन्ज, भोपाल

तारीख: 17-12-1982

मोहर 🛭

प्ररूप आहर्ष, टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपास/ 3302—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या प्लाट नबर 59 है तथा जो रायसेन रोड, भोपाल में स्थित है (स्रोर इससे उपाश्वद्ध श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन स्रोत, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विषयास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निग्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में स्विधा के लिए;

जतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री ऐ० डी० पुरी पुत्र लक्ष्मणनदास पुरी निवासी-3/3 ग्ररेरा कालोनी भोपाल। (श्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मल भाटिया परनी म्रो० पी० भाटिया निवासी----1/2 सी० 1 गोविन्दपुरा भोपाल (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शुन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

एक किता प्लाट नंबर 59 गोविन्द गार्डन रायसेन रोड भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी यहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेन्ज, भोपाल

तारी**ख**: 17-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/33033—ग्रत: मुझे, धेवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 252 डी० है तथा जो स्रमोका गार्डन भोपाल में स्थित है (ग्रौर इसमे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रगैल, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चें स्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बाऊवयाल बंसल पुत्र छीतरमलजी निवासी—गल्ला मंडी महरानी लक्ष्मीगंज भोपाल

(झन्तरक)

(2) डा० धर्मेन्द्र बूलचन्दानी पुत्र दरयानोमल नि० बेरागढ़

(भ्रन्तरिती)

को यह सूपना जारी करके पूर्विक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

प्लाट नं० 252 डी० व उस पर निर्मित शेंड<sub>़</sub> श्रशोका गार्डन भोपाल में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त(निरीक्षण) ग्रर्जन रेन्ज भोपाल

तारीख: 10-12-1982

मोहर 🗓

प्रस्प आहू". टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भाषाल, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० भ्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/3304-श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मध्या प्लाट नम्बर 13 है, तथा जो सिविल लाइन्स जवलपुर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजम्द्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1-4-1982

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल फल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, अन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अपतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---- 20---426G1/82

(1) श्रीमती श्रालदा बरैटो पत्नी ब्रिगेडियर टी० बरैटो 432 पचपेढ़ी जबलपुर——(म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रब्दुल रशीद भ्रंसारी 120, सिविल लाइन्स जबलपुर (म०प्र०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जविभ, जो भी अविभि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही जर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अन्स्ची

प्लाट नम्बर 13 जो कि सिविल लाइन्स जबलपुर में स्थित है।

> देवप्रियं पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपास

तारीख: 18-12-1982

प्ररूप आहु . टी. एन्. एस.---

भागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्खायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

**ग्रर्जं**न रेंज, रोहतक

पानीपत, दिनांक 13 दिसम्बर, 1982

निदेश सं० पानीपत/37/82-83—म्प्रतः मुझे मार० के०

भयाना

कावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/- रु. से निधक है

धौर जिसकी सं० भूमि 12 कनाल है तथा जो गांव सिवाई में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16 के अधीन तारीख अप्रैल, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुश्यमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

, अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 259-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सर्व टेक राम, होशियार सिंह पुतान श्री चत्र पुत्र शिव चन्द उपनाम शेर सिंह गांव डा० सिंवाई

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० दीना फैबिक्स (प्रा०) लि० बजरिये श्री वलागती राम, डायरेक्टर, पानीपत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वमाहिक करता हो।

# क्का सम्मीतः वे वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधने :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपरित में हिंत-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पात निवित में किए जा सकी।

स्मण्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 12 कनाल गांव सिवाई में, स्थित है जिसका ग्रिक्षिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री-करण 735, दिनांक 30-4-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 13-12-82

मोहर 🚁

# प्रकल काइं.टी.्एन्.एत्.्------

# ष्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 भ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 13 दिसम्बर, 1982

निदेश सं० देहली/2/82-83—ग्रत. मुझे भ्रार० के० भयाना

भायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिकियम' कहा गया है), की धारा 269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह त्रिण्वास करने ना कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि मकान के साथ है तथा जो कुन्डली में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजम्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, देहली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख अप्रैल 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकात ते अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, अकत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन शिम्नजिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैं ० खोसला श्रायल एण्ड जनरल मिल्ज बजरिये प्रो० श्री श्रार० पी० खोसला मि० 26, बंगलो रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं ॰ कोहली इम्पोर्ट एण्ड एक्सपर्ट प्रा॰ लि॰ बजरिये डायरेक्टर, स॰ ग्रमरजीत सिंह ए-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी सा से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के प्रविधि, जो भी अविधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियों व्यक्ति जाता.
- (खा) इप सूत्रता के राजपत्र में प्रकारत की तारीख में 45 दिन के धीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सहेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिचाबित हैं, बही भ्रषंहोगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है ।

# अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 44 कना र भूमि के गाथ जी ० टी ० रोड, 17 माईल-स्टोन, कुन्डनी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, देहली में, रिजस्ट्रीकरण 535 दिनाक 21-4-1982 पर दिया है ।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 13-12-1982

# प्ररूप बार्ड ्र वी ु एन् , एस् , ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निदेश सं० हिसार/5/82-83—श्रनः मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसतः अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उण्यत बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 18 कनाल 8 मरले का 1/4 भाग है तथा जो सातरोड में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिक री के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहियमान प्रतिफल से, एसे रहियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री सूरजमल पुत्र श्री भगवाना नि० सातरोड

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मधु तायल पत्नी श्री रमेण चन्द तायल नि० हिसार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सुकोंगे।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उम्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति 18 कनाल 8 मेरले का 1/4 भाग, सातरोड में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण, रिजर्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिमार में, रिजस्ट्रीकरण 129 दिनाक 8-4-1982 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, रोहनक

तारीख: 13-12-82

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोइतक, दिनाक 13 दिसम्बर 1982

और जिसकी सं 18 कनाल 14 मरले है तथा जो हिसार में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संह्रई किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचन में स्विधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था, क्याने के सुनिधा के लिए;

सत: शव, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ज के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) सर्व श्री चन्द्र राम, दाता राम, मुरजीत एकम प्रीतम व किरण सिह पुत्रान श्री नाथू राम पुत्र श्री काहना राम मैनी नि० हिसार (2) सर्वश्री राजेन्द्र प्रसाद विजेन्द्र कुमार पुत्रान कुंज लाल श्रीमती सरोज रानी पत्नी राजेन्द्र प्रसाद, मन्तोष रानी पत्नी विजेन्द्र कुमार मेवा बती पत्नी कुंज लाल, मुजुला रानी पत्नी जय कुमार रमेश कुमार राजेश कुमार पुत्रान जय कुमार, रेनृ बाला पुत्नी जय कुमार, लीला धर पुत्र नीरंग राम, किशोरी लाल पुत्र तैनमुखदास बिहारी ला, नौरंग राम, पारम दास पुत्र नौरंग राम, प्रेम लता प्त्र गोर्धन दास, सलोचना पत्नी सुशील कुमार, बालारानी पत्नी सुरेश कुमार कान्ता रानी पत्नी सीता राम, किशोर कुमार पत्नी गिरधर दास, साधना पत्नी निरमल कुमार नि० हिमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 18 कनाल 14 मरले हिसार में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 457 दिनाक 29-4-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 13-12-82

मोहर :

(भ्रन्तरक)

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-चं (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 दिसम्बर 1982

निदेश स० गुड़गांवा/6/82-83----- प्रतः मुझे श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो सब्जी मन्डी, गुड़गांवा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रौल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धियों से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती कुसुम शर्मा पत्नी हीरा लाल राम लीला ग्राउन्ड, गुड़गावा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल पुत्र नारायण दास कोठी नं० 12~13, राम नगर, करनाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति मकान, सब्जी मन्डी, गुड़गावा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गावा में, रजिस्ट्री संख्या 217, दिनांक 21–4–82पर दिया है।

> स्नार० कें० भयाना, सक्षम प्राधिकारी महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

नारीग्न : 7-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर नामुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, धिनांक 18 धिसम्बर 1982

निवेश सं० हिंसार/1/82-83—श्रतः, मुझे, श्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी में० भूमि 7 कनाल 18 मरले है तथा जो हिसार में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम. 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख ग्रप्रैल, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतर्क (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— (1) मैं० नवभारत स्टील प्रा० लि० देहली रोड हिसार बजिरये श्री राम रिछपाल पुत्र लाल तनसुख राय, हिसार

(ग्रन्सरक)

- (2) 1. श्रीमती कृष्णा भूटानी 40/100 भाग
  - 2 श्रीवीरेन्द्र भूटानी 35/100 भाग
  - 3. श्री संजय भूटानी 25/100 भाग पुत्नान श्री हेम राज भूटानी पुत्न श्री लोक नाथ नि० 126 मॉडल टाउन, हिसार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 7 कनाल 18 मरले हिसार में स्थित है जिसका ग्रिधक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिमार में, रजिस्ट्री संख्या 2543 दिनाक 15-4-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक ।

तारीख: 18-12-82

प्ररूप काइंटी एन एस -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर, 1982

निदेश सं० गुडगांवा/5/82–83–~म्रतः मुझे, म्रार० के० भयाना

**बायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भृमि 1100 व ग० है तथा जो गुड़गावा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित ) है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुडगावा में रजिस्ट्री-करण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कण से कि धित नहीं कि या गया है:--

- (का) बन्तरण से हुई किसी भाग की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरितः व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलि खितु व्यक्तियों अधित् :—

(1) श्री सूरज प्रकाण पुत्र मनोहर लाल पुत्र विहारी लाल नि० गुड़गांवा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ध्रणोक कुमार बहल पुत्र श्री जय गोपाल पुत्र श्री ईश्वर दास, गृडुगावा कैन्ट

(ग्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स**45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वितिसों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकित
  स्वितियों में से किसी स्विति वृवादा;

स्यष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वनस्थी

सम्पत्ति भूमि 1100 वर् गर् गृङ्गोवा में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, गुड़गांवा में, रजिस्ट्री-संख्या 164 दिनांक 19-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी लहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **रोहतक**

तारीख: 18-12-82

प्ररूप बार्ड. टी. एस ु एस ु-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुपना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 विसम्बर, 1982

निदेश सं० बस्लबगह/24/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 388 क्षे० 1288.88 व० ग० हैं तथा जो सेक्टर 24, फरीवाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्बलगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 82

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये और/वा
- (च) एंमी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा औ किए:

जतः अव, उक्त जिभिनियम, की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः—— 21—426GI/82

(1) श्री सुखी चन्दर सिह पुत्र सिंगारा मिह प्रो० मैं० ग्राटो इन्डिया, फरीदाबाद

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री प्रदीप कुमार, प्रवीन कुमार पुत्नान श्री रधुबीर प्रसाद मकान नं० 668 सैक्टर 16 ए, फरीदाबाद

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिचित में किए था सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 388 क्षे० 1288.88 व० ग० सैक्टर 24 फरीद(बाद में स्थित है जिमका स्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बल्लबगढ़ मे, रजिस्ट्री संख्या 996 दिनाक 26-4-1982 पर दिया है।

> म्नार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, रोहनक ।

तारीख: 18-12-82

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 दिसम्बर, 1982

निदेश सं० पानीपत/19/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० के०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 1000 व० ग० है तथा जो पट्टी इन्सार, पानीपत में स्थित है (श्रौर इसने उपायब श्रनुमूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्थियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री सतीय कुमार पुत्र श्री लगकारीमल म०नं० श्रार० 96 वार्ड नं० 5, पानीपत

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिलता भाटिया पत्नी रन्जीत कुमार नि०म०नं० 593 बी०पानीपत

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन जी अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स्ची

सम्पत्ति 1000 वर्ष गर्व इन्सार पट्टी पानीपत में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, 336 विनांक 19-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, धिनाक 17 दिभम्बर, 1982

निदेश सं० बल्तभगढ़/13/82-83—-श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन का का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिमकी सं० प्लाट नं० 56-डी-1का भाग है तथा जो फरीशबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री हरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैंग, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कुपी कुमार पत्नी कमांडर के०एम० कुमार नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विद्या गोडबोल पत्नी श्री ए० ग्रार० गोडबोल 7, वीरबल रोड, जंगपुरा एक्सटन, नई दिल्ली

(भ्रान्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ट्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति प्लाटनं० 56-डी-1 का भाग, फरीदाबाद में स्थित हैं जिनका प्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 512 दिनाक 15-4-82 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी नहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारी**ख** 17—12—82 मोहर: प्ररूप आहं., टी., एन्., एस्.,= = - -- - व

भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

निदेण सं० पार्न।पत/1/82-83-श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं का मकान नं कि 717 का 1/4 हिस्सा है तथा जो माडल टाउन पानीपत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची मों ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रग्रैल 82

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाब्त,, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसऱ्ण, कों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-मृकी उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री हंस राज मलिक पुत्र शादी राम म०नं० 717 माडल टाउन पानीपत

(श्रन्तरक)

(2) श्री जगर्द। शालास ग्राजन देव पुत्नान इन्दर भान म०नं० 406 वार्डनं० 3 पानः। पर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हैं।

# चक्क सम्पृतिक की मुर्जन हो सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति मकान न० 717 का 1/4 हिस्सा माङल टाउन पानी पत में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्री कि कार्यालय पानीपत में रिजस्ट्री संख्याा 98 विनांक 8-4-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रोंज, रोहसक

तारीख: 17—12—82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेज<sup>,</sup> रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 दिसम्बर 1982

निदेश सं० डबवार्ला/1/82-83---ग्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं० मकान नं० 1603 है तथा जो वार्ड नं० 9 डबवाली में स्थित है (धौर इससे उपावड धनुसूर्व में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डबवालों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के अर्ध न ताराख अप्रैल, 82

को पूर्वित सम्पिट्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पिट्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात्:--- (1) श्री राम जी दास गुप्ता पुत्र बुध राज मैनेजर पंजाब नैशनल बेंक, रोहतक

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द्र
पुत्र श्री लाल चन्द
मैनेजर
एग्रीकलचरल बैकिंग डिकीजन
स्टेट बैंक झाफ इंडिया
मन्डी डबवाली

(श्रन्तरर्तिः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मच्दीक रण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 1603 वार्ड नं० 9 डबवाली में स्थित है जिसका ग्रधिक विधरण रजिस्ट्राक्ती के कार्यालय डबवाली में, रजिस्ट्री संख्या 4 दिनांक 1-4-82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निर्द≀क्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 17-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष् (1) के ब्राधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 17 दिसम्बर 82

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भिम 11 कनाल 8 मरले है तथा जो पलवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसून: मं श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रार्क्ता श्रीधकार: के कार्यालय भिवान: में रिजस्ट्रा-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नाराख श्रीक 82

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री योगेन्द्र कुमार पुत्रश्री कृष्ण पुत्रश्री कुन्दन लाल नि० भित्रानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो पार्वती
पतनी श्रालक्ष्मीनारायण
पुत्न दुला चन्द्र
सुरेश झुमार श्रन्वल
पुत्न लक्ष्मी नारायण
महेश कुमार
पुत्न श्रन्वल पुत्न लक्ष्मी नारायण
निकट किरोड़ा मल धर्मणाला
भिवान।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भे कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ध्य सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरों के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति 11 कनाल 8 मरले पलवास में स्थित है जिसका प्रश्चित विवरण रजिस्टुक्ति के कार्यालय भिवाना में रजिस्ट्रो संख्या 118 दिनांक श्रप्रैल 82 पर दिया है।

> स्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, रोहतक

तारो**ख**: 17-12-82

प्ररूप बाई. दी. एन. एस.-----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, रोहरूक

रोहतक, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निदेश सं० बल्लबगढ़/14/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-य के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 331 है तथा जो नेषटर 15 फर -दाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूर्च में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्र वर्ता श्रीधवार्र के बार्यालय बन्लबगढ़ में रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन तारंख श्रप्रैल 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्था यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत अधीक्तयों, अधीन :—

(1) श्रा कां एस० माथुर पुत्र बनवारी लाल वजरियेश्रा श्रिमिन्दर लाल पुत्र काम बिहारा लाल नई दिल्ला

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पवन कुमार पुत्र श्रा मुन्या लाल 183-सेक्टर 7 फर्राडाबाद

(ग्रन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 331 सेक्टप-15 फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्रीं को कार्यालय बल्लबगढ में रजिस्ट्री संख्या 675 दिनांक 16-4-1982 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

नारीख: 13-12-82

भोहर:

प्ररूप आर्थः टी. एन. एस. ------

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जंन रेंज, रोहसक रोहसक, दिनांक 17 दिसम्बर 1982 निदेश सं० सिरसा/10/82-83---श्रतः मुझे ग्रार० के० भयाना

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० पुकान नं० 4304/1 एवम 2 है तथा जो सिरसा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्व में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता श्रधिकार के कार्यालय सिरसा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रध न सारीख श्रप्रैस 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाश गया प्रनिक्तन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिखित में वास्त्विक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रीविनयम के श्रीवित कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का .7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप-भारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति к---- (1) श्री बुज लाल पुत्र राम लाल पुत्र लुना राम नि० सिरसा

(ग्रन्तरक)

(2) सर्व श्रीः नाषू राम पुत्र छुष्ण राम पुत्र प्रेमा म०नं० 4304 4304/1 4304/2 सब्जी मन्डी, सिरसा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के शर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पांस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरण:---दममें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उत्त प्रिक्षितियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयंहोगा, जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 4304/1 व 4304/2 सिरसा में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रेंकर्ता के कार्यालय सिरसा में रिजस्ट्री संख्या 124 दिनांक 12~4~82 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहसक

तारीख: 17-12-82

मोहर 🗄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्चना

भारत स्रकारु

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

िनदेश मॅ० जगाधरा/2/82--83-----प्रत: मु**झ**े श्रार० के०

भयाना

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० गैंड है तथा जो गांधी मार्ग जगाधरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनसूची मे ग्रीग पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ताराख ग्रप्रैं न

को पूर्वोक्त सम्प्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत किमिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे अचने में सुविधा हे लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी अप या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1270 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीतः निम्मिनियतं स्थामितयों, अर्थातः :---22---426GI/82

(1) श्री दर्शनलाल पुत्र शुगन चन्द कमला देव। पत्नं। दर्शन लाल म० नं० 542 श्राप्त० माडल टाउन, यमुनानगर

(प्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुत्र शांति स्वरूप नि० सिविस लाईन जगाधरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्रिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नग्स्ची

सम्पत्ति शैंड, गांधी मार्ग जगाधरी में स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्री संख्या 194 दिनांक 12-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भैयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरंक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 13-12-82

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 18 विसम्बर 1982 निदेश सं० पानींपन/6/82-83--श्चतः मुझे, श्चार० के० याना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 1114 वार्ड नं० 7 है तथा जो पानीपन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय पानीपन में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किस्ती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्राः भ्रमार चन्द पुत्न श्रीः गोधा राम नि० 635 माजल टाउन पानीपत

(सन्तरक)

(2) श्रो प्रवीप कुमार श्रवनेश कुमार जैन विजय कुमार पुद्धान पवन कुमार म० नं० 1133--35 वार्डनं० 7, पानीपत

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 1114 वार्ड नं० 7 पानापत में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीक्तों के दार्यालय पानःपत में रिजस्ट्री संख्या 54 दिनांक 7-4-82 पर दिया है।

> भ्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकार। सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहसक

तारं≀ख: 18−12--82

मोहरः

# प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

# भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्याक्षय, सहायक मायकर मायक्त (निर्धाक्षण)

**ग्रर्जन रेंज, रोहत**क

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश सं० करनाल/2/82-83---- झतः मुझे, श्रार० के० भयाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० भूमि 15 कनाल 18 मरले है तथा जो धरीन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रा-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख श्रप्नैल 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्त्रितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) एसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कही, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शाधनकर अधिनियम, शाधनकर अधिनियम, शाधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था ख्रिपाने में सूनिभा के सिए;

क्तः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थान :---

(1) सर्वश्री साघू राम पूर्ण सिंह पुतान श्री बिशन नि० घरोण्डा

(भ्रन्तरक)

(2)- मैं ० एस० के० इन्डस्ट्रीज घरौन्डा

(अन्तरितीः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों कत् संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकिरण — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

सम्पत्ति 15 कनाल 18 मरले घरौन्डा में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीनर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री। संख्या 472 दिनांक 29-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

ता**रीख: 18-2-8**2

प्रारूप बाइ .टी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 324 कनाल 15 मरले हैं तथा जो राय-पुररानी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय रायपुर-रानी में रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख श्रील, 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में अभी कारने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के नभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों नथींत्:—

(1) मीर मोहम्मद काजम श्रली खाँ पुक्त मीर मोहम्मद श्रकंबर श्रली खां नि० गढ़े। कोटाहा त० रामपुरराने। जि० श्रम्बाला

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो ग्रनिल मोहिरा पुत्र डा० जगदीश चन्द्र नि० चन्डीगढ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कॅरता हुं।

उन्नत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शबदों प्रौर पवों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति 324 कनाल 15 मरले रायपुर रानी में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रायपुररानी, रजिस्ट्री संख्या 31 दिनांक 26-4-82 पर दिया है

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ख**: 18-12-82

# प्रकृत वार्षे , डी., हुन् , पुष्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूर्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नामुक्त (निर्देशण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 विसम्बर 1982

भयाना

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्तृ अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित् जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० धुकान नं० 57 है तथा जो शोरी मार्केट, रोहतक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रप्रैन, 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में बास्त-विक रूप से काथत नहीं किया क्या है:--

- (क) अन्तरण से हुए किसी जान की नावत उक्त जीध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने ना उसदे ब्युने में सूबिधा के जिने; और/या
- (ब्) एरेरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मः, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम प्रकाश पुत्र श्री बुध राम पुत्र राम चन्द्र म०नं० 450 वार्डनं० 18, रामा कालोनी, रोहसक

(म्रन्सरक)

(2) श्री मदन लाल
पुत्र लख्यमन दास सनेजा
पुत्र हर्ष कुमार तनेजा
पुत्र गुरमेश कुमार
श्रीमती राज कुमारी
पत्नी श्री प्रेम नाथ
नि० क्षण्जर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी कारके पूर्वोक्त संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

सकत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अधिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
  - (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अध्य किसी जन्म स्थावत स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कथिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

सम्पत्ति बुकान नं० 57, घोरी मार्केट रोहतक में स्थित है जिसका श्रीधक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में, राजस्ट्री संख्या 423 दिनांक 23-4-1982 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्तम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 18-12-82

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 दिसम्बर, 1982

निर्देश सं० करनाल/1/82-83--श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य

25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० दुकान नं० 12-119 है तथा जो सराफा बाजार करनाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूर्वा में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिनारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख श्रप्रैल, 82

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ध्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक खप से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी विश्वी शाय शा किसी पन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में मुबिधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिश्विस व्यक्तियों, अधीत्:--

श्रा नरजात सिंह
पुत्र श्रीतम सिंह
पुत्र मोहन सिंह
निर्ण ए०--415,
सदर बाजार, करनाल

(ग्रन्सरक)

(2) 1. श्री श्रोम प्रकाश
पुत्र केहर चन्द
प्रवीण कुमार,
शिव रंजन
पुत्र श्रोम प्रकाश श्रग्रवाल
म० नं० 228, श्रक्षाहम मोहल्ला,

(भ्रन्तरिती)

को गह सूचना जारी करके प्वाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ध) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए का सकरेंगे।

श्ववद्गीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

# अनुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 12-119, सराफा बाजार, करनाल में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्री संख्या 492 विनांक 30-4-1982 पर दिया है

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्णन रेंज, रोहतक

तारीख: 13-12-82

# प्ररूप आर्फ्ट टी एन एस -----

**बायकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 14 दिसम्बर 1982

निदेश स० हिसार13/82-83—स्रत मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मल्य 25,000/-रु से अधिक है

श्रौर जिसका स० भूमि 2000 वर्ष ग० हैं तथा जो श्रम्बाला लिंक रोड, हिमार में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूच में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्र, वर्ता श्रोधनारी के नार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रेल, 1982

को पूर्वाक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप स म कथित नहीं किया गया ——

- (स) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्निया का, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में मृतिथा के निए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तिया, अर्थात —— (1) श्री बलवन्त राय नायल दत्तक पुत्र श्री भगवानदास पुत्र हरनामसिंह नि० हिसार

(ग्रन्तरक)

(2) सर्व श्री गणेशदक्त श्राग्नहोत्री
पुत्र सोमनाथ
उषा श्राग्नहोत्री परिन
डा० गणेशदक्त श्राग्नहोत्री
सोमनाथ श्राग्नहोत्री पुत्र रामजीदास
पार्वतं देवी श्राग्नहोत्री
परनी सोमनाथ श्राग्नहोत्री
श्रानिल नायल पुत्र बलराज नायल
नि० हिसाप

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण '--इसम प्रयुक्त शब्दो और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## अनुस्ची

सम्पत्ति 2000 वर् गज भृमि हिसार (भ्रम्बाला लिक रोड) में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्राकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री सख्या 298 दिनोंक 19-4-82 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधितारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) श्रजन रेज, रोहतक

तार ख 14-12-82 मोहर प्रकृप आइ ं.टी. एन , एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 दिसम्बर 1982

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 13 कनाल 5 मरले हैं तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण कि दिल में श्रिक्त में श्रिक्त हैं किया गया हैं:—

- (का) अन्तरण से हुः किसी आय की बाबत, उलन अधिनियम कं अधीन कर दान के अन्तरक क दायित्य में कमी अरने या उससे अवने में सृजिधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं ० जगजीत.सिंह एण्ड कं०, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० नारायण इन्टरप्राईजेज प्रा० लि० 14/3, मथुरा रोड, फरीक्षाबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे पारिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति कनाल 5 भरने फरीबाबाद में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 15 दिनांक 1-4-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 14-12-1982

प्ररूप आहुर .टी .एन . एस . -----

# आयकर ग्रम्थिनियन; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व(1) के ग्रमीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 दिसम्बर 1982

निदेश सं० हिसार10/82-83—स्रतः मुक्षे, भार० के० भयाना

प्रायकर प्रश्निमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अत्रीत सम्भा प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू• से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० 2 कनाल 13 मरले है तथा जो विजय नगर, हिसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल 82

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) ग्रौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पापा यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वाक्तविक कप से कथित नहीं किया बचा है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी थाव की बावत, तकत पश्चितियम के धन्नीत कर देने के धन्तरक के शक्किय में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए और/या;
- (॥) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती क्षारा प्रकट नहीं किया स्था थाया किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उपत प्रधिनियम की धारा 26% में के धमुसरण में, में, धमत प्रधिनियम की धारा 26% में उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, स्थात:—

> (1) श्री हजारी लाल उपनाम हजूरी लाल पुत्र दयाल दास क्वार्टर नं० 15, 8 मरले कालोनी, पटेल नगर, हिंसार

(2) श्री बक्शा राम पुत्र निहाल चन्द, नई सब्जी मन्डी, हिसार 60/200 भाग लेख राम पुत्र किशना राम, ठाकर दास पुत्र टीकम दास, हिसार 13/200 भाग श्रीमती सीता वेवी विधवा गोर्धन दास नि॰ बी-12-108, हिसार 27/200 भाग श्री सुभाष चन्द पुत्र जसवन्त राम रन्दिर कुमार पुत्र परमात्मा दित्ता राम 27/200 भाग विजय कुमार पुत्र लक्षा राम, रेलवे स्टेशन रोड, बीकानेर

(बन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप !-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रश्न सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवित, भो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दिसबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास
  निविद्य में किए का सर्नोंगे।

स्पष्टीकश्ण:--इसमें प्रयुक्त बन्धों घीर पर्वो का, जो उक्स घिषित्यम के बच्चाय 20-क में परिचाचित है, वही अर्थ होगा जो उस ग्रद्धाय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2 कनाल 3 मरले, विजय नगर, हिसार में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री संख्या, 326 दिनांक 19-4-82 पर दिया है।

> भ्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रो**ह**तक ।

वारीच: 13-12-82

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश सं० हिसार/207/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० दुकान है सथा जो पुरानी मन्डी, हिसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है),

रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री कर्म चन्द पुत्र श्राशा राम (श्रीमती भाग रानी पत्नी मनोहर लाल न्यू मन्डी, हिसार (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उथा रानी
   पत्नी कमल निशोर
   वुकान नं० 449/15
   प्रानी श्रनाज मन्डी, हिसार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

सम्पत्ति दुकान पुरानी मन्डी हिसार में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 60 विनांक 5-4-1982 पर विया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 18-12-82

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 दिसम्बर 1982

निदेश म० रोहतक | 2 | 82 – 83 — श्रत मुझे, श्रार० के० भयाना

जायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु में अधिक है

श्रीर जिसकी स० दुकान है तथा जो झज्जर रोड, रोहतक में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रोहतक में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रवैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरिकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कायत नहीं किया गया है:---

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आम की बाबत अवत अधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दाबित्व मे कमी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मधा था या किया जाना नाहिए था कियाने में सुविधा किया ।

भतः वन, उनतं सिनियम की शारा 269-व के भ्रमुसरम में, में, उनतं अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा(1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्णात्

(1) श्री गोविन्द प्रसाद पुक्तश्रीवशशर नि० बेरी त० झज्जर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सत्यवीर कुमार पुत्र तारा चन्द्र दुकान न० 194 वार्ड न० 15 रोहतक

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी **कर्जे पूजीवत संपर्ति के अ**र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

अवत सपित्त के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद मा समाप्ता होती हा, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकतयों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यष्टोकरणः — इसम प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति दुकान, झज्जर रोड, रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में, रजिस्ट्री सख्या 45 दिनाक 5-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक ।

तारी**ख** 18-12-82 मोहर: प्रकप आइ.टी.एन.एस. -----

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के अभीन स्चना

## धारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, विनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश सं० पानीपत/33/82~83—श्रतः, मुझे, श्रार० के० भयाना

गामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि 13 कनाल 19 मरले है तथा जो पियाइ में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत, है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजर्स्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से जिथक है और अंतरिकों और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति- फस, निम्निलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिन्क इप से किया नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयक र अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भनक र अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ कृत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया चाना जाहिए था कियाने में स्विभा के लिए;

बदः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निष्मीसृचित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री प्रभा पुत्र श्री बक्सी नि० सिवाइ

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लख्मी जन्द पुत्र जगवीश लाल म०नं० 153 वार्डनं० 2, पानीपत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पृत्रोंकत सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 13 कनाल 19 मरले सिवाइ में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री-संख्या 685 दिनांक 29-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 18-12-82

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं भूमि 7 कनाल 5 मरले है तथा जो सिवाह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि एथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपानो में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रभा पुत्र बक्सी गांव व डा०, सिवाह।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सूरज बाला परनी लख्मी चन्द म०नं० 153, वार्ड नं० 2, पानीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## ननुसूची

सम्पत्ति भूमि 7 कनाल 5 मरले गांव सिवाह में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्री संख्या 686 दिनांक 29-4-1982 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) श्रुर्जन रेंज, रोहतक ।

तारी**ख**: 18-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निवेश सं० गुड़गांव/10/82-83---श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि 6 कनाल 11 मरले हैं तथा जो चौमा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारों के कार्यालय, गुड़गाव म रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपानं में सूनिधा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती सरता पत्नी रामपत गांव व डा॰, चौमा ।

(ग्रन्तरकः)

(2) मैं ० ग्रीन पार्क बिल्डर्स एवं प्रोमोटर्म प्रा० लि० 115, श्रन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधा मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ह<sup>5</sup>., वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति 6 कनाल 11 मरले घौमा में स्थित है जिसका प्रधिक विवरण रजिस्द्रीकर्ती के कार्यालय गुड़गांव में, रजिस्द्री संख्या 198 दिनांक 20-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीखा: 18-12-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश मं० गुडगांव/ 19/82—83——ग्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 35 कनाल का 1/2 भाग है तथा जो चौमा में स्थित है (भीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूर्ची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गाव में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः वब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं. उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के विधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, वर्धास् :-- (1) श्रीः कुन्दन लाल पुत्र नाथू नि० कार्टरपुरी (गुड़गाव)

(अन्तरक)

(2) मैं ज्यान पार्क बिल्डर्स एवं प्रोमोटर्स प्रा० लि० 115, ग्रन्सल भवन, कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्लो।

(अन्तरितं!)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण, — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति 35 कनाल का 1/2 भाग चौमा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ते-सक्या 123 दिनांक 15-4-82 पर दिया है!

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारंख: 18-12-1982

# प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, धिनांक 18 दिसम्बर 1982

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० 35 कनाल 13 मरले का 1/3 भाग है तथा जो जौमा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय, गुडगावा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रग्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण सिसिस में बास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया नया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उनस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण की बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; बॉर/वा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, चिन्हुं भारतीय आव-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विचा के लिए;

बद्धः अथ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीन निम्नुलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :— (1) श्री मोहन लाल पुत्र कवर सिंह, नि० दौलनपुर नसीराबाद त० गुडगावा।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं श्रीन पार्क बिल्डर्स एवम् प्रोमोटर्स प्रा० लि॰ 115, श्रन्सल भवन-16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास्
  लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्को और पद्यों का, जो उक्त जिथनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 35 कनाल 13 मरले का 1/3 भाग चौमा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुडगावा, में रिजस्ट्री सख्या 122 दिनाक 15-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेज, रोहसक

तारीख 18-12-82 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश सं० गुड़गांवा/12/82-83---ग्रप्तः मुझे, ग्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने धा कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि 6 कनाल 14 मरले है तथा जो भौमा में स्थित है (ग्रौर इक्षमे जपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गृहगांवा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रंजिल, 82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विष्णास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्तित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी खाप की वावत धक्त अधिक नियम के अजीन कर बेने के अन्तरफ के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री चन्धगी राम पुत्र मामन नि• चौमा।

(म्रन्तरक)

(2) मैं० सूरज कन्सट्रक्शन एवट इस्टेटस प्रा० लि०
 115 श्रन्सल भवन,
 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग ।
 न्यू देहली

(मन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुभ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरुण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूची

भम्पिन भूमि 6 कनाल 14 मरले चौमा में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में, रिजिस्ट्री- संख्या 197 दिनांक 20-4-82 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, रोहतक

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुस्त्रभा मो ,भौ उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 24—426GI/82

नारी**व** : 18—12—82

प्रकल अन्दी. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 दिसम्बर 1982

निदेश मं० गुडगाया/11/82—83——श्रत भृक्षे श्रार० के० भगाना

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

न्नीर जिसकी स० भूमि 4 कनाल 12 मरले का 1/9 भाग है तथा जो चौमा में स्थित है (म्नौर इसमे उपाबद्ध म्नसूची मे म्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, गुडगावा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख अत्रैल 82

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात बिधक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नसिनित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण ले हुई किसी जाव की बाबस, उक्त जिथिनियम के अधीन मर दोने के जल्तरफ के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए जॉर/वा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मां, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसमां, अर्थात् —— (1) श्री श्रोम प्रकाश पुल श्री राम निशान, नि० चौमा।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० सूरज कत्स्ट्रकशन व एस्टेट्स प्रा० लि०, 115. ग्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गाधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्थिक्तयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोक्स्ताक्षरी के पास निविक्त में किए का सकोंगे।

स्पन्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याव में दिवा गया है।

#### अगुसूची

सम्पत्ति भृमि 4 कनाल 11 मरले का 1/9 भाग चौमा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांबा में, रजिस्ट्री सच्या 134 दिनाक 16-4-82 पर दिया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, रोहतक

नारी**ख** 18-12-82 मोहर

### प्र**क्षप बाई•** टी• एत० एस•⊸-

# श्रामकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-व (1) के मश्रीन सूचना

गरत मरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, रोह्रतक

रोहतक, दिनाक 18 दिसम्बर 1982

निदेण स० उकलाना/1/82-83—अत, मुझे, आर० के० भयाना
आयकर प्राव्यनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त प्राव्यनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रजीन सक्षत प्राव्यक्षारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्राव्यक है तथा जो उकलाना मन्डी

भार जिसका से दुकान ने 295 ह तथा जा उकलान मन्डा मे स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उकलाना में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्वोक्त सपित के उाचित बाजार मूल्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यशापुर्वोका सम्पत्ति का खिल बाजार नल्य खसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ट अनिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रत्नरका) धी अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वित उद्देश्य से उन्त अन्तर। निश्चित से बास्तविक का से कथित नहीं किया गया ह ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिवाने में सुविधा के लिए,

अत: श्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्क अधिनियम का भारा 269-घ की उपवारा (1) के अभीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्षात् ह--- (1) श्री शाम सुन्दर पुत्र राम प्रसाद पुत्र बोध राज, नि० उकलाना मन्डी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाबू लाल, विनाद कुमार, वीरेन्द्र कुमार पुद्गान जगदीग राम, नि० उकलाना मन्द्री, हिसार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्य-वाहिनां शुरू करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूत्रना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्नियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इन सूचना क राजन में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्यत्ति में हित-बढ़ कियी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताकारी के पाम निकात में किए जा सकेंगे।

रपब्डोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा श्रीर पदों का, जा सकत धार्मित्यम, के धक्याय 20-क में परिशासित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस धक्याय में दिया गया है।

### जन्त्वी

मम्पत्ति दुकानन ० 295, उकलाना मन्डी मे स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, उकलाना में , रजिस्ट्री मख्या, 1, दिनाक 26-4-82पर दिया है।

> श्चार० कें० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख 18-12-82 मोहर प्ररूप आहूँ, टीं. एन. एस.-----

भायक हु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 दिसम्बर 1982

निदेश सं० उकलाना/2/82-83--श्रतः, मुझे, श्रार० के० भयाना

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० दुकान है तथा जो उकलाना मन्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. उकलाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 82

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया ग्या है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, डिपाने में सूनिधा के सिए;

अतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अधित् :--- (1) श्री सीताराम पुत्र रामेश्वर दास पुत्र गोतिन्द राम नि० उकलाना मन्डी।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री जगदीश राय, हरि किशन, सत्यपाल, बलवन्ती राय, पुद्धान बनवारी लाल; सर्वश्री श्रीम प्रकाश, सत्यनारायण, सुभाष चन्द्र, भीम सैन पुतान बनवारी लाल पुत्र नाथू राम नि० उकलाना मन्डी।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सें संधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>7</sup>गे।

स्पर्शकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### अभूस्वी

मम्पत्ति दुकान, उकलाना मन्डी में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उकलाना में, रजिस्ट्री संख्या 186 दिनांक 12-4-1982 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीच : 18-12-82

# प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की <mark>धारा 269-घ (1) के अधीन सूच</mark>ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 दिलम्बर 1982

निदेश सं० करनाल/10/82-83--श्रतः, मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो घरोन्डा में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रश्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और म्फेयह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तर्स दचने में सुविधा के लिए; शाँद/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री श्रमरनाथ पुत्र बनारसी, नि० घरोन्डा, तह० करनाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पदम सैन पुत्र श्री जती राम, नि० घरौन्डा तह० करनाल।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (♥) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि घरौन्डा में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्री संख्या 104 दिनांक 12-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

नारी**च**: 18-12-82

प्रकृप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रांहतक, विनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश सं० करनाल/3/82-83—श्रतः, मुझे, श्रारं० के० भयाना

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० भ्मि 16 कनाल है तथा जो घरौन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण संधुर्द किसी बाय की वावत, उच्छ विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी कारने या उससे वचने में सुविवा के लिए; बॉट√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था, जिन्नाने में सविधा के लिए;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) से सभीन, मिम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) सर्वश्री साधू राम, पूर्ण राय पुजान श्री केवल, निरु घरौन्डा ।

(अन्तरक)

(2) मैं० बिन्दल कार्ड बोर्ड इन्डस्ट्रीज, भरौन्डा।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूभना जारी कारके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्त्रची

सम्पत्तिभूमि 16 कनाल घरौन्डा में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में रजिस्ट्री संख्या 471 दिनांक 29-4-82 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहनक ।

तारीच : 18-12-82

प्ररूप बार्ष टी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, रोहतक

रोहनक, दिनाक 18 दिसम्बर 1982

निदेश मं० श्रम्बाला/12/82-83—--ग्रतः, मुझे, ग्रार० के० भयाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 11-ए, है तथा जो श्रम्बाला कैन्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रग्रैल, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण निम्नत में बालानिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती विजय सिंगल पत्नी श्री सोम नाथ स्मिनल, श्रम्बाला कैन्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेण गुप्ता पत्नी श्री माहिन्द्र पाल, निवामी श्रम्बाला कैन्ट, मकान नं० 11-ए टुरबियन कालोनी, श्रम्बाला कैन्ट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 11-ए दुरबियन कालोनी, ग्रम्बाला कैन्ट में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 361 दिनाक 23-4-82 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

नारीख 18-12-82

मोहर 🍐

# प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश मं० गन्नौर/1/82−83−⊷न्नतः, मुझे, श्रार० के० भयाना

कासकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं इमारत सहित प्लाट है तथा जो पांची गुजरान में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गन्नौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल.

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकां) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथात नहीं किया गया है।—

- (क) जन्तरच सं हुई किसी जाय की बाबत, उपनत जिथितियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सृतिधा के सिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिए व्यक्तिसमों, अर्थास् :-- (1) श्री कर्मजीत सिंह पुत्र कनल महबूब सिंह, निरुपांची गुजरान।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती ईंग्बर देवी पत्नी श्री शंकर दास, नि० 13/263, गीना कालोनी, देहली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्यष्टीक रण: — इसमें प्रगुत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# जन्स्यी

सम्पत्ति इमारत सहित प्लाट, पांची गुजरात्र में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गन्नौर में, रजिस्ट्री संख्या 73 दिनांक 20-4-82 पर दिया है ।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, रोहतक

नारी**व**: 18-12-82

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन सृ**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 18 दिसम्बर 1982

निदेश मं० गन्नौर/2/82-83--श्रतः, मुझे, श्रार० के० भयाना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह, से अधिक है

भौर जिसकी सं० इमारत सहित प्लाट है तथा जो पन्धी गुजरान में स्थित (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती भिधकारी के कार्यालय, गभौर में रिष्ट्रिक् करण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भर्धीन, तारीख भर्मेल, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिगतियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्थ से किवत नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--25--426 GI/82

(1) श्रीमती बन्त कौर विधवा करनल महबूब सिंह निवासी पन्नी गुजरान ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुनिता कुकरेजा पत्नी श्री राजिन्द्र कुमार, 13/263 गीता कालोनी, देहली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीन ते 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो धी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति इमारत सहित प्लाट पंची गुजरान में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रींकर्ती अधिकारी के कार्यालय गन्नौर में रजिस्टी संख्या 78 दिनांक 20-4-82 पर दिया है।

> ग्रार०के० भयाना सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 18--12-82

प्रकथ आहर्. टी एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेज, रोहनक

रोहतक, दिनाक 18 दिसम्बर 1982

निदेश स०/हिसार/211/82-83--श्रत , मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धासा 269-ख के ध्रवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जितका खितन बातार मूस्य 25,000 र. से अधिक है

श्रीर जिसकं सक जमंन तथा जो सातरोड में स्थित है (श्रीर इममें उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्र कर्ता श्रिकारी के कार्यालय हिसार में रिजस्ट्रें करण श्रिशित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, तारीख श्रप्रैल 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूं अे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत प्रधिक है और भ्रम्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर भन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐये अन्तरण के लिए तय पाया गया गित्रफल, निमालियन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन से वास्त्रकित का से किंबत नहीं रिया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किमा ग्राप्य का बाय्य हरत अखितियम के महील कर कर व प्रमारक के द्यायत्व में कमी करने या उसस क्थन में सुविधा के सिए। और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय ग्रह्मकर ग्रीव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीव्यतियम, या धन-कर ग्रीव्यतियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनाचं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विश् ग्राया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री भोलु राम, बलवन्त पृतान कालिया, श्री चन्द्र मोहन लाल उदेह राम पुतान तजा निवास, भातरोड।

(भ्रन्तरक)

(2) मर्सर्भ विनोद ग्रायल एण्ड जनरल मिल्ज, देहली रोड, हिभार ।

(श्रन्नरिसी)

को यह मूचना जारी कर 6 पूर्वोक्त नम्पति के अजन के लिए कार्यनाहियों शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारी व से 45 विन की धविष्ठ मा तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामी क से 30 दिन की अविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में मे किसी क्षक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन के भीतर जनत स्थानर सम्पत्ति में हितस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा पत्रोहस्ताक्षरी ह पान विखित में किए जासकेंगे।

स्वष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त ग्रीणितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हीगा, जो उस अध्याय दिया गया े।

# अनुसूची

सम्यक्ति जमीन जो कि ग्राम मातरोड, तह० हिझार में स्थित है तथा ज्यादा विवरण रजिस्ट्रीकर्ता, हिसार के कार्यालय में रजिस्ट्री कमाक 423 दिनाक, 27-4-82 में दिया गया है।

> श्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, रोहतक

तारीख 18-12-82 मोहर प्ररूप आहर्र, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनाक 18 दिसम्बर 1982

निदेश सं ० हिसार/298/82~83~-अनः, मुझे, स्रार० के० भयाना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीत 1/4 भाग 184 कनाल 8 मरला है तथा जो सात रोड में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दोतारीख श्रप्रैल 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्रों यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित स्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रसालु पुत्न भाई सुख, ग्राम सात रोड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुन्ती जैन धर्मपत्नी श्रजीत प्रशाद जैन, हिमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधे, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृत्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अ**न्**स्ची

सम्पत्ति जमीन 1/4 हिम्मा 184 कनाल 8 मरला जो ग्राम भान रोड में स्थित है ग्रौर जिमका ग्रन्य विवरण रजिस्ट्रीकर्ता हिसार के कार्यालय, रजिस्ट्री संख्या 270 दिनांक 16-4-82 में दिया है।

> श्रार० के० भयाना मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 18-12-82

प्ररूप बाह्र टी. एन. एस. =-----

वायकदु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बुभीन सुबना

भारत सुरुकार '

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काश्)

श्रर्ज न रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 21 दिसम्बर 1982

निदेश सं० क० ए० धार०/111/2152/82-83--- ग्रतः, मुझे एस० एच० श्रब्बास ग्रबीदी

गायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्वित बाजार मृल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 129 एच नं० 2 (पार्ट) सीटीएस सं० 1439 एस० नं० 131 एच०नं० 6(पीटी) सी०टी० एस० नं० 1439 एस० सं० 133 एच० नं० 1 सी०टी० नं०एस० 1443, मरोल विलेज, अन्धेरी है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उन्नाबद्व अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 19-4-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्णित नाजार मृत्य से कम के द्वर्यमान् प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरिल का उष्णित नाजार मृत्य, उसके द्वर्यमान् प्रतिकल से, एसे द्वर्यमान् प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्त्विक स्मू से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के स्मिरल में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री शब्बीनाथ लक्ष्मण पांडे ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसस मालशोस होटल प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी</mark> करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए **कार्यवाहियां करता ह**े।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभाग तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्रभी

श्रनुसूची जैसा कि, विलेख संख्या एस०-1456/81 श्रीर जो उंप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-4-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० ग्रब्वाम **प्रवीदी** मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-3, बस्बई

तारीच : 21-12-82

# संघ लोक सेवा श्रायोग नोटिस

स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1983

नई विल्ली, दिनांक 22 जनवरी, 1983

सं० एफ 5/1/82 प० I (ख)—भारत के राजपत्न दिनांक 22 जनवरी, 1983 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के श्रनुसार यादिक इंजीनियर्रा की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लाम श्रप्नेटिम के पदों पर नियुक्ति हेतु चयन के लिये संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा श्रगरतल्ला, श्रहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर. (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी, (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, श्रीनगर, तथा दिवेन्द्रम में 19 जुलाई 1983 से एक परीक्षा ली जाएगी।

ं श्रायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी श्रायोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को ग्रपने विवक्षा पर श्रलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारिणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी। (ग्रनुबन्ध 1 परा 11 देखिए)।

2: इस परीक्षा के परिणाम के ब्राधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की ब्रनुमानित संख्या 28 है। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में ग्रनुसूचित जातियों ग्रौर श्रनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए श्रारक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के श्रनुसार किया जाएगा।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीववार को निर्धारित आवेदन प्रपत्न पर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को श्रावेदन करना चाहिए। निर्धारित श्रावेदन-प्रपत्न तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण वो रुपए (रु० 2) देकर श्रायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राणि सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग, नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल श्रार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनी-आर्डर/पोस्टल श्रार्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनी-आर्डर/पोस्टल श्रार्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये श्रावेदन-प्रपत्न श्रायोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपए (रु० 2/-) की यह राणि किमी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:---उम्मीदवारों को वेतावनी दी जाती है कि वे भ्रपने भावेदन-पन्न स्पेशल क्लास भ्रप्नेंटिस परीक्षा 1983 के लिए निर्धारित मृद्धित प्रपन्न में ही प्रस्तुत करें। स्पेशल क्लास रेलवे धप्रेंटिमेज परीक्षा, 1983 के लिए निर्धारित धावेदन प्रपत्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए भावेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुम्रा श्रावेदन-पन्न स्नावध्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक मेवा श्रायोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011 को 21 मार्च, 1983 (21 मार्च, 1983) मे पहले की किसी तारीख से श्रसम, मेघालय, श्रकणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, मिक्किम, जम्मू और काण्मीर राज्य के लदाख प्रभाग हिमाचल श्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले श्रंडमान श्रौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप श्रीर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के या जिनके श्रावेदन उपर्युक्त मे से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 4 श्रप्रैल, 1983 तक या उसमे पहले डाक द्वारा श्रवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं श्रायोग के काउन्टर पर जाकर जमा कर दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी श्रावेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रसम, मेघालय, प्रकणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिनिकम, जम्मू भ्रौर काश्मीर राज्य के लदाख प्रभाग हिमाचल प्रदेश के आहौल और स्पीति जिले ग्रंडमान ग्रौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप ग्रौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण-प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि 21 मार्च, 1983 में पहले किसी तारीख से असम, मेघालय, श्रवणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम जम्मू भौर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले श्रंडमान ग्रौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहाथा।

- टिप्पणी (i):——जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्र के हैं जहां के रहने
  वाले श्रावेदन की प्रस्तुति हेतु श्रातिरिक्त
  समय के हकदार है, उन्हें श्रावेदन पत्न के
  संगतं कालम में प्रपने पतों में श्रातिरिक्त
  समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम
  (ग्रार्थात् ग्रसम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर
  राज्य का लहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट
  करना चाहिए श्रन्यथां हो सकता है कि उन्हें
  श्रतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (ii): -- उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने भ्रावेदन-पत्न को स्वयं संघ लोक सेवा श्रायोग के काउन्टर पर जमा कराएं भ्रथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। श्रायोग के किसी श्रन्य कर्मचारी को दिए गए भावेदन-पत्नों के लिए आयोग उत्तरदायी नही होगा।
- इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीचवारों की बाहिए कि वे भरे हुए श्रावेदन-पत्र के साथ रु० 36-00

(रु० छत्तीस) [अनुसूचित जातियो तथा अनुसूचित आदिम जातियो के उम्मीदशारों के लिए रु० 9 00 (रुपये नौ)] का शुल्क जो सचिव सघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखािकत भारतीय पोस्टल आईर, के रूप में हो, या सचिव, सघ लोक भारतीय सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखािकत बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहन वाले उम्मीदवारों को चाहिये कि वे ग्रपने यहा के भारत के उच्च ग्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि, जैसी स्थित हो, के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करे। जिससे यह "051 लोक सेवा ग्रायोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए ग्रौर उसकी रसीद ग्रावेदन-पद्म के साथ भेज दे।

जिन श्रावेदन-पत्नो में यह श्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम श्रस्त्रीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लाग नहीं होगा, जो पैराग्राफ 6 के श्रन्तर्गत निर्धारित शुक्त से छूट चाहते हैं —

- 6 श्रायोग यदि चाहे तो, उस परिस्थिति मे निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब इस इस बात से सतुष्ट हो कि श्रावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 ग्रौर 25 मार्च, 1971 की अवधि में भूतपूर्व पाकिस्तान (ग्रब बगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह बर्मा मे वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलत भारतीय व्यक्ति है, भ्रौर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत ग्राया है, या वह श्रीलका से वास्तविक रूप मे प्रत्यावर्तित मुलत भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रवजन कर भारत श्राया है या भ्रक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के ग्रधीन श्रीलका से मुलत भारतीय व्यक्ति है जिसके प्रव्रजन करने की सभावना है या भूतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान, से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जो 1 जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की भ्रवधि के दौरान भारत प्रव्रजन कर चुका था। ग्रौर निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।
- 7. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगृतान कर दिया हो किन्तु उसे स्नायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे ६० 21.00 (रुपये इन्कीस) [श्रनुसुचित जातियो श्रौर श्रनुसुचित जन जातियो के मामले में ६० 5 00 (रुपये पांच)] रागि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट की शर्तों के श्रनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का श्रावेदन-पत्न यह सूचना प्राप्त होने पर श्रस्वीकार कर दिया जाता है कि हि श्रर्हक परीक्षा में श्रसफल रहा है ग्रथवा वह उपयुक्त नोट के उपबन्धो की शर्तों की श्रपेक्षाग्रो का श्रन्यथा पालन नहीं कर सकेंगा ना वह शुल्क वापमी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त भ्रौर नीचे पैरा 8 मे उपबधित व्यवस्था को छोड़ कर श्रन्य किमी स्थिति मे भ्रायोग को भुगतान किए गए शुल्क की बापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जायेगा ओर न ही णुल्क को किसी अन्य परीक्षा या जयन के लिए स्रारक्षित रखा जासकेगा।

- 8 यदि कोई उम्मीदवार 1982 में स्पेशल क्लास रेलवं ग्रप्रेटिसेज परीक्षा में बैठा है और श्रव वह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हां, तो वह परीक्षा परिणाम का श्रथवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रनीक्षा किए बिना श्रपना श्रावेदन-पत्र निर्धारित तारीख तक श्रायोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। यदि 1982 के परीक्षा परिणाम के श्राधार पर नियुक्ति हेतु उनकी श्रनुशसा हो जाती है, तो 1982 की परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके श्रनुरोध पर रद्द कर दी जाएगी श्रीर उन्हे परीक्षा णुल्क वापम कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रद्द करने तथा शुल्क वापसी के बारे में उनका श्रनुरोध श्रायोग के कार्यालय में 1982 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "रोजगार समण्डार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के श्रन्दर श्रवश्य पहुच जाए।
- 9 उम्मीदवार द्वारा श्रपना ग्रावेदन-पत्न प्रस्तुत कर देने के बाद, उम्मीदवारी वापिस लेने के सबध किसी भी ग्रनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- 10 जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिशिष्ट 1 में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्दिष्ट किया गया था, सभी विषयों के प्रश्नो-पत्नों में वस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्न सिंहत वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी ब्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार सूचना विवरणिका" के ग्रनुबन्ध का ग्रवलोकन करें।

भ्रार० एस० भ्रहलुवालिया, उप सचिव सघ लोक सेवा भ्रायोग

# ग्रनुबन्ध I उम्मीदवार को अनुदेश

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे श्रावेदन-प्रपन्न भरने

से पहले नाटिस श्रीर नियम ध्यान से पढ़ कर यह देख ले

कि वे परीक्षा में बैठने के पान्न भी हैं या नहीं । निर्धारित

शालों में छूट नहीं दी जा सकती है ।

श्रावेदन-पत्न भेज ने से पहले उम्मीदवारो को नोदिस के पैराग्राफ 1 मे दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहा वह परीक्षा देने का इच्छुक है, श्रातिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र मे परि-वर्तन से सम्बद्ध श्रनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नही किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्स परीक्षा हेनु अपने श्रावेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, सघ लोक सेवा श्रायोग, को इस बान का पूरा श्रौचित्य बनाते हुए एक पन्न रिजस्टर्ड डाक से श्रवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यो चाहता है । ऐसे श्रनुरोधो पर गुणवता के श्राधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 10 जून, 1983 के बाद प्राप्त श्रनुरोधो को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। 2. उम्मीबार को श्रावेदन-पन्न तथा पावती कार्ड श्रपने हाथ से स्याही से श्रथवा बाल पाइन्ट पैन से ही भरने चाहिए। श्रध्रा या गलन भरा हुश्रा श्रावेदन-पन्न श्रस्त्रीकार किया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि श्रावेदन पत्न भरते समय उन्हें भारतीय श्रंकों में केवल श्रन्तर्राष्ट्रीय रूपों को ही प्रयोग करना हैं। चाहें माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी श्रंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिष्चित कर ले कि वे श्रावेदन प्रपत्न में प्रविष्टि करते समय इसको भारतीय श्रंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि श्रावेदन-पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट श्रौर सुपाठ्य हों। यदि वे प्रविष्टियां श्र्यपाठ्य या भ्रामक हैं तो उनके निर्वचन में होने वाली भ्रांति या मंदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि श्रायोग द्वारा श्रावेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिये कोई पत्न श्रादि स्वीकार नहीं किया जायेगा। इसलिये उन्हें श्रावेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिये विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले श्रीद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के श्रन्य संगठनों या निजी रोजगारों में पहले से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों को श्रपने आवेदन-पत्न श्रायोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार श्रपना आवेदन-पत्न श्रपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है श्रीर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जायेगा, भले ही वह नियोक्ता को श्रंतिम तारीख मे पहले प्रस्तुन किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में श्राकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या श्रस्थायी हैसियत मे या कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं श्रथवा जो लोक उद्यमों के श्रधीन सेवारन हैं, उन्हें यह परिवचन (श्रंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से श्रपने कार्यालय/विभाग के श्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए श्रावेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता में उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध श्रनुमति रोकते हुए कोई पन्न मिलता है तो उनका श्रावेदन पन्न अस्वीकृत/उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जाएगी ।

- उम्मीदवार को भ्रपने भ्रावेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्न भ्रवश्य भेजने चाहिए :—
  - (i) निर्धारित शुल्क के लिए रैखाकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्धर या बैंक ड्रापट (देखिए नोटिस का पैरा 5)।
  - (ii) श्रायु के प्रमाण-पत्र की श्रभिप्रमाणि त/प्रमाणित प्रतिनिधि ।

- (iii) ग्रीक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की भ्रक्षिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि ।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट श्राकार (लगभग 5 सें० मी०×7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां इनमें से एक प्रति श्रावेदन-प्रपन्न पर श्रौर दूसरी प्रति उपस्थिति पन्नक पर निर्धारित स्थान पर चिपका दी जानी चाहिए।
- (v) स्कूल श्रीर कालिज में उम्मीदवार के शिक्षण काल का संक्षिप्त विवरण जिसमें उसकी गैक्षिक तथा खेलकूद के सम्बद्ध सफलताश्रों का उल्लेख हो तथा जिसे वह स्वयं श्रपने हाथ से लिखे श्रीर उस पर हस्ताक्षर करे।
- (vi) जहां लागू हो वहां अनुसुचित जाति/श्रनुसुचित जन जाति का होने दावे के समर्थन में प्रमाण पव की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) ।
- (vii) जहां लागू हो वहां श्रायु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित /प्रमा-णित प्रतिलिपि । (देखिये नीचे पैरा 5 श्रौर 6)।
- (viii) उपस्थिति पत्नक (ग्रावेदन-पत्न के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुग्रा।
- (ix) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० ग्राकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर ग्रापका पता लिखा हो।
- टिप्पणी (i) उम्मीदवारों को श्रपने श्रावेदन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद (ii) (iii) (vi) तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी राज-पत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। श्रथवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों । जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परि-णामों के भ्राधार पर व्यक्तिगत परीक्षण हेत् साक्षास्कार के लिए अर्हता के परिणाम लिखित परीक्षा लेते हैं उन्हें घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों की मूल प्रतियां प्रस्तृत करनी होंगी । लिखित परीक्षा के परिणाम सितम्बर, महीने में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इस प्रमाण-पत्नों को व्यक्तित्व परीक्षण के समय प्रस्तुत करने हेतू तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीद-वार उस समय श्रपेक्षित प्रमाण-पत्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी श्रौर द्यागे विचार के लिए उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।

टिप्पणी (ii) भ्रावेदन-पत्नों के साथ भेजी गई सभी प्रमाण-पत्नों की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदभार को हस्ताक्षर करने होंगे श्रौर मारीखाभी देनी होगी।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (vi) और (vii) में उल्लि-खित प्रलेखों का विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिया गया है।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए ह ए भारतीय पोस्टल झार्डर:—

प्रत्येक पोस्टल श्रार्डर श्रनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव संघलोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी धन्य डाकघर पर देय पोस्टल ब्रार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल ब्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

सभी पोस्टल श्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर ग्रीर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को बह श्रवस्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल श्रार्डर न तो रेखांकित किए गए हों, श्रोर न ही सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(बा) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:

बैंक ड्राफ्ट, स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शासा से प्राप्त किया जाए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शास्त्रा नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत रेखांकित कियागया हो।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

टिप्पणी: उम्मीदवारों को भ्रपने आवेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली और सिरे पर श्रपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवारों को पोस्टल आर्डर के पिछली और इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर भ्रपना नाम तथा पता लिखें।

(ii) भायु का प्रमाण-पक्ष— श्रायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या भाव्यभिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रमुरक्षित मैद्रिकुलेटरों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो ग्रीर यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों, जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर या माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की श्रिभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

श्रायु के सम्बन्ध में कोई ग्रन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली, शपथ-पत्न, नगर निगम से श्रौर सेवा श्रिभलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण तथा श्रन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

धनुदेशों के इस भाग में धाए हुए मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न, वाक्यांश के ध्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित है।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यसिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष श्रौर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक श्रामु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि श्रावेदन-पत्न के साथ इन श्रनुदेशों में यथा निर्धा-रित श्रामु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो श्रावेदन-पत्न श्रस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी I : जिस जम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो, उसे केबल श्रायु से सम्बद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की श्रभिप्रमाणित / प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी 11: उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि श्रायोग उम्मीदवार की उन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जोकि श्रावेदन-पन्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैद्रिकुलेशन/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा, प्रमाण-पन्न या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन्न में दर्ज है भौर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी श्रनुरोध पर न तो विचार किया जाएगा श्रौर न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी III: उम्मीदार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और धायोग द्वारा उसे अपने प्रिभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की धनुमित नहीं दी जायेगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्न :— उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताश्रों में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्न उस प्राधिकारी (श्रर्थात् विश्व-विद्यालय या श्रन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्न की श्रिभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए श्रीर अपेक्षित

योग्यता से सम्बद्ध श्रपने दाने के समर्थन मे कोई श्रन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए । स्रायोग इस प्रभाण के प्रौ-चित्य पर विचार करेगा, किन्तु यह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यतास्रों के समयन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के इण्टरमीडिएट या कोई प्रन्य प्रहंक परीक्षा पास करने के प्रमाण-एत मे सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिसिपल के इस ग्राशय के प्रभाण-पत्न का श्रभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करना चाहिए कि उसने शर्हक परीक्षा गणित के माय-साथ भौतिका श्रीर रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर उसीर्ण की है।

जिस उम्मीदबार पर नियम 6 (ग)या नियम 6 (च) लागू होता हो तो उस अपना मैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विद्यालय के रजिस्ट्रार/कालेज के प्रिसिपल/ संस्था के प्रष्यक्ष से नीचे दिए गए निर्धारित फाम म दिए गए प्रमाण-पत्न की प्रतिलिधि श्रवस्य प्रस्तत करनी चाहिए। उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत लिए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्रा/श्रामतः/कुमारी\*-----छात्र/छात्रा 🕈 हैं/थे/थी 🕕

2. उन्होंने दिवर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम वप का परोक्षा /पंचवर्षीय इजीनियरी । हेगा कोस की प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उच्चतर शिक्षा का राष्ट्रीय परिषद की ग्रामीण सेवाभ्रों में त्रिवर्षीय डिप्लोमा कोर्स की प्रथम परीक्षा जा-को समाप्त हुई, उत्तीर्ण कर लो और अन्हें प्रथम वर्ष के लिए निर्धारित विषयों म से किसी में भी फिर से परं)क्षा में नहीं बठना है।

#### ग्रथवा

उन्होंने ----विश्वविद्यालय द्वारा संचालित जिन्नवर्धीय डिग्री कोर्स की प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा/\*पंचवर्षीय इंजी।नियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ----

\*3. उनके परीक्षा विषय निम्निखित थे:---

1.

2. 3

4.

**\*पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोसँ के विद्यार्थियों** पर लागुनहीं होगा।

> (रजिस्दार/प्रिसिपल के हस्ताक्षर) (विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था का नाम)

71**1**14

\*जी शब्द लागू हों, उन्हें क्रवया काट वें। 26-426GI/82

जिय उम्मीदबार पर नियम 6 के नीचे दिया गया नोट । लाग होता हो जित संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिपिपल/हैडमास्टर में लिए गए इस ग्राशय के प्रमाण-पत्न कर अभिप्रसाणि त/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी च।हिए कि इसके कून ग्रंश विषवविद्यालयझ/बोड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्विताय श्रेणी की श्रंक मीमा के श्रन्तर्गत श्राते हैं।

नोट:--पदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसमे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परं।क्षा में बैठने का णत हो जाता है पर ग्राभी उसे परीक्षा के परिणाम को मुचना न सिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा म प्रवेश पाने के लिए श्रावेदन कर रानता है। जो उम्मत्य-दार इस प्रकार का अहंक परीक्षा में बैठना चाहता हो बह भी श्रावेदन कर सकता है। किन्तु ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्धारित फार्म में सम्बद्ध कालज/संस्था के त्रिसिपल से एक प्रमाण-पत्न को श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि पूरी प्रस्तुत करनी चाहिए । यदि वे भ्रन्य शर्ते पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति प्रनन्तिम मानी जाएगी और यदि टे अर्हक परीक्षा म उत्तार्ण होने का प्रमाण-पन्न जल्**दी श्रौ**र हर हाजन में 19 ग्रगस्त, 1983 ये पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह ग्रनुमति २६ की जासकती है।

परोक्षा में इस प्रकार बठने की अनुमति प्राप्त उम्मीद-वार को, चाह वह इय परीक्षा के लिखित भाग में उत्तीर्ण हो ग्रथवा नही उपर्युक्त ग्रवधि के भीतर ग्रहंक पर्रक्षा पास करने का प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करना होगा । इस धनुदेश का पालन न करने पर उन्नकी उम्मोदनारी रह कर दी जायेगो प्रौर वह प्रपना परिणाम जानने का अधिकारी नहीं होगा ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म प्रमाणित किया जाता है ि श्रा /श्रीमतो/\*कुमारी----------स्प्त/\*स्प्ती -----श्वारा संचालित -----19---में बैठने वाले/वाली है, बैठ चुके/ मुका 🕈 हैं :--**(1)** 

- (ii)
- (III)
- (IV) (v)

प्रिसिपल के हस्ताक्षर (कालेज/संस्था\* का नाम)

नारीख -----FOIR ----

\*जो जन्य लाए ए ही, उन्हें काट हैं।

(ii) फोटों की दो प्रितयां :— उम्मीक्ष्वार को अपने हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें॰ मी॰×७ सें॰ मी॰ भी॰ मी॰ भी॰ मी॰ भी॰ मी॰ पि के जीसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इतमें से एक प्रति आवेदन पत्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्न पर तिर्धारित स्थान पर लगा देनी चाहिए फोटो की प्रत्येक प्रति के अपर उम्मीदवार को स्याह। से हस्नाक्षण वर्ग चाहिए।

ह्यान दें :-- उम्मीरवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई ग्रावेदन पद्म उपर्युक्त पैरा 3(ग्रा), 3(ग्रा), 3(ग्रा), 3(ग्रा), 3(ग्रा), के ग्रान्गेगत उल्लिखित प्रमाण पद्मों में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता ग्रीर उस न भेजने के लिए कोई उचित स्पर्धातरण नहीं दिया जाता नो ग्रावेदन पद्म श्रस्तीकृत किया जायेगा तथा इसका श्रस्ती- कृति के श्रपील पर विचार नहीं किया जायेगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा कर तो उसे अपने दाने
के सरायन में उस जिले के जिसमें इसके माता-पिता
(या जीवित माना या पिता) आमतौर से एहते हों जिला
अधिकारों या उप-मण्डल अधिकारों या निम्नलिखित किसी
अन्य ऐसे अधिकारी से, जिलमें संबद्ध राज्य सरकार ने यह
प्रमाण-पत्न जारी करने के लिए सक्षम अधिकारा के रूप मे
नामित किया हो, नीचे दिए गए फाम में दिए गए प्रमाण
पत्न को अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्ररचुत करनी
काहिए । यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की
मृयु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्न जिले के अबिकारी से लिया
जान चाहिए जहां उम्मीदवार अनी णिका से अपने किसी
प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पक्षों पर नियुक्ति के लियू धावेदन करने वाले श्रनुमूचित जाति श्रीर श्रनुमूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुन किए जाने वाले प्रमाण-एस काफाम :--

जो गांव/कस्बा\* - - - सुपुत्र/सुपुत्री\* श्रो - - - जिला मंडल\* - - राज्य/ संघ\* राज्य क्षत्र - - - के/की\* निवासी हैं - - - जाति/\* जनजाति के/की हैं जिसे नि-निलिखत के ग्रधीन ग्रनुसूचित जाति/

प्रमाणित किया जाता है कि श्रो/श्रीमर्तः/\*कुमारी ------

ग्रनुसूचित जन\*जाति के रूप में मान्यता की गई है :---मंबिधान (ग्रनुसूचित जातियां) ग्रादेश 1950\*

मंबिधान (श्रनुसूचित जन कातियां) श्रादेश, 1950\*

मंबिधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षत्र ) ग्रादेश, 1951\*

मंबिद्यान (अनुसूचित जन जानियः) (संघ राज्य क्षेत्र)

1951\*

[भनुसूचित जातियां भौर धनुसूचित जन जातियां सूची
(आशोधन) त्रादेश. 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम,
1960, पंजाब पुनर्गटन, श्रिधिनियम. 1966 हिमाचल प्रदेश
राज्य अधिनियम 1970 और उत्तर पूर्नीक्षल (पुनर्गठन) अधि।नयम
1971 तथा अनुसूचित जातियां श्रीर धनुसूचित जन जातियां
(संशोधन) श्रिधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित]।
संविधान (जम्मू ग्रीर कम्मीर) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश
1956*
संविधान (ग्रंडमान भ्रौर निकोबार द्वीप समूह) श्रनुसूचित
जन जातियां म्रादेश 1959* अनुसूचित जाति तथा अनु-
सूचित जन जातियां (संशोधन) स्रिधिनियम, 1976 द्वारा
यथा संशोधित ।
संविधान (दावरा श्रौर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जातिया
मादेश, 1962 l*
संविधान (पांडिचेरी) भ्रनुसूचित जातियां श्रादेश 1964*
संविधान (श्रनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) ग्रादेश,
1967*
संविधान (गोम्रा, दक्न ग्रेर दीपु) अनुसूचित गातियां रादेश,
1968*
संविधान (गोग्रा, दमन ग्रीर दीयु) ग्रनुसूचित अन जातियां
मादेश, 1968* ।
संविधान (नागालैण्ड) ग्रनुसूचित जन जातिया घादेश,
1970*
संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति ग्रादेश, 1978*
संविधान (सिक्किम) श्रनुसूचित जन जाति श्रादेश, 1978*
2. श्री/श्रीमती/कुमारी*
श्रीर/या* उनका परिवार श्रामतीर पर से गांव/कस्था*
————राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र———
<del></del>
हस्ताक्षर ———
पवनाम ————
(कार्यालय की मोहर)
स्थान
तारीख—

# राज्य\*/संघ राज्य क्षेत्र

\*जो शब्द लागून हो उसे काट दें।

नोट: यहां "भ्रामतौर से रहते/रहती हैं" का भ्रथं वही होगा जो "रिप्रेंजेंटेशन भ्राफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है। श्रनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम श्रधिकारी।

(i) जिला मजिस्ट्रेट/म्रितिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलैक्टर डिप्टी किम्प्रनर/एडीणनल डिप्टी किम्प्रनर/डिप्टी कलैक्टर/ प्रथम श्रेणी का स्थायी स्टाइपेंड मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/सब† एक्सट्रा डिबीजनल मजिस्ट्रेट/ताल्लुक मजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिब मजिस्ट्रेट/म्रिसिस्टेंट किम्प्रनर।

- (i) प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम श्रोहदे का नहीं )।
- (ii) चीफ प्रेसिडेंसी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रैसिडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रैसिडेंसी मजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिनका श्रोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सबिडिबीजनल अफसर जहां उम्मी-दवार और/या उसका परियार ग्रामतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेबलपर्मेट भ्रफसर लक्षद्वीप ।
- 5. (i) नियम 5 (ख) (ii) श्रयंवा 5 (ख) (iii) के श्रन्तर्गत स्राय में छूट श्रीर या नोटिस के पैरा 6 के सनुसार शुल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रव बंगला देश) में विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में में किसी एक से लिए गये प्रमाण-पत्र की स्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला देश) के वास्तिविक थिस्थापित व्यक्ति हैं, ग्रौर 1 जनवरी, 1964 ग्रौर 25 मार्च, 1971 के बीच की श्रविध में प्रवजन कर भारत स्राया है।
  - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों श्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट ।
  - (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट आहां नह इस समय निवास कर रहा है।
  - (3) सम्बद्ध जिने भें शरमार्थी पुनर्वात कार्व के प्रभारी प्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।
  - (4) ग्रपने ही कार्यभार के ग्रधीन सम्बद्ध सब-डिवीजनल का सब डिवीजनल ग्रफमर ।
  - (5) उन-शरणार्थी पुनर्वास ग्रायुक्त पश्चिमी बगाल/ निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।
- (ii) नियम 5 (ख) '(1v) अथवा 5 (ख) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुरूक में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका में प्रत्या-वर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित /प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्तूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।
- (iii) नियम 5 (ख) (प्र) अथवा 5 (ख) (प्रं) के धन्तर्गत धायु में छूट धौर/या नोटिस के पैरा 6 के धनुसार शुल्क में छूट का बाबा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राज-दूतावास रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पन्न की अभिप्रमाणित /प्रमाणित प्रतिक्रिप यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि

वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत धारा है, अथता उसे जिस क्षेत्र का नियामी है उसके जिता मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक भ्रभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह शर्मा से भ्राया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है भ्रौर 1 जून 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है।

(iv) नियम 5 (ख) (viii) प्रथवा 5 (ix) के प्रन्तर्गत प्रायु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विकलांग हुप्रा है, महानिदेशक, पुनर्वास रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पन्न की प्रभिप्रमाणित / प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संवर्ष में प्रथवा प्रशाति प्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के वौरान विकलांग हुप्रा और परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुग्रा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किथे जाने वाले प्रमाण-पक्ष का फार्म :

हस्ताक्षर	
पदनाम -	
तारीख -	

- 🗼 ो शब्द लागून हो क्रुपया उसे काट दें।
- (v) नियम 5(ख) (x) या 5(ख) (xi) के ध्रत्यंत ध्रायु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गए प्रमाण-पत्न की अधि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बह वियतनाम से बाया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियननाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं झाया है।
- (vi) नियम 5 (ख) (xii) या 5 (ख) (xiii) के धन्तर्ग आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टागानिका और जंजीबार) से आए हुए उम्मीदबार को या जाम्बिया मलावी, जैरे और ईिषयोपिया से प्रत्यावित भारत मूलक उम्मीदबार को उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पत्र की एक धिभप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिप यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि बहु बास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।
- (vii) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त प्रभि-कारी (ग्रापातकालीन सेवा कमीशन प्राप्त ग्रधिकारियों भत्यकालीन सेवा कमीशन प्राप्त ग्रधिकारियों सहित) नियम

5 (ख) (xiv) श्रथवा 5 (ख) (xv) की गर्तों के श्रधीन आयु सीमाश्रों में छूट का दावा करते हैं उन्हें सम्बद्ध प्राधि-कारियों से निम्नलिखिन निर्धारित प्रपन्न में उन पर लाग् होने वाले प्रमाण-पन्न की एक प्रमाणित/श्रभिप्रमाणित प्रति-लिपिं प्रस्तुत करनी चाहिए।

(क) कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त कार्मिको पर लागू :

- (क) उन्होने पांच या पांच से अधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल के समापन पर कदा-चार या श्रक्षमना के कारण वर्खास्त या कार्यमुक्त होने के श्रलावा अन्य श्राधार पर कार्य मुक्त हुए हैं।
- (ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक अपंगता या श्रक्षमता के कारण———— को कार्यमुक्त हुए हैं।

सक्षम प्राधिकारी का नाम सथा पदनाम

मृहर

स्थान : तारीख :

(ख) नेवारत/कार्मिकों पर लागू

3. उनके विरुद्ध कोई ग्रनशासनिक मामला लम्बित नहीं है।

> सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम मुहर

स्थान : तारीख :

प्रमाण पत्न जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्न लिखित हैं:—

(क) कमीगन प्राप्त प्रधिकारियों (श्रापातकालीन कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों/श्रल्पकालिक मेवा कमीशन प्राप्त श्रधिकारियों सहित) के मामले में :— सेना कार्मिक लेवा निदेशालय, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।

नौसेना---कामिक सेवा निदेशालय, नौसेना मुख्या-लय, नई हिल्ली।

वायु सेना---कार्मिक सेवा निदेशालय, वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली ।

(ख) नौसेना तथा वायु सेना के जूनियर कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों/ग्रन्य रैंकों तथा समकक्ष भिन्न कारियों के मामले में :—

भेना—विभिन्न रेजिमेंटल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा नौसेना—नौसेना रिकार्ड बम्बई ।

बायु गेना--वायु सेना रिकार्ड , नई दिल्ली !

- (viii) नियम 5 (ख) (xvi) या नियम 5 (ख) (xvii) के श्रन्तर्गत श्रायु में छट श्रौर/या नोटिस के पैरा 7 के श्रन्तर्गत शरक में गाफी चाहने वाले भ्तपूर्व पश्चिम पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निर्मालिखित में किसी प्राधिकारी से इस श्राशय के प्रमाण-पन्न की एक अनुप्रमाणित /प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भतपूर्व पश्चिम पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हैं जो 1 जनवरी, 1971 श्रौर 31 मार्च, 1973 के बीच की श्रविध के दौरान भारत प्रग्रजन कर चुका था:—
  - (1) विभिन्न राज्यों में ट्रांजिट केन्द्रों या राष्ट्रत शिविरों के शिविर कमांडेंट ;
  - (2) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जिसमें वह फिलहाल रहता हो;
  - (3) प्रयने-प्रयने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी श्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।
  - (4) श्रपने प्रभारान्तर्गत सब डिवीजन के श्रंदर सब डिवीजनल श्रफसर;
  - (5) शरणार्थी पुनर्वास का उपायुक्त ।
- 6. जो उम्मीखवार ऊपर पैरा 5(i), (ii) (iii) और  $(\vee iii)$  में किसी भी वर्ग के नोटिस के अन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का धावा करता है, उसकी किसी जिला अधिकारी या सरकार के राजपित्रत अधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाण पत्न लेकर उसकी अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) ग्रावश्यक हो तो उसे ग्रभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्न प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को ग्रावेदन करना चाहिए।
- 8. उम्मीद्यवारों को चेतावनी दी जाती हैं कि व श्रावेदन-पक्ष भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें घथवा किसी सही सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पत्न प्रथवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति को किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें ग्रीर न उसमें कोई फेरबदल करें ग्रीर न ही फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण-पत्न प्रस्तुत करें । यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्नों या उनकी प्रतियों में कोई प्रशुद्धि अयवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये ।

9. ग्रावेदन पस्न लेकर देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि ग्रावेदन-पन्न ही ग्रमुक तारीख को भेजा गया था । ग्रावेदन-प्रपन्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पान्न हो गया है ।

10. श्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक श्रावेदन पत्न जिसमें देर से प्राप्त श्रावेदन पत्न भी मस्मिनित है को पावती दी जाती है नथा श्रावेदन पत्न की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को श्रावेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के श्रावेदन-पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित श्रंतिम नारीख से एक मास के श्रन्थर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल श्रायोग से पायती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को भ्रावेदन पंजीकरण संख्या सूचित करदी गई है भ्रपने भ्राप यह भ्रर्थं नहीं है कि भ्रावेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है भ्रौर श्रायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है ।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदनार को उसके आवेदन पत्न के परिणाम की सूचना यथाशीझ दे दी जाएगी । किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न के परिणाम की जानकारी न मिले तो उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामाले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. संघ लोक सेवा श्रायोग ने "संघ लोक मेवा भायोग की धस्तुपूरक परीक्षाश्रों हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समृल्य पुस्तिका छापी है। इसका जिजाइन ऐसा है जिससे सं० लो० से० श्रायोग की परीक्षाश्रों या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछली पांच परीक्षाओं की नियमावली सथा पारम्परिक प्रकार के प्रकान-पत्नों का उस्लेख करने वाले पैम्फलेटों की प्रतियां प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, देहली-110054 के पास विक्री के लिए सुलभ हैं और इन्हें उनसे सीधे मेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताबमहल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (2) उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 स्थित प्रकाशन शाखां का बिक्री काउन्टर और (3) गवनंमेंट प्राफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी लिया जा सकता है। मैंनुग्रल/पैम्फलट भारत सरकार प्रकाशनों के विभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

13. भावेदन-पन्न से सम्बद्ध पन्न व्यवहार—भावेदन-पन्न से सम्बद्ध सभी पन्न भादि सचिव, संघ लोक सेवा धायोग धौलपुर हाउम, नई दिल्ली-110011 को भेजे जार्ये तथा उसमें नीचे लिखा ब्योरा श्रनिवार्य रूप से दिया जाए ।

- 1. परीक्षा का नाम
- 2. परीक्षा का महीना भ्रौर वर्ष
- 3. श्रावेदन पंजीकरण सं०/रोल नम्बर, श्रथवा उम्मीद-.वार की जन्म तिथि यदि श्रावेदन पंजीकरण सं०/ रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो ।
- 4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े प्रक्षरों में)
- 5. ग्रावेदन-पत्न में दिया गया पत्न व्यवहार का पता ध्यान दें: (i) जिन पत्नों में यह क्योरा नहीं होगा सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

विशेष घ्यान दें (ii): यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्न संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर घ्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तन : उम्मीदिवार को इस बात की क्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके भ्रावेदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्न भ्रादि भ्रावश्यक होने पर, उसकी बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर श्रायोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाशीझ दी जानी चाहिए। भ्रायोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरापूरा प्रयस्त करता है। किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मे-दारी स्वीकार नहीं कर सकता।

# उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

# (क) वस्तुपरक परीक्षण:

भ्राप जिस परीक्षा में बैठन वाले हैं वह "'वस्तुपर क परीक्षण" होगा । इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में भ्रापको उत्तर लिखने नहीं होंगे । प्रत्येक प्रश्न (जिसको भ्रागे प्रश्नांश कहा जायेगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको भ्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं । उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिये भ्रापको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य श्रापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण श्रापको कोई हानि न हो।

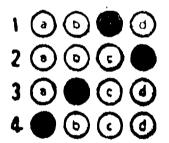
# (ख) परीक्षण का स्वरूप:

प्रश्न पत्न ''परीक्षण पुस्तिका'' के रूप में होंगे इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 श्रादि के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे थ, b, c, d, चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। श्रापका काम एक सही या यदि श्रापको एक से श्रिधिक प्रत्युत्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (श्रंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए श्रापको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि श्राप एक से श्रिधिक चुन लेते हैं तो श्रापका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

# (ग) उत्तर देने की विधि :

परीक्षा भवन में श्रापको श्रलग एक उत्तर पत्नक दिया जाएगा। जिसकी एक नमूना प्रति श्रापको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेज दी जाएगी। श्रापको श्रपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पश्चक को छोड़कर श्रन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जांचे जायेंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने, a, b, c, d, चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको इस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (ग्रापका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:--

- 1. प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल श्रच्छी किस्म की एच बी व पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं श्रौर उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिये उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए ग्राप ग्रपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उलार पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी भ्रसावधानी न हो जिसमें वह फिट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट भ्रादि पड़ जाए या वह खराब हो जाए।

# (ध) कुछ महत्वपूर्ण विनियम :

- भापको परीक्षा भारम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा भीर पहुंचते ही भ्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षण शृरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की प्रतुमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका श्रौर उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।
- 5. आपको उत्तर पक्षक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। आपको कुछ विवरण उत्तर पत्नक पर कूटबद्ध भी करने होंगे। इसके बारे में आपके नाम अनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजे जाएंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी श्रनुदेश श्रापको सावधानी से पढ़ने हैं। इन श्रनुदेशों का सावधाननी से पालन न करने से श्रापके नंबर कम हो सकते हैं। श्रगर उत्तर पत्नक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए श्रापको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के श्रनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को श्रारम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके श्रनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. ग्राप ग्रपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लाएं, ग्रापको ग्रपने साथ एक एच० बी० पेंसल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर ग्रौर नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। ग्रापको सलाह वी जाती है कि ग्राप ग्रपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। ग्रापको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या ग्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कच्चे काम के लिए ग्रापको एक ग्रलग कागज दिया जाएगा। ग्राप कच्चा काम ग्रुठ करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, ग्रपना रोल नम्बर ग्रौर परीक्षण की तारीख लिखें ग्रौर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे ग्रपने उत्तर पत्नक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

# (ङ) विशेष धनुदेश

परीक्षा भवन में श्रपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्नक देंगे। उत्तर पत्नक पर अपेक्षिल सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यणा, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

# (च) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय कायथासभव दक्षता स उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जस्ती काम कर सकते हैं करें पर लापरवाही न हो। भ्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। श्रापको जो प्रश्न श्रत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की स्रोर बढ़ें भ्रोर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नांशों के ग्रंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। ग्रापके द्वारा श्रंकित सर्हा प्रत्युत्तरों की संख्या के ग्राधार पर ही ग्रापकों ग्रंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए ग्रंक नहीं काटे जाएंगे।

# (छ) परीक्षण का समापन:

जैसे ही पर्ययेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी भावण्यक वस्तुएं ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उस्तर पत्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

# नमूने के प्रश्नाश (प्रश्न)

(नोट---\*सही/सर्वोत्तम उत्तर---विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

#### 1. सामान्य ग्रध्ययन

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है?

- (a) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाव से कम होता है।
- \*(b) रक्त का दाव वायुमण्डल के दाब से ग्रधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाश्चों की श्रन्दरूनी तथा बाहरी शिराशों पर वाब समान होता है।
- (d) रक्स का दाव वायुमण्डल के दाब के श्रनुरूप घटता-बढ़ता है।

# 2. (কুবি)

धरहर में, फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- \*(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव
  - (b) दूर-दूर पौधे लगाना
  - (c) सही ऋतु में पौधे लगाना
  - (d) थोड़े-थोड़े फासले पर पौधे लगाना।

# 3. (रसायन विज्ञान)

 $H_3 VO_4$  का एनहाड़ाइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c)  $V_2O_3$
- \*(d) V2O5

# 4. (मर्थशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी गोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- \*(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
- (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्य उत्पादन दोनों बराबर हों।
- (c) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से श्रधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

# 5. (बैस्तुत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को श्रापक्षिक परावैद्युतांक 9 के पैरा-धैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यदि 'C' मुक्त श्रन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3c
- (b) c
- \*(c) c/3
  - (d) c/9

# 6. (भू-विज्ञान)

बेसाल्ट में प्लेजिग्नोक्लेस क्या होता है?

- (a) भ्रालिगोक्लेज
- \*(b) लैब्रोडोराइ
  - (c) एल्बाइट
  - (d) एनार्थाइट

# 7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला श्रौर  $d^2y=dy=\Phi$   $dX^2 dx$ 

समीकरण को संगत रखने वाला वक-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है ?

- (a) y=a +b
- (a) y⇒a
- (c)  $y=ae^x+be-x$
- $*(d) y=ae^{x}-a$

# 8. (भौतिकी)

एक प्रादर्श अध्मा इंजन 400°k भीर 300 k तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- \*(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

# 9. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रसारण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 4\*
- \*(b) 3
  - (c) 8
  - (b) -5

# 10. (भूगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की श्रस्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- \*(b) बर्मा की म्रधिकांश नदियों का डेल्टाई भाग है।
  - (c) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

# 11. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- (a) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणबाद के भ्रानुयायियों की संख्या बहुत श्रिधिक थी।
- (b) ब्राह्मणवाद बहुत श्रिधिक कर्मकाण्ड ग्रीर ग्राडम्बर से पूर्ण धर्म था।
- \*(c) ब्राह्मणवाद के ध्रभ्युदय के साथ बिल सम्बन्धि यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशामों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

# 12. (वर्शन)

निम्नलिखित में से निरीय्वरवादी दर्शन समूह कौन सा है?

- (a) बौज न्याय, चार्नाक, मीमांसां।
- (b) न्याय, वैशेषिक, जैन भ्रौर बौद्ध, चार्वाक
- (c) प्रहैत, वेदांत, सांख्य, चार्वाक योग
- \*(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसां, चार्वाक

# 13. (राजनीति विज्ञान)

'वृत्तिगत प्रतिनिधान' का श्रर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

- \*(a) व्यवसाय के म्नाधार पर विधानमण्डन में प्रति-निधियों का निर्वाचन।
  - (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
  - (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधित्व का भनाव।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा श्रप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्य।

# 14. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्वेशित करती है?

- (a) लक्ष्य सम्बन्धी ग्रावश्यकला में वृद्धि
- \*(b) भावारमक भ्रवस्था में न्यूनता
- (c) व्यावहारिक ग्रधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण ग्रधिगम

# 15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाग्रों की निम्न में से कौन-सी है?

- \*(a) ग्राम सरकार में महिलाग्रों तथा कमजोर वर्गों को श्रीपचारिक प्रतिनिधिस्य प्राप्त हुन्ना है।
- (b) छूप्राञ्रूत कम हुई है।
- (c) वंचित लोगों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुन्ना है।

  टिप्पणी:—-उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए

  कि उपर्युक्त नमूने के प्रक्नांश (प्रक्न) केवल

  उदाहरण के लिए दिए गए हैं ग्रीर यह

  जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के श्रनुसार हों।

#### UNION PUPLIC SERVICE COMMISSION

New Delni the 24th November 1932

No A 32012/1 81 Admit I—In concuration of the Union Public Service Commission Notification of even number dated the 19th August 1982 the Chairman Union Public Service Commission beleby an interstite K R P Nair a permanent Service Reserich Officer of time office of Union Public Service Commission to officiate as Officer on Special Duty (Language) in the Commission's office on ad hoc basis for the period from 19 11 1982 to 18th February 1983 or until further orders whichever is earlier

I C KAMBOJ Section Officer for Chairman

#### New Delhi-110011, the 27th November 1982

No A 11016/1/81-Admn III—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officei in the office of the UPSC for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier—

S No	Name	Period
	(S/Shrı)	
1	Jai Narain	3-11-82 to 31-01-83
2	NK Dhingia	1-11-82 to 03-01-83
	It Ram	31-10-82 to 10-12-82
4	N M L Bhatnagar	24-10-82 to 30-10-82 and
		5-11-82 to 30-11-82
5	Shrı K P Iyer	16-10-82 to 25-10-82

2 The above officers shall draw Special Pay @ Rs 75 per month in terms of D O P & A R O. M No 12/1/74-CS (I) dated 11th December, 1975

#### The 30th November 1982

No A 38013/2/82 Admn III—The President is pleased to permit Shri M S Rawat a permanent Assistant and officiating Desk Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 30th November 1982 in terms of Department of Personnel and Administrative Reforms OM No 33/12 73 Fsts(A) dated the 24th November 1973

#### The 1st December 1982

No A 19014/7 82 Admn I—The President is pleased to appoint Shri A J Bajaj (IIS) as Under Scuetary in the office of UPSC with effect from the forepoon of 18th November 1982 until further orders

V R GANDFI Under Secy (Admn) Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNII & AR CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 1st January 1983

No A 22013/1 82-AD-V—In continuation of Notification of even number dated 24th September 1982 the Direc

tor Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police Spec A Police Establishment is pleased to appoint Shir Unva Kint Sharma as Office Superintendent, CBI on d hoc basis for a further period from 1st November 1982 to 31st January 1983 or till the post is flied up on regular bats y hichever is earler

No A 22013/1/82-AD-V—In continuation of Notification of even Number dated 10th May 1982 Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri T Sudersana Rao as Office Superintendent/C B I on ad-hoc basis for a further period from 1st August 1982 to 31st Ianuery 1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier

#### The 3rd January 1983

No A 19020/2/76-AD V — The services of Shri A R Sridharan IPS (KNT 1958) Deputy Inspector General of Police Central Bureau of Investigation Special Police Establishment on repatriation were placed at the disposal of the Government of Karnataka with effect from afternoon of the 24th December 1982

No A-19020/2/82-AD V—The President is pleased to appoint Shri P C Srivastava Superintendent of Police, Central Buieau of Investigation to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Buieau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the afternoon of 16th December 1982 until further orders

No A-19021/17/82-AD V—The President is pleased to appoint Shri S V Venkatakrishnan IPS (TN 1974) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation Special Police Fstablishment with effect from the forenoon of 20th December 1982

R S NAGPAL
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi the 27th December 1982

No O II-1609/81 Estt — The Director General CRPF is pleased to appoint Dr (Mrs) G Chellakannu as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 27-11-1982 (FN) for a period of three months only or till reciuitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier

No O II 1767/82-Estt —The Director General CRP Force is pleased to appoint Dr Chandra Prakash Arya as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from 2nd December 1982 (FN) 101 a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier

#### The 28th December 1982

No O II 1765/82-Estt — The Director General CRPF is pleased to appoint Dr Prafulla Kumar Borah as Junior Medical Officer in the CRP Force on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 27th October 1982 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier

No O II 1572 82-Estt—The President is pleased to accept resignation tendered by Shii 1 M Devappa, Dy S P of 31 Bn CRPF wef 5-10 82 (FN)

A K SURI
Assistant Director (Estt)

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

#### New Delhi-11, the 28th December 1982

No. 11/37/80 Ad. I.—In continuation of this office Notification of even number dated 19-6-1982, the President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Investigators as Assistant Director of Census Operations (Technical in the Offices as mentioned against their names, on a purely teporary and ad-hor basis, for a further period up-to the 28th February, 1983 or till the posts are filled in, on a regular basis whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

Name of the Officer		Office in which working
1 2		3
1. Shri M. Tej Kıshore Singh	. ]	DCO, Meghalaya, Shillong.
2. Shri K. S. Lyngdoh .	. ]	DCO, Meghalaya, Shillong.
3. Shri S. S. Bahri	. ]	RGI, New Delhi.
4. Shri M.N. Sarkar .	. 1	DCO, West Bengal, Calcutta.
5. Shri Samsher Singh .		DCO, Rajasthan, Jaipur.
6. Shri K. K. Akolkar	•	DCO, Maharashtra, Bombay.
7. Shri M. L. Sharma .	•	DCO, Punjab, Chandigarh.
8. Shri M. G. Mohril .	٠	DCO, Madhya Pradesh, Bhopal.
9. Shri K. R. Narayana .	•	DCO, Karnataka, Bangalore.
0. Shri M. S. Ramachandran		DCO, Karnataka, Bangalore.
1. Shri G. N. Gowda .	. :	DCO, Karnataka, Bangalore.
12. Shri H.S. Meena		DCO, Bihar, Patna.
3. Shri S. S. Niket	•	DCO, Bihar, Patna.
14. Shri A.C. Reddy	٠	DCO, Andhra Pradesh, Hyderaabd.
<ol><li>Shri Nırmal Bhattacharya</li></ol>		DCO, Assam, Gauhati.
16. Shri M. P. Jhala .		DCO, Gujarat, Ahmedabad.
17. Shri J.C. Dutta . ,	•	Language Division, Calcutta.
18. Shri D.K. Chaudhuri .		DCO, Tripura, Agartala.
19. Shri R.M. Singh	•	DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.
20. Shri Lakhan Singh .		DCO, Uttar Pradesh, Lucknow,
21. Shri G.S. Gill	•	DCO, Punjab, Chandigarh.
22. Shri M.L. Sharma .		DCO, Delhi, Delhi.
23. Shri C.L. Sharma .	•	DCO, Himachal Pradesh, Simla.
24. Shri S.P. Desai	٠	DCO, Goa, Daman & Diu, Panaji.
25. Shri R. Narayanan .	•	DCO, Tamil Nadu, Madras.
26. Shri J. N. Suri		DCO, Haryana, Chandigarh.

2. The above mentioned ad-hoc appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the Grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

P. PADMANBHA, Registrar General

#### MINISTRY OF FINANCE

#### DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

#### BANK NOTE PRESS

Dewas, the 2nd January 1983

F. No. BNP/C/5/82.—In continuation to this office Notification of even number dated 3rd October 1982 the ad hoc appointment of Shri R. K. Ghoshal as Technical Officer (Printing and Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of three months with effect from 1st January 1983 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

M. V. CHAR General Manager

# OFFICF OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH

#### Allahabad, the 12th November 1982

No. Admn.I '11-144/Notification' 5737A.—The Accountant General 1, U.P. has appointed the following officers in substantive capacity in Accounts Officers cadle in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1 September 1982.

- 1. Shri Sheo Pujan Naik.
- 2. Shii G. S Bhatnagar.
- 3. Shrì J. C. Bhatia.
- 4. Shri K. R. Bhalla.
- 5. Shri J. P. Agarwal.
- 6. Shri Surai Singh.
- 7. Shri B. B. Lal.
- 8. Shri V S. Chauhan.
- 9, Shri Kailash Narain,
- 10. Shri G. R. Arora.
- 11. Shri J. N. Khanna.
- 12. Shri Shri Ram II.
- 13. Shri Daya Nand Joshi.
- 14. Shri Ram Sewak Shrivastava.

#### The 17th December 1982

No. Admu.I/11-144/Notn, '6434.—The Accountant General I U.P. has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office until further orders with effect from the dates noted against each:—

S/Shri

- 1. Ram Gulam Chaturvedi-9-8-82.
- 2, Ram Raj Singh-7-8-82.
- 3. Vidya Dhar Shukla-7-8-82.
- 4. Kewal Ram Mendiratha-17-8-82.
- 5. Anand Narain Shangloo-7-8-82.
- 6. Uma Shankar Bhatt-2-9-82.
- 7. Dulal Chand Chowdhary-7-8-82,

S/Shri

- 8. Beni Madho Agarwal-22-9-82.
- 9. Shri Ram Dubey-7-8-82.
- 10. Gangotri Prasad Pandey--3-9-82.
- 11. Hari Kishore Chaturvedi-8-9-82.
- 12. Nitya Ranjan Banerji-25-8-82.
- 13. Shafi Uddin Siddigui-4-9-82.
- 14. Amar Nath Ganguli-30-8-82.
- 15. Gopi Krishna Tandon,—6-9-82.

#### The 21st December 1982

No. Admn.I/II-144/Notn./6500.—Shri Suraj Singh, Substantive Accounts Officer, Office of the Accountant General III, U.P., Allahabad, has retired from the Government service with effect from 30th November 1982 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

Sr. Dy. Accountant General (A).

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 1st January 1983

No 1/83/A/E.1.—On attaining the age of superannuation, Shri Dinesh Chandra Datta, Substantive and Permanent Assistant/Officiating Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31st December 1982 (A.N.).

No. 2/83/A/F.1.—Shri C. A. Sankaranaiayanan, Substantive and Permanent Stenographer Gilde II/Offg. Private Secretary (Stenographer Gil A) voluntarily retired from service with effect from 31st December 1982 (A.N.).

D. R. IYER, DDG/Personnel

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Deihi, the 14th December 1982 IMPORI AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/416/56-ADMN(C)/7825.—On attaining the age of superannuation, Shri Robert Bara, Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Fxports, Bombay has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st October 1982.

#### The 30th December 1982

No. 6/1208/77-ADMN(C)/7873.—On attaining the age of superannuation, Shi R. C. Pun, a Grade IV officer of the CSS and officiating Controller of Imports and Exports in this office has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th November 1982.

No. 6/1208/77-ADMN(C)7873.—On attaining the age of superannuation Shii M. P. Mallik Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports. Calcutta, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th November 1982.

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Import and Exports

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 30th December, 1982

No. CER/2/82/11.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/2/77 dated 15-4-77, namely:—

In the said Notification, in the SCHEDULE II appearing below paragraph 11, Group VIII shall be substituted to read as follows under the respective columns.

В	asic Count	Permissible counts	range of
Group	Warp	Weft	Warp
VIII .	36	41	34-38
	Minimum cor	astructions	
Weft	Long cloth	Shirting	Dhoty/Saree
·	Reed/Picks	Reed/Picks	Read/Picks
40-43	64× 60	76× 56	60× 56

This Notification shall come into force with immediate effect.

SURESH KUMAR Additional Textile Commissioner.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 24th December 1982

No. A.19018/593/82-A(G).—The President is pleased to appoint Shri G. M. Ambhore, SIPO, (1MT) Small Industries Service Institute, Bombay as Asstt. Director (Gr. I) (1MT) at Small Industries Service Institute, Goa with effect from the forenoon of 4th December 1982 until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 27th December 1982

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7), dated 11th July 1969 under Class 2 'Nitrate Mixture' the words "for trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-12-82" appearing after the entries Premier I.D1, Premier LD2, Dynex 1, Dynex 2 and Dynex C shall be deleted.

CHARANJIT LAL
Chief Controller of Explosives

#### MINISTRY OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 31st December 1982

No. A-1/1(534).—The President has been pleased to permit that on the basis of the notice for retirement dated 30th September 1982 submitted by him, Shri S. P. S. Bhatia, permanent J.F.O. and officiating Deputy Director (Supplies) an officer of Indian Supply Service (Gr. II), retired from Government service with effect from 31-12-1982 (AN).

S. BALASUBRAMANIAN Dy. Director (Administration)

#### Calcutta-27, the 30th December 1982

No. G-65/S. O.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint the following Scientific Asstts. (Mechanical) and (Chemical) of National Test House, Calcutta & Bombay, as Scientific Officers (Mechanical) and (Chemical) respectively in the Branch Offices of National Test House (mentioned below) with effect from the date mentioned against each on a regular basis until further orders.

SI. No.	Name	Designation	Promoted to the post of Scientific Officers on	In the Office of
1. Sri Ka	Shyama Pada r.	Scientific Assistant (Mechanical) Calcutta.	2-11-82	National Test House, Ghaziabad.
2. Sri	A.A. Kosgi	Scientific Assistant (Chemical) Bombay.	5-10-82	National Test House, Bombay.

A. BANERJEE, Dy. Director (Admn.), for Director General.

#### ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 22nd December 1982

No. 9159B/A-19012(2-DNL)/19B.—Shri D. N. Lahktar, Asstt. Geophysicist, G.S.I. relinquished charge of the post of Asstt. Geophysicist of this Department with effect from 6th July 1981 (F.N.) on resignation.

S. K. MUKERJEE Director General Geological Survey of India

### SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 30th December 1982

No. E1-5895/594-Managers.—Shri Ramesh Chander Kapur is appointed to officiate as Assistant Manager (Map Reproduction), Survey of India in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against the temporary post in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 25th November 1982. His pay is to be fixed according to rules.

No. E1-5896/594-Managers.—Shri Balwant Singh is appointed to officiate as Assistant Manager (Map Reproduction), Survey of India in the General Central Scrvice Group 'B' (Gazetted) against the temporary post in the revised scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 29th October 1982. His pay is to be fixed according to rules.

No. E1-5897/724/SQS.—Shri Lalta Prasad Srivastava is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India, in the General Central Service Group 'B' (Gazetted) against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 with effect from 27th September 1982.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

#### DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 30th December 1982

No. 4(20)/82-SI.—The Director Genetal, All India Radio, hereby appoints Shri Mrinal Kumar Choudhury, Announcer, All India Radio, Gauhati as a Programme Executive, All India Radio, Dibruearh in a temporary capacity with effect from the 18th November 1982 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200,

H. C. JAYAL Dy. Director of Administration for Director General

New Delhi, the 1st January 1983

No. 1/1/82-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri H. R. Dhingra Acett. DDK, Jalandhar, to officiate as Administrative Officer on ad hoc basis at DDK. Jalandhar with effect from 15th December 1982 (FN).

S. V. SESHADRI Dy. Director of Admn. for Director General

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th December 1982

No. A.19018/3/82-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Rajan Sachdeva to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme on temporary basis with effect from the forenoon of 8th December 1982 until further orders.

T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS.I)

New Delhi, the 1st January 1983

No. A.12025/7/81(JIP)/Admn.I|M(F&S).—The President is pleased to appoint Shri P. Muniswamy to the post of Junior Clinical Bio-Chemist at Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research, Pondicherry with effect from the forenoon of 6th October 1982 in a temporary capacity and until further orders.

RAMESH CHANDRA Dy. Director Admn. (Stores)

New Delhi, the 3rd January 1983

No. A.12025/18/80-NICD/Admn.I/PH(CD&L) Vol. II.— The President is pleased to appoint Shri A. K. Mukhopadhyay to the post of Deputy Assistant Director (Ent.) in the National Institute of Communicable Diseases, Kala Azar Unit, Patna in a temporary capacity with effect from 30th September 1982 (FN) and until further orders.

> N. B. LALL Dy. Director Admn. (PH)

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 23rd December 1982

No. A-19024/1/82-A.III.—The appointment of Shri G. C. Singh, Senior Chemist, to the post of Chief Chemist at Regional Agmark Laboratory, Cochin, on purely ad hoc basis, has been extended further w.e.f. 31st August 1982 (FN) to 31st December 1982 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19025/9/82-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Z. D. Wankhede, has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Nagpur w.e.f. 30th October 1982 (F.N.), until further orders.

SI.

Name

#### The 27th December 1982

No. A-19025/20/79-A.III.—Consequent upon his selection to the post of Marketing Officer in Delhi Administration, Shri K. V. S. Pundhir, Assistant Marketing Officer, has been relieved of his duties in this Directorate at New Delhi with effect from 25-11-1982 (A.N.).

#### The 31st December 1982

No. A-19023/13/81-A.JII.—Shri M. Kuralnathan, Marketing Officer, has been relieved of his duties in this Directorate at Abohar w.e.f. 3-8-1982(A.N.) for joining the post of Sr. Economist in the Central Warehousing Corpn., Hauz Khas, New Delhi, on notional foreign service for a period of one year.

G. R. BHATIA Jt. Agricultural Marketing Adviser

Post

Date

#### BIIABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

#### Personnel Division

Bombay-400085, the 20th Dtcember 1982

No. PA/81(12)/82-R-IV/1216.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade 'SB' in the same Research Centre with effect from the dates indicated under column 4 against each in an officiating capacity until further orders:—

No.	held at present	Date
1 2	3	4
1. Smt. Geetha Varadharajan .	. SA(C)	1-8-82 (FN)
2. Shri A. K. Gopalakrishnan .	, SA(C)	1)
§33. Shri K. D. Pushapangadan .	. SA(C)	11
4. Shri T. V. Ramachandran	. SA(C)	1-8-82(FN)
5. Shri Y. B. Bhargaya	SA(C)	17
6. Shri K. Narayanankutty .	. SA(C)	71
7. Shri K. N. Neelakandhan .	. SA(C)	,,
8. Shri I. K. Oommen	. SΛ(C)	19
9. Shri P. R. Sangurdekar .	. SA(C)	17
10, Shri M. P. Chavarkar	. SA(C)	,,
11. Shri G. K. Bhirud	. SA(C)	**
12. Shri P. Sasidhar	. SA(C)	91
13. Shri B. Ramalingachari .	SA(C)	**
14. Shri S. B. Sawant	. Foreman	**
15 Shri L. V. Kulkarni	. SA(C)	**
16. Shri S S. Thantry	SA(C)	"
17. Shri K. V. lyer	SA(C)	**
18. Smt. A. R. Parikh	. SA(C)	**
19. Smt. Q. H. Ghani , .	. SA(C)	11
20. Shri K. Shantaram	SA(C)	**
21, Shrì P. A. Ramasubramanian		**
22. Shri N. Gopinath	. SA(C)	,,
23. Shri P. D. Mithapara	SA(C)	**
24, Smt. P. K. Kalsi	. SA(C)	11
25. Shri O. L. D'Souza	. SA(C)	17
26. Shri M. Raveendran Nair .	, SA(C)	2-8-82(FN)
27. Shri P. S. Verma	SA(C)	1-8-82(FN)
28. Shri S. G. Balasubramanian	SA(C)	11
29. Shri V. P. Sharma	. SA(C)	17
30. Shri R. V. Raje	. SA(C)	*1
31. Shri P. K. Kurkani I.	. SA(C)	17-8-82(FN)
32. Shri N. Govindarajan	. SA(C)	1-8-82(FN)
33. Shri M. K. Gor	SA(C)	"
34. Shri K. Ramachandran .	. SA(C)	**
35. Shri A. K. Das	. SA(C)	31
36. Shri C. V. S. Rao	. SA(C)	11
37. Shri S. C. Gupta	. SA(C)	**
38. Shri K. V. Purushotham .	. SA(C)	**

1	2				3	4
39. Shri T. S	Siyasubramat	nan -			SA(C)	
40. Smt. Ind	ira Chakrabe	orty			SA(C)	**
41. Shri S. N	M. Ahuja				SA(C)	11
42. Shri C. 1	H. Bodas				Foreman	***
43. Shri D.	A. Nanwate				SA(C)	***
44. Shri P. 0	3. Mathew				SA(C)	13-9-82(FN)
45. Shri S. J	. Diggi .				D/C	1-8-82(FN)
46. Shri T.	G. Unni		,		SA(C)	**
47. Shri S. k	K. Kalapesi				SA(C)	**
				_		

B. C. PAL, Dy. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 23rd December 1982

No. MAPP/3(1409)/82-Rectt.—On deputation from the Office of the Deputy Director of Accounts (Postal), Karnataka Circle, Bangalore, Shri K. N. Narasimhan, a permanent Junior Accounts Officer in the Office of the Deputy Director of Accounts (Postal) Bangalore, has assumed charge as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Madias Atomic Power Project on the forenoon of Decamber 10, 1982.

The 28th December 1982

No. MAPP/3(1410)/82-Rectt.—On deputation from the office of the Deputy Director of Accounts (Postal), Bhopal, Shri L. D. Natarajan, a pemanent Upper Division Clerk and officiating Junior Accounts Officer in the office of the Deputy Director of Accounts (Postal), Bhopal, has assumed charge as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Madras Atomic Power Project, Kalpakkam on the forenoon of December 21, 1982.

T. RAMANUJAM Administrative Officer for Project Director

# OFFICE OF THE DIRFCTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

### New Delhi, the 18th December 1982

No. A.32013/3/82-EI.—The President is pleased to promote Shii C. M. Bhatnagai, Chief Draftsman (Gazetted) to the post of Project Officer (ARA) in the pay scale of Rs. 700-1300/- in an officiating capacity with effect from forenoon of 15-12-1982 and until further orders.

O. P. JAIN Assistant Director of Administration

#### New Delhi, the 23rd December 1982

No. A. 32014/3/81-ES,—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint S/Shri H. G. Das, S. R. Verma Superintendent and D. Deb, Assit. Estate Manager as Administrative Officer (Group 'B' post) on ad hoc basis in the following offices for the period indicated against their names:—

S. Name of the Officer No.	Name of the Office	Period
Sh. H. G. Das,     Administrative Officer.	Office of the Regional Director, Calcutta Region Calcutta.	19-11-82 to 18-5-83
2. Sh. S. R. Verma Administrative Officer.	Office of the Regional Director, Delhi Region, SAP, New Delh	5-11-82 to 4-5-83

1	2		4	_
3. Sb D Deb, Administrative	Officer	Office of the Regional Director, Delhi Region, SAP, New Dell	5-11-82 to 4-5 83	

### The 1st January 1983

No A-12025/1/81-I S—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned two officers as Stote Officer in the office of the Regional Director, Madras/Bombay in an officiating capacity from the date shown against each and until further orders—

- 1 Shrı Tata Lakshmı Naiayana Rao wcf 20-7-82 (F N )
- 2 Shri K I Grovel wef 11-8 82 (FN)

J C GARG Assit Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 23rd December 1982

No 1/523/82-LST—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shit K. P. Selvaraj Supervisor, Madras Branch as Dy Traffic Manager in an officiating capacity, in the same Branch, for the periods from 16 10 82 to 30 10 82 and from 3 11-82 to 2-12 82, against short-term vacancies on ad-hoc basis and as local arrangement

P K G NAYAR Director (Admn) for Director General

#### CENTRAL EXCISE BARODA

Builda, the 23rd December 1982

No 15/1982—Shi J P Nainani, Superintendent of Cential Excise, (Group-'8) Hdqis, (Audit) bianch, Baroda, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-11-1982 A N

No 14/1982—Shri I B Baiot, Superintendent of Central Excise (Group-'B') Ahmedabad Division V, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-11-82, A N

No 13/82—Shri M N Shaikh, Asstt Collector of Central Excise (Group-'A) Surat Division III, has retired on attaining the age of Superannuation pension in the afternoon of 30-11 1982 AN

No 16/1982—Shri R C Shah, Superintendent of Central Excise, (Group-'B) Ahmedabad Division VI, has voluntarily retired from Government Service, in the afternoon of 30-11 1982

J M VFRMA Collector of Central Excise

# DIRECTORATE OF INSPFCTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi the 1st December 1982

No 21/82—Shri V k Sharma, lately posted as Senior Technical Officer in Revision & Appeal Unit, Department of Revenue, on transfer to the Delhi Bench of the Appellate Tribunal Customs, Excise & Gold Control vide Department

of Revenue Order No. 170/82 (F. No. A-22012/64/82-Ad II) dated 22-9 1982 assumed charge of the post of Jumor Departmental Representative Group 'A' in the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi with effect from 18 10-1982 (Forenoon)

S B SARKAR Director of Inspection

#### MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GINERAL OF SHIPPING

Bombay-400 038, the 3rd January 1983

No 11-TR(4)/82—The President is pleased to appoint Shii Bimal Krishna Sarkor as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, C. leutta on ad hoc basis, with effect from 19-1982 (Forenoon) until further orders

P GHOSH Dy Director General of Shipping

#### CLN FRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 3rd January 1983

No A 19012/991/82 E-V—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shii K C Upadhyay, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg) on purely temporary and addoc basis in the scale of pay Rs 650-30 740-35 810 EB 35 880-40 1000 EB 40 1200 for a period of one year of till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 15-4-82

A BHATTACHARYA Under Secy

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 31st December 1982

No 1/342/69 ECIX—Shi II R Suthar, Architect of this Department retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31-12-82 (AN)

A K NARANG Deputy Director of Administration

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, COCHIN

#### ORDER

Subject Litt Promotion to the grade of ITO Group 'B

Cochin 682016, the 16th December 1982

- C No 2/ESTT/CON/82 83—Shri K K Mathai, Inspector of Income-tax o o the Commissionet of Income tax Cochin (SAP Wing) is promoted to officiate as Income tax Officer, Group 'B in the scale of Rs 650 1200 with effect from the date on which he joins duty, as directed by the Commissioner of Income-tax, Trivandrum The services of Shii Mathai are placed at the disposal of the Commissioner of Income-tax, Trivandrum
  - 2 He will be on probation for a period of two years
- 3 The above promotion is made on a povisional basis. The promotion is liable to termination without notice. It will not confer on the promoted official any tight either to retention or to seniority in the promoted grade.

G R PATWARDHAN, Commissioner of Income-tax, Cochin

#### FORM ITNS----

<del>---</del> -----.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 13th December 1982

Ref. No. 133, 134, 143 and 144/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

T.S. No. 751, 752, 751/3, 751/1, 752/3, 751/4, 752/4, situated at Pazhavoor Village, Tirunclyeli Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panangudi (Doc. No. 684/82 & 685/82) on April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
   and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persions, namely:—

 Smt. Geetha D/o Smt Lakshmi Ammal Nedumangad Village, Frivandrum Dist.

(2) M/s Nambikkaj Foundation Kottaram, Kanniyakumari. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land T.S. No. 751

752

T.S. 751/3

T.S. 751/1

T.S. 752/3

T.S. 751/3

T.S. 751/4

T.S. 751/4

T.S. 751/3

T.S. 752/30

(situated at Pazhavoor in Trinelveli Dist. Document No. 684/82 and 685/82.

S. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 13-12-1982

Seal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 13th Decembed 1982

Ref. No. 136/137/138/139/April/82.—Whereas I, -S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter refered to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 752/1, 753/1, 753/3, 758/2, 749/2, 752/3 814/3B

situated at Radhapuram, Pazhavur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panagudi (Doc No. 679/82 and 680/82) on April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Lakshmi Ammal, D/o Alumukkammal. Nedumangad Village, Trivandıum Dist.

(Transferor) (2) Nambikkai Foundation

Kottaram, Kanyakumari Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land & Building No. 752/1, 753/1, 753/3, 758/2, 749/2, 752/3, 814/3B, Radhapuram, Pazhavur (Doc. No. 679/82 and 680/82).

> S. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006

Date: 13-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 4961 (43 OF 1961)

# (2) Nambhikkai Foundation, Kottaram, Kanyakumari.

(1) Smt. Kamalamma,

d/o Sellamma, Nedumangalam, Trivandrum.

(Transferor)

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 13th December 1982

Ref. No. 135/140/141/142/April/82.—Whereas, I, S. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 749/3, 744.1,745/2C, 750,755/1, 735/A situated at Radhapuram Taluk, Pazhavur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panagudi (Doc. No. 681/82, 682/82, 683/82 in April 82 on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '1' of 1922) of the said Act or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely — 28—426GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

i.ond & Building S. No. 749/3, 744/1, 745/2C, 750, 755/1, 735/1A, Radhapuram Taluk, Pazhvur (Doc. No. 681/82, 682/82, 683/82).

S. LAHIRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-600006

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI. TAYOR ROAD, AMRITSAR

Amritsar, the 14th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/406.—Whereas I, ANAND SINGH, 1.R.S.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot of land

situated at Rani ka Bagh, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 9mt. Promila Rani w/o Shri lagdish Khanna, r/o Gali Baag Wali, Tunda Talab, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shii Ashok Kumar Dhawan, s/o Lala Piara Lal, r/o 25 Model Town, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any, (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One plot of land measuring about 191 sq. yds., situated at Rani Ka Bagh, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 932 dated 12-4-1982, of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsur

Date: 14-12-1982

#### FORM ITNO-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3-CHANDER PURI, TAYLOR ROAD, AMRITSAR

Amitsai, the 14th December 1982

Ref. No. ASR/82-83/407.--Whereas I, ANAND SINGH, TRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One property, situated at Scheme No. 61, Maqbool Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Karoor Ram Chander Gopal alias K. R. Gopal S/o Karoor Sinnivas Ram Chander, ulias K. S. Ram Chandera, r/o Maqbool Road, Scheme No. 61, Amritsa:

(Transferor)

(2) Shii Paideep Kapui s/o Shii Shiv Parkash Kapui and Shri Shiv Parkash Kapui s/o Shii Sukhdial Kapoor, r/o Katra Chaiai Singh, Amritsar.

(Fransferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One property measuring 250-90 sq. yds., situated at Scheme No. 61, Maqbool Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 1851 dated 23-4-1982 of the Registering Authority, Amritsar.

ANAND SINGH, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 14-12-1982

#### FORM TINS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

# ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. TR-68/82-83/Sl. 684/IAC/Acqn. R-1/Cal.—Whereas I. M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, situated at Fordyce Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

S.R.A., Calcutta on 50-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sti Baidyendra Kinkar Patra.

(Transferor)

(2) Sri Bhagaban Chandra Biswas.

(Transferee)

(3) Sri Digambar, Debnath.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

One Storeyed building at premises No. 4, Fordyce Lane Calcutta on land measuring 4 K. 2 Ch. 36 Sq. ft. Registered before the Sub-registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 3686 dated 30-4-1982.

M. AHMED Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-J.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016

Date: 14-12-1982

# FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-700016

Calcutta-700016, the 14th December 1982

Ref. No. TR-69 82-83/Sl 683 IAC /Acqn R-I/Cal Whereas I, M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/4-A, situated at Natabar Datta Row, Calcutta

10/4-A, situated at Natabar Datta Row, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1905 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 28-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought t be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ranjit Kumai Datta.
- (Transferor)
- (2) Shri Nil Kanta Bhakta.

(Transferee)

(3) Vendee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A brick built two-storeyed building on land measuring 5 K. 6 Ch. at premises No. 10/4-A, Natabar Datta Row, Calcutta, registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 3626 dt. 28-4-1982.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700016.

Date: 14-12-1982

(1) Shri Nur Singh Sahay Madan Gopal Engineers (P) Ltd.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Rajesh Bajoria.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- GOVERNMENT OF INDIA
- OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1196/Acq. R-III/82 83-Whereas I M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

55, situated at Ezra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 20-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaing as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Shop No. 28 on ground floor, being Premises No. 55 Ezra Street, Calcutta.

> M. AHMED Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 14-12-1982

(2) Bimal Bose

#### FORM ITNS-----

(1) Shri Nur Singh Sahay Mudun Gopal Engineers (P) Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE !NCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, CAI CUTTA-700016

Calcutta-700016, the 14th December 1982

Ref. No. 1195/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, M. AHMFD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

55 situated at Ezra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other casets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Shop No. 8 on ground floor, being Premises No. 55. Ezia Street, Calcutta.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-700016.

Date: 14-12-1982

# (1) Shri Nur Singh Sahay Mudun Gopal Engineers (P) Ltd. (Transfero

(2) Eagle Sales Corporation

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA-700016

Calcutta-700016, the 14th December 1982

Ref. No. 1194/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 20-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Shop No. 7 on ground floor, being Premises No. 55, Ezia Street, Calcutta.

M. AHMED Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquirition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 14-12-1982

(1) Shri Nursingh Sahay Mudun Gopal Engineers (P) Ltd. (Transferor)

(2) Sri Pradeep Bajoria.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1193/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

55, situated at Ezra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Shop No. 2 on ground floor, being Premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AIIMED
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—29—426GI/82

Date: 14-12-1982

- (1) Shree Nursingh Sahay Mudum Gopal Engineers (P) Ltd.
  - (Transferor)

(2) Sanjeev Chawala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 14th December 1982

1192/Acq. R-III/82-83.--Whereas, I, M. AHMED, M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 'Rs. 25000/- and bearing No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1902 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-4-1982

Calcutta on 20-4-1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

All that Shop No. 2 on ground floor, being Premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-12-1982

(1) Shree Nursingh Sahay Mudun Gopal Engineers (P)

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1191/Acqn.R-III/82-83.--Whereas, I, M. AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 55 situated at Ezia Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer wish the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in resport of any income arising from the transfer; and/ ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Krishna Devi Sadhani.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Shop No. 15 on ground floor being Premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AHMED.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date: 14-12-1982.

(1) Shree Nursingh Sahay Mudun Gopal Engineers (P)
Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Arun Distributors P. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1190/Acq. R-III/82-83,--Whereas, I, M. AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Flat on 5th floor, being Premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AHMED.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutte.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

- Shree Nursingh Sahay Mudun Gopal Engineers (P)
  - (Transferor)
- (2) Mohan Lal Kothari.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1189/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M, AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Flat No. 11, on 4th floor, being Premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

> M. AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 14-12-1982,

(1) Shree Nursingh Sahay Mudun Gopal Engineers (P)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1188/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the effects of the property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned.—

(2) Smt. Puspac Kamdar.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Flat (shop) No. 3, being Premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

M. AHMED.
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 14-12-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1187/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 55 situated at Fzra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-4-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shree Nursingh Sahay Mudun Gopal Engineers (P) Ltd.
- (2) Sii Ashok Kumer Agaiwala,

(Transferer)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

ffixplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Block-4, on 5th floor, being Premises No. 55, Erza Street, Calcutta.

M. AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 14-12-1982.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1186/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 55 situated at Ezra Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tab Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shree Nursingh Sahay Mudun Gopal Engineers (P) Ltd.
- (2) Smt. Puspa Rani Acharya.

(Transferor) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from . the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that Shop No. 3A, on ground floor, being Premises No. 55, Ezra Street, Calcutta.

> M. AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 14-12-1982

# FORM I.T.N.S -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Nemai Chand Dutta,

(Transferor)

(2) Kalipada Mondal, Prasanta Kumar Mondal,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1185/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, M AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 312 situated at Rabindra Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-426GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2k-3ch-4 sq. ft. with building being premises No. 312, Rabindra Sarani, Calcutta. Registered before S.R.A. Calcutta vide deed No. 2938 dated 3-4-1982.

M. AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-700016.

Date: 14-12-1982.

- (1) Brojo Sundar Dutta & ors.
- (Transferor)
- (2) Kalipada Mondal, Prasanta Kumar Mondal.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1184/Acq. R-III/82-83.--Whereas I, M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 312 situated at Rabindra Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-4-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have roason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which are record a written later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the esaid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 2k-3ch-4 sq. ft. with building being premises No. 312, Rabindra Sarani, Calcutta. Registered before S.R.A. Calcutta vide deed No. 2939, dated 3-4-1982.

THE SCHEDULE

M. AHMED, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-700016.

Date: 14-12-1982.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

FORM ITNS----

(1) Sri Sankar Guha,

(Transferor)

(2) Dr. Shyama Pada Tripathi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA.

Calcutta, the 14th December 1982

Ref. No. 1183/Acq. R-III/82-83.—Whereas I, M. AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

513-B, situated at Jodhpur Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income as any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 3k-7ch with two storied building being premises No. 513-B, Jodhpur Park, Calcutta.

M. AHMED,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road: Calcutta-700016.

Date: 14-12-1982.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Dev Prakash Agarwal, S/o, Shri Sardarmal Agarwal, D-192, Jagdish Marg, Bani Park, Jaipur, (Transfecor)
- (2) Mahesh Chand, S/o Shri Nand Kishoreji, Bapawati ka Mandir, Johari Bazar, Jaipur.

# (Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej./IAC (Acq.)/1489.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 107 situated at Johari Bazar, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SOMEDULE

Shop No. 107 situated at Johan Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 912 dated 13-4-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1473.--Whereas I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Shop No. 1317 situated at Jaipur
(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Jaipur on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesai purpoperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kanhiyalal S/o Shri Madan Gopalji & Shri Lallu Lal, S/o Sh. Prahlad das Tekaria Gopal ji Ka Rasta, Jaipur.
   (Transferor)
- (2) Shri Ramdas S/o Rewati Lal and Shri Satyanarain, S/o Shri Ramdas.
- (3) As per Sr. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property)
  (Transferee)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SOMEDULE

Shop No. 1317, situated at Chowkri Vishweshwarji, Gopalji Ka Rasta, Jaipur, and more fully described by the S. R. Jaipur vide No. 922 dated 13-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Iucome-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 25th November 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1455.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Moti Doongri, situated at Alwar

No. Moti Doongri, situated at Alwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alwar on 214-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the •bject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chand Kanwar W/o Sh. Sewai Tej Singh of Alwar, 18, Aurangzeb Road, New Delhi.
- (Transferor)
  (2) M/s. Indo Euro Chemicals services I.td. 77, Mittal Chambers, Natiman Point Bombay, & M/s Medi Alklies & Chemicals Ltd. 460, M.I.A. Alwar.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property is known as Moti Doongri (Piari Hill), situated in the abadi of Alwar, and more fully described in the sale deed registered by S.R. Alwer vide registration on No. 532 dated 21-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date : 25-11-1982

# 1665

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1474.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. Land, situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Srigangangar on 23-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Singh S/O Shri Jawala Singh R/O Chak-l-a Chhoti. Teh. Sriganganagar.

  (Transferot)
- (2) Shri Kuldeep Singh, S/o Shri Balwant Singh, R/o Chak-1-a-Chhoti Teh. & Vill. Sriganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 bigha situated at Chak-1-a Chhoti, Sriganganagar, and more full described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 678 dt. 23-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLD. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1484,---Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agri. land, situated at Raisingnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rasinghnagar on 29-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii Karnail Singh, S/o Shri Punjab Singh, 14-ML, Raisinghnagar,
- (2) Shri Guruyant Singh S/o Shri Lal Singh, Tamkot, Padampur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land in Khasra No. 23 & 24 situated at Chak 14-Ml Teh. Raisinghnagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar, vide registration No. 498 dated 29-4-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-62

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1481.—Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Raisinghnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasinghnagar on 29-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—31—426GI/82

- (1) Shri Karneil Singh, S/o Shri Punjab Singh 14, ML, Raisinghnagar.
- (2) Shri Lal Singh, S/o Shri Kartar Singh, Tamkote, Padampur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said issumovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land in Khasra No. 23 & 24 situated at Chak 14-ML Teh. Raisinghnagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar, vide registration No. 495 dated 29-4-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-82

Son!

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# 14, M1, Raisinghnagar. (Transferor)

(2) Shri Nirenjan Singh, S/o Shri Lal Singh, Tamkote Padampur,

(1) Sri Karnail Singh, S/o Shri Punjab Singh,

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1482.-Whereas, I MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land stuated at Raisinghnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasinghnagar on 29-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land in khasra No. 23 & 24, situated at Chak 14-Ml, Teh. Raisinghnagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar vide registration No. 496 dated 29-4-82.

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 17-12-82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq)/1483.—Whereas, 1 MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Raisinghnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rasinghnagar on 29-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Karnail Singh, S/o Shri Punjab Singh, 14, ML, Raisinghnagar.
  - (Transferor)
- (2) Shri Sukhwant Singh, S/o, Shri Lal Singh, Tamkote Padampur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land in khasra No. 23 & 24 situated at Chak 14, ML, Teh. Raisinghnagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar vide registration No. 297 dated 29-4-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-82

#### PORM MINE

(1) Shri Bhag Singh, S/o Shri Sampuran Singh 14 ML, Teh. Raisinghnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Niranjan Singh S/o Shri Lal Singh, Tamkot, Padampur.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1476.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Raisinghnagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 30-4-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land in khasra No. 23 & 24 situated at Chak 14 M.L. Teh. Raisinghnagar, and more fully 'described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar vide registration No. 502 dated 30-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-12-1982

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1485.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No.

Agri, land situated at Raisingh Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raisingh Nagar on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Bhag Singh, S/o Shri Sampuran Singh 14 ML, Teh. Raisinghnagar.

(Transferor)

(2) Shri Sukhwant Singh, S/o Shri Lal Singh, Tomkote, Padampur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land in khasra No. 23 & 24 situated at Chak 14 M.L. Teh. Raisinghnagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar vide registration No. 501 dated 30-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalpur

Date 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ret. No. Rej/IAC(Acq.)/1477.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Raisingh Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Raisingh Nagar on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, riemely:—

(1) Shri Jora Singh, S/o Shri Punjab Singh, 14, ML, Raisinghnagar.

(2) Shri Sukhwant Singh, S/o Shri Lal Singh, Tomkote, Padampur (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land in khasra No. 23 & 24 situated at Chak 14 M.L. Teb. Raisinghnagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar vide registration No. 491 dated 29-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Jora Singh, S/o Shri Punjab Singh, ML, Raisinghnagar.

(Transferor)

(2) Shri Lal Singh, S/o Shri Kartasingh, Tamkot, Padampur.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1480.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Raisinghnagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raisingh Nagar on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentrant of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afroesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land in khasra No. 23 & 24 situated at Chak 14 M.L. Teh. Raisinghnagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar vide registration No. 494 dated 20-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date 17-12-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1478.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Raisinghnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raisinghnagar on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Shri Jora Singh,
   S/o Shri Punjab Singh,
   ML, Raisinghnagar.
- (2) Shri Niranjan Singh S/o Shri Lal Singh, Tamkot, Padampur.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land in khasra No. 23 & 24 situated at Chak 14 M.L. Tch. Raisinghnagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar vide registration No. 492 dated 20-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date · 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1479.--Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri. land, situated at Raisingnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Raisinghuagar on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

32-426GI/82

- (1) Shri Jore Singh, S/o Shri Punjab Singh, 14. ML, Teh Raisinghnagar,
- (2) Shri Gurujant Singh, S/o Shri Lal Singh, Famkote, Padampur.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land in khasra No. 23 & 24 situated at Chak 14 M.L. Teh. Raisinghnagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Raisinghnagar vide registration No. 493 dated 29-4-1982.

MOHAN SINGH Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Lalaram S/o Shri Budhaji Sirvi,

(2) Mahavir Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CFNTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1500.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Khasra No. 961/2 situated at Chaki No. 1, Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 12-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 13 bigha 15 biswa situated at Chaki No. 1 Pali, and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar, Pali vide registration No. 199 dated 12-4-1982,

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, John

Date : 17-12-1982

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1491.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Sojat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sojat on 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bansilal
 S/o Neenaram Mali,
 Village Guda, Teh. Sojat City
 Shri Bhawarlal
 S/o Shri Durgamal,
 Sojat City.

(Transferer)

(2) Shri Lekhsingh S/o Madhosinghji Rajput, Sardarpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 40 bigha situated in Village Sardarpura Teh. Sojat, and more fully described in the sale sale deed registered by the S.R. Sojat vide registration No. 172 dated 14-4-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCIE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1496.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

Agricultural land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 28-4-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Khema S/o Shri I alji, Bhambi, Pali.

(Transferor)

 Shti Kamla Grah Nirman Sahkati Samiti, Pali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land at Khasra No. 86, situated behind power House Pali, and more fully described in the sale deed registered at the Sub-Registrar, Pali, vide No. 226 dated 28-4-82, 28-4-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1501.—Whereas, I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

House No. 227, situated at Johari Bazar, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 13-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mahesh Chand S/o Shri Nand Kishoreji Bapawati ka Mandir, Johari Bazar, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dev Prakash Agarwal S/o Shri Sardarmal Agarwal, D-192, Jagdish Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 227 situated at Johari Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the Sub Registrar, Jaipur vide registration No. 912 dated 13-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982

# FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUF CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No Rej/IAC(Acq)/1490,—Whereus, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

situated at Village Sardarpura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sojat on 14-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sita, D/o Shri Ramji Mali, Bera Mageria Teh, Sojat City, Pali 2. Shri Bhanwarlal S/o Shri Durga 3 Smt Chogi W/o Shri Bhawarlal Village Khejra Bera,

(Transferor)

(2) Smt Dhuriya Kanwar W/o Shii Tekhsinghii Rajput, Village Sardarpura,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the same Act, shall have the same meaning as given that Chapter

# THE SCHEDULE

Agricultural and measuring 40 bigha situated in Village Sardarpura Teh Sojat and more fully described in the sale deed registered by the S.R Sojat vide registration No 173 dated 14-4-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Japur

Date . 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

Kumar, S/o Sh. Prithiviajaji, Pali.

(Transferor)

(2) Shrimati Beena Kak, Pali.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1486.--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000 J- and bearing No. Plot No. 15 situtted at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 7-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(1) Shri Toofanlal, S/o, Shri Chunnilal & Shri Suresh

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 15, situated at Subhash Nagar, Near Maharaja Shree Umed Mill, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide No 178 dated 7-4-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atorcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 17-121982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/1488.--Whereas, I. MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Sojat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Soia on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferas agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Dakhu, W/o Neenaram Mali Vill. Bera Badarly. 2. Smt. Chogi, W/o Shri Bhawarlal, Mali Dhanmandi, Sopit City. Distt. Pali.

(Transferor)

(2) Km. Murdhar Kanwar D/o Madhosingh. Rajput, Sojat Distt. Pali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 40 bigha situated in Village Sardarpura Teh. Sojat and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sojat vide registration No. 177 dated 15-4-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/1498.--Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pali on 12-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-33-426GI/82

(1) Shri Sohanlal, S/o Santok Chand, Gundaji,

(Transferor)

(2) Shri Mahaveer Garh Nirman Sahkari Samiti Ltd.,

(Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8 bighs situated at Chak No. 1, Pali, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 201 dt. 12-4-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1497.—Wherens, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Pali on 12-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dhalaram, S/o Sh. Budhaji Singhvi, Pali.
- (2) Shri Mahavir Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd. Pali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 13 bigha 16 biswa situated at Chak. No. 1, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 200 dated 12-4-82.

MOHAN SINGH
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th December 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1499.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Khasra No. 958 situated at Chak No. 1, Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 12-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market aluve of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Labchand S/o Shri Motilal, Golecha, Pali.
  (Transfelor)
- (2) Mahavir Grah Nirman Sahkari Samiti Limited, Pali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bigha 16 biswa situated at Chak No. 1, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 202 dated 12-4-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-12-1982.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Ashok Kumar S/o Martand Rao Mode R/o House Number 74 Bhawanipur, Indore. (Transferor)

(2) Smt. Anophai Jain W/o Girdharlal Jain R/o 19A Nominagar, Indore, M.P. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC 'Acqn./Bpl/3207.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot Number 37-N situated at Saket Nagar Extension, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot Number 37-N, at Saketnagar Extension, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date :6-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. JAC/Acqn./Bpl/3208.-Whereas, I, D. P **PANTA** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Mucl. H. No. 564 situated at Mahatma Gandhi Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri Satish Chandra Patni S/o Shri, Hukumchandji Patni, R/o House No. 25, Patrakar Colony, Indore. (Transferor)
- M/s Niranjan Motor Acceseories—Partners:—
   Shri Bhapatrai S/o Jeewanlad Vohara.
   Chandrakant S/o Ratilalji Dagli.
   Hasmukhlal S/o Chotelalji Kotari.
   Manoharlal S/o Thakurji.
   Praveenchandra S/o Ratilalji Dagli, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Mucl. H. No. 564 & Shop at Mahatma Gandhi Marg, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3209.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Survey No. 155 situated at Vill. Bigrod, Teh. Sonkutch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sonkutch on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Karansingh S/o Amarsingh, R/o Kalma, Teh. Sonkutch, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Gautam & Co., Dewas M.P., 94, Shalini Road through partner Narendra Singh S/o Dhansingh Choudhary, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Survey No. 155 at Vill. Bigrod, Kalma, Tch. Sonkutch, Dewas.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotti, Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-11-1982.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bp1/3210.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Plot No. 8 and House thereon situated at Chatrapati Nagar, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

 Shri Bhaschandra S/o Shii Chotelal Jain, R/o 95, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Radheshyam S/o Surajbhan Sanghi, R/o 12/2, Chainsingh-ka-Bagicha, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. 8 and house thereon, area 3020 Sq. ft., Chatrapati Nagar. Indore.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspesting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-11-1982.

### PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THI. INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3211.—Whereas ,I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land S. No. 346 situated at Senior Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 20-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other nesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 9157);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shu (1) Dhoolji (2) Kashiram S/o Kanhaiyalal (3) Ramsingh Atmaram So Najayansingh, R/o Vill Rajoda, Tch. Dewas.

(2) (1) Shri Varanlal S/o Hasanand Telraja, R/o\_40, Adersh Colony, Bahadursha Marg, Dewas (2 Smt. Mcenakumari W/o Tikamdasji R/o Dayanand Chowk, Dewas (3) Manoharlal S/o Dhavardas Teliaja, Mahatma Gandhi Marg, Dewas (4) Nandlal S/o Tikyaram Bhato, R/o Jairampur Colony, Indore (5) Ashok Kumar S/o Sevakram R/o Bahadursha Marg, Dewas (6) Mukesh Kumar Maglal 23/4 Yashwant Niwas Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 346 at Kasba Dewas Senior.

D P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date · 15-12-1982. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3212.-Whereas, I, V, K. BARANWAL

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

and bearing
Land Kh. No. 346 situated at Kasba Dewas Senior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dewas on 17-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

34—426GI/82

(1) Shri Dhoolji (2) Kashiram S/o Kanhaiyalal, (3) Ramsingh (4) Atmaram S/o Narayansingh R/o Vill. Rajoda, Teh. Dewas.

(Transferor)
(2) (1) Shri Charanlal S/o Hasanand Telraja R/o 40, Adresh Colony, Bahadursha Marg, Dewas (2) Smt. Meenakumari W/o Tikamdas R/o Dayanand Chowk, Dewas (3) Manoharlal S/o Dhavardas Telreja, R/o Mahatma Gandhi Marg, Dewas (4) Nandlal S/o Tikyaram Moto R/o Jairampur Colony, Indore (5) Ashok Kumar S/o Sevakram, R/o Bahadursha Marrg, Dewas (6) Kirti Kumar Shah S/o Dhoolji, R/o 89, Maharani Road, Indore.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 346 at Kasba Senior Dewas.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-11-1982,

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 22nd November 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3213.—Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 264/1 situated at Vill, Bavadiya, Teh. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 7-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

- (1) Shri Manohar S/o Jeram Khati, R/o Vill. Balgarh, Teh. Dewas M.P. Havadiya, Teh. Dewas. (Transferor)
- (2) Shri Idkhan S/o Mohd. Khan, R/o Subhash Chowk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land No. 264/1, at Vill. Bavadiya, Teh. Dewas.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 22-11-1982. Seal;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3214.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 274/5 situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratiam on 5-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prabhat Kumar Nalvaya Kota of the family Shri Parasmal S/o Motikalji Nalvaya, R/o Dhol Bazar, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar \$/o Ramgopal Berodiya, R/o College Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Surevy No. 274/5 Kasba Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-12-1982

Seal

### PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3215.—Whereas,  $I_{\bullet}$  D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 274/5 situated at Kasba Khas Ratiam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratiam on 5-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rajendrakumar
 S/o Chandmalji Borana,
 Thavariya Bazar, Ratlam.

(Transferor)

Shri Rishi Kumar
 S/o Ramchandraji Badoriya
 R/o College Road, Ratlam,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 274/3, Kasba Khas Ratlam,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-12-1982

# FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3216.—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land Kh. No. 274/2 situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 7-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Parasmal S/o Chandmal Borana Hatiram Darwaza, Ratlam.

(Transferor)

Shri Prem kumar
 S/o Ramgopal Bedoriya
 R/o College Road, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 274/2, Kasba Khas Ratlam,

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-12-1982

#### FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Takhat Singh S/o Umraosinghji, R/o Manoyavada, Bednagar,

(Transferor)

(2) Shri Vikramsinghji S/o Nathusingh Rajput, R/o Manoyavada.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3217.—Whereas, f, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 280/1 situated at Vill. Bemnapathi, Bednagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bednagar on 19-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land Survey No. 280/1 at Vill. Bemnapathi, Bednagar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 15-12-1982

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3218,—Whereas, I, D. P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House Mucl. No 71 (Portion) situated at Kshepanak Marg, Madhavnagar, Ujjaln

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Uijain on 9-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Nureshchandra S/o Jugalkishore R/o Madhavnagar, Ujjam.

(Transferor)

(2) Kum. Vijaya Dinkar Dani R/o 74 Mudhubhavan, Preeganj, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Mucl. House No. 71, Kshepnak Marg, Madhavnagar, Ujjain.

D. P. PANTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Nateshchandra S/o Jugalkishote R/o Madhavnagat, Ujjata.

(Transferor)

(2) Shri Shyama Devi W/o Dayaramji Sharma R/o Kshepanak Marg, Madhavnagar, Ujjain.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3219.—Whereas, I, D, P. PANTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing No.

and bearing No. House M. No. 71 situated at shepanak Marg, Madhavnagar, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer at Ujjain on 9-4-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the eferencial persons within a period O

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House Mucl. No. 71 at shepanak Marg, Madhav-nagar, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1982

# FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th December 1982

Rcf. No. IAC/Acqn/Bpl/3220.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Mucl. No. 71 situated at Kshepanak Marg, Madhavnagar, Ujjain.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1998) in the office of the Registering Officer at Uijain on 9-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—426GI/82

Shri Nareshchandra
 S/o Jugalkishore
 R/o Amarsingh Marg, Madhavnagar
 Ujiain.

(Transferor)

(2) Shii Ramchandra S, o Bhavarsingh Raghuvanshi R/o Kshepanak Mark, Madhavnagar Uiiain.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Portion of House Mucl. No. 71, at Kshepanak Marg, Madhavnagar, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-12-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Naresh chandra S/o Jugalkishore, R/o Amersingh Marg, Madhavnagar, Ujjain.

(2) Shri Mohammad Ishak

S/o Haji Noor Mohammad R/o 32, Chandra-ka-kunwa, Ujjain,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, tht 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3221.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of House Mucl. No. 71 situated at Kshepanak Marg, Madhaynagar, Ujjain

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 9-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Portion of House Mucl. No. 71, at Kshepanak Marg. Madhavnagar, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-12-1982

#### FORM LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, tht 15th December 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3222.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

House Mucl. No. 71 situated at Kshepanak Marg, Madhavnagar, Ujjain.

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujiain on 9-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Nareshchandra
 S/o Jugalkishore
 R/o Amarsingh Marg, Madhavnagar,
 Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Babulal S/o Jagannathji Kushvah R/o 71, Jhansivale-ki-Chaal Madhaynagar, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of House Mucl. No. 71 at Kshepanak Marg, Madhavnagar, Ujjain.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-12-1982

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, tht 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3223,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land Kh. No. 1054/1 situated et Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed heteto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 20-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execuls the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahendrasingh

S/o Lalsingh Dhabai Ratlam-Power of attorney Shri Tejsingh S/o Shambhusinghji-Dhabai.

R/o Dhabaiji-ke-vas, Ratlam.

(Transferor)

 I. Rameshchandra Nanalal Yadav, Naharpura, Ratlam

2. Shakila Bano W/o Shida Hassain, Station Road, Ratlam

 Rajendra kumar S/o B. L. Agrawal, Nolaipura, Ratlam

4. Ashok Kumar

5. Narendrakumar S/o Champalalji Katariya New Road, Ratlam

 Satveersingh Havelssingh, Ratlam
 Shethanmal Surajmal Munath, Sudgudadi, Ratlam

 Harishchandra S/o Dhanrupmal Munath, Sethji ke Bazar, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Non-agricultural land Kh. No. 1054/1 at Ratlam,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl '3224.—Whereas, I, D. P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

Land Kh. No. 1054/1 situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ratlam on 12-4-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahendra Singh Soo Lalsingh Dhabai Power ofattorney Shri Tejsingh Soo Shambhusinghli Dhabai, Roo Dhabai-ke-vas, Ratlam.

(Transferor)

(2) (1) Rameshchandra Nanalal Yadav, Naharpura, Ritlam, (2) Shakila Banoo W/o Shida Hussain, Station Road, Ratlam, (3) Rajendrakumar Ss/o B. L. Agrawal, Noladura, Ratlam, (4) Ashok Kumar, (5) Narendrakumar S/o Champalalji Katariya, New Road, Ratlam, (6) Satveersingh Havelasingh, Ratlam, (7) Shethanmal Surajmal Munath, (8) Harishchandra S/o Dhanswaroopmal Mun, T/o Sethji-kabazar, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Non-Agricultural land Kh. No. 1054/1, at Ratlam.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3225.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2 situated at Ada Bazar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pratapsingh Rao S/o Shri Malharrao Holkar-Power of attorney Shyamrao Krishnarao Holkar, R/o 12, Ada Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Harishkumar Nandlal, R/o 157, Khatiwala Tank, Indore through Partners-Nandlal Tikamdas & Harishkumar Goverdhandas. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, at Ada Bazar, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3226.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1, situated at Ada Bazar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 7-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shrimant Pratapsingh Rao Holkar S/o Malhar Rao Holkar, R/o 12, Ada Bazar, Indore through Power of attorney Shri Shyama Rao Krishnarao Holkar

(Transferor)

(2) Smt. Ishwari Bai W o Shri Gangaramji, R/o 3 Manakhanh Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 1, at Ada Bazar, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotti Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 15-12-1982

#### FORM TINS

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Mahesh Kumar S/o Mangalramji Sharma, House No. 9, Mevati Mohalla, Indore. (Transferor)

#### (2) Shii Shivprasad S/o Gangaprasad Shukla, House No. 136 Devi Ahiliya Marg, Indore. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3227.—Whereas, I. D. P. PANTA. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 135 situated at Devi Ahliva Marg, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-4-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 135, at Devi Abiliya Marg, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL,

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date · 14-12-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3228.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Number 12 situated at Pandri Nath Path, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 21-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

36-426GI/82

 Sardar Pratap Rao Holkar s/o Malhar Rao Holkar R/o Ada Bazar, Indore through Shyam Rao Krishna Rao Holkar R/o 75 Roopiamnagar Colony, Indore.
 (Transferor)

(2) Smt. Asha Moghe w/o Bhalchand Moghe R/o 164 Netaji Subhash Marg, Indore, M.P. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Number 12 (part) at Pandarinath Path, Indore.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAI.

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3229.—Wheeras, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 9 situated at Ada Bazar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jndore on 27-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Pratapsingh Rao Holkar-S/o Shri Malhar Rao Holkar, 12, Ada Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) M/s Hindiya Traders—through Managing-Partners Arjundas S/o Shri Jaipaldas Hindiya, 167, Palsikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 9 at Kashi Rao Dada Sahib Holkar Market, 12, Ada Bazar, Indore.

> D. P. PANTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 15-12-1982

# FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3230.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House, Plot No. 204/1, Diversion Plot No. 695, Sheet No. 245 situated at New Wright Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 7-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Agiya Kaur W/o Late Sardar Manohar Singh Sahani, R/o 1235, Napier Town, Jabalpur. (Transferor)
- (2- Shri Dhirendrasingh S/o Dwaraka Singh Rajput, R/o Bilgaon, Post Kisupura, Bhind, at present Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

New House at Plot No. 204/I-B, Diversion Plot No. 695. Sheet No. 245 situated at Subhash Nagar, Madan Mahal Health Camp, Napier Town, New Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3231.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

House No. 1148 situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Jabalpur on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Devi Bai Pathak, 811, Purve Niwardganj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) (1) Dr. Bhavani Prasad Awasthi,
 (2) Satish Awasthi,
 R/o 1148, Napier Town, Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 1148, at Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 6-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Smt. Devi Bai Pathak, R/o 811, Dixitpura, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ambika Prasad Soni, 166, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3232.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1148 situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 21-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1148, at Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 6-12-1982.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

# FORM ITNS----

(1) Smt. Devi Bai Pathak, R/o 811, Dixitpura, Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Gupta S/o Dukhilal Gupta, R40 1092, Wright Town, Jabalpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC / Acqn/Bpl/3233.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

House No. 1148 situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 21-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unde sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 1148, at Napier Town, Jabalput.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 6-12-1982,

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3234.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 194 (Portion) & Land situated at Adharthal, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Nemchand S/o Budhulal, (2) Shanti Bal Wd/o Budhulal,
  - (3) Devmani Wd/o Kishanlal Kachi, R/o 194, Adharthal. Jabalpur.

(Transferor)

(2) Mahakoshal Griha Nirman Sahakari Samiti, Adharthal Chairman Shri Harshnath Singh, Adharthal, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land at Muja Betala N.B. 52 PHN 22 Tehsil and District Jabalpur Khasara Number 48 and Part of house number 194 built thereon—Adharthal, Ward No. 5, Jabalpur.

D. P. PANTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 6-12-1982,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3235.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of House No. 194 and Land situated at Adharthal Ward No. 5, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) (1) Shri Nemchand S/o Budhulal, (2) Shanti Bai Wd/o Budhulal,
  - (3) Devmani Wd/o Kishanlal Kachi, R/o 194, Adharthal, Jabalpur,

(Transferors)

(2) Smt. Sunita Singh W/o Shri Yeshwant Singh Chouhan, (2) Geeta Singh W/o S Singh Chouhan, Adharthal, Jabalpur. W/o Shri Rajeshwar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Mauja Betala NB 52 Tehsil and Distt, Jabalpur Khasara No. 48 and a part of house number 194 built thereon—Adharthal, Ward No. 5, Jabalpur.

D. P. PANTA, Competent Authority Insepcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, RHOPAI

Date: 6-12-1982.

## FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3236.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Portion of H. No. 194 & Land situated at Adhartal Ward. Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Act, Officer at Jabalpur in 8th April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act. to the following persons, namely:—

37-426GI/82

 Nemchand S/o Budhulal 2. Shanti Bai Wd/o Budhulal Kachi 3. Devmani Wd/o Kishanlal Kachi, R/o 194 Adhartal, Jabaipur.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Kaliya S/o Sh. Laxmichand Kaliya, R/o New Home Science College, Wright Town, Jaholpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Maujz Betala N.B. 52 P.H. No. 22 Tehsil and District Jabalpur Kh. No. 48 and a part of house number 194 built thereon-Adhartal Ward No. 5, Jabalpur.

D. P. PANTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th floor Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP

Bhopal, the 6th December 1982

Rei No 1AC/Acqn/Bpl/3237—Whereas, I, D P PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing Shop No 4 situated at Hamidia Road Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in 28 4-82 for an apparent consideration which is less than the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in 28 4-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957),

(1) Husaini Trading Co, through Power of Attorney Ajayab Hussain Yasın Alı, Bhopal

(Transferor)

(2) Haji Ahmed Hussain S/o Gulam Fakruddin, R/o Beldarpurn Bhoppl

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No 4, Hamidia Road, Bhopal

D P PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, T T Nagar, Bhopal

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date 6 12-1982 Seal ,

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3238.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing One Shop No. 5 situated at Hamidia Road, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering

Officer at Bhoral in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating of concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Haji Ajaiv Hussain S/o Yasin Ali, R/o Jumerati, Jawahar Chowk, Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Shyam Sunder Baneja S/o Gopaldasji Baneja, R/o Senior Photographers, Hamid'a Road, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in ChapterXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of Shop No. 5 at Hamidia Road, Bhopal.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagai, Bhopal.

Date : 6-12-1982

Scal:

 Zaheeda Begum Do Haji Mohd. Masood Khan, Wo Abdul Hakim Khan Ro Bhada House, Law College, Nagpur.

(Transferor)

(2) Satyanatayan S/o Madanlol Saravagi, R/o Gudyari, Raipur.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC, Acqn/Bpl/3239,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mucl. House No 27/458 situated at Ramsagurpara, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 19-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) tacilitating the teduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One storied Pacca House Mucl. No. 27/458, at Ramsagarapara, Jawaharnagar, Raipur.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP

Bhopal, the 6th December 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3240—Whereas, I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Land Kh No 18, 19 situated at Mouja-Bhaisa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 15-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957).

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

- (1) Jamarayan Dubey S/O Jagannath Prasad Dubey, R/O Civil Lines, Sagar (Transferor)
- (2) Gurunanak Co operative Housing Society through Gurubachan Singh S'o Moolsingh Bhatia, Sadar Bazar, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULF

Land Kh No 18, 19 at Mouia Bhaisa

D P PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, T T Nagar, Bhopal

Date 6-12-1982 Seal .

 Shri Abbas Bhai S/o Mulla Abdul Ali Bohara, R/o Khapargani, Bilaspur.

(Transferor)

(2) Shri Madanlal S/o Ramlal Punjabi, R/o Dayalband, Bilaspur.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3241.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 202, situated at Juna Bilaspur, Chanduwabhata

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 15-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grantie.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building—Kh. No. 202, H. No. 110, at Juna Bilaspur Chanduwabhata, Teh. Bilaspur, Distt. Bilaspur, This is the immovable property which has been described in the form No. 37G verified by the transferec.

D. P. PANTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-12-1982

FORM I.T.N.S.---(1) Smt. Rajkishori Devi Wd/o Late Sh. Rao Anand Singh, Smt. Neeta Rao D/o Rao Anand Singh, W/o Sh. S. S. Juman, R/o Narsinghpur—through—

Power of attorney Rai Kishore Singh S/o Shri Rao Indrapal Singhii. R/o Natsinghpur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tekasingh Minor Son of Sh. Phoolsingh Yadav, R/o Narsinghpur, (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3242,-Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land Kh. No. 23/1 situated at MOUJA Kukwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Narsinghpur on 26th April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHFDULE

Agricultural land Kh. No. 23/1 at MAUJA Kukwara. Narsinghput.

> D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-12-1982

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhonal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC, Acqn/Bpl/3243.--Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Kh. No. 252/5, 252/6 situated at

Mouza Sikola

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Durg on 5-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Khemin Bai W/o Ranchod Bhai Gujarati, R /o Sikola, Teh: Durg.

(1ransferor)

(2) Chauman, Kadambari Griha Nirman Sahakart---Samitt Ltd., Sikola, Teh : Durg.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ummovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 252/5, 252/6, at Mouza Sikola, Teh. Durg.

D. P. PANTA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-12-1982

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl, 3244.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Kh. No. 7, 6/2 situated at

Vill. Kathotiya

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Narsinghpur on 24-4-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 'ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

38--426G1/82

- (1) Roshonsingh 2. Bhagwatsingh S'o Dhaniram, R o Basodí, Teh. Narsinghpur.
  - (Tiansferor)
- (2) 1 Jaffaruddin S/o Nizamuddin 2. Jalauddin S/o Nizamuddin R/o Basodi, Tch. Naisinghpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property tany be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 7, 6/2, at Vill, Katothiya, Teh. Narsinghpur.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-12-1982

(1) Rajendrapal Singh S/o Jespalsingh, R/o Kohka, Teh. Durg.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mansevi, Chairman, Panchratna Griha Nirman-Sahakari Sanstha Ltd., Bhilai Nagar, (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 6th December 1982

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No IAC Acqn/Bpl/3245.--Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Commetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

Khasra No. 226, 1 situated at

Kohka.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1108) in the office of the Registering Officer at Durg on April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 226/1, Kohka, Teh. Durg.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;-

Date: 6-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3246.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 9 situated at Vill. Karoda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khurai on 17-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Rajivkumar S/o Surendranath Mehta R/o Sagar-at present Jabalpur—through Hazarisingh S/o Gajrasingh Dangi Thakur. R/o Bahmori Kale, Teh: Khurai, Sagar.

  (Transferor)
- (2) Dharampal S/o Lakhmidos Sharma, R/o Jugpura, Teh. Khurai, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 9, at Vill. Karoda.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-12-1982

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Amaijit S/o Parmanand Shaima,

(1) Rajiv Kumar S/o Surendranath Mehtha, R/o Sagar, at present Jabalpur through

Hazarisingh S/o Gairasingh Dangi Thakur, R/o Bhamohri Kale, Teh. Khurai, Sagai.

(Transferor)

R/o Jabalpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC Acqn/Bpl/3247 —Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating

Land Kh. No. 9 situated at

Vll. Karoda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khurai on 16-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 9, at Vill. Karoda, Teh. Khurai, Sagar.

D. P. PANTA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-12-1982

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3248.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Kh. No. 1156/1 situated at Deviganj, Ambikapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ambikapur on 29-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raghunandan Prasad S'o Late Shri Dhannusao R/o Devigani, Ambikapur.

  (Transferoi)
- (2) Shri Anoopkumar Mukherjee S/o Shri Ajit Chandra Mukherjee, R/o Babupara Ward, Jail Road, Teh: Ambikapur, Sarguja. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1156 1, at Deviganj, Teh: Ambikapur, Sarguja.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal, M. P.

Date: 6-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3249.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Land Kh. No. 1155 situated at Devigan; Road, Ambika-pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ambikapur on 29-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Raghunandan Prasad S/o Late Shri Dhannusao, R/o Ambikapur, Deviganj Road. Teh: Ambikapur, Sarguja.
  - (Transferor)
- (2) Shri Arun Kumar Mukherjee S /o Shri Ajith Chandra Mukherjee, R/o Babupara Ward, Jail Road, Teh: Ambikapur, Sarguja.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1155/1 at Deviganj Road, Ambikapur, Sarguja.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 6-12-1982

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 6th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn 'Bpl/3250 -- Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land Kh. No. 381, 985, 381/986, 381/987, 381/988, 381/989 situated at Senior Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dewas in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Pushpamala Raja Pawar Maharani Dewas Senior W/o Shrimant Krishnajirao Pawar Maharaja, R/o Anand Bhawan Palace, A. B. Road, Dewas through Power of attorney Shri B. K. Gaike, S/o Tukaram Gaike, 115, Devi Ahilya Marg, Indore. (Transferor)
- (2) M/s Daulal Motilal Sarat & Co.3. Chote Sarafa Indoic through Partner,Shri Daulal S o Motilalin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kh. No. 381/985, 381/986, 381/987, 381/988, 989, Kasba Dewas Senior.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 6-12-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1730

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M P

Bhopal, the 8th November 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3251—Whereas, I, D P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and bearing

No Kh No 123'1 situated at Deepak Colony, DURG (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at DURG on 12 4 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shripad Rao Thakur S|o Krishnarao Thakur, Ro Liturdih Feh Durg

(2) Pradeep Kumar So Vinod Kumar Handa, Ro Santra Badi Durg

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gaven in that Chapter.

## THE SCHEDULE

I and Kh No 123 1 at Deepak Colony, Durg

D P PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor Gangotri Building
T T Nagar, Bhopal M P

Date 8 11-1982 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3252.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 8 situated at Mahatma Gandhi Marg, Station Road, Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 27-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

39-426GT/82

- (1) Mulla Shabbir Hussain Slo Sheikh Asgar Bhai Bohara Khamoshi, Rlo Mohalla Freeganj Road, Ratlam
- (2) Fakruddin S/o Turayab Bhai Bohara Banswadawala, R|o Mohalla Chandni Chowk, Ratlam.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Remaining portion of Plot No. 8 Utterjanib-ke-Mohalla, Mahatma Gandhi Marg, Station Road, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal, M. P.

Date: 14-12-1982

Scal :

## FORM I.T.N.S.--

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3253.—Whereas, I D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bunglow No. 20 situated at Shivaji Park Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 29-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incomo-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Vishwasrao Shamrao Deshmukh, Chaitanya, 9|1, ST No. 5, Manoramaganj, Indore.
- (Transferor)
- (2) Ravindra Dinkarrao Lotlikar, 71, Municipal Corporation Road, Indore. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bunglow No. 20, at Shivaji Park Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal, M. P.

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3254.-Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block No. 7, Corporation No. 400/7 situated at Napier Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 5-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sakina Baj Wdlo Late Shri Mansoor Ali, Rlo Napier Town, Jabalpur-presently at Bombay.
  - (Transferor)
- (2) Asha Devi Wo Shri Badriprasad Vishwakarma, Ro 400/7, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 7 bearing Corporation No. 400 7 at Napier Town, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal, M. P.

Date: 14-12-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|3255.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Block-Corporation No. 400/6 situated at

Napier Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 5-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sakina bai Wd/o Late Shri Mansoodali, R/o Napier Town, Jabalpur-presently at Bombay.

  (Transferor)
- (2) Rewa Devi Wo J. L. Khandelwal, Advocate, Ro 400|6, Naper Town, Jabalpur.

(Transferee)

tions, if any, to the acquisition of the said property be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block bearing Corporation No. 400|6, built on plot No. 12, Sheet No. 257, at Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal, M. P.

Date: 14-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC | Acqn | Bpl | 3256.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Arjungava Khurd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivpuri on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaiad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Harikrishna S/o Manoharsingh Thakur, R|o Simariya.

(Transferor)

(2) Joginder Singh S/o Vakseeiz Singh (2) Kartar Kaur W/o Joginder Singh, (3) Amruthpal Singh (4) Satral Singh S/o Joginder Singh (5) Sukhminder Kaur W/o Avtar Singh (6) Sukhdevsingh (7) Malkithsingh S/o Varasingh (8) Sarvansingh S/o Major Mukundsingh (9) Harvansh Kaur W/o Sarvan Singh (10) Hardershanpal Kaur D/o Dr. Capt. Puran Singh (11) Tripatisingh (12) Khajansingh (13) Pritamsingh (14) Mutavsingh (15) Bhupendersingh S/o Trilochansingh (16) Jagdev Singh (17) Sohansingh (18) Mahinder Singh (19) Devender Singh (20) Jagjit Singh S/o Jagdevsingh R/o Vill. Malva Farm Arjungava Khurd-Teh: Shivpuri.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersinged:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Arjungava, Teh. Shivpuri.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal, M. P.

Date: 13-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M P

Bhopal, the 13th December 1982

Ref No. JAC/Acqn/Bpl/3257 —Whereas, I, D P PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Land situated at Vill Arjungava Khurd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 15-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gangaprasad S/o Kalyansingh through Narayan Dutt S/o Baburam Power of Attorney, R/o Simariya

(Transferor)

(2) (1) Shri Joginder Singh S/o Shri Vakseeiz Singh (2) Kartar Kaur W/o Shri Joginder Singh (3) Amruthpal Singh S/o Shri Joginder Singh (4) Satpal Singh S/o Shri Joginder Singh (5) Sukh Minder Kaur W/o Avtar Singh (6) Sukhdev Singh S/o Vara Singh (7) Malkithsingh S/o Vara Singh (8) Sarvan Singh S/o Major Mukund Singh (9) Harvansh Kaur W/o Sarvan Singh (10) Hardershanpal Kaur D/o Dr Capt. Puran Singh (11) Tripatisingh (12) Khajansingh (13) Pritamsingh (14) Mutav Singh (15) Bhupendersingh S/o Trilochansingh (16) Jagdev Singh (17) Sohan Singh (18) Mahinder Singh (19) Devender Singh S/o Gaijan Singh (20) Jagjit Singh S/o Jagdev Singh R/o Vill Malva Farm Arjungava, Teh Shivpuri (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at vill. Arjungava Khurd, Teh. Shivpuri.

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T T Nagar, Bhopal, M P.

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M P

Bhopal the 13th December 1982

Ref No. 1AC/Acqn/Bpl/3258 —Whereas, I, D. P PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 25,000/- and bearing No

Land situated at Vill Arjungava, Khuid

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Shivpuri on 9-4 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely 53—416GI/82

 Shri Kedarnath S/o Baburam Thakur, R/o Simariya, through Baburam S/o Gangaprasad-Power of attorney-R/o Simariya.

(Transferor)

(2) (1) Shii Joginder Singh S/o Vakseeiz Singh (2) Kartar Kaur W/o Joginder Singh (3) Amruthpal Singh (4) Satpal Singh S/o Joginder Singh (5) Sukh Minder Kaur (6) Sukhdev Singh (7) Malkithsingh S/o Vara Singh (8) Sarvan Singh S/o Major Mukund Singh (9) Harvansh Kaur W/o Sarvan Singh (10) Hardershanpal Kaur D/o Dr Capt. Puran Singh (11) Tripatisingh (12) Khajansingh (13) Pritam Singh (14) Mutav Singh (15) Bhu pendersingh S/o Trilochansingh (16) Jagdev Singh (17) Sohan Singh (18) Mahinder Singh (19) Devender Singh S/o Gajjan Singh (20) Jagjit Singh S/o Jagdev Singh R/o Vill Malva Farm Arjungava Khurd, Teh Shivpuri

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATIONB:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Vill Arjungava Khurd, Teh Shivpuri

D P PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T T Nagar, Bhopal, M P.

Date 13-12-1982 Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P. Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC | Acqn | Bpl | 3259.—Whereas I D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Vill, Arjungaon, Khurd

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivpuri on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chandaniani W/o Baburam Thakur through Baburam S/o Gangaprasad Thakur (Power of Attorney) R/o Simariya, Jalon.

(Transferor)
(2) (1) Shvi Joginder Singh S/o Shri Vakseeiz Singh
(2) Kartar Kaur W/o Shri Joginder Singh (3)
Amruthpal Singh S/o Shri Joginder Singh (4)
Satpal Singh S/o Shri Jogender Singh (5) Sukh
Minder Kaur W/o Avtar Singh (6) Sukhdev Singh
s/o Vara Singh (7) Sarvan Singh S/o Major
Mukund Singh (8) Malkith Singh S/o Vara Singh
(9) Harvansh Kaur W/o Sarvan Singh (10) Hardershanpal Kaur D/o Dr. Capt. Puran Singh (11)
Tripatisingh (12) Khajansingh (13) Pritamsingh
(14) Mutav Singh (15) Bhupendersingh S/o Trilochansingh (16) Jagdev Singh (17) Sohan Singh
(18) Mahinder Singh (19) Devender Singh S/o
Gajian Singh (20) Jagjit Singh S/o Jagdev Singh
R/o Vill. Malva Farm Arjungava Teh. Shivpuri.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vill. Arjungaon Teh. Shivpuri.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal, M. P.

Date: 10-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3260.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land, situated at Village Arjungaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Shivpuri on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

40-426Gf/82

(1) Narayan Dutt s/o Shri Baburam Thakur, r/o Simariya, Teh. Koch. Jalon.

(Transferor)

- (2) 1. Joginder Singh \$/o Shri Vakziz Singh,

  - Joginder Singh 8/o Shri Vakziz Singh,
     Kartar Kaui w/o Joginder Singh,
     Amithpal Singh s/o Joginder Singh,
     Satpal Singh s/o Shri Joginder Singh,
     Sukhminder Kaui w/o Avtar Singh,
     Sukhdev Singh s/o Vara Singh,
     Sarvan Singh s/o Major Mukund Singh,
     Malkeeth Singh s/o Vara Singh,
     Hatvans Kaui w/o Sarvan Singh,
     Hatvans Kaui w/o Sarvan Singh,
     Hatvans Kaui w/o Sarvan Singh,

  - 10. Hardarshanpal Kaur d/o Dr. Capt Puran Singh,
  - Tripati Singh, Khajan Singh,

  - 13. Pritam Singh, Mutav Singh
  - Bhupender Singh s/c Shri Trilochan Singh,
  - Jagdev Singh

  - 16. Jagdev Singh
    17. Sohan Singh,
    18. Mahender Singh,
    19. Devender Singh s/o Shri Gajjan Singh,
    20. Jagjit Singh s/o Jagdev Singh,
    r/o Malva farm, Arjungaon,
    T-b Shirusi Teh. Shivpuri.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Arjungaon, Village Khurd, Teh. Shivpuri.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-12-1982

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,

### BHAPAL M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3261.—Whereas I, D. P. PANTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Village Arjungaon, Khurd (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Vijay Krishna s/o Harnarayan Thakur, r/o Simariya, Teh. Kocn, Jalon.

(Transferor)

(2) 1. Joginder Singh s/o Shri Vakziz Singh,

2. Kafter Kop W.o socieder Stign,
3. Am ithpal Singh 5/0 leginder Singh,
4. Satpal Singh s/o Shri loginder Singh,

5. Sukhininder Kaul w/o Aviar Singh,

6. Sukhdev Singa s/o Vara Singh, 7. Sarvan Singa s/c Major Mukund Singh,

8. Malkeeth Singh s/o Vara Singh,
9. Harvans Kaur w/o Sarvan Singh,

10. Hardarshanpal Kaur d/o Dr. Capt Puran Singh,

Tripati Singh,
 Khajan Singh,
 Pritam Singh,

14. Mutav Singh,

15. Bhupender Singh s/o Shri Trilochan Singh,

16. Jagdev Singh 17. Schan Singh, 18. Mahinder Singh, 19. Devender Singh s/o Shri Gajjan Singh, 20. Jagjik Singh s/o Jagdev Singh, R/o Malva farm, Khurd, Shivpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Arjungaon, Village Ghurd, Teh. hivpuri.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-12-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3262.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Village Arjungton, Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivpuri on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shii Baburam s/o Gangaprasad Thakur, R/o Simariya, Teh. Kocn, Jalon.

(Transferor) (2) 1. Joginder Singh s/o Shri Vakziz Singh,

Joginder Singh s/o Shri Vakziz Singh,
 Kattai Kaui W/o Joginder Singh,
 Amathpal Singh s/o Joginder Singh,
 Satpal Singh s/o Shri Joginder Singh,
 Sukhminder Kaui W/o Avtar Singh,
 Sukhdev Singh s/o Vara Singh,
 Saivan Singh s/o Wara Singh,
 Malkeeth Singh s/o Vara Singh,
 Harvans Kaui W/o Sarvan Singh,
 Harvans Kaui W/o Sarvan Singh,
 Harvans Kaui W/o Sarvan Singh,

10. Hardarshanpal Kaur d/o Dr. Capt Puran Singh,

Tripati Singh,

Khajan Singh, P. itam Singh, 12.

13. 14.

Mutav Singh, Bhupender Singh s/o Shri Trilochan Singh, 15.

16. Jagdev Singh 17. Sohan Singh,

18. Mahinder Singh, 19. Devender Singh s/o Shri Gajjan Singh, 20. Jagjit S ngh s/o Jagdev Singh,

r/o Malva farm, Arjungaon, Shivpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever per od expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Arjungaon, Village Khuid, Teh. Shivpuri.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3263.—Whereas f, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs; 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Village Arjungaon, Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivpuri on 8-4-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ramprasad s/o Baburam Thakur, through Baburam s/o Gangaprasad (Power of Attorney), r/o Simariya, Jálon.

(Transferor)

- (2) 1. Joginder Singh s/o Shri Jagdish Singh,

  - Kartar Kaur w/o Joginder Singh,
     Amrithpal Singh s/o Joginder Singh,
     Satpal Singh s/o Shri Joginder Singh,
  - Sukhminder Kaur w/o Avtar Singh, Sukhdev Singh s/o Vara Singh,

  - 6. Sukudev Singh 8/0 varia Singu,
    7. Saivan Singh 8/0 Major Mukund Singh,
    8. Malkeeth Singh 8/0 Vara Singh,
    9. Harvans Kaur w/o Saivan Singh,
    10. Hardarshanpal Kaur d/o Dr. Capt Puran Singh,
  - Tripati Singh,
  - 12. Khajan Singh, 13. Pritam Singh,

  - 14. Mutav Singh,15. Bhupender Singh s/o Shri Trilochan Singh,
  - Jagdev Singh
     Sohan Singh,

  - 18. Mahinder Singh,
    19. Devender Singh s/o Shri Cajjan Singh,
    20. Jagjit Singh S/o Jagdev Singh r/o Malva farm, Arjungaon, Teh. Shivpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Village Arjungaon, Khurd, Teh. Shivpuri.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHAPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No IAC/Acqn/Bpl/3264 --- Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land, situated at Village Arjungaon, Khurd (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivpuri on 9-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Premkumeri w/o Narayan Dutt, Simariya through Babutam Gangapiasad (Power of Attorney), R/o Simariya,

(Transferor)

(2) 1. Joginder Singh s/o Jagdish Singh,

1. Joginder Singh s/o Jagusti Singh,
2. Kartar Kaul w/o Joginder Singh,
3. Amrithpal Singh s/o Joginder Singh,
4. Satpal Singh s/o Shii Joginder Singh,
5. Sukhminder Kaul w/o Avtar Singh,
6. Sukhdev Singh s/o Vara Singh,
7. Salvan Singh s/o Major Mukund Singh,
Mellerth Singh s/o Major Mukund Singh,
Mellerth Singh s/o Major Mukund Singh,

8. Malkeeth Singh 5/0 Vara Singh,

9. Harvans Kaur w o Sarvan Singh,

10. Hardarshanpal Kaur d/o Dr. Capt Puran Singh,

11. Tripati Singh,

12. Khajan Songh, 13. Pritam Singh,

14. Mutav Singh.15. Bhupender Singh s/o Shri Trilochan Singh,

16. Jagdev Singh

17. Sohan Singa.

Sonah Shigh,
 Mahinder Singh,
 Devender Singh s/o Shii Gajjan Singh,
 Jagji Singh s/o Jagdev Singh,
 r/o Vill. Malva Farm, Arjungaon, Khurd.
 Teh. Shivpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Arjungaon, Khurd, Teh. Shivpuri.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3265.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Village Arjungaon, Khurd (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivpuri on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Vijavkrishna (1) Veerkuwar wd/o Anantram through s/o Hainaiayan (Power of attorney), r/o Samariya, Jalon.

(Transferor)

- (2) 1. Joginder Singh s/o Jagdish Singh, 2. Kattar Kaur w/o Jogander Singn,
  - 2. Kattar Katte W/o Jogander Singh,
    3. Am. ithpal Singh's o Jogander Singh,
    4. Satpal Singh s/o Shri Jogander Singh,
    5. Sukhminder Kaur W/o Avtar Singh,
    6. Sukhdev Singh s/o Vara Singh,
    7. Sarvan Singa s/o Major Mukund Singh,
    8. Malkeeth Singh s/o Vara Singh,
    9. Harvans Kaur W/o Sarvan Singh,
    9. Harvans Kaur W/o Sarvan Singh,

  - 10. Hardarshanpal Kaur d/o Dr. Capt Puran Singh,

  - 11. Tripati Singh,
    12. Khajan Singh,
    13. Pritam Singh,
    14. Mutav Singh,
    15. Bhupender Singh s/o Shri Trilochan Singh,
  - 16. Jagdev Singh,

  - 17. Sonan Singh,
    18. Mahinder Singh,
    19. Devender Singh s/o Shri Gajjan Singh,
    20. Jagjit Singh s/o Jagdev Singh,
  - r/o Malva farm, Arjungaon, Shivpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Village Arjungaon, Khurd, Shivpuri.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 10-12-1982

(1) Shri Babulal s/o Moolchand 2. Ajodiya Bai wd/o Moolchand, r/o Balgarh, Teh. Dewas.

((Transferor)

(2) 1. Badshah land & Finance Co., Dewas—Pattner—
1. Ismail Khan s/o Mehtab Khan,

Shamimbano w/o Moinuddir Dewas,
 Kaniz Bano w/o Mohd. Dewas,

4. Mehruniza w/o Ayajuddin, r/o Dewas.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE. BHCPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3266.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Survey No. 293/2, 296, 295, situated at Village Bavadiya, Teh. Dèwas

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in tht office of the Registering officer at Dewas on 7-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 293/2, 296, 295 at Vill. Bayadiya, Teh. Dewas.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building,
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-12-1982

#### FORM ITN .--

(1) Shri Bhagwan Das s/o Chhadamilal Kurmy Patel 1/o Napier Town Jabalpur, MP

((Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kranti Kumai s/o Mohanlal Arora, r/o Gupi.shwar Road, Madan Mahal, Jabalpui

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref No IA( /Acqn/Bpl/3267 —Whereas I, D P PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing House No 870/c, situated at Napier Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaiting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (d) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the aervice of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Block Number 4 Plot Number 22, House Number 870/c (Part), situated at Napier Town, Jabalpur

> D P PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T T Nagar, Bhopal

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the 

Date 13 12-1982 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri A. Wali Khan s/o
 A. Sharif Khan,
 Village Damkheda, Tehsil Hazur,
 Distt. Bhopal, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Narendia Kumar s/o Deepchand Goyal 1/o Govindpura, Bhopal.

(Transferec)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bp1/3268.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Land Khasara No. 158, situated at Bhooal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--41-426G1/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasara number 158, satuated at Bhopal-Village Dam Khera.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3269.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 314/1 and 315/1, situated at Khandwa

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa on 16-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Basant Bhai s/o Nanabhai Thakkar, r/o Nagchun Road, Khandwa, M.P.

(Transferor)

(2) Shri Laxmidas Shah, s/o Goverdhan Das Shah, r/o Bombay Bazar, Khandwa, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubheatton of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 1 B and Sheet No. 8, Plot No. 314/1 and 315/1 and House constructed thereon, situated at Khandwa, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-12-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3270.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 4/2, situated at Village Nayata Mundla, Indore and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at Indore on 24-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration that that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Abbas s/o Nabibdaji, r/o Mundla Nayata, Teh. and Distt. Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Amar Nath s/o Shri Baijnath Singh,
  2. Shri Baij Nath s/o Hub Lal,
  3. Ku. Radha s/o Shiymurat Singh,
  - 3. Ku. Radha s/o Shivmurat Singh, r/o 6/1 Navlakha Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a perios of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Khasra No. 4/2 at Village Nayata Mundla, Tehsil and District Indore, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building.
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3271.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 4/2,

situated at Village Nayata Mundla, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Abbas Ali s/o Nabibda, r/o Nayata Mundla, Tehsil and District Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Mahendra Hardiya s/o Kewal Chand Hardiya.
  - 2. Vaibhay s/o Shyam Hardiya,
  - Smt. Chandra Bai w/o Kewal Chand Hardiya, all r/o 5/1 Navlakha, Indore, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Survey No. 4/2, situated at Village Nayata Mundla, Tehsil and District, Indore, M.P.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-12-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONFR OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3272.—Whereas 1, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated at 181 Khatiwala Tank Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5 April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Suresh Chandra S/o Kanhanyatal Khandewal R/o 27/1 North Raj Muhalla Indore.

  (Transferor)
- (2) M/s Gureeja Builders R/o Shatipura Indore-M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Khatiwala Tank Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3273.—Whereas I, D.P.PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Land and constructed Area situated at Govindpura Punjabi Colony Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Parmali Wallace Ltd. through Sri Mahesh Vithal Das Kanji, Parmali House Bhopal-M.P.
- (2) Shri Kailash Chandraji S/o Pandit Prem Bibarilal Parmali House Bhopal.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot at Govindpura Punjabi Colony, Bhopal and constructed area,

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3274.—Whereas I D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kh. No. 380. Pigdamber, Tch. Mhow, Distt. Indore situated at Mhow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mhow on 20th April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section. 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Karan Singh S/o Jagannath r/o Village Pigdamber, Teh. Mhow. Distt: Indore.

> Shri Bhanwar S/o Jagnathji, R/o Village Pigdamber Teh, Mhow. Distt; Indoie, M.P.

(Transferor)

(2) M/s. Surichi Land Developers through Partner Shri Chansingh S/o Pratapchandji Modi, R/o Building No. 6/7, Maheshnagar, Indore, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 380, Gram Pigdamber, Teh. Mhow situated at Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Budding,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 14-12-1982

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, MP.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref No.  $1\Lambda C/A$ cqn/Bpl/3275 —Whereas I, D P PANIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961  $\times$ 43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Bhoomy Khasara No 158, 159, 160, 161 situated at Village

Kachchi, Barkehera

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on 3, April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Shii Dwarkaprasad, S/o Shri Maheshwari Vasthe Shyam Sunder, S/o Jagdesh Prasad,
 2 Harikiishna S/o Shri Dwarkaprasad,
 R/o Bhopal

(Transferor)

Shri Himmat Singh S/o Shii Than Singh
 Smt. Tulsibai W/o Shii Than Singh,
 Bheikera, Teh. Hazur Distt: Bhopal.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bhoomy Khesara No. 158, 159, 160, 161 situated at village Kachi Berkhera, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T Nagar, BHOPAI

Date: 13-12-1982

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAI, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3276.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bidg. No. 12, Shop No. 10, situated at Pandhari Nath Path (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22nd April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, no the following persons massely:—
42—426G1/82

- (1) Shri Sardar Pratapsing Rav S/o Mahlarav Holkar, through A. M. Shyamrav Krishnarav Holkar, R/o 12, Ada Bazar, Indore.
- (2) Smt. Mayadevi w/o Shri Kanyalaji Ramchandani, R/o 29/2, Rajaswa Gram, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building No. 12, Shop No. 10 situated at Pandhari Nath Path, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3277.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearng

Building No. 12, Shop 15 situated at Pandhari Nath Path (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 22nd April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Pratapsingh Rao Holkar S/o Malhar Rao Holkar, 12, Ada Bazar, Indore—through— Shyam Rav Krishnarav Holkar,
   Roop Ram Nagar Colony, Indore.
- (2) Smt. Mayadevi W/o Shri Kanhaiyalal Ramchandani, R/o 29/2, Rajaswa Gram, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 12 Shop 15 situated at Pandhari Nath Path, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 15-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref No IAC/Acqn/Bpl/3278—Whereas I, D P PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fail market value exceeding Rs 25,000/ and bearing

S No 292, 293/1 situated at Gram Bwadiya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 5th April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1 Shri Babulal S/o Moolchand
 2 Ajodyabai, widow of Moolchand,
 R/o Balaghat, Teh Dewas

(Transferor)

(2) Badsah Land Finance Company,
Partners
1 Ismalekhan 2 Shamimbano 3 Kanij Bano
4 Mchrineesa
R/o Dewas

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S No 292, 293/1 situated at Gram Bwadiya, Teh. Dewas.

D P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangoth Building,
T T Nagar, BHOPAL

Date 15-12-1982 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3279.—Whereas I, D. P. PANTA being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Bhoomy Kh. No. 95/2, 96, 97 situated at Neelbarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 27th April 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Dilip Kumar S/o Gangdhar Ram R/o Neelbarh, Teh. Hazoor, Distt: Bhopal.

(Transferor)

(2) Phonex Distributors,
Through Jaya Singh Gokul, Raj,
S/o Dwrakaram Gokuldas,
R/o Bhopal,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bhoomy Kh. No. 95/2, 96, 97 situated at Village Neclbarh, Teh. HAZOOR Distt: Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3280.—Whereas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 4/2 situated at Gram Nayata Mandla, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore on 24th April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Abhasali S/o Shri Nabibdaji, R/o Village Mundla, Teh. Indorc.

1/o Navlakha, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Kusumlata, W/o Shri Shyam Hardia
2. Shri Kuldip S/o Shri Badrilal Hardia
3. Shr Badrilal s/o Baijnath Hardia

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at S. No. 4/2, situated at Nayatha Mandla, Distt: Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 13-12-1982

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3281,-Whereas, I, D. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot Number 36 situated at Jaora Compound Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with obect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tilok Chand s/o Phool Chand Jain R/o 119 Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Amritlal S/o Mangilal Jain House Number 8 Rajwada Chowk, Indore, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Number 36 situated at laora Compound, Indore-M.P.

D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, BHOPAL.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1982

#### FORM JTNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3282.-Whereas, I, W. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Vill: Arjungaon Khurd-

of transfer with the object of-

,and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivpuri on 8-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Ratansingh S/o Kalyansingh Thakur, R/o Simariya, Teh: Konch, Jalon.

(Transferor)

- (1) Joginder Singh S/o Shri Vakziz Singh
  (2) Kartar Kaur W/o Joginder Singh
  (3) Amrithpal Singh S/o Joginder Singh
  (4) Sathpal Singh S/o Shri Joginder Singh
  (5) Sukhminder Kaur W/o Avtur Singh
  (6) Sukhdev Singh S/o Vara Singh
  (7) Sarvan Singh S/o Major Mukund Singh
  (8) Malkeeth Singh S/o Vara Singh
  (9) Harvansh Kaur W/o Sarvan Singh
  (10) Hardershanpal Kaur D/o Capt. Puran Singh
  (11) Tripati Singh

  - (11) Tripati Singh (12) Khajan Singh

  - (13) Pritam Singh
    (14) Mutav Singh
    (15) Bhupendra Singh S/o Trilochan Singh
  - (16) Jagdev Singh (17) Sohan Singh

  - (17) Solian Singh
    (18) Mahinder Singh
    (19) Devender Singh S/o Shri Gajjan Singh
    (20) Jagjit Singh S/o Jagdev Singh
    R/o Malva Farm, Arjungaon, Tch: Shivpuri.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Vill: Arjungaon, Shivpuri,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 10-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3283,-Whoreas I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House constructed at Plot Number 153 situated at Jaora Compound, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 21-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Purshottamlal Saidasji Guglani R/o 153 Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Kumar S/o Parsubhai Shah R/o 10/2 Usha Ganj, Indore-M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot Number 153 and House constructed thereon situated at Jaora Compound, Indore.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 13-12-1982

(1) Shi Chhitarmal S/o Manmalji Chordiya R/o House Number 7 at Gorakund Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 1. Smt. Rukmani Devi W/o Sachanandji
 2. Smt. Meerabai W/o Rameshlal

3. Smt. Indra Devi W/o Deewan Chand R/o 7 Sadhunagar Inoder-M.P.

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl|3284.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Municipal Number 63 and New Number 31 situated at Maharaj Tukoji Rao Cloth Market Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Municipal Number 63 and new Number 31 block Number 113 and House constructed thereon situated at Maharaja Tukoji Rao Cloth Market Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-12-1982

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

43---426 GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl|3285.-Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land No. 1398/3 situated at Nagda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Khachrod on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Bapu Singh

Nirbhaya Singh
 Udai Singh
 Smt. Nandibai Wd/o Madhoji Gujar R/o Dawari Post Nagda.

(Transferor)

(2) M/s. Bhartiya Associates Nagda Teh, Khachrod.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land number 1368/3 Nagda Tehsil Khachrod. This the immovable property described in the form Number 37G.

> D. P. PANTA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building
> T. T Nagar, Bhopal.

Date: 14-12-1982

#### FORM 1.T.N.S.———

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 18th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl|3286.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Thrible storied House, situated at Katni (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Katni on 27-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jayanti Pd. Rathore, P/o M/s. Nanji Haridas, Kymore.

(Transferor)

(2) Shri Bajranglal Saravu S/o Shri Shrinivas, Saravu, Malviya Guni,

Gole Bazar, Katni.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Thrible storied building known as New Gujar Lodge near Kamania Gate, Katni.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopol.

Date: 18-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3287.-Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 '- and bearing Plot No. 22 sintated at Lokendra Compound, Ratlam

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Ratlam on 27-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Rameshchandra S/o Laxminaravanii. R/o Mohalla Holsr, Ratlam,

(Transferor)

(2) Shri Abbas Bhai S/o Abdul Aziz Bohara Mahir, R/o Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 22, at Lokendra Compound, Ratlam.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Build'r T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-12-1982.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl|3288.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No 870/B situated at Napier Town, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagwandas S/o Chadamilal Patel, R/o. Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Dershanpal S/o Mohanlal Arora, R/o Gupteshwar Road, Madan Mahal, Jabalpur.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Block No. 4 Plot No. 22 House No. 870 at Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 13-12-1982.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Dershanpal S/o Mohanlal Arora, R/o Gupteshwar Road, Madan Mahal,

(1) Shri Bhagwandas S/o Chadamilal Patel, R/o. Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No IAC/Acqn/Bpl[3289.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 870/A situated at Napier Town, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 11-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Portion of Block No. 4 Plot No. 22 House No. 870 at Napler Town, Jabalpur.

D. F. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopm

Date: 13-12-1982.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Bhugwandas S/o Chadamilal Karmı Patel, R/o. Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Kranti Kumar S/o Mohanlal Arora R/o Gupteshwar Road, Madan Mahal, Jahalpur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl|3290.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing House No. 870/D situated at Napier Town, Jabalpur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforecaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which the contraction of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- 1 YPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of Block No. 4 Plot No. 22 House No. 870 at Napier Town, Sabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ran 4th Floor, Gangotta Build'n 'I. 'I. Nagar, Bhopal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-12-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3291.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House build on Plot No. 175 situated at Palsikar Colony, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Kishandas S/o Basantmalji, R/o 10, Ganji Compound, Indore.

(Fransferor)

(2) 1. Tikamdas S/o Gangaram

Bhagwandas S/o Gangaram Kodwani,

3. Lalchand S/o Gangaramji 4. Harish S/o Gangaramji Kodwani, R/o 175, Palsikar Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House built on Plot No. 175 at Palsikar Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhop

Date: 13-12-1982.

#### FORM ITNS----

(1) Shri Madhavrao Avda S/o Shri Naravanraoji Aida, R/o Kampoo Road, Lashkar, Gwalior. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Vinodkumar Mangal S/o Premnarayanji Mangal, R/o Geeta Colony, Dal Bazar, Lashkar, Gwalior.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl[3292.-Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Mucl. H. No. 18/459 situated at Tota-ki-Bajariya,

Kampoo Brigedel, Lashkar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 30-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

House Mucl. H. No. 18/459 at Toto-ki-Bajariya, Kampoo Bigredel, Lashkar, Gwalior.

> D. P. PANTA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Buildm T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--44-426 G1/82

Date: 10-12-1982

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl|3293.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Vill. Mugwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on 17-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagatram \$/o Jodharam Arora, Delhi Hansraj Raghuveerlal \$/o Jodharam, R/o Vidisha, Ramrekhi Bal Wd/o Jodha Ram Arora, Vidisha, Meera Devi D/o Jodharam W/o Kishandas, R/o Delhi-1.
- (2) Shri Narendrakumar S/o Darbarilal Arora, Savarkar Marg, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning sugiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Vill. Mungwara.

D. P. PANT Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-12-1982

(1) Shri Abbas S/o Nabibdaji, R/o Mundla, Teh, Indore,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Mangesh S/o Kevalchand Hardiya
2. Shri Vivek S/o Shyam Hardiya
3. Vishwas S/o Shyam Hardiya,
R/o 7|1, Navlekha Road, Indore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th Derember 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl[3294.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. 4/2 situated at Vill. Mundla, Teh. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 4/2 at Vill. Mundla, Teh. Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 14-12-1982 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P. Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl|3295.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Municipal number 92 situated at Uwaji Ganj Morena

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morena on April 1982

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hukumchand Alias Gyasiram 5/o Late Chandanlal R/o Jiwaji Ganj Morena

(Transferor)

(2) 1. Surendia Kumar S/o Baijnath Prasad
 R/o Morena
 2. Smt. Sushila Devi W/o Madan Mohan Gupta
 R/o Station Road, Morena.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Municipal number 92 in ward number 10 Jiwaji Ganj Morena.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 10-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3296.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 'Municipal Number 21 situated at Maharaja Tukorao Cloth Market Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-4-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair metket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

(1) Shri Kuahal Chand S/o Chhitarmal Chordiya R/o 7 Gorakund Indore, M.P.

(Transferor)

(2) Smt. Seemadevi W/o Raikumar, Priti Devi W/o Babulahi, Shkuntala Devi W/o Kishore Kumar, R/o 7 Sadhunugar Indore, M.P.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Municipal Number 21 situated at Maharaja Tukoji rao Cloth Market, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3297,—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 252-D situated at Ashoka Garden, Raisen Road, Bhonal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Daudayal Ansal S/o Chitharmalji, R/o Galla Mandi, Maharani Laxmigani, Bhopal.

(Transferor)

Shri Ashok Kumar S/o Roopchandji
 Shri Sanjay Kumar Minor Son of Shri Dharmendra Daryani, R/o F-Ward, Bairagarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 252-D. at Ashoka Garden, Raisen Road, Bhopal, and Shed built thereon,

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 10-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3298.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot Number 52 situated at E-4 Capital Project Shahpur Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 23-4-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Krishna Kumar Tayal,
   S/o Sri Jodharamii Tayal.
   R/o Govindpura Industrial Estate Bhopal.
   (Transferor)
- (2) Smt. Dulari Devi W o Hari Prasad Chaturvedi R/o HIG-18 Shivaji Nagar, Bhopal. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot number 52 situated at E-4 Capital Project Shahpur Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-12-1982

Seul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th December 1982

Ref. No. 1AC/Acqn/Bp1/3299.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Mucl. H. No. 7 situated at Snehlataganj, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 19-4-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Meenakshi W/o Shri Rajendrasingh Muhurkar, R/o 7/1, Snehlataganj, Indore through Power of attornev Surendrasingh S/o Saljansinghji, R/o 44, Beema Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Azız S/o Shri Abdul Shakur, R/o 150, Nayapura, No. 1, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Met shall have the same meaning as given; in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Muel. H. No., 7. Street No. 1, at Snehlatagani, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 15-12-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

#### (1) Smt. Prakash Malhotra 113 Napier Town Jabalpur.

(Transferor)

(2) Sint. Neelam Malhotra, 113 Napier Town Jabalpur.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3300.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Khasra No. 824/1 Plot No. 28 and 30 situated at Jabalour.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27-4-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :--45-426 GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in ther Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khasra Number 824/1 Plot Number 28 and 30 at Jabalpur and Building.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 18-12-1982

(1) Shri Y. K. Puri S/o Laxmandas Puri R/o E-3/2 Arera Colony Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ramesh Chand Jhalla S/o Triloki Nath Jhalla R/o A-Block Central India Floor Mill Bhopal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P

Bhopal, the 17th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3301.—Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing
No. Plot Number 60 situated at Raisen Road Govind

No. Plot Number 60 situated at Raison Road Govind Garden.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Plot number 60 situated at Govind Garden Raisen Road, Bhonal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Fioor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 17-12-1982

#### FORM ITNE

(1) Shri A. D. Puri S/o Laxmandas Puri R/o 3/3 Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmal Bhatiya,W/o O.P. Bhatiya,R/o 1|2 C-11 Govindpura, Bhopal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3302.—Whereas 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot Number 59 situated at Raisen Road Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Plot number 59 situated at Govind Garden Raisen Road Bhopal.

D. P. PANTA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date 17-12-1982 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th December 1982

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3303.—Whereas 1, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 252 D situated at Ashoka Garden, Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal in April 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Cani Dandayal Bansel S/o Chithamalji R/o Galla Mandi, Maharani Laxmigani, Bhopal.

(Transferor)

(2) Dr. Dharmendra Boolchandani S/o Daryanomal, R/o Bairagarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 252-D at Ashoka Garden, Bhopal and Shed constructed thereon.

D. P. PANTA
Conspetcht Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 10-12-1982

(1) Stat. Aida Barreto
W/o Brigadier T. Barreto,
432 Pachpedi Jabalpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Abdul Rashid Amsari, Jabalpur-

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 18th December 1982 Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3304.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot number 13 situated at Civil Lines Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 1-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot number 13 at Civil Lines Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 13th December 1982

Ref. No. PNP/37/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

No. Land measuring 12 kanal situated at Vill. Siwaha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Paninat in April 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conscealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) S/Shri Tek Ram, Hoshiar Singh ss/o Shri Chatra S/o Shiv Chand alias Sher Singh, r/o vill & P.O. Siwaha.
  - (Transferor)
- M/s. Deena Fabrics (Pvt.) Limited, through Shri Waleyati Ram, Director, Paninat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Property being measuring 12 kanals situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 735 dated 30-4-1982 with the S.R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, remaily:—

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGF D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 13th December 1982

Ref. No. DL1/2/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land with building situated at Kundli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

 M/S Khosla Oil and General Mills through Prop. Shri R. P. Khosla, r/o 26 Bungelow Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Kohli Import and Export (P) Itd through Director S Amerit Singh, A-3 Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 44 kanals with building at G.T. Road 17th Mile stone. Kundli and as more mentioned in the sale deed registered at No. 535 dated 21-4-1982 with the S.R. Sonepat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-12-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shri Suraj Mal 5/0 Shri Bhagwana, Satroad.

(Transferor)
(2) Smt. Madhu Tayal w/o Shti Ramesh Chand Tayal,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE D.L.F. COLONY ROHTAK

Rohtak, the 13th December 1982

Ref. No. HSR/5/82-83,—Whereas I, R. K. BHAYANA,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 1/4th share of 18 k. 8 marla situated at satroad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in April 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning so given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 18 kanals 8 marla (1/4th share) situated at Satroad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 129 dated 8-4-1982 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMF TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK DLF COLONY

Rohtak, the 13th December 1982

Ref No HRS/8/82-83—Whereas I, R K BHAYANA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No Land measuring 18 kanal 14 marla situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer, and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 922), o. the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (2) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

46—426 GI/82

(1) S/Shri Nand Ram, Data Ram, Sarject & Pritam and Kaian Singh sons of Sh Nathu Ram s o Shri Kahna Rom Saim r/o Hissai

(Transferor)

(2) \$/Shin Rajinder Patshad, Vijender kumar Ss/o Shri Kunj Lal, Smt Saroj Ram W/o Sh Rajinder Patshad, Smt Santosh Ram w/o Shri Vijender Kumar, Smt Mewa Vati, Sh Kunj Lal, Smt Mukumar, Smt Mewa Vati, Sh Kunj Lal, Smt Mujula Rano w/o Jat Kumar, Rajich Kumar & Renu Bal d/o Sh Jat Kumar Lila Dhar \$/o Nirang Rai, Kishori Lal \$/o Sh Tainsukh Dass, Behari Lal, Naurang Rai, Patas Dass \$/o Naurang Rai, Prem Lata w/o Gordhan Dass, Salochna w/o Sushil Kumar, Bala Rain w/o Sutesh Kumar, Kanta Rani w/o Sita Ram, Kishor Kumar rs/o Hissar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measurin 18 kanals 14 marla situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No 457 dated 29 4-1982 with the S.R. Hissar

R K BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robitak

Date 13-12 82 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th December 1982

Ref. No. GRG/6/82-83.—Whereas I, R. K, BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 4s the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House in Sabzi Mandi situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the 16c; aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

(1) Smt. Kusum Sharma w/o Hira Lal, Ramlila Grounds, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lai S/o Sh. Narain Dass, Kothi No. 12-13, Ram Nagar, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house in New Sabzi Mandi, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 217 dated 21-4-82 with the Sub Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rehtak

Date: 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. HSR/1/82-83.-Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land area 7 kanals 18 marla situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that Le consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er
- (b) (acilitating the concealment of any income or any rnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Nav Bharat Steel Private Limited, Delhi Road, Hissar through Sh. Ram Richhpal S/o Lal, Tansukh Rai, Hissar.

(2) 1. Smt. Krishna Bhutani 40/100 share,
2. Sh. Virender Bhutani 35/100 share,
3. Sh. Sanjay Bhutani 25/100 share sons of Sh. Hem Raj Bhutani s/o Lok Nath r/o Lok Nath r/o 126 Model Town, Hissar.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 kanals 18 marla situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 245 dated 15-4-1982 with the S.R. Hissar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

### FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Sh. Suraj Parkash S/o Manohar Lal, S/o Behari Lal, r/o Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Bahl S/o Sh. Gopal S/o Shri hhwar Dass Gurgaon Cantt. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. GRG/5/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 1100 sq. yds. situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Gurgaon in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot measuring 1100 sq. yds at Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 164 dated 19-4-1982 with the S.R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

(1) Shri Sukhi Chander Singh s/o Singara Singh Prop. M/s. Auto India, Faridabad.
(Trans)

(Transferor)

(2) S/Sh. Pardeep Kumar Parveen Kumar sons of Shri Raghubar Parshad, 668 Sector 16-A, Faridabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.I.F. COLONY

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. BGR/24/82-83.—Whereas I, R. K BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plct No. 388 area 1288.88 sq. yds. situated at Sector 24, Faridabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Ballabhgarh in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 388 area 1288.88 sq. yds Sector 24, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No 996 dated 26.4. = 982 with the S.R. Ballabearh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtek

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Satish Kumar S/o Sh. Lashkari Mal, House No. R-96 Ward No. 5, Panipat.

. (Transferor)

(2) Smt. Lalita Bhatia W/o Ranjit Kumar r/o House No. 593-B, Panipat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th December 1982

Ref. No. PNP/19/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, Inving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 1000 sq. yds. Situated at Patti Insar. Panipat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Panipat in April, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1000 sq. yards situated Patti Insar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 336 dated 19-4-1982 with the S.R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-12-1982

==- . -- - ---

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th December 1982

Ref. No. BGR/13/82-83—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of P. No. 56-D-I, situated at N.I.T. Faridabad

Portion of P. No. 56-D-I, situated at N.I.T. Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at at Ballabgarh in April, 1982

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kupi Kumar W/o Cdr. K. M. Kumar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Godbole W/o Sh. A. R. Godbole, 7 Birbal Road, Jangpura Extension New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULF

Property being portion of plot No. 56-D-1. NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 512 dated 15-4-82 with S.R. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robrak

Date: 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th December 1982

Ref. No. PNP/1/82-83.—Whereas, I R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/4th share of house No. 717, Model Town, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri Hans Raj Malik S/o Shadi Ram, House No. 717, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Lal, Arjan Dev Ss/o Shri Inder Bhan, House No. 406 Ward No. 3, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 1/4th share of house No. 717 Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 98 dated 8-4-1982 with the S.R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-12-82

#### FORM ITNS ----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th December 1982

Ref. No. DBW/1/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1603 Ward No. 9,

situated at Dabwali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dabwali in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269°D of the sald Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

47--426 GI/82

- (1) Shri Ramji Dass Gupta S/o Sh. Budh Ram, Manager, Punjab National Bank, Rohtak. (Transferor)
- (2) Shri Parkash Chander S/o Shri Lal Chand, Manager, Agricultural Banking Division, State Bank of India, Mandi Dabwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being House No. 1603 ward No. 9, Mandi Dabwali and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4 dated 1-4-1982 with the S.R. Dabwali.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Rohtak

Date: 17-12-1982

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 17th December 1982

Rcf. No. BWN/2/82-83—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 11 kanals 8 marla situated at Palwas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhiwani in April 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Shri Yoginder Kumar S/o Sh Krishan S/o Shri Kundan Lal r/o Bhiwani.
  - (Transferor)
- (2) Smt. Parwati W/o Sh. Laxmi Narain S/o Shri Duli Chand, Suresh Kumar Anchal S/o Laxmi Narain, Mahesh Kumar S/o Anchal S/o Laxmi Narain, r/o Near Kirori Mal Dharamshala, Bhiwani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 11 kanals 8 marla at Palwas and as more mentioned in the sale deed No. 118 registered in the month of April, 1982.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-12-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri B. S. Mathur s/o Sh. Banwari Lal throw Shri Aminder Lal S/o Sh. Sham Behari Lal, New Delhi.

(2) Shri Pawan Kumar S/o Sh. Munsi Lal 183 Sector 7, Faridabad.

(Tra

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F., COLONY,

Rohtak, the 13th December 1982

Ref. No. BGR/14/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 331, situated at Sector 15, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within 45 days from the date of publication of in in the Official Gazette or a period of 30 d the service of notice on the respective per whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date o the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 931 sector 15, Faridabad and a more mentioned in the sale deed registered at No. 675 date 16-4-82 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range, Roht

Date: 13-12-1982

(1) Shri Brij Lal S/o Sh. Ram Lal S/o Luna Ram, r/o Sirsa.

(Transferor

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S/Sh. Nathu Ram S/o Sh. Kishna Ram s/o Prema, H. No. 4304, 4304/1, 4304/2, Sabzi Mandi, Sirsa.

## GOVERNMENT OF INDIA

## GOVERNMENT OF HIDER

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY,

Rohtak, the 17th December 1982

Ref. No. SRS/10/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 4304/1 & 2, situated at Sirsa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being shop at Sirsa and as more mentioned at Sr. No. 124 dated 12-4-1982 with the S.R. Sirsa.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 17-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK. D.L.F. COLONY,

Rohtak, the 13th December 1982

Ref. No. JDR/2/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shed situated at Gandhi Marg, Jagadhari

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Darshan Lal S/O Shugan Chand Smt, Kamla Devi w/o Darshan Lal r/o H. No. 542-R, Model Town, Yamunanagar.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar s/o Shanti Sarup r/o Civil Line, Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being Shed situated on Gandhi Marg, Iagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 194 dated 12-4-1982 with the Sub Registrar, Jagadhari.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-12-1982

(1) Shri Amir Chand 6/0 Shri Godha Ram r/o 635 Model Town, Panipat.

Panipat.

(2) Shri Pardeep Kumar, Avnesh Kumar Jain, and Vijay Kumar Jain sons of Sh. Pawan Ku Jain, House No. 1133-35, Ward No. 7,

(Tran#e

(Transfe

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK. D.L.F. COLONY,

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. PNP/6/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 1114 Ward No. 7, situated at Panipat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said pro may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a pe of 45 days from the date of publication of notice in the Official Gazette or a period o days from the service of notice on the respe persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said im able property within 45 days from the date o publication of this notice in this Official Ga.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the sai shall have the same meaning as give that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop No. 1114 Ward No. 7, Pani as more mentioned in the sale deed registered at dated 7-4-1982 with the S.R. Panipat.

R. K. BHA Competent Au Inspecting Assistant Commissioner of Inc Acquisition Range.

Date: 18-12-1982

#### FORM I.T.N.S.-

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## FICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK. D.I..F. COLONY,

Rohtak, the 18th December 1982

ef. No. KNL/2/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA ag the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred the 'said Act'), have reason to believe that the immov-property, having a fair market value exceeding 25,000/- and bearing No.

d measuring 15 Kanals 18 marla situated at Gharaunda d more fully described in the schedule annexed hereto) been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 3) in the office of the Registering Officer at nal in April, 82

an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have on to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to ween the parties has not been truly stated in the said rument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sesial property by the issue of this notice under subion (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

(1) S/Sh. Sadhu Ram, Puran Singh ss/o Shri Bushan 1/o Gharaunda

(Transferor)

(2) M/S S. K. Industries, Gharaunda.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land measuring 15 kanals 18 marla at Gharaunda and as more mentioned in the sale deed register-publication of this notice in the Official Gazette.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. RPR/1/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 324 kanals 15 marla situated at Raipur Rani (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipurrani in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Meer Mohmad Kajam Ali Khan 8/0 Meer Mohmad Akbar Ali Khan Gari Kotaha Teh. Raipur Rani, Distt: Ambala,

 Shri Anil Mohira w/o Dr. Jagdish Chander Mahira r/o Chandigarh. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 324 kanals 15 marla situated at Raipur Rani and as more mentioned in the sale deed registered at No. 31 dated 26-4-82 with the S.R. Raipurrani.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

## FORM ITNS \_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY. ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. RTK/6/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 57 situated at Seri Morket Boktak

Shop No. 57 situated at Sori Market, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rohtak in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arouse aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Parkash s/o Budha Ram s/o Shri Ram Chander 1/o H. No. 450 Ward No. 18, Rama Colony, Rohtak.

(Transferor)
(2) Shri Madan Lal s/o Sh. Lachhman Dass Taneja
s/o Shri Harsh Kumar Turneja
s/o Gurmesh Kumar
Smt. Raj Kumari w/o Sh. Prem Nath
r/o Jhajjar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop No. 57 sori Market, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 423 dated 23-4-82 with the S.R. Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

Seal:

49-426 GT/82

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 13th December 1982

Ref. No. KNL/1/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. XXI-119, Sarafa Bazar, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- Shri Narjit Singh s/o Sh. Pritam Singh, s/o Mohan Singh r/o A-415, Sadar Bazar, Karnal.
- (2) 1. Sh. Om Parkash s/o Kehr Chand, 2. S/Sh. Parveen Kumar, Shiv Ranjan

s/o Sh. Om Parkash Aggarwal, r/o H. No. 228, Ibrahim Mohalla, Karnal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop No. XII-119 Poora Saraf Bazar, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 492 dated 30-4-1982 with the S.R. Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

## ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 14th December 1982

Ref. No. HSR/13/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land area 2000 sq. yards situated at Ambala link Road, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Balwant Rai Tayal adopted S/o Sh. Bhagwan Dass S/o Harnam Singh r/o Hissar.
- (2) 1. Shri Ganesh Dutt Agnihotri s/o Sh. Som Nath 2. Smt. Usha Agnihotri w/o Dr. Ganesh Dutt Agnihotri
  - 3. Dr. Som Nath Agnihotri S/o Sh. Ramji Dass, 4. Smt. Parvati Devi Agnihotri w/o Som Nath
  - Agnihotri

    5. Shri Anil Tayal s/o Balraj Tayal, all rs/o Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2000 sq. yard situated at Ambala Link Road, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 298 dated 19-4-1982 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: .14-12-1982

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 14th December 1982

Ref. No. BGR/1/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 13 kanals 5 marla situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/S. Jagiit Singh & Co., New Delhi,

(2) M/S. Narain Interprises Pvt. Ltd., 14/3 Mathura Road, Faridabad. (Transferer)
(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 kanals 5 marla at Haridabad and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 15 dated 1-4-1982 with the SR. Ballabgarh.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE, DLF COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 13th December 1982

Ref No HSR/10/82 83—Whereas I, R K BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing No

Land 2 kanal 3 mails situated at Vijay Nagar, Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissai in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (t. facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hazari Lal (alias Hazuri Lal) son of Shri Dayal Dass r/o Quarter No 15, 8 Marla Colony, Patel Nagar, Hissar

Transferor

(2) Sh Bakhsha Ram s/o Nihal Chand
Nai Sabzi Mandi, Hissar 66/200 share
I ekhu Ram s/o Kishna Ram & Thakar Dass
s/o Tikkan Dass, Hissar 13/200 share
Smt Sita Devi wd/o Gordhan Dass
r/o B XXI-108, Hissar 27/200 share
Sh Subhash Chander s/o Jaswant Rai 27/200
Ravinder Kumar s/o Parmatma Ditta Ram 27/200
Vijay Kumar s/o Ludha Ram, Railway Station
Road, Bikaner

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 kanal 3 marla plot No 26 Sabzi Mandi Vijay Nagar, Hissar and as more mentioned at Sr No 326 dated 19-4-82 with the SR Hissar

R K BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 13-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Karam Chand s/o Sh. Asha Ram Smt. Bhag Rani w/o Sh. Manohar Lal, New Mandi, Hissar.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani w/o Sh. Kamal Kishore, Shop No. 449/XV, Purani Anaj Mandi, Hissar. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. HSR/207/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop at Purani Mandi situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hissar in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop at Purani Anaj Mandi, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 60 dated 5-4-1982 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GÖVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. RTæ/2/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Shop situated at Jhajjar Road,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rohtak in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gobind Parshad s/o Sh. Basheshar of Beri Teh. Jhajjar.

(Transferor)

(2) Shri Satvir Kumar s/o Sh. Tara Chand Shop No. 194 ward No. 15, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being shop situated at Jhajjar Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 45 dated 5-4-1982 with the S.R. Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Robtak

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Parbha S/o Shri Bakshi, R/O Sewaha.

(2) Shri Lakhmi Chand s/o Sh. Jagdish Lal, H. No. 153 Ward No. 2, Panipat.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. PNP/33/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. Land 13 kanals 19 marla situated at Sewaha (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

Panipat in April, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

1908) in the office of the Registering Officer at

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 13 kanals 19 marla at Sewaha and as more mentioned in the sale deed registered at No. 685 dated 29-4-1982 with the S.R. Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Parbha s/o Bakshi, 1/o Village & P.O. Sewaha.

(Transferor)

(2) Smt. Suraj Bala w/o Lakhmi Chand, r/o H.No. 153 Ward No. 2, Panipat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Rcf. No. PNP/34/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 7 kanals 5 marla situated at Sewaha,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--49—426 G1/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 kanals 5 marla at Sewaha and as more mentioned in the sale deed registered at No. 686 dated 29-4-1982 with the S.R. Panipat.

R K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Sarti w/o Ram Pat, r/o Village & P.O. Chauma.

(Transferor)

(2) M.s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan. 16 Kasturba Gandhi Maig, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, D.I.F. COLONY, ROHTAK

Robink, the 18th December 1982

Ref. No. GRG/10/82-83.-Whereas I, R. K. BHAYANA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land 6 kanals 11 marla

situated at Chauma,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said impaovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 6 kanals 11 marla at Chauma and as more mentioned in the sale deed registered at No. 198 dated 20-4-1982 with the S.R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. GRG/9/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 share of 35 kanals, situated at Chauma

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unarafer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kundan Lal 5/0 Shri Nathu, r/o Karterpuri (Gurgaon).

(Transferor)

 (2) M/s. Green Park Biulders & Promoters (P) Ltd.
 115 Ansal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 1/2 share of 17 kanals 10 marlaat chauma and as more mentioned in the sale deed registered at No. 123 dated 15-4-1982 with the S.R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Sohan Lal \$/o Kanwar Singh, Daulatpur Nasirabad, Teh. Gurgaon.

New Delhi.

 M/s. Green Park Builders & Promotorers (P) Ltd. Ansal Bhavan-16, Kasturba Gandhi Marg,

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. GRG/8/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/an bearing No.

Land 35 kanals 13 (1/3rd share)

situated at Chauma

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land 35 kanals 13 marlas at Chauma and as more mentioned in the sale deed registered at No 122 dated 15-4-1982 with the S.R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robital

Date: 18-12-1982

## FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, D.I.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Rcf. No. GRG/12/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land 6 kanals 14 maila, situated at Chauma

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in April, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore ail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandgi Ram a/o Maman, r/o Village Chauma.

(Transferor)

(2) M<sub>i</sub>/s. Suraj Construction & Estates (P) Itd. 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property being land 6 kanals 14 marla at Chauma and as more mentioned in the sale deed registered at No. 197 dated 20-4-1982 with the S.R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

WE THE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. GRG/11/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/9th share in 4 kanals 12 marla

situated at Chauma

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Om Parkash s/o Shri Ram Kishan, r/o Village Chauma.
- (2) M/s. Suraj Construction & Estates (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being 1/9th share of land measuring 4 kanals 12 marla and as more mentioned in the sale deed registered at No. 134 dated 16-4-1982 with S.R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri Sham Sunder S/o Sh. Ram Parshad S/o Sh. Bodh Raj, Uklana Mandi,

(2) Shri Babu Lal Vinod Kumar Virender Kumar Ss/o Shri Jagdish Ram r o Uklana Mandi (Hissar)

(Transferer)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. UKL/1/82-83.—Whereas I, R. K. Bhayana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 294 Situated at Uklana Mandi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uklana in April, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop No. 295 Uklana Mandi, and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1 dated 26-4-1982 with the S. R. Uklana.

R. K. BHAYANA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-12-1982

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_\_

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. UKL/2/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

shop situated at Uklana Mandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Uklana in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Sita Ram S/o Rameshwar Dass, S/o Gobind Ram Uklana Mandi.
- (2) S/Sh. Jagdish Rai. Hari Kishan, Satya Pal, Balwanti Rai Sa/o Shri Banwari Lal, S/Sh. Om Parkash, Satya Narain, Subhash Chander, Bhim Sain Ss/o Shri B Lal S/o Sh. Nathu Ram, Uklana Mandi.

( Fransferor)

Shri Banwari (Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being shop situated at Uklana Mandi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 186 dated 12-4-82 with the S. R. Uklana.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-12-1982

## (1) Shri Amer Nath S/o Banarsi r/o Gharaunda Tch. Karnal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Shri Padam Sain S/o Shri Jati Ram r/o Gharaunda Teh. Karnal.

(Transferer)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. KNL/10/82-83.—Whereas, I, z R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land at Gharuanda situated at Gharuanda

Land at Gharuanda situated at Gharuanda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in April 1982 for an apparent consideration

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land at Gharaunda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 104 dated 12-4-82 with the S. R. Karnal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-12-1982

Seal:

50-426 GI/82

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/Shri Sadhu Ram Puran Rai Ss/o Shri Kewal r/o Gharaunda.

(Transferor)

(2) M/s. Bindal Card Board Industries, Gharaunda.

(Transferer)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. KNL/3 82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

l and meanwing 16 kanals situated at Gharaunda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanals at Gharaunda and as more mentioned in the sale deed registered at No. 471 dated 29-4-1982 with the S. R. Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. AMB/12/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 11-A, situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ambala in April 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Smt. Vijay Sehgal W/o Sh. Som Nath Sehgal, Ambala Cantt.

(Transferor)

 (2) Smt. Kamlesh Gupta w/o Shri Mohinder Pal r/o Ambala Cantt. H. No. 11-A, Tribune Colony, Ambala Cantt.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being house No. 11-A, Tribune Colony, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at No. 361 dated 23-4-82 with the S. R. Ambala.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 18-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. GNR/1/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Plot with building situated at Panchi Gujran

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gannaur in April, 1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karamjit Singh s/o Shri Karnail Mahboob Singh, r/o Panchi Gujran.

(Transferor)

(2) Smt. Ishwar Devi w/o Shri Shankar Dass, r/o 13/263 Geet Colony, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot with building at Panchi Gujran and as more mentioned in the sale deed registered at No. 73 dated 20-4-1982 with the S.R. Gannaur.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Rate: 18-12-1982

# FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Baiant Kaur wd/o Col. Mahboob Singh r/o Panch Gujran.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Kukreja w/o Shri Rajinder Kumar, 13/263 Geeta Colony, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. GNR/2/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA

Gannaur in April, 1982

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot with building situated at Panchi Gujran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being plot with building at Panchi Gujran and as more mentioned in the sale deed registered at No. 78 dated 20-4-1982 with the S.R. Ganaur,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Rate: 18-12-1982

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. HSR/211/82-83.—Whereas, I. R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Satroad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at. Hissar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Bholu Ram Balwant Ss/o Shri Kalia, Shri Chander Mohan Lal Ude Ram S/o Shri Teja r/o Satroad Khurad.

(Transferor)

(2) M/s. Vinod Oil & General Mills, Delhi Road, Hissar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land at Satroad Khurad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 423 dated 27-4-82 with the S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Rate: 18-12-1982

Action to the second second

-----

#### FORM ITNS-

(1) Shri Rasalu S/o Shri Bhai Sukh, R/o Vill. Satroad (Hissar).

(Transferor)

(2) Smt. Kunti Jain W/o Shri Ajit Parshad Jain, R/o Hissar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 18th December 1982

Ref. No. HSR/298/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 1/4th share in 184 karals 8 marla situated at Satroad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hissar in April, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wasith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land 1/4th share in 184 kanals 8 marla situated at Satroad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 270 dated 16-4-1982 with S.R. Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 18-12-1982

#### FORM ITNS

- (1) Shri Shabbinath Laxman Pande
- (Transferor)
- (2) M/s. Malbros Hotel Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 21st December 1982

Ref. No. AR/111/2152/82-83.—Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 129 H. No. 2 (pt) C.T.S. No. 1439; S. No. 131 H. No. 6 (pt) C.T.S. No. 1439 S. No. 133 H. No. 1 C.T.S. No. 1443 all at Marol Village, Andheri, 11583 sq. meters

1443 all at Marol Village, Andheri, 11583 sq. meters (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 19-4-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule has mentioned in the Registered Deed No. S. 1456/81 and Registered with the Registrar of Bombay on 19-4-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-12-1982

### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### NOTICE

## SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1983

New Delhi, the 22nd January 1983

No. F.5/1/82-E-I(B).—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWAL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAII (GOA), PATNA, PORT BLAIR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 14th July 1983 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 22nd January, 1983.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure 1, para 11).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 28. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtained from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two only) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office, Cheques or currency notes will not be 51—426G1/82

accepted in licu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.

NOTE:—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY
MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE
PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES EXAMINATION, 1983. APPLICATIONS ON FORMS
OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR
THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES' EXAMINATION, 1983, WILL NOT BE
ENTERTAINED.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 21st March, 1983 (4th April, 1983 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim. Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands for Lakshadweep and for canddates residing abroad from a date prior to 21st March, 1983 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim. I adakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul and Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 21st March, 1983.

Note (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note (ii) —Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form

a fee of Rs. 36.00 (Rupees Thuty-six only) [Rs. 9.00 (Rupees Nine only) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1982 Examination, his candidature for the 1983 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1982 examination in the Employment News.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account head "0.51 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

10. The question papers in all the subjects, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure-II.

6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a hona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a hona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a hona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, or is a hona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, and is not in a position to pay the prescribed

R. S. AHLUWALIA, Dy. Secy. Union Public Service Commission

#### ANNEXURE---I

## INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

7. A refund of Rs. 21.00 (Rupees Twenty-one only) Rs. 5.00 (Runces five only) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesa'd Note, he will not be entitled to a refund of fee

BFFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CFNTRFS GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 8 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 10th June. 1983, will not be entertained under any circumstances

8 If any candidate who took the Special Class Railway Apprentices' Fxamination held in 1982 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application forms correctly.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises are, however required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their application shall be rejected candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:—
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee (See para 5 of Notice).
  - (ii) Attested/certified copy of certificate of Age.

- (iii) Attested 'certified cony of certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate; one copy pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See para 4 below).
- (vii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable. (See paras 5 and 6 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form), duly filled in.
- (1x) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

NOTE (i)-CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MEN-TIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFI-ED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DEC-LARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1983. THEY SHOULD KEEP THE ORIGI-NALS OF THE CERTIFICATES IN READI-NESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDI-DATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii)—CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/ certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6 :-

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :-

> Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only tion Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

'Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLE-TFD SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/ CERTIFIED COPY OF THE PAGE CON-TAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION
WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST
FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED
OR GRANTED

OR GRANTED.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Postal Office.

> NOTE 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINA'TION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION EXAMINATION.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly

In no case will Bank Drafts drawn on any oth . Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note: - Candidates should write their name and address on

the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age -

Crossed.

(lii) Certificate of Educational qualification-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Ccrtificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract

A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications preactibed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualifications. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other

evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate or any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry must be submitted.

A candidate whose case is covered by Rule 6(c) or Rule 6(f) must submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him.

2. He/she\* has passed the first year examination under the three year degree course/first year Examination of the five year Engineering Degree Course/first year Examination of the three year diploma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education\* and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

O۲

- 3. @He/she\* was examined in the following subjects:
  - 1.
  - 2. 3.
  - Λ

@Not applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrar/Principal)

(Name of the University/College/Institution\*)

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

A candidate covered by Note 1 below Rule 6 must submit an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Headmaster of the institution from where he passed the examination showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board.

Note.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates must, however submit an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to concellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 19th August, 1983.

A candidate thus admitted is required to submit the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of this examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate:

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*
is expected to appear/has appeared* at
(i)
(ii)
(iii)
(iv)
(Signature of Principal) (Name of the College/Institution*)
Date

Place.....

<sup>\*</sup>Strike out whichever is not applicable.

## (iv) Iwo copies of photographs.-

A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer as indicated below, of the district in which his parents' (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The Form of the certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India:

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950\*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Tetritories) Order, 1951\*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists Modification Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960 the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North-Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amandment) Act, 1976]

Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) Uttar Pradesh Order, 1967*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tilbes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tr.bes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970+
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*
2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*
Signature
**Designation
(with seal of office)
Place
Date

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes

State\*

Union Territory

\*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The terms "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- \*\*Officers competent to issue Caste/Tribe certificates:
- (1) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extua Assistant Commissioner.
  - †(Not below the rank of 1s Class Stipendiary Magistrate).

- (II) Chief Presidency Magistrate, Additional Chief Presidency Magistrate, Presidency Magistrate.
  - (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides,
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or 5 (b) (iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—
  - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
  - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
  - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta
- (ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Fmbassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st Iune, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Maxistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof

The form of the certificate to be produced by the candidate.—

Signature.....

Designation.....

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

- (v) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xii) or 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above
- even) Fx-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5(h) (xiv) or 5(h) (xv) should produce an attested/certified

as applicable to them, in the authorities concerned.	the	form

(A) Applicable for Released/Retired Personnel

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

(B) Applicable for serving personnel.

It is certified that No. — Rank — whose date of birth is from — is serving in the Army/Navy/Air Force

2. He is due for release/retirement w.e.f. \_\_\_\_\_\_\_ is likely to complete his assignment of five years by \_\_\_\_\_\_

3. No disciplinary case is pending against him.

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Date

SEAL

Authorities who are competent to issue certificates are as follows '---

(a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ SSCOs.

Army-Directorate of Personnel Services, Armv Hqrs, New Delhi.

Navy—Directorate of Personnel Services, Naval Hqrs. New Delhi.

- Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqrs. New Delhi,
- (b) In case of JCOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-Naval Records, Bombav.

Air Force -- Air Force Records, New Delhi.

- (viii) A displaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(b)(xvi) or 5(b)(xvii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
  - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
  - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
  - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
  - (4) Sub-Divisional Officer, within, the Sub-Division in his charge;
  - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii), (iii) and (viii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notce should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Offlier or a Gazetted Offlier of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.
- 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any in-

accuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not ipso facto make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the cuadidate does not, ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed a tithe earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examinations". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depois, K. S. Roy Road, Calentia-1. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

13. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR

HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGIS-TRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-TION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

## ANNEXURE-II

14. Change in address—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRFCTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

## ANNEXURE-II

# CANDIDATES INFORMATION MANUAL

## A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (herein referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

## B. NATURE OF THE TEST

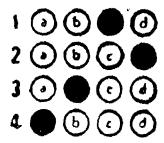
The question paper will be in the form of a TEST BOOI LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 3,..... etc. Under each item will be given suggested wers marked a, b, c, d. Your task will be to choose

correct or if you think there are more than one corect, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only on answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A sparate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



## IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you mu bring along with you an eraser also.
- Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

## D SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

# E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not alowed to open the Tesk Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

# F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, It is important for you to use your time as efficinetly as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming

careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

#### G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

## SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note-\*denote the correct/best answer-option)

## 1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because.

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.
- \*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

## 2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections,

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large \*(d) largest so far

# 3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- \*(a) spraying with growth regulators.
- (b) planting wider apart.
- (c) planting in the correct season(d) planting with close spacing.

#### 4. (Chemistry)

The anhydride of H<sub>3</sub>VO<sub>4</sub> is

- (a) VO<sub>3</sub>
- (b) VO<sub>4</sub>
- (c) V<sub>2</sub>O<sub>3</sub>
- \*(d) V<sub>2</sub>O<sub>5</sub>

## 5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- (a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product (d) wage is equal to marginal physical product

#### 6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- \*(c) C/3
- (d) C/9

## 7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligocia
- \*(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite.

## 8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

(a) 
$$y = ax + b$$

" (b) y == ax

(c)  $y = ac_x + bc_- x$ 

\*(d) y = aox-a

## 9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- •(b) (4--3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

#### 10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be (a) 42

- •(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

#### 11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- \*(b) It is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) It has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

## 12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- \*(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

# 13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following:

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimamsa,
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka.

- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga.
- \*(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimāmsā, Cārvāka.

#### 14. (Political Science)

'Functional representation' means:

- \*(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational or aniza-
- (d) indirect representation through Trade Unions.

#### 15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal.
- \*(b) reduction of the drive state.
- (c) Instrumental learning.
- (d) discrimination learning.

#### 16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- (a) formal representation of women and weaker sections in village government.
- (b) untouchability has decreased.
- (c) land-ownership has spread to deprived classes.
- (d) education has spread to the masses.

NOTE:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.